

नागपूर महानगरपालिकेची स्थगित विशेष सभा सोमवार दिनांक ३१/०५/२०२१ रोजी सकाळी १०.३० वाजता महानगरपालिकेच्या मुख्य कार्यालयातून मागील विचाराधिन तथा नवीन विषयावर विषयावर विचार करण्याकरिता महाराष्ट्र शासन नगर विकास विभाग यांचे पत्र क्र. कोरोना/२०२०/प्र.क्र.७६/नवि(१४) दि. ०३-०७-२०२० तसेच सचिवालय विभाग, मनपा कार्यालयाचे दि. ०३-०७-२०२० सूचना/परिपत्रक अन्वये Video Conferencing द्वारे आयोजित केलेल्या सभेचे कार्यवृत्त.

### उपस्थित सदस्य

| अनु. क्र. | प्रभाग क्र. | अ/ब | मा. सदस्यांचे नाव                        | पद       |
|-----------|-------------|-----|------------------------------------------|----------|
| १.        | १९          | ड   | दयाशंकर चंद्रशेखर तिवारी                 | महापौर   |
| २.        | २३          | ब   | मनिषा आशिष धावडे                         | उपमहापौर |
| ३.        | १           | अ   | महेन्द्रप्रसाद रमेश धनविजय               | सदस्य    |
| ४.        | १           | ब   | सुषमा संजय चौधरी                         | सदस्या   |
| ५.        | १           | क   | प्रमिला प्रितम मथरानी                    | सदस्या   |
| ६.        | १           | ड   | विरेन्द्र उर्फ विक्की धनश्यामदास कुकरेजा | सदस्य    |
| ७.        | २           | अ   | भावना संतोष लोणारे                       | सदस्या   |
| ८.        | २           | ब   | दिनेश बसंतलाल यादव                       | सदस्य    |
| ९.        | २           | क   | नेहा राकेश निकोसे                        | सदस्या   |
| १०.       | २           | ड   | मनोज दशरथ सांगोळे                        | सदस्य    |
| ११.       | ३           | अ   | परसराम काशीनाथ मानवटकर                   | सदस्य    |
| १२.       | ३           | ब   | गोपीचंद कृष्णराव कुमरे                   | सदस्य    |
| १३.       | ३           | क   | भाग्यश्री गणेश कानतोडे                   | सदस्या   |
| १४.       | ४           | अ   | निरंजना महेश पाटील                       | सदस्या   |
| १५.       | ४           | ब   | शेषराव शंकरराव गोतमारे                   | सदस्य    |
| १६.       | ४           | क   | मनिषा चक्रधर अतकरे                       | सदस्या   |
| १७.       | ४           | ड   | राजकुमार पुनाराम साहु                    | सदस्य    |
| १८.       | ५           | क   | अभिरुची अनिल राजगिरे                     | सदस्या   |
| १९.       | ६           | अ   | जितेन्द्र भास्कर घोडेस्वार               | सदस्य    |
| २०.       | ६           | ब   | वंदना राजू चांदेकर                       | सदस्या   |
| २१.       | ६           | ड   | मो. इब्राहिम ताँफीक अहमद                 | सदस्य    |
| २२.       | ७           | अ   | विरंका मुरलीधर भिवगडे                    | सदस्या   |
| २३.       | ७           | ब   | शेख मोहम्मद जमाल मोहम्मद इब्राहिम        | सदस्य    |
| २४.       | ७           | क   | मंगला योगीराज लांजेवार                   | सदस्या   |
| २५.       | ८           | अ   | आशा नेहरु उईके (आयेशा)                   | सदस्या   |
| २६.       | ८           | क   | जिशनमुमताज मो. इरफान अंसारी              | सदस्या   |

|     |    |   |                                 |        |
|-----|----|---|---------------------------------|--------|
| २७. | ८  | ड | भुट्टो जुल्फेकार अहमद           | सदस्य  |
| २८. | ९  | अ | स्नेहा विवेक निकोसे             | सदस्या |
| २९. | ९  | ब | संजय श्यामराव बुरेवार           | सदस्य  |
| ३०. | ९  | ड | नरेंद्र नत्थुजी वालदे           | सदस्य  |
| ३१. | १० | ड | गार्गी प्रशांत चोपरा            | सदस्या |
| ३२. | ११ | अ | संदीप चंद्रभान जाधव             | सदस्य  |
| ३३. | ११ | ब | संगिता दिपक गिन्हे              | सदस्या |
| ३४. | ११ | क | अर्चना विवेक पाठक               | सदस्या |
| ३५. | ११ | ड | भूषण कृष्णराव शिंगणे            | सदस्य  |
| ३६. | १२ | ब | माया चिंतामन इवनाते             | सदस्या |
| ३७. | १२ | क | हरीश मोहन ग्वालबंशी             | सदस्य  |
| ३८. | १२ | ड | विक्रम जगदीश ग्वालबंशी          | सदस्य  |
| ३९. | १३ | क | परिणिता परिणय फुके              | सदस्या |
| ४०. | १३ | ड | वर्षा जयंत ठाकरे                | सदस्या |
| ४१. | १४ | अ | शिल्पा इशांत धोटे               | सदस्या |
| ४२. | १४ | ब | प्रमोद ताराचंद कौरती            | सदस्य  |
| ४३. | १४ | ड | प्रगती अजय पाटील                | सदस्या |
| ४४. | १५ | अ | सुनिल दुलीचंद हिरणवार           | सदस्य  |
| ४५. | १५ | ब | उज्वला प्रकाश शर्मा             | सदस्या |
| ४६. | १५ | क | रुपा शेखर राय                   | सदस्या |
| ४७. | १५ | ड | संजय अनंत बंगाले                | सदस्य  |
| ४८. | १६ | ब | वनिता सुनिल दांडेकर             | सदस्या |
| ४९. | १७ | ब | लता सुनिल काडगाये               | सदस्या |
| ५०. | १७ | क | हर्षला मनोज उर्फ मोरेश्वर साबळे | सदस्या |
| ५१. | १८ | अ | प्रवीण प्रभाकर दटके             | सदस्य  |
| ५२. | १८ | ब | सुमेधा श्रीकांत देशपांडे        | सदस्या |
| ५३. | १९ | अ | संजयकुमार कृष्णराव बालपांडे     | सदस्य  |
| ५४. | १९ | ब | विद्या राजेश कन्हारे            | सदस्या |
| ५५. | १९ | क | सरला कमलेश नायक                 | सदस्या |
| ५६. | २० | ब | यशश्री देवराम नंदनवार           | सदस्या |
| ५७. | २० | क | रमेश गणपती पुणेकर               | सदस्य  |
| ५८. | २० | ड | दिपराज भैय्याजी पाडोकर          | सदस्य  |
| ५९. | २१ | ब | नितीन रामभाऊ साठवणे             | सदस्य  |
| ६०. | २२ | अ | राजेश श्रावणजी घोडपागे          | सदस्य  |
| ६१. | २२ | क | श्रद्धा विजय पाठक               | सदस्या |
| ६२. | २३ | अ | कांता राधेश्याम रावकर           | सदस्या |

|     |    |   |                              |        |
|-----|----|---|------------------------------|--------|
| ६३. | २३ | ड | दुनेश्वर सूर्यभान पेठे       | सदस्य  |
| ६४. | २४ | अ | अनिल शौकीलाल गेंडरे          | सदस्य  |
| ६५. | २४ | क | चेतना राजू टांक              | सदस्या |
| ६६. | २४ | ड | प्रदीप वसंतराव पोहाणे        | सदस्य  |
| ६७. | २५ | अ | जयश्री योगेश्वर रारोकर       | सदस्य  |
| ६८. | २५ | क | वैशाली देवचंद रोहणकर         | सदस्या |
| ६९. | २५ | ड | दिपक मोतीरामजी वाडीभस्मे     | सदस्य  |
| ७०. | २६ | अ | धर्मपाल नत्थुजी मेश्राम      | सदस्य  |
| ७१. | २६ | क | मनिषा सुनिल कोठे             | सदस्या |
| ७२. | २७ | अ | तानाजी सुकलाजी वनवे          | सदस्य  |
| ७३. | २७ | ब | दिव्या दिपक धुरडे            | सदस्या |
| ७४. | २८ | अ | किशोर रतनलाल कुमेरिया        | सदस्य  |
| ७५. | २८ | ब | मंगलाबाई प्रशांत गवरे        | सदस्या |
| ७६. | २८ | ड | विजय शंकरराव झलके            | सदस्य  |
| ७७. | २९ | अ | लिला अजय हाथीबेड             | सदस्य  |
| ७८. | २९ | ब | विद्या योगेश मडावी           | सदस्या |
| ७९. | २९ | क | भगवान भाऊराव मेंढे           | सदस्य  |
| ८०. | २९ | ड | स्वाती चंद्रकांत आखतकर       | सदस्या |
| ८१. | ३० | अ | नागेश गोविंदराव सहारे        | सदस्या |
| ८२. | ३० | ब | रिता अशोक मुळे               | सदस्या |
| ८३. | ३० | क | स्नेहल सतीश बिहारे           | सदस्या |
| ८४. | ३० | ड | संजय मधुकर महाकाळकर          | सदस्य  |
| ८५. | ३१ | ब | सतीश विठ्ठलराव होले          | सदस्य  |
| ८६. | ३१ | क | शीतल प्रशांत कामडे           | सदस्या |
| ८७. | ३१ | ड | रविंद्र प्रभाकर भोयर         | सदस्य  |
| ८८. | ३२ | अ | अभय प्रल्हाद गोटेकर          | सदस्य  |
| ८९. | ३२ | क | रुपाली प्रशांतसिंह ठाकूर     | सदस्या |
| ९०. | ३३ | अ | वंदना भानुदास भगत            | सदस्या |
| ९१. | ३३ | ब | भारती विकास बुंडे            | सदस्या |
| ९२. | ३३ | ड | मनोजकुमार धोंडुजी गावंडे     | सदस्य  |
| ९३. | ३४ | अ | नागेश महादेव मानकर           | सदस्य  |
| ९४. | ३४ | ब | राजेन्द्र विठ्ठलराव सोनकुसरे | सदस्य  |
| ९५. | ३४ | क | माधुरी प्रवीण ठाकरे          | सदस्या |
| ९६. | ३४ | ड | मंगला शशांक खेकरे            | सदस्या |
| ९७. | ३५ | अ | संदीप रमेश गवई               | सदस्य  |
| ९८. | ३५ | ब | जयश्री मोहन वाडीभस्मे        | सदस्या |

|      |       |   |                                     |        |
|------|-------|---|-------------------------------------|--------|
| ९९.  | ३५    | क | विशाखा प्रकाश मोहोड                 | सदस्या |
| १००. | ३५    | ड | अविनाश निलकंठ ठाकरे                 | सदस्य  |
| १०१. | ३६    | अ | मिनाक्षी नितीन तेलगोटे              | सदस्या |
| १०२. | ३६    | ब | पल्लवी अशोक श्यामकुळे               | सदस्या |
| १०३. | ३६    | क | लहुकुमार दत्तुजी बेहते              | सदस्य  |
| १०४. | ३६    | ड | प्रकाश सिताराम भोयर                 | सदस्य  |
| १०५. | ३७    | अ | प्रमोद हरिभाऊ तभाने                 | सदस्य  |
| १०६. | ३७    | ब | सोनाली शालीक कडू                    | सदस्या |
| १०७. | ३७    | क | नंदा शरद जिचकार                     | सदस्या |
| १०८. | ३७    | ड | दिलीप वामनराव दिवे                  | सदस्य  |
| १०९. | ३८    | अ | उज्ज्वला वसंतराव बनकर               | सदस्या |
| ११०. | ३८    | ब | प्रफुल्ल विनोदराव गुडधे             | सदस्य  |
| १११. | ना.स. |   | पोकुलवार गणेश उर्फ (मुन्ना) रामन्ना | सदस्य  |
| ११२. | ना.स. |   | जिचकार किशोर दामोदर                 | सदस्य  |

### अनुपस्थित सदस्य

| अनु. क्र. | प्रभाग क्र. | अ/ब | मा. सदस्यांचे नाव            | पद     |
|-----------|-------------|-----|------------------------------|--------|
| १.        | ३           | ड   | खान नसीम बानो मो. इब्राहिम   | सदस्या |
| २.        | ५           | अ   | रिक्त                        |        |
| ३.        | ५           | ब   | प्रवीण विलासराव भिसीकर       | सदस्य  |
| ४.        | ५           | ड   | संजय अरुणराव चावरे           | सदस्य  |
| ५.        | ६           | क   | वैशाली अविनाश नारनवरे        | सदस्या |
| ६.        | ७           | ड   | संदीप प्रल्हाद सहारे         | सदस्य  |
| ७.        | ८           | ब   | रिक्त                        |        |
| ८.        | ९           | क   | ममता महेश सहारे              | सदस्या |
| ९.        | १०          | अ   | साक्षी विपीन राऊत            | सदस्या |
| १०.       | १०          | ब   | रश्मि निलमनी धुर्वे          | सदस्या |
| ११.       | १०          | क   | नितिश गंगाप्रसादर ग्वालबंशी  | सदस्य  |
| १२.       | १२          | अ   | दर्शनी स्वानंद धवड           | सदस्या |
| १३.       | १३          | अ   | अमर हरीश बागडे               | सदस्य  |
| १४.       | १३          | ब   | रुतिका योगेश मसराम           | सदस्या |
| १५.       | १४          | क   | कमलेश दिलीप चौधरी            | सदस्य  |
| १६.       | १६          | अ   | लखन सुमेरा येरवार            | सदस्य  |
| १७.       | १६          | क   | तारा (लक्ष्मी) ओमप्रकाश यादव | सदस्या |
| १८.       | १६          | ड   | संदीप दिवाकर जोशी            | सदस्य  |

| अनु. क्र. | प्रभाग क्र. | अ/ब | मा. सदस्यांचे नाव             | पद     |
|-----------|-------------|-----|-------------------------------|--------|
| १९.       | १७          | अ   | विजय गोपालराव चुटेले          | सदस्य  |
| २०.       | १७          | ड   | प्रमोद छत्रपाल चिखले          | सदस्य  |
| २१.       | १८          | क   | नेहा नरेन्द्र वाघमारे         | सदस्या |
| २२.       | १८          | ड   | ऋषिकेश (बंटी) नारायण शेळके    | सदस्य  |
| २३.       | २०          | अ   | शंकुतला वामन पारवे            | सदस्या |
| २४.       | २१          | अ   | ज्योती श्रीधर भिसीकर          | सदस्या |
| २५.       | २१          | क   | आभा विजयकुमार पांडे           | सदस्या |
| २६.       | २१          | ड   | महेश केशवराव महाजन            | सदस्य  |
| २७.       | २२          | ब   | वंदना वसंतराव यंगटवार         | सदस्या |
| २८.       | २२          | ड   | मनोज केशवराव चापले            | सदस्य  |
| २९.       | २३          | क   | नरेंद्र (बाल्या) गोविंद बोरकर | सदस्य  |
| ३०.       | २४          | ब   | सरिता ईश्वर कावरे             | सदस्या |
| ३१.       | २५          | ब   | पुरुषोत्तम नागोराव हजारे      | सदस्य  |
| ३२.       | २६          | ब   | समिता राजेन्द्र चकोले         | सदस्या |
| ३३.       | २६          | ड   | जितेंद्र धनराज कुकडे          | सदस्या |
| ३४.       | २७          | क   | वंदना राजेश भुरे              | सदस्या |
| ३५.       | २७          | ड   | हरीश सिताराम दिकोंडवार        | सदस्य  |
| ३६.       | २८          | क   | रेखा राजू साकोरे              | सदस्या |
| ३७.       | ३१          | अ   | उषा टॉबी पॅलट                 | सदस्या |
| ३८.       | ३२          | ब   | कल्पना राम कुंभलकर            | सदस्या |
| ३९.       | ३२          | ड   | दिपक मारोतराव चौधरी           | सदस्य  |
| ४०.       | ३३          | क   | विशाखा शरद बान्ते             | सदस्या |
| ४१.       | ३८          | क   | प्रणिता चंद्रप्रकाश शहाणे     | सदस्या |
| ४२.       | ना.स.       |     | अग्रवाल सुनिल जिवराज          | सदस्य  |
| ४३.       | ना.स.       |     | वानखेडे किशोर रामकृष्ण        | सदस्य  |
| ४४.       | ना.स.       |     | गांधी निशांत गिरीश            | सदस्य  |

### उपस्थित अधिकारी

श्री.राधाकृष्णन बी. निगम आयुक्त

डॉ.रंजना लाडे निगम सचिव

मा. महापौर यांनी सभेची कार्यवाही सुरु केली.

**ठराव क्र. ८३/ विषय क्र. ५२ :-** नागपूर महानगरपालिकेचे सन २०२०-२०२१ चे सुधारीत व सन २०२१-२०२२ चे प्रस्तावित अंदाजपत्रकात “अ” व “क” स्थायी समिती ठराव क्र. ०९ दि. १७/०३/२०२१ प्रस्तावित अर्थसंकल्प परिवहन समिती “ब” स्थायी समिती ठराव

क्र. ३० दि. २१/०५/२०२१ अन्वये मा. सभापती, स्थायी समिती यांना दिलेल्या अधिकारानुसार सन २०२०-२०२१ चे सुधारीत व सन २०२१-२०२२ चे प्रस्तावित अर्थसंकल्पातील आयुक्त द्वारा प्रस्तावित अर्थसंकल्पातील आवश्यक बाबी लक्षात घेवून अर्थसंकल्पात योग्य अशा फेरफाराच्या व यामध्ये करावयाच्या वाढीसह आणि दुरुस्तीसह महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम ९६(४) तसेच परिवहन समितीद्वारा प्रस्तावित आवश्यक त्या अभिप्राय व शिफारसीसह महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम ९८(३) अन्वये म.न.पा. सभागृहाकडे प्रस्तावित “अ”, “क” आणि “ब” अर्थसंकल्पीय अंदाजाच्या अंतिम स्विकृतीचा प्रश्न सभागृहाने विचारात घेतला.

महापौर:- बजेट की स्थगित सभा की हम शुभारंभ करते है। मा. निगम सचिव से मै निवेदन करुंगा की सभी पक्षो को कितना समय बोलने को दिया गया है इसकी जानकारी सभी पक्ष नेताओं को, सभी नगरसेवको को हो जानी चाहिए इसलिये मा. निगम सचिव ने इसका वाचन करे ।

निगम सचिव (डॉ.रंजना लाडे):- मा.महापौरजी, मा.सदन. एकुण नियमाप्रमाणे बजेटवर चर्चा करण्यासाठी किती वेळ दिलेला आहे त्याचा चार्ट माझ्याकडे आहे. भारतीय जनता पक्ष ४ तास २७ मिनिटे, राष्ट्रीय काँग्रेस पक्ष १ तास १५ मिनिटे, बहुजन समाज पक्ष ३८ मिनिटे, शिवसेवा ८ मिनिटे, राष्ट्रवादी काँग्रेस पक्ष ४ मिनिटे, अपक्ष ४ मिनिटे

महापौर:- सर्व पक्ष नेताओसे, गट नेताओसे मेरा निवेदन है, उन्होंने अपने गट के मा.सदस्यों के नाम देने की कृपा करे, इससे क्रमशः उसका नाम लिया जा सके। मा. तानाजी वनवे आपण मला २८ नाव दिले आहे आपल्याला १ तास १५ मिनिट चर्चेसाठी दिलेले आहे. आपण विभाजन कसे करणार आहे ते आपल्या मा.सदस्यांना सांगून दयावे.

विजय(पिंटु) झलके :- मा.महापौरजी, आपले मनपूर्वक आभार व्यक्त करतो. अंदाजपत्रकावरील या चर्चेच्या भाषणाची सुरुवात करण्याची संधी मला दिली. दिनांक २८.०५.२०२१ रोजी मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री. प्रकाश भोयर यांनी सादर केलेले बजेटच्या समर्थनार्थ चर्चा करण्यासाठी आजच्या सभागृहात उपस्थित नागपूर नगरीचे प्रथम नागरिक मा.दयाशंकर तिवारी, उप महापौरजी, मा.निगम आयुक्त राधाकृष्णम बी., सत्तापक्ष नेते श्री. अविनाश ठाकरे, विरोधी पक्ष नेता तानाजी वनवे, सभागृहातील माझे सर्व सहकारी नगरसेवक, नगरसेविका, अधिकारी कर्मचारी आणि पत्रकार बंधू. एक ऐतिहासिक बजेट हे मा. स्थायी समिती अध्यक्ष यांनी सादर केलेले आहे. ऐतिहासिक हा शब्द उच्चारण्यामागे आपल्या सर्वांना माहीत आहे यापूर्वी स्थायी समिती अध्यक्ष म्हणून मागच्या वर्षी मी हा पदभार स्विकारला होता. कोव्हीडच्या या पॅन्डामीक स्थितीमध्ये ज्यावेळेला अर्थसंकल्प सादर केला त्यानंतर अर्थसंकल्पात किती लोकांना न्याय देवू शकलो आपल्या सर्वांना माहीत आहे. सर्व मा.सदस्य नगरसेवक, नगरसेविका आणि या शहरातील तमाम जनतेची मी क्षमा मागतो. माझ्या कार्यकाळात अनेक कामे या अर्थसंकल्पात केली नाही. विविध कामे करण्याचा प्रयत्न होता तो मी करू शकलो नाही

त्याकरिता सर्वप्रथम क्षमा मागतो. क्षमा मागत असतांना आनंद सुध्दा व्यक्त करतो. यावर्षी आमचे जेष्ठ बंधू मा. प्रकाश भोयर यांच्या नेतृत्वात ही सर्व कामे जी खोळंबली होती ती सर्व कामे पुन्हा एकदा या अर्थसंकल्पाच्या माध्यमातून या नागपूर शहरातील तमाम जनतेला न्याय मिळेल असा मी विश्वास व्यक्त करतो. या शहराचा विकास थांबलेला होता तो पुन्हा गतीमान होईल. मा.महापौरजी, मी मा.प्रकाश भोयर यांनी जे अत्यंत सुंदर असा अर्थसंकल्प सादर केला त्यांचे सर्वप्रथम मी अभिनंदन करेल. त्यांनी त्यांच्या अर्थसंकल्पात एक महत्वाचा निर्णय मालमत्ता कराच्या संदर्भात घेतलेला आहे. स्थायी समिती सभापतीने एक महत्वाचा निर्णय या नागपूर शहराच्या जनतेसाठी घेतलेला आहे. त्याकरिता मा.सभापती यांचे मी अभिनंदन करतो. ३० जून पर्यंत जो नागरिक मालमत्ता कराची रक्कम जमा करेल त्यात आपल्याला १० टक्के सुट मिळणार आहे. ३१ डिसेंबर पूर्वी रक्कम जमा करेल तर त्याला ५ टक्के सुट मिळणार आहे. पुन्हा आपण या पद्धतीने मी सभापती असतांना एक स्कीम आणली होती त्याचे हे पुढचे पाऊल आहे. त्यामुळे न्याय देण्याचे काम तमाम जनतेला मिळेल असे मला वाटते. घराच्या संदर्भात ज्या अडचणी होत्या त्या मालमत्ता कर आकारणीबाबत माहिती होण्या हेतू QR code मालमत्ता देयकांवर छापण्यात येणार आहे या गोष्टीच्या माध्यमातून नागरिकांना आपले कर भरण्याची संधी प्राप्त करून देण्यासाठी मा.सभापती यांनी अभिनव उपक्रम नागरिकांकरिता आणला आहे. मी मा.सभापती यांचे मनापासून अभिनंदन करतो. मा.महापौरजी, जलप्रदाय विभागाने ओटीएस योजना सुरु केली त्या ओटीएस योजनेचा जनतेला लाभ होईल असा माझा विश्वास आहे. स्थावर विभागाच्या माध्यमातून आधुनिक भाजी बाजार तयार करून भाजी बाजार, फुल बाजार, फळ बाजार अशा अनेक गोष्टी आहेत. त्यांच्या शेतमालाला डायरेक्ट या योजनेच्या माध्यमातून गोरगरीब शेतक-यांना न्याय देण्याचे काम मा.सभापतीच्या अंदाजपत्रकाच्या माध्यमातून झाले आहे. आपल्या महानगरपालिकेच्या विविध मालमत्ता आहेत. त्या विविध मालमत्तेचे डिजिटलाईजेन करणे, त्या सर्व प्रापटीचे लॅन्डलाईन तयार करणे. त्या लॅन्डलाईन तयार करण्यासाठी मा.सभापती यांनी जे धोरण अवलंबविले आहे त्या संदर्भात या बजेटमध्ये तरतूद केलेली आहे त्याबद्दल त्यांचे अभिनंदन करतो. जिजाऊ स्मृती शोध संस्थान मार्फत महिला सशक्तीकरण व सबलीकरणास्तव महिला उद्योजिका करिता मार्केटिंग हब व एक्झीबिशन सेंटर उभारण्याचा निर्णय घेतला त्याबद्दल मी या सभागृहाच्या वतीने अभिनंदन करतो. मा.महापौरजी, गेल्या दोन वर्षांपासून या सरकारच्या नाकर्तेपणामुळे या शहरात एलएडी लाईट लावण्याचे काम लांबत चालले आहे. याबाबतचा प्रश्न या शहरातील अनेक लोकांना भेडसावत आहे. अनेक भागात खांब लागून उभे आहेत परंतु लाईट न लागल्यामुळे नागरिकांचा मोठ्या प्रमाणात असंतोष आहे. मी मा.सभापती यांचे अभिनंदन करतो की त्यांनी या अर्थसंकल्पात त्यांनी एलएडी लाईटचा प्रश्न मार्गी लावून एलएडी लाईट लावण्याचे काम या माध्यमातून होणार आहे याकरिता मा.सभापती यांचे अभिनंदन करतो. मा.महापौरजी, या शहराकरिता अत्यंत महत्वाच्या योजना आपण आपल्या कार्यकाळात सुरु केल्या. मा.नितीनजी, मा.देवेंद्रजीच्या प्रयत्नाने, अथक परिश्रमातून या शहराला २७२ कोटी रुपये प्राप्त झाले. त्या निमित्ताने मी देखील तीन वर्ष

जलप्रदाय समितीचा सभापती होतो या योजनेला गती देण्याचे काम केले. २४ बाय ७ ही जी योजना आहे. या योजनेला गती देण्याचे काम केले. महाराष्ट्रात सर्वप्रथम डबल डेकर टाकीचा आपला जो संकल्प होता. मी जलप्रदाय समितीचा सभापती असतांना टाकीच्या माध्यमातून या शहराकरिता नवीन अभिनव उपक्रम राबविण्याचा प्रयत्न केला. या टाकीचे काम लवकराच सुरु होईल असा विश्वास आहे. मी मा.सभापती श्री.प्रकाश भोयर, जलप्रदाय समितीचे मा.सभापती संदीप गवई आणि मा.आमदार मते आपल्या सर्वांच्या नेतृत्वात लवकरात लवकर या टाकीचे भुमीपुजन होईल आणि ते काम लवकरात लवकर सुरु होईल अशी मला आशा आहे. त्या माध्यमातून या नागपूर शहराकरिता पाणीपुरवठ्याचा जो महत्वाचा प्रश्न होता तो प्रश्न सुद्धा लवकरात लवकर मार्गी लागणार आहे यात काही शंका नाही. मा.महापौरजी, आपण महापौर झाल्यानंतर अत्यंत महत्वाच्या योजना सर्व शहरातील सर्व गोरगरीब जनतेला न्याय मिळावा याकरिता वैद्यकीय सेवा मिळवून देण्याचा प्रयत्न केला. त्या प्रयत्नासाठी मी आपले अभिनंदन करू इच्छितो. मा.महापौरजी, आपण जे स्वप्न बघितले ते साकारलेले दिसत आहे. वंदेमातरम नागरी आरोग्य सुविधा केंद्र अंतर्गत ७५ आरोग्य केंद्र उभारणार आहे. या देशाकरिता आपले सर्वस्व अर्पण केले त्या हुतात्म्यांचे नाव हे जे आरोग्य केंद्र उभारणार आहे त्यांना देणार आहे हे महत्वाचे पाऊल आहे असे मी समजतो. हे वंदेमातरम नागरी आरोग्य सुविधा केंद्र या नागपूर शहरातील नागरिकांकरिता एक माईल स्टोन होईल. या शहरातील गोरगरीब जनतेकरिता सर्व वैद्यकीय सेवा त्यांच्या त्या त्या भागात, त्यांच्या प्रभागात नागरिकांना सोयीचे होईल त्यांना जवळ होईल त्यांना लांब मेडीकल, मेयो मध्ये जाण्याची आणि जास्त पैसा खर्च करण्याची गरज पडणार नाही. अशी ही अभिनव उपक्रम आपल्या नेतृत्वात मा.सभापती यांनी अर्थसंकल्पात नमुद केली आहे त्याबद्दल आपले सर्वांचे मनपूर्वक आभार व्यक्त करतो. मा.महापौरजी, मी स्थायी समिती अध्यक्ष असतांना मागच्या वर्षी कोव्हीडचे संकट होते. या कोव्हीडच्या संकटात तत्कालीन महापौर श्री. संदीपजी जोशी आम्ही दोघांनी मिळून नागरिकांना सुविधा व्हावी त्यांना सुखसुविधा आरोग्याच्या दृष्टीने उत्तम व्हावी याकरिता पाच हॉस्पिटलकरिता निधी दिला होता. मला आनंद होत आहे की जी गोष्ट माझ्या हाताने झाली नाही ती गोष्ट माझे जेष्ठ बंधू श्री.प्रकाश भोयर यांच्या नेतृत्वात ते संपुर्ण काम पुर्ण करण्याच्या दृष्टीने आपण वाटचाल करीत आहे. मा.महापौरजी, मला अभिमान आहे, आपले ५ हॉस्पिटल सुरु झाले आहे. त्याचा माईलस्टोन मा.महापौरजी आपल्या नेतृत्वात या कोव्हीडच्या स्थितीमध्ये हॉस्पिटलच्या माध्यमातून सर्व नागरिकांना कोव्हीडच्या संकटात सेवा उपलब्ध करून देवू शकलो. आपण महापौर म्हणून आपल्या कार्यकाळात केले हे एक महत्वाचे पाऊल आहे. याकरिता आपण अभिनंदनास पात्र आहात. आपली दुरदृष्टी फार आहे. या दुरदृष्टीमुळे आपण अनेक योजना या नागपूर शहराकरिता आणल्या. आणि त्याची एक झलक या बजेटमध्ये दिसली आहे. मा.महापौरजी, या सभापतींनी आपल्या बजेटमध्ये महापौर दृष्टी सुधार योजना आणली आहे. ज्या लोकांना सामाजिक जीवन जगत असतांना डोळ्यामध्ये तिरळेपणाची व्याधी असते. त्यांना समाजात वेगळ्या दृष्टीने पाहिजे जाते. अशा तिरळे दिसणा- या लोकांसाठी सामाजिक बांधिलकीच्या नात्याने महापौर दृष्टी सुधार योजना सुरु केली त्या बद्दल



आपले अभिनंदन. मोतियाबिंदूचे ऑपरेशन मोफत करण्याच्या दृष्टीने आपण जे पाऊल उचलले ते अत्यंत महत्वाचे पाऊल आहे. मा.महापौरजी, माता दुग्ध अधिकोष असो किंवा महापौर जीवनावश्यक औषधी अधिकोष, महापौर वैद्यकीय साधनसामुगी अधिकोष असो या सर्व योजना मा.महापौरजी आणि मा.स्थायी समिती सभापती आपण दोघांनी मिळून तयार केल्या आणि मा.सभापती यांनी यांनी अर्थसंकल्प तयार करतांना विशेष तरतूद केली त्याबद्दल सुध्दा मा.सभापती आणि मा. महापौरजी आपले अभिनंदन करतो. मा.महापौरजी आपण इतक्यावर थांबले नाही तर मा.सभापती यांनी दिव्यांग बांधवांकरिता महत्वपूर्ण योजना आणली. जे दिव्यांग बांधव आहेत त्यांनी मी सभापती असतांना अनेक निवेदने दिली, त्या दिव्यांग बांधवाकरिता काही निधी देण्याकरिता काही अंशी आम्ही सफल झालो परंतु आपल्या प्रशासनाच्या अडलेपणाच्या धोरणामुळे काही गोष्टी करू शकलो नाही. मा.महापौरजी मी मा.सभापती यांचे अभिनंदन करेल की त्यांनी दिव्यांग बांधवांकरिता अनेक योजना आणल्या. विविध योजनेच्या माध्यमातून दिव्यांग बांधवांना न्याय देण्याचे काम मा.सभापती यांनी केले आहे. दुसरे, आनंदकुमार यांच्या 'सुपर ३०' धर्तीवर 'सुपर ७५' ही कल्पना आपण येथे आणलेली आहे. ही अभुतपूर्व योजना आपल्या माध्यमातून पूर्ण होईल. महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण व्यवस्थापन आपल्या शहरात मोठ्या प्रमाणात वृद्ध जेष्ठ नागरिक आहेत. त्यांना न्याय देण्याच्या दृष्टीने मा.सदस्या श्रीमती प्रगती पाटील यांचे मी विशेष अभिनंदन करेल. मी सभापती असतांना त्यांनी माझ्याशी या विषयावर चर्चा केली होती आणि पत्र सुध्दा दिले होते. माझा कार्यकाळ कसा होता आपल्याला सगळ्यांना माहीत आहे मी काही करू शकलो नाही. परंतु माझे जेष्ठ बंधू श्री. प्रकाशजी भोयर यांच्या नेतृत्वात त्यांच्या अर्थसंकल्पात या वर्षी प्रत्येक नगरसेवक २ लक्ष रुपये जेष्ठ नागरिकांसाठी त्यांना विविध सोयीसुविधा देण्याच्या दृष्टीने या राशीची तरतूद केलेली आहे. त्याकरिता मी मा.सभापती यांचे मनपूर्वक अभिनंदन करेल. मा.महापौरजी, या अर्थसंकल्पात अनेक योजना ज्या यापूर्वी माझ्या कार्यकाळात ज्या होत्या त्या सुध्दा मा.सभापती यांनी जशाच्यातश्या ठेवल्या. मला विश्वास आहे, काही गोष्टी मी राबवू शकलो नाही त्या मा.प्रकाशजी भोयर यांच्या नेतृत्वात या अर्थसंकल्पात त्या सर्व गोष्टी होतील. एक महत्वाची गोष्ट या अर्थसंकल्पाच्या अनुषंगाने आलेली आहे. ती म्हणजे हे अर्थसंकल्प विशेष आहे, हे अर्थसंकल्प या आर्थिक वर्षातील नगरसेवक म्हणून जो कार्यकाळ आहे या कार्यकाळातील हे शेवटच्या वर्षाचे अर्थसंकल्प आहे. शेवटचे हे वर्ष आहे आणि या वर्षातील हे अर्थसंकल्प आहे. या नंतर सर्वांना निवडणुकीला सामोरे जावे लागणार आहे. मा.महापौरजी, महत्वपूर्ण योजना आहेत, मी आणि सर्व नगरसेवक ऑनलाईन हे अर्थसंकल्प बघत आहे आणि ऐकत आहे. सर्व नगरसेवकांच्या अर्थसंकल्पावर नजरा लागलेल्या आहे कारण सर्वांना या नंतर निवडणुकीच्या रिंगणात उभे राहायचे आहे. मा.महापौरजी, मी सभापती असतांना मागच्या वर्षी ५ हेड ओपन होते. त्या तरतूदी अंतर्गत जी कारणे सांगितली गेली की पैसे नाही, पैसे नाही. मलाही असे वाटले पैसे नाहीत परंतु मी त्या संदर्भात जेव्हा पूर्ण अभ्यास केला. अनेक वक्तव्ये, अनेक रुलिंग मी स्थायी समितीच्या बैठकीत दिले. मा.महापौरजी, मी एक गोष्ट सांगू इच्छितो, काल एका महापुरुषाशी माझी भेट झाली.

आपणही त्या महापुरुषाला जाणता, त्यांनी एक माहिती मांडली. सर्व मा. सदस्यांचे लक्ष या गोष्टीकडे वेधू इच्छितो. त्या महापुरुषाने एक माहिती दिली. इंदोर शहरात एक गरीब भिकारी दररोज भीक मागायचा. तो दररोज भिक्षा मागून जे पैसे मिळायचे ते पैसे जमा करून आपला उदार निर्वाह करीत असे. त्याचे ते नित्याचे काम होते. तो सदैव आपली भिक्षा मागून दररोज आणलेले पैसे जमा करायचा आणि रोजची जी आपली रोजीरोटी आहे तो ती पूर्ण करायचा. कालांतराने त्याचा मृत्यू झाला, ज्यावेळेस त्याचा मृत्यू झाला आणि पोलीसाने त्याच्या घराची तपासणी केली. मा.महापौरजी, आपल्याला आश्चर्य वाटेल त्याच्या घरातून जो भिकारी आपल्या उदार निर्वाहाकरिता भिक्षा मागायचा त्याच्या घरून एक लक्ष नाही तर जवळपास साडे १७ लक्ष रुपये पोलीस प्रशासनाला प्राप्त झाले ही स्थिती मी सांगितली. तीच स्थिती नागपूर महानगरपालिकेची आहे. नागपूर महानगरपालिकेला प्रशासन गरीब सांगतात, आमच्याकडे पैसे नाहीत, पैसे नाहीत म्हणून सांगतात त्या महानगरपालिकेच्या तिजोरीत पैसे आहेत ती गरीब नाही. मा.सभापती यांच्या अर्थसंकल्पातील सुरुवातीची शिल्लक आहे ३२० कोटीची ओपनिंग बॅलेन्स आहे की काही छोटी रक्कम नाही. मा.सभापती यांना ३२० कोटी मिळत आहे आणि प्रशासन सांगते आमच्याकडे पैसे नाहीत. एकीकडे बँकेकडे पैसे ठेवायचे आणि दुसरीकडे नगरसेवकांच्या भागातील ज्या मुलभूत सुविधा पुरविण्याची जबाबदारी कायदयानुसार महानगरपालिकेची आहे. ती सोयीसुविधा पुरविण्याची जबाबदारी महानगरपालिका करीत नाही याच्यावर सुध्दा खेद व्यक्त करण्याची गरज आहे. बँकेत पैसे ठेवायचे आणि नगरसेवकांचे कामाचे आलेले प्रस्ताव सरसकट टोपलीत धुडकावयाचे असा प्रकारचे अडेलटप्पू धोरण या प्रशासनाच्या माध्यमातून होत आहे याचा सुध्दा खेद आहे. तुम्हांला माहीत आहे जो मागच्या वर्षी कठीण काळ बघितला तो बघायला मिळणार नाही. या वर्षी जो अर्थसंकल्प मा.सभापती यांनी सादर केला तेव्हा मला वाटते की या वर्षी मा.सभापती यांनी सादर केलेला अर्थसंकल्प तो मी सादर केलेल्या अर्थसंकल्पापेक्षा काही कोटीने जास्त राहील. परंतु मी मा.सभापती यांचे अभिनंदन करेल की त्यांनी कोणत्याही नवीन प्रकारच्या योजना आणल्या नाही आणि त्या समाविष्ट करण्याचा आग्रह केला नाही. या अर्थसंकल्पामध्ये मा.सभापती यांनी केवळ नी केवळ रियालीस्टीक जे आकडे होते ते आकडे, जे खरे आकडे आहेत ज्यापर्यंत आपण यशस्वी रित्या पोहचू शकतो. मा. सभापती यांनी अर्थसंकल्प सादर केला तो मा. आयुक्तांच्या अर्थसंकल्पापेक्षा कमी आहे. आयुक्तांना अर्थसंकल्पामध्ये १४ कोटीचा बॅलेन्स मिळाला तर मा.सभापती यांना ५४ कोटीचा बॅलेन्स मिळाला आहे. यावरून असे दिसून येते की प्रशासनाची काम करण्याच्या पद्धतीमध्ये कुठेना कुठे त्रुटी आहे. मा.महापौरजी, मी आपल्याला निवेदन करू इच्छितो की अर्थसंकल्पाच्या संदर्भात दरवर्षी स्थायी समिती अध्यक्ष या पदावर जो व्यक्ती आरुढ होतो. त्यानंतर तो आपला अर्थसंकल्प सादर करतो. त्याला अनेक अडचणीचा सामना करावा लागतो. आयुक्त महोदय आपला अर्थसंकल्प सादर करतो, आयुक्त महोदयांना सुध्दा अर्थसंकल्प सादर करीत असतांना अनेक अडचणीचा सामना करावा लागतो. अर्थसंकल्प तयार करण्याकरिता एक विशेष टीमचे नियोजन करावे, मा. आयुक्त आणि मा.महापौर यांनी सोबत बसून अर्थसंकल्पावर चर्चा करावी. त्यावेळी

या टीमने सोबत असावे. अशाप्रकारे एक स्पेसलाईज टीम तयार करुन या टीमच्या माध्यमातून वर्षभर अर्थसंकल्पाची तयारी, येणारे शासकीय अनुदान, महानगरपालिकेचे उत्पन्न या सर्व गोष्टीचे नियोजन करण्याचे काम केले पाहिजे अशी विनंती आहे. या अर्थसंकल्पामध्ये मा.सभापती यांनी अतिशय नियोजन पद्धतीने काम केले आहे. मा.महापौरजी, या अर्थसंकल्पामध्ये अनेक गोष्टी आहेत. त्या कॅरीफारवर्ड आहेत. मी मा.सभापती यांना विनंती करतो, या शहरातील जे सिमेंट रस्ते आहे. त्या रस्त्याचे अनेक कामे अर्धवट झाले आहे. याकरिता प्रायरीटीने या अर्थसंकल्पामध्ये तरतूद मुक्त करुन उर्वरित सिमेंट रस्त्याचे काम तितक्याच तातडीने करणे गरजेचे आहे. तसेच सिवरलाईनच्या दृष्टीने मला आठवते, आपण नागपूर शहराला तीन भागामध्ये विभागले आहे. नार्थ, साऊथ आणि सेंट्रल अशा तीन भागामध्ये विभागले आहे. साऊथ आपण टेंडर अपलोड केले. एक बिडर आला परंतु एकही काम झाले नाही. हा महत्वाचा विषय या नागपूर शहराकरिता आहे. आपण नागरिकांची मुलभूत सुविधा पूर्ण करु शकत नाही ही चुकीची बाब आहे. धरमपेठ झोन करिता आम्ही आयुक्तांना वारंवार आग्रह करीत होतो ती बाब आता आयुक्त साहेब करीत आहे. ज्या गोष्टीकरिता नार्मली प्रशासनाला कळायला दोन दिवस लागणार होते त्या गोष्टीकरिता दोन वर्ष लागत असेल तर या गोष्टीकडे लक्ष दिले पाहिजे. यावरून प्रशासनाची जी काम करण्याची वृत्ती आहे त्यावर प्रश्नचिन्ह निर्माण होतो. कारण एकीकडे गडरलाईनचा प्रश्न आहे आणि दुसरीकडे नाले स्वच्छतेचा प्रश्न आहे आणि तिसरीकडे चेंबर रिपेअरिंगचा प्रश्न आहे. चौथीकडे उर्वरित सिमेंट रस्त्यांची कामे आहेत आणि पाचवीकडे शहरातील विविध रस्ते जे खराब झालेले आहेत त्याचे काम थांबलेले आहेत. हॉटमिक्सचा प्रश्न आहे, पर्यावरणाच्या दृष्टीने नागपूर शहरात झाडे लावण्याचा उपक्रम पूर्ण करण्याचा तोही विषय आहे. असे अनेक विषयाच्या अनुषंगाने प्रशासनाला लक्ष देण्याची गरज आहे. प्रशासनाने केवळ कोरोना, कोरोना करीत असतांना अधिका-याचे पगार वाढविण्याचे काम करीत आहे. नागरिकांना कोणत्याही सोयीसुविधा मिळणार नाही, त्यांच्या कामासाठी कोणत्याही प्रकारचा निधी मिळणार नाही आणि महानगरपालिकेने आपल्या अधिका-याचा पगार देण्याचे काम या निमित्ताने केले आहे हे या निमित्ताने सामोर येत आहे. एकीकडे महानगरपालिकेच्या अधिका-यांना पगार द्यायचा आणि महानगरपालिकेच्या उत्पन्नामध्ये कोणत्याही प्रकारची वाढ करण्याचा प्रयत्न करायचा नाही आणि दुसरीकडे नगरसेवकांनी प्रशासनाच्या समोर जे प्रस्ताव ठेवले त्या प्रस्तावांना मंजूरी प्रदान करायची नाही. १३० कोटी शासनाकडून आलेला अंशदान ३१ मार्च अगोदर खर्च करावयाचा होता तो सुध्दा प्रश्न अनुत्तरीत आहे. राज्य सरकार ला हे जे पैसे परत केले जात असेल तर ही या शहरासाठी खेदाची बाब आहे. मी या निमित्ताने मा.सभापती यांचे अभिनंदन करेल की मा.सभापती यांनी सर्व गोष्टीचे नियोजन

करीत असतांना उत्तम असा अर्थसंकल्प सादर केला मी त्यांचे धन्यवाद करेल आणि आभार सुध्दा व्यक्त करेल. मा. महापौरजी, सिमेंट रस्त्याच्या संदर्भात, तात्या टोपे नगर प्रभाग क्र. ३७ मधील मा. सदस्या श्रीमती नंदाताई जिचकार यांच्या प्रभागातील रस्ता होता. मी स्थायी समिती अध्यक्ष असतांना त्या रस्त्याच्या संदर्भात त्यांनी मला सांगितले होते. तो रस्ता सुध्दा या अर्थसंकल्पामध्ये नियोजन करून घेण्यात यावा. मी आजच्या या अर्थसंकल्पाच्या अनुषंगाने मा. सभापती महोदयांचे पुनश्च एकदा अभिनंदन करतो की त्यांनी अतिशय उत्तम असे अर्थसंकल्प त्याच्यात कोणत्या प्रकारची अतिशयोक्ती करणा-या योजना मांडल्या नाही. सर्व नागरिकांना मुलभूत सुविधा देण्याच्या दृष्टीने सुंदर असा अर्थसंकल्प सादर केला. मी मा. सभापती यांचे या अर्थसंकल्पाच्या अनुषंगाने खुप खुप अभिनंदन करतो. ज्या प्रशासनाने सुध्दा प्रशासन चांगले सुरळित चालले पाहिजे याकरिता सर्वांनी मिळून काम केले पाहिजे. प्रशासन आणि पदाधिकारी हे एकाच गाडीचे दोन चाक आहेत असे वारंवार सांगितले आहे. ही गाडी जर सुरळित चालली तर या शहराची पुन्हा विकासाच्या दृष्टीने दृढगतीने पुढील वाटचाल करू शकतो. म्हणून मी एकच गोष्ट सांगू इच्छितो, 'दुश्मनी दम पर करो, जब गुन्जाईश रहे की जब कभी हम दोस्त हो जाये शर्मिन्दा न हो, हम भी है दरिया, हमे अपना हुनर मालूम है जिसतरह हम चल पडेगे काफिला हो जायेगा'. मा. महापौरजी, आजच्या या अर्थसंकल्पाच्या निमित्ताने मी मा. महापौरजी आपले आणि मा. स्थायी समिती अध्यक्ष प्रकाशजी भोयर यांचे मनापासून अभिनंदन करतो आणि मला माहीत आहे मी विजयी होवू शकलो नाही परंतु प्रकाशजी भोयर आपण आपला प्रकाश पाडून विजयी व्हावे. मी या अर्थसंकल्पाचे समर्थन करतो, आपल्या सर्वांचे मनपूर्वक अभिनंदन करतो. मा. महापौरजी, मला बोलण्याची संधी दिली त्याबद्दल आपले आभार व्यक्त करतो. जयहिंद, जय श्रीराम.

श्री. किशोर जिचकार :- श्री. किशोर जिचकार:- मा. महापौरजी, आपण बोलण्याची संधी दिली त्याबद्दल आपले धन्यवाद. आजच्या या अर्थसंकल्पाच्या निमित्ताने दोन-तीन गोष्टी आपल्याला सुचित करावयाच्या आहेत. सन २००१ पासून आपल्या आयआरडीपीच्या योजना सुरू असतांना सर्व चेंबर आज दुरुस्तीच्या मार्गावर आहेत. जे चित्र शहराचे आहे, बाहेरचे लोक या नागपूर शहरात येतात त्यांना हे चित्र खुप खराब दिसते. या अर्थसंकल्पामध्ये त्याची तरतूद प्रामुख्याने करण्यात यावी. मा. महापौरजी, आयआरडीपी नाल्या आहेत, या नाल्या आजपर्यंत साफ झाल्या नाहीत. आपल्याला मी दाखवू शकतो, आपले जे ऑफीस आहे त्याच्या बाजूला १००-१५० फुटावर जे पोलीसचे ऑफीस आहे जो सिमेंट नाला होता तो डस्टने भरलेला आहे तो साफ झाला नाही. आपल्या अधिका-याला वारंवार सांगत आलो आहे परंतु पावसाळ्यात सगळे पाणी रस्त्यावर येते आणि लोकांच्या घरात सुध्दा पाणी शिरते. मी नगरसेवक झाल्यापासून मी महानगरपालिकेचे क्रीडा धोरण तयार करावे असे बोलत आलो आहे. आजच्या घडीला चार वर्ष झाले. आजपर्यंत क्रीडा धोरण महानगरपालिकेच्या सभागृहात आले नाही. मा. महापौरजी, हे शेवटचे वर्ष आहे, आता कधी होणार माहीत नाही. मा. महापौरजी, आपल्या क्रीडा धोरणामध्ये फुटबॉल, हॉकी असे सगळे गेम आहेत आपण सुध्दा बॉक्सिंग असोसिएशनचे अध्यक्ष आहात.

बॉक्सिंगच्या प्रतियोगिता आपण यामध्ये समाविष्ट करावे अशी माझी आपणांस विनंती आहे. आपण या शहरात काम करीत असतांना गेल्या वर्षी मागच्या वर्षीच्या बजेटमध्ये मार्च महिन्यामध्ये वर्कआर्डर दिले परंतु या सगळ्या गोष्टीमध्ये प्रशासनाने विलंब लावला. बरेच दिवसापासून झोनमध्ये आपल्याला चेंबरवर झाकणे टाकण्यासाठी मिळाले नाही. पावसाळ्यात विचित्र परिस्थिती निर्माण होते. सुरेंद्रगढ येथे लोकांनी वर्गणी करून त्या चेंबरवर झाकणे लावली. माझ्याकडे त्याचे फोटोग्राफ आहेत ते मी थोड्या वेळात तुमच्या कडे पाठवितो. मा.महापौरजी, आजच्या या कोव्हीडच्या काळामध्ये लोकांना जे काही टॅक्स येत आहे त्या टॅक्समध्ये १० टक्के सुट दिली आहे त्याबद्दल आपले धन्यवाद करतो. पाण्याच्या बीलामध्ये सुद्धा १० टक्के सुट देण्यात यावी आणि ही १० टक्के सुट चालू ठेवावी जोपर्यंत शहराची स्थिती पुर्ववत होत नाही. आज पुन्हा १५ दिवसाचा लॉकडाऊन वाढविण्यात आला आहे. बाहेरची स्थिती खुप बिघडणार आहे. १ तारखेपासून लॉकडाऊन उघडणार आणि कामधंदे सुरु होणार असे लोकांना वाटत होते परंतु अशी परिस्थिती निर्माण झाली नाही. आपल्या शहरामध्ये कोव्हीडचे पेशंट कमी असतील तरीपण १५ तारखेपर्यंत लोकांना घरी बसून राहावे लागणार आहे. लवकरात लवकर या शहराची परिस्थिती परत सुरळित व्हावी. नागरिकांचे जीवनमान सुरळित व्हावे अशी ईश्वरचरणी प्रार्थना करतो. मा.महापौरजी, आपण मला बोलण्याची संधी दिली त्याबद्दल आपले आभार व्यक्त करतो. धन्यवाद

श्री.राजेंद्र सोनकुसरे :- श्री.राजेंद्र सोनकुसरे:- मा.महापौरजी, सर्वप्रथम मी या बजेटमध्ये मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री. प्रकाशजी भोयर आणि मा. महापौरजी या शहराचे प्रथम नागरिक या दोघांचे पहिले अभिनंदन करतो तसेच आपल्या देशाचे पंतप्रधान श्री. नरेंद्र मोदी यांनी काल आपल्या सरकारमध्ये एक कोव्हीड-१९ मध्ये ज्यांचे मातापितांना, पालकांना कोव्हीड झालेला आहे आणि जे मृत पावले आहे अशा १८ वर्ष वय पुर्ण झालेले आणि २३ वर्षांचे असलेलेपाल्यांना शिक्षणाकरिता पीए फंडमधून १० लक्ष रुपयाची राशी मिळणार आहे. त्यांचे शिक्षणाकरिता भारताचे पंतप्रधान श्री. नरेंद्र मोदी आणि त्यांच्या सरकारचे अभिनंदन करतो. मा.महापौरजी, प्रश्न असा आहे बजेट तयार करीत असतांना सन २०२१-२०२२ मध्ये अन्न, वस्त्र, निवारा, आरोग्य सुविधा, शिक्षण हे विषय जोडण्याची आवश्यकता होती.. शिक्षणाच्या माध्यमातून या देशाचे भविष्य घडते आणि स्वास्थ्याचे कार्य नितांत झाले पाहिजे याकरिता नागपूर महानगरपालिकेतर्फे जे या शहरासाठी काम करीत आहे. आपले टीम या कोव्हीड काळामध्ये लागून काम करीत आहे त्याबद्दल मी सर्वप्रथम पोलीस, डॉक्टर, नर्सस, आशा वर्कर्स महानगरपालिकेचे इतर कर्मचारी, आरोग्य सभापती, इतर सर्व एनजीओ या सर्वांचे मनापासून अभिनंदन करतो. या कोरोना महामारीची येणा-या काळामध्ये आपण निश्चितच या शहरामधून, या देशामधून आणि राज्यामधून मिटवून टाकण्याचा जो काही मानस आहे आणि जो प्रयत्न करीत आहे आपल्या माध्यमातून या शहरात होणार आहे. अमृत योजनामध्ये जे एसटीपी प्लान्ट घेतला आहे. त्या माध्यमातून अमृत योजनेमध्ये सर्व लोकांना २४ बाय ७ पाणी देण्याचा जो मानस होता. येणा-या काळामध्ये टप्पाटप्प्याने ते काम होणार आहे. एक महत्वाची जी सुविधा देत

आहे ओपीएसच्या माध्यमातून मागच्या वर्षी सुध्दा होता आणि या ओपीएसच्या माध्यमातून या महानगरपालिकेला उत्पन्न होईल आणि त्या माध्यमातून लोकांना दिलासा सुध्दा मिळणार. या ओपीएसच्या माध्यमातून कोव्हीड-१९ च्या काळामध्ये अनेक घटना झाल्या आणि संपूर्ण घाटामध्ये ५०-६० बॉड्या दहन करण्यासाठी येत होत्या आणि त्या ठिकाणी असुविधा होत होती. मा.सभापती यांनी याकरिता जे पाऊले उचललेले आहे आणि मी विनंती केल्याप्रमाणे मा.सभापती यांनी त्या ठिकाणी व्यवस्था करून दिली. येणा-या काळामध्ये राहिलेल्या दहनघाटावर एलपीजी दहनवाहिनीची व्यवस्था केली त्याबद्दल आपले अभिनंदन करतो. क्रीडा धोरणप्रमाणे आपल्या सहाही विधानसभा क्षेत्रामध्ये मा. क्रीडा समिती सभापती यांनी दौरा करून जे सुचविलेले आहे तेथे भर पडणार आहे आणि शहरातील विद्यार्थ्यांसाठी या खेळाच्या माध्यमातून आपली यादी बनविण्याकरिता उपलब्ध होणार आहे. मा.महापौरजी, आपण दिव्यांगांसाठी भरपूर काम करीत आहे. मागच्या वर्षी त्यांना शिष्यवृत्ती देण्यात आली आणि ज्या ठिकाणी त्यांचे इंटरव्यू आहेत त्या ठिकाणी जाण्यायेण्याचा खर्च या अर्थसंकल्पाच्या माध्यमातून त्यांना अर्थसाहाय्य करणार आहे. घरकुल योजनेच्या माध्यमातून त्यांना पडवडणारी घरे बांधण्यासाठी महानगरपालिकेकडून मदत होत आहे. मा.महापौरजी, २.५ लक्ष रुपये शासनाकडून आणि ५० हजार रुपये महानगरपालिकेकडून आर्थिक सहाय्य आर्थिकदृष्ट्या दुर्बल घटकांसाठी १०० लक्ष रुपये प्रस्तावित या अर्थसंकल्पामध्ये तरतूद केली आहे त्याबद्दल आपले सर्वात पहिले आभार आणि अभिनंदन सुध्दा करतो. मा.महापौरजी, सुपर ७५ ही महानगरपालिकेकरिता आपल्या वेगळ्या ज्या ज्या कल्पना होत्या त्या आपल्या सदन्यामध्ये होत्या. आपण मा.महापौरजी कित्येक वर्षांपासून आपण या क्षेत्रामध्ये आले आणि जी जिद्द आणि चिकाटी होती ती आपण या पदावर आरुढ झाल्यानंतर या सर्व संकल्पना दृढ निश्चयाने पूर्ण करीत आहे. या शहराचे सर्व नागरिक आणि मी सुध्दा आपले अभिनंदन करीत आहे. कारण शिक्षणाशिवाय विकास होत नाही. आपण शिक्षणामुळे मुले घडविलेली आहेत. त्यामुळे आपण ८व्या वर्गाचे विद्यार्थ्यांची चाचणी परिक्षेद्वारे निवड करून या विद्यार्थ्यांना पीएमटी, जेईई, एनडीए चे शिक्षण देवून हा आपला संकल्प पूर्णत्वास नेत आहे. याचा या शहरातील मुलांकरिता निश्चित फायदा होणार आहे. त्याचप्रमाणे मा.नितीनजी गडकरी यांच्या माध्यमातून सहा विधानसभा क्षेत्रामध्ये जेव्हा आपले केंद्रीय मंत्री नितीनजी गडकरी यांनी दिल्लीला बोलाविले होते. आपले शिक्षण समिती सभापती श्री. दिलीप दिवे यांच्या नेतृत्वात आणि मा.स्थायी समिती सभापती पिटूजी झलके आणि मी दिल्लीला गेलो होतो. दिल्लीला गेल्यानंतर मा.प्रकाशजी जावडेकर केंद्रीय मंत्री यांना निवेदन दिले. आज जे साकार झाले आहे ते सहाही विधानसभा क्षेत्रामध्ये इंग्रजी शाळा सुरु होणार आहे. हे आपले जमिनीवर उतरलेले स्वप्न साकार होत आहे. कोव्हीड आल्यामुळे याची सुरुवात होवू शकली नाही. आपण मागच्या आठ दिवसांच्या आतमध्ये सर्व ऑनलाईन शिक्षणासाठी, मुलांचे भविष्य अंधारात राहू नये ते शिक्षण नियमित, निरंतर चालत राहो याकरिता आपल्या माध्यमातून ऑनलाईन शिक्षणाकरिता टॅबलेटचे सुविधा विद्यार्थ्यांना पुरविलेली आहे. मा.महापौरजी, आपण एक-एक काम जे करीत आहे ते वाखारण्यायोग्य आहे. तसेच मागासवर्गीय विद्यार्थ्यांसाठी

महात्मा ज्योतीबा फुले स्मृति शिक्षण व्यवस्थापन अंतर्गत प्रशिक्षण केंद्र सुरु करणार आहे. बिरसा मुंडा स्केटिंग रिंग तयार करणार आहे. ७५ वंदे मातरम आरोग्य केंद्र निर्माण करीत आहे. ती काळाची गरज आहे आणि या शहरात याची नितांत आवश्यकता आहे तो प्रश्न आपण हाताळलेला आहे. अनेक वर्षांपासून या शहराकरिता नागपूर महानगरपालिकेकडून निश्चितच निरंतन आणि धोरणात्मक काम होत आहे. ते म्हणजे आधुनिक पद्धतीने जात असतांना जे आवश्यक आहे ते केले पाहिजे अशी महत्वाची भुमिका आपण मा.महापौरजी आणि आपल्या नेतृत्वामध्ये मा.स्थायी समिती सभापती श्री.प्रकाशजी भोयर यांच्या नेतृत्वात जे नवीन काम होणार आहे ते निश्चितच झाले पाहिजे अशी मी आशा व्यक्त करतो कारण कोव्हीडमध्ये सर्व अधिकारी कर्मचारी पासून सर्व कामाला लागलेले आहे. आपले काम प्रलंबित न राहता एवढे मोठे बजेट या नागपूर शहराच्या विकासाकरिता आणि महत्वाच्या कामाकरिता असतांना आपण त्याकडे लक्ष देणे अत्यंत गरजेचे आहे मा.महापौरजी. कारण येणा-या १५-२० दिवसांत मान्सून सुरु होत आहे. मान्सून सुरु होत असतांना महत्वाचे काम होणे अपेक्षित आहे. त्यानंतर प्रशासकीय कामाचे कार्यदेश, झालेल्या कार्यदेशाच्या कामांना सुरवात करणे, सर्व मा.सदस्य, नगरसेवक ज्यांची कामे राहिले असतील त्यांच्या फाईल पुढे जात नाही. नगरसेवकांना स्वःतः फाईल घेवून जावे लागते. त्यांना टेक्निकल प्रॉब्लेम सांगितले जाते. या सर्व कामांना हाताळण्याकरिता प्रशासनाला आपण जर निर्देश दिले की सोप्या पद्धतीने कामे कसे करता येईल ते कामे लवकरात लवकर करता येईल आणि सर्व नगरसेवकांना त्याचा त्रास होणार नाही. सर्व नगरसेवकांना असे वाटत असेल की त्यांच्या प्रभागातील छोटे छोटे काम जे दीड वर्षांपासून झालेले नाही ते महत्वाचे काम आहे ते काम झाले पाहिजे हे त्यांचे उद्दिष्ट आहे. येणारा काळ आपल्याला माहीत नाही, तिसरी लहर येणार आहे असे आपण ऐकत आहे आणि जे डब्ल्यूएचओ आहे त्यांच्याकडून आपल्याला अशी माहिती मिळत आहे. आपण सर्व पूर्व तयारी या शहरासाठी करून ठेवलेली आहे. यामध्ये आपले फार मोठे योगदान आणि पाठबळ आहे. एकीकडे कोव्हीड-१९ कडे जात आहे आणि आपण कोव्हीड-१९ च्या वॅक्सीनकरिता प्रयत्न करीत आहे. या शहराच्या विकास होत असतांना माझे सर्व सहकारी नगरसेवक यांनी या बजेटमध्ये कोरोना काळामध्ये तयार करणे आणि या बजेटला कार्यान्वित करण्याकरिता हा सुध्दा महत्वाचा घटक मा.सभापती श्री.प्रकाशजी भोयर यांनी या सभेमध्ये ठेवलेले आहे. आणि मा. पिटूजी झलके यांनी सुध्दा कोरोना काळामध्ये बजेट पेश केले. पेन्डामिक स्थिती निर्माण होणार होती आणि ही सर्व स्थिती शहरात, सर्व राज्यात आणि देशात निर्माण झाली होती. ही स्थिती सर्व विश्वामध्ये निर्माण झालेली होती. ही काही व्यैयक्तिक बाब नव्हती, आपण सर्वांना मदत करावयाची आहे, सर्वांना सोबत घेवून काम करावयाचे आहे. याकरिता प्रयत्न केलेला आहे. सर्व धर्म समभाव, सर्व लोकांना सोबत घेवून काम करावयाचे आहे. खुप महत्वाचे विषय आहेत आणि भरपूर विषय याठिकाणी आहेत आणि वेळ कमी आहे. पुष्कळ मुद्दे आहेत, मा.सदस्यांना सर्वांना माहीत आहे. मा.महापौरजी यांनी या शहराकरिता आणलेल्या कल्पना, त्यांनी केलेली कामे आणि सुचविलेली आधुनिक पद्धत ती अतुलनीय आणि दृढ विश्वासाची आहेत आणि ते निश्चयीपणाने काम

करणार आहेत. त्यांच्या कल्पना त्या आपल्या कार्यकाळामध्ये साकार करणार आहेत आणि ते इतिहासाच्या पटलावर ठेवले जाणार आहे. मा.महापौरजी यांनी कोरोना काळामध्ये जे काम केले आहे ते इतिहासपूर्ण होणार आहे त्यांनी ज्या संकल्पना सुचविलेल्या आहेत त्या भविष्यात पूर्ण होणार आहे आणि ते त्याकरिता तनमनधनाने काम करणार आहेत. मला येथे दोन शब्द बोलण्याची संधी दिली त्याबद्दल मी धन्यवाद देतो, आपल्या टिमबद्दल धन्यवाद देतो. जयहिंद, जयभारत

श्री.मनोज सांगोळे श्री.मनोज सांगोळे:- मा. महापौरजी, आपण मला बोलण्याची संधी दिली त्याबद्दल आभारी आहे. मा.महापौरजी, मा. उप महापौरजी, मा.आयुक्त, मा.सहा.आयुक्त, मा. विभागप्रमुख, सर्व पत्रकार बंधू आणि भगिनींनो. कोव्हीड काळामध्ये फील्डवर काम करणारे मग ते डॉक्टर असो, नर्सस असो, पोलीस कर्मचारी असो, स्वास्थ्य कर्मचारी असो, आयुक्त आणि सर्व कर्मचारी असो या सगळ्या बद्दल धन्यवाद व्यक्त करतो. मा.महापौरजी, सहा महिन्यामध्ये नवीन इलेक्शन आहे आणि या सहा महिन्यात आपण काम करण्याकरिता चांगल्या चांगल्या तरतूदी केल्या. जेष्ठ नागरिकांसाठी असो, दिव्यांग बांधवाकरिता असो, विद्यार्थ्यांकरिता असो, त्याबद्दल ज्या तरतूदी केल्या त्या या सहा महिन्यात पूर्ण होतात किंवा नाही याबद्दल थोडीशी शंका निर्माण झाली आहे. मा.महापौरजी आपण स्थायी समिती अध्यक्ष असतांना ज्या ज्या तरतूदी केल्या होत्या त्या सक्सेस झाल्या त्यामुळे मी विश्वास व्यक्त करतो. मा.महापौरजी, माझ्या प्रभागामध्ये दोन-तीन पाण्याच्या टाक्या लावाव्या लागतील त्याबद्दल मी अनेक वर्षांपासून सांगितलेले आहे. तो नारा विभाग असो, समतानगरचा भाग असो, पिवळी नदीचा भाग असो या ठिकाणी टाक्या व्हायला पाहिजे. नारी जवळून पिवळी नदी वाहते, माझ्या प्रभागातील त्या पुलियाचे काम आपल्या कार्यकाळात झाले पाहिजे यासाठी तरतूद करण्यात यावी अशी विनंती करतो. टेका नाका ते नारी गावापर्यंत सिमेंट रस्ता तयार झाला आहे तेथुन जो नाला वाहतो त्या नाल्याचा पुलिया रेस करणे आवश्यक आहे कारण रस्ता उंच झाला आणि नाल्याचा पुलिया खाली गेला आहे त्यामुळे चैतन्य नगर, नालंदा नगर, रमाई नगर या भागात पावसाचे पाणी जाण्याची संभावना आहे. माझी विनंती आहे, आपल्या कार्यकाळात पुलीया उंच करण्याचे काम करण्यात यावे. आपण स्थायी समिती चेअरमन असतांना नारा घाटासाठी पैसे दिले होते आपण स्वतः त्या ठिकाणी येवून बघितले होते. त्या घाटाचे काम बाकी आहे तसेच त्या ठिकाणी दहनघाटावर जाळण्याकरिता दोन-तीन शेडची व्यवस्था करण्याकरिता तरतूद करण्यात यावी. नागपूर शहरामध्ये नगरसेवकांच्या कामाचे वर्कआर्डर झाले आहे ते काम सुध्दा महत्वाचे आहे ते काम थांबलेले आहे. त्या वर्कआर्डर झालेल्या कामाची तरतूद सुध्दा झाली आहे त्याचे आदेशही दिले आहे. कामे बंद असल्यामुळे त्याचा अतोनात त्रास नागरिकांना होत आहे. तो त्रास होता कामा नये म्हणून या पावसाळ्याच्या सुरुवातीला ती कामे करण्याकरिता आदेश देण्यात यावे. ठेकेदारकाम करीत नसेल तर त्यांच्याकडून पेनॉल्टी आकारून त्यांना काळ्या यादीत टाकण्यात यावे. आणि दुस-यांकडून काम करण्यासाठी टेंडर करावे अशी विनंती करतो. मा.महापौरजी, आपला कार्यकाळ सहा महिन्याचा उरलेला आहे. सर्व पक्षीय गटनेते, सर्व नगरसेवक, प्रशासन



सर्वाना सोबत घेवून काम करण्याची आपली ख्याती आहे. मा.महापौरजी, आपणांस विनंती करतो जे गडरलाईनचे टेंडर झाले आहे आणि त्याचा वर्कआर्डर झाला होता जे झोनवाईज टेंडर करण्यात आलेले होते ते रद्द करून आपण पुराने जे टेंडर झाले आहे त्याचे छोटे छोटे टेंडर करून सर्व नगरसेवकांना, सर्व नागरिकांना त्रास होणार नाही असे टेंडर करण्याकरिता सांगितले अशी विनंती करतो. मा.महापौरजी, सहा महिन्याचा कार्यकाळ उरलेला आहे. कमी वेळ असल्यामुळे ज्या ज्या कामांसाठी आपण अंदाजपत्रकात तरतूद केली आहे त्या त्वरित करावे अशी विनंती करतो. तसेच महानगरपालिकेत भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय काँग्रेस पक्ष आणि बहुजन समाज पार्टी ही तिस-या नंबरची पार्टी आहे. मा.महापौरजी, आपणांस विनंती आहे टेका नाका येथे कांशीराम यांचे स्मारक बनावे आणि त्याच्या सौंदर्यीकरणाचे काम व्हावे अशी मी विनंती करतो. माझ्या प्रभागात बहुजन समाज पार्टीचे ऑफीस आहे त्या रस्त्याला नाव देण्यात आले आहे. पावसाळा लागत आहे आणि नदी, नाल्याची सफाई झालेली आहे. नदी नाल्याच्या काळावर वाळू आणि कचरा निर्माण झाला आहे त्याच्यावर वृक्षारोपण करून आणि त्या ठिकाणचे अतिक्रमण काढून सर्व लोकांना कोव्हीड मुक्त करण्याकरिता ऑक्सीजन मिळेल याकरिता झाडे लावण्याचा कार्यक्रम आखण्यात यावा त्यामुळे नागरिकांच्या स्वास्थ्याचा प्रश्न मार्गी लावावा एवढीच विनंती करतो. आपण मला बोलण्याची संधी दिली त्याबद्दल आपला फार आभारी आहे. धन्यवाद.

श्री इब्राहिम तौफीक अहमद :- मा.महापौरजी, मा.उपमहापौरजी, मा.अध्यक्ष, स्थायी समिती, बहुत दिनों के बाद मा.अध्यक्ष, स्थायी समिती इन्होंने अपना बजेट पेश किया है, कहने को तो बजेट आया है लेकिन दिल खुश नहीं है, यह जो बजेट मा.अध्यक्ष, स्थायी समितीने दिया है इसमें उत्तर नागपूर के विकास के लिये कोई राशी नहीं है आज जबकि सबसे ज्यादा समस्या उत्तर नागपूर में पानी की है कहने को तो हमारे नागपूर शहर में अमृत योजना २४/७ बताई जाती है, आज हमारे उत्तर नागपूर में कहीं ऐसी जगह है जहां पानी की बहुत ज्यादा समस्या है, लेकिन पानी के लिये किसी भी तरह का प्रावधान उत्तर नागपूर के लिये इस बजेट में दिया नहीं गया है, पानी दैनंदिन जितवन के लिये बहुत ही जरूरी चीज है, महापौरजी, पिली नदी, यशोधरा नगर, अशोकनगर इन सभी क्षेत्रों में काफी पानी की समस्या है, यशोधरानगर में २४/७ बोला जा रहा है लेकिन वहां पर दो दिन आड पानी मिलता है, प्रभाग ६ में एक देड घंटा पानी मिलता है, वहां कई जगह लाईन नहीं डाली गयी है, इसकी वजह से वहां पर एक दिन पानी मिलता है, इसलिये वहां के लोगो को काफी परेशानीयाँ झेलनी पड रही है। मा.महापौरजी, मैं आपको बताना चाहूंगा कि, उत्तर नागपूर बहुत ही पिछडा हुआ क्षेत्र है इस क्षेत्र में एक भी ऐसा ग्राउंड नहीं है जहां पर हम लोग अपने बच्चो को उनके मनपसंद खेल खेलने के लिये भेज सके, यहां पर उत्तर नागपूर में खेल का मैदान बताया गया है, लेकिन उसके लिये भी इस बजेट में कोई प्रावधान नहीं रखा गया है, इस बात के लिये हमें बहुत अफसोस है, और एज्युकेशन के माध्यम से मैं बताना चाहूंगा कि, जब से कोरोना की महामारी हमारे देश में आयी है, हमारे शहर में आयी है, बच्चो की स्कुले बंद हो गयी है, जिसकी वजह से सारे बच्चे आज घरों में बैठे हुए हैं, इस बजेट में एज्युकेशन के लिये बहुत कम अमाउंट रखी गयी है, अगर आपके बस में हो तो इस अमाउंट में बढौतरी की जाये, क्योंकि

जो बच्चे आज हमारी महानगरपालिका की स्कूलों में पढ़ते हैं, उनके पास आज पढ़ने के लिये किताबें नहीं हैं, अच्छी ड्रेस नहीं है, सायकल नहीं है, जिसकी वजह से उनको आने जाने में काफी परेशानी होती है, और खासकर ऑनलाईन एज्युकेशन हासिल करने के लिये उनके पास मोबाइल नहीं है, महानगरपालिका के माध्यम से कुछ क्लास के बच्चों को टैब दिया गया है, आपसे अनुरोध है कि, महानगरपालिका में जो बच्चे पढ़ाई करते हैं वह हमारे देश का भविष्य है, वह बच्चे बड़े होनिहार हैं, जो टैबलेट आपने ९ और १० क्लास के बच्चों को बांटे हैं, अगर आप पांचवी क्लास के बच्चों को भी बांटेंगे तो उनका भविष्य उज्ज्वल होगा, क्योंकि उनके पास में इतना साधन नहीं है कि वह अपना इंतेजाम कर सके। उद्यान के माध्यम से मैं बताना चाहूंगा कि हमारा उत्तर नागपूर एक ऐसा क्षेत्र है कि, यहां पर ८० से ९० प्रतिशत स्लम क्षेत्र है, उत्तर नागपूर में घूमने के लिये मेरे प्रभाग में सिद्धार्थ नगर नाम का एक उद्यान है, उस उद्यान के लिये मैंने हमारे उद्यान अधिकारी से भी बात की है इस बजेट में उस उद्यान का ठिक से विकास हो सके, ताकि हमारे यहां के लोग उस उद्यान में जाकर बैठ सकें, पढ़ाई कर सकें, खेल सकें, अपने मन को हलका कर सकें लेकिन उस उद्यान के लिये भी इस बजेट में कोई भी प्रावधान नहीं मिला है। मा.महापौरजी, मैं बताना चाहूंगा कि हमको जो पिछले साल बजेट मिला था वह पुरा खत्म हो चुका है लेकिन फिर भी हमारे प्रभाग के काम बचे हुए हैं, कई जगहों पर नालों के काम बाकी हैं, आनेवाले दिनों में बारीश होने वाली है, नाले हमारे यहां इतने खराब हो गये हैं कि, हम लोग गालियां सुनसुनकर परेशान हो गये हैं, क्योंकि अशोक चौक से लेकर राणी दुर्गावती चौक तक दोनों तरफ नालों की दिवाले गिरी हुई हैं, इन नालों के हाल बेहाल हैं, इन नालों की वजह से कई जगहों पर मृत्यु भी हो गयी है इसलिये इसलिये हम चाहते हैं कि आप उत्तर नागपूर के विकास के लिये हमारे प्रभाग के विकास के लिये ज्यादा निधी दें ताकि हम उस क्षेत्र में ज्यादा काम कर सकें, यही मेरी विनंती है, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इस बात के लिये मैं आपका शुक्रगुजार हूँ। इस क्षेत्र के साथ में मैं अपने दो शब्द समाप्त करता हूँ।

श्री.दिनेश यादव :- मा.महापौरजी, आपने बोलने का मौका दिया इसके लिये बहुत बहुत धन्यवाद। मा.महापौरजी, मैं जिस प्रभाग का नेतृत्व करता हूँ वह प्रभाग एक आउटर एरीआ है, १९००-५७२ में वह भाग आता है, हमारे प्रभाग में कई बस्तियाँ ऐसी हैं जहां रास्ते, गडर लाईन व पाने के पानी की लाईन नहीं है, बरसात में वहां टँकर नहीं जा पाते हैं, मेरा आपसे निवेदन है कि, १९००-५७२ के कामों के लिये जो बजेट रखा हुआ है, उसे हमारे प्रभाग के लिये रिझर्वेशन किया जाये प्रभाग में कुछ ऐसी बस्तियाँ हैं, समतानगर, भक्तीसागर नगर, म्हाडा की एक कॉलनी बनी है, जिसमें लष्करी भाग से कुछ लोग वहां रहने गये, वहां पर आज तक रास्ते व गडर लाईन नहीं है, वहां पर बरसात में टँकर नहीं जाते हैं, कम से कम १००-१५० फ्लॉट हैं, जहां वह परिवार रह रहे हैं लेकिन वहां कोई सुविधा नहीं है, उस ओर ध्यान दिया जाये। मा.महापौरजी, मा.सभापती स्थायी समिती इन्होंने जो बजेट सादर किया है जो पुरानी फाईल है, जिन कामों के टेंडर हो चुके थे पिछली बार लेकिन कार्यादेश किसी वजह से नहीं हो पाये, हमारे भाई नगरसेवक श्री मनोजजी सांगोळे ने बताया कि, नारी घाट के सुरक्षा भित की फाईल बची हुई है, जिसका टेंडर हो चुका था,

लैकिन कार्यादेश नही हुआ, ऐसे बॅडमिंटन हॉल, वॉकिंग ट्रॅक की फाईल है, जिसके पत्र मैंने आपको और स्थायी समिती अध्यक्ष को दिये थे, आपसे निवेदन है कि, उन कामों को इस बजेट में समाविष्ट किया जाये। मा.महापौरजी, इस बजेट में जिस प्रकार से दिव्यांग भाईयों के लिये विशेष योजनाएं लाई गयी है, उसके लिये मैं आपको और स्थायी समिती अध्यक्ष को तहेदिल से धन्यवाद देता हूँ। मा.महापौरजी, मेरा आपसे निवेदन है कि, रमाई घरकुल योजना के माध्यम से जिस प्रकार से महानगरपालिका द्वारा सभी को घर बनाकर दिये जा रहे हैं, उसमें ढाई लाख रुपये म.न.पा. देती है, मेरा आपसे निवेदन है कि, इस योजना के अंतर्गत दिव्यांग भाईयों का भी इसमें समावेश किया जाये। मा.महापौरजी, हमारे प्रभाग में गडर लाईन की बहुत परेशानी है, आसीनगर झोन का कंप्लीट टेंडर हो चुका था, लेकिन वह काम अभी तक पूरा नहीं हुआ है जिसकी वजह से नगरसेवकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, मा.महापौरजी, आपसे मेरा निवेदन है कि, वह टेंडर जल्द से जल्द पूरा किये जाये, उसकी कुछ कंडीशन नॉर्मल की जाये ताकि उस टेंडर के काम शुरू हो सके, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इस बात के लिये मैं आपको धन्यवाद देता हूँ।

श्रीमती संगिता गि-हे :- श्रीमती संगिता गि-हे:- मा.महापौरजी, सन २०२०-२०२१ के सुधारित आणि सन २०२१-२०२२ च्या प्रस्तावित अंदाजपत्रकाचे मी समर्थन करते. मा.महापौरजी आपल्या नेतृत्वात आणि मा.स्थायी समिती सभापती श्री. प्रकाशजी भोयर, आयुक्त, महानगरपालिकेचे संपूर्ण कर्मचारी, डॉक्टर, नर्सस, पोलीस विभाग, आशा वर्कस् यांनी या नागपूर शहरात कोव्हीडच्या काळात चांगले काम केल्याबद्दल मी आपण सर्वांचे अभिनंदन करते. मा.महापौरजी, नागपूर शहरात मार्च, एप्रिल महिन्यात कोरोनाच्या रुग्णांमध्ये जबरदस्त वाढ झाली. आणि नागरिकांमध्ये भीतीचे वातावरण निर्माण झाले होते. या शहरासाठी मा.केंद्रीय मंत्री श्री. नितीनजी गडकरी आणि विरोधी पक्ष नेता श्री. देवेंद्रजी फडणवीस यांनी अशा वेळेस शहरात ऑक्सीजन आणि रेमीडेसीवीर इन्जेक्शनचा तुटवडा निर्माण झाला त्यावेळेस या नेत्यांनी या शहराला ऑक्सीजन आणि सर्व औषधांचा पुरवठा केला या शहरातील स्थिती आटोक्यात आणली. याकरिता त्यांचे या ठिकाणी खूप मनापासून अभिनंदन व्यक्त करते. त्याप्रमाणे नागपूर शहरात विकासाच्या कामांना गती मिळावी या साठी मा.स्थायी समिती सभापती श्री. प्रकाशजी भोयर यांनी बजेट सादर केले त्यांचे मी मनपूर्वक अभिनंदन करते. जलप्रदाय विभाग, कर विभाग, जाहिरात विभाग आणि सगळे विभाग निश्चितपणे चांगले काम केले आहे. मालमत्ता कर आणि जलप्रदाय विभाग यांनी एक खिडकी योजना जर राबविली तर एकच ठिकाणी नागरिकांचे काम होवून जाईल. मा.महापौरजी, आपल्या माध्यमातून सांगणे जगण्याकरिता अन्न, वस्त्र आणि निवारा या तीन गोष्टींची गरज असते परंतु त्याबरोबर गडरलाईन, रस्ते यांची सुद्धा गरज असते. मा.स्थायी समिती सभापती श्री.प्रकाशजी भोयर यांनी या वर्षाच्या वार्डफंडामध्ये निधी उपलब्ध करून दिली. आम्हांला मिळालेल्या या निधीतून ते काम केले जाईल आणि जनतेला दिलासा मिळेल. औषध व्यवस्थापन करण्याकरिता मा.स्थायी समिती सभापती यांनी १ कोटी रुपये ठेवले त्याबद्दल त्यांचे अभिनंदन करते. पुतळ्यांचे निर्माण व पुतळ्यांचे व्यवस्थापन

अंतर्गत महापुरुषांची जयंती, पुण्यतिथी निमित्त आपल्या महापुरुषांचे पुतळे महानगरपालिका व राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज विद्यापीठ, नागपूर यांच्या संयुक्त उपक्रमाने विद्यापीठाशी संलग्न १५१ महाविद्यालयामधील राष्ट्रीय सेवा योजनेच्या समुह संघाद्वारे या पुतळ्यांची साफसफाई महानगरपालिकेच्या माध्यमातून करण्यात येईल. या समुह संघांना एक-एक पुतळा दत्तक दिला जाईल यामुळे महानगरपालिकेला हातभार सुध्दा लागणार आहे. प्रत्येक महाविद्यालयातील जे विद्यार्थी या राष्ट्रीय सेवा योजनेमध्ये सेवा देत आहे त्या सर्वांना महानगरपालिकेतर्फे प्रमाणपत्र देण्यात येईल सोबतच या सर्व विद्यार्थ्यांना महानगरपालिकेच्या अग्निशमन विभागाद्वारे अग्निशमन प्रशिक्षण सुध्दा दिले जाईल. मा.महापौरजी एक चांगली संकल्पना आपल्या माध्यमातून देण्यात आली आहे. त्याबद्दल आपले अभिनंदन करते. त्याचबरोबर निश्चितपणे एक चांगले प्रशिक्षण त्याचा विकास घडवून आणण्यात वाव मिळेल. मा.महापौरजी, क्रिडा विकास कार्यक्रम व सांस्कृतिक महोत्सव या करिता अंदाजपत्रकात १३.५० कोटीची तरतूद केली आहे. याकरिता मा.स्थायी समिती अध्यक्ष यांचे अभिनंदन करते कारण यामुळे विद्यार्थ्यांच्या खेळाडू वृत्तीमध्ये वाढ होईल. त्याकरिता सुध्दा मा.सभापती यांचे अभिनंदन करते. मा.महापौरजी, महिला सशक्तीकरण व सबलीकरणास्तव महिला उद्योजिका करिता मार्केटिंग हब व एक्युबिशन सेंटर उभारण्याकरिता तरतूद करण्यात आली आहे. त्यामध्ये एक स्वतंत्र महिलाकरिता उपक्रम राबविण्याकरिता तरतूद करण्यात आली त्याकरिता मा.स्थायी समिती अध्यक्ष यांचे मनापासून अभिनंदन करते. त्यांनी महिलांकरिता इतका विचार केला त्यांचे कौतुक करण्याकरिता त्यांचे मनापासून पुन्हा एकदा अभिनंदन करते. जिजाऊ माता यांच्या त्यागामुळे आज महिलांना समाजात एक स्थान लाभलेले आहे आणि त्यांच्या आठवणीत आपण ही एक चांगली संकल्पना आणली त्याबद्दल मा.महापौरजी आपले अभिनंदन करते. त्यानंतर मा.महापौरजी, अमृत योजना अंतर्गत पाणी पुरवठा योजनेअंतर्गत नागपूर महानगरपालिकेतर्फे अखंडीत पाणी पुरवठा आहे या योजनेचा नागरिकांना फायदा होणार आहे. रेन वॉटर हार्वेस्टिंग ही प्रत्येक व्यक्तीने केलीच पाहिजे. आज याची अत्यंत गरज आहे. मा.महापौरजी, मानवाची सर्वात मोठी संपत्ती शरीर संपत्ती आहे. मा. महापौरजी आपण ७५ हेल्थ पोस्ट स्थापन करण्याचा मानस व्यक्त केला आणि त्या हेल्थ पोस्ट ला ज्या सैनिकांनी आपल्या देशाकरिता आपल्या प्राणाची आहुती दिली त्या सैनिकांच्या नावे देणार आहे आणि या सर्व हेल्थ पोस्टचा निश्चितच लाभ नागरिकांना होणार आहे. मा.महापौरजी, कोव्हीड रोगामुळे भविष्यात त्यांचा वाढता प्रार्दुभाव बघता नागरिकांच्या सोयीसाठी विभागाने प्रयोगशाळा आणि रोग निदान केंद्र इमारती बांधण्यासाठी ५ कोटीची तरतूद केलेली आहे त्याच्या करिता सुध्दा मा.सभापती यांचे मनापासून खुप खुप धन्यवाद देते. मा.महापौरजी आपण स्थायी समिती सभापती असतांना लाडली लक्ष्मी योजना सुरु केली होती आणि अजूनही ती सुरुआहे. गोरगरीब लोकांना या योजनेचा लाभ मिळत आहे. त्याचप्रमाणे या अर्थसंकल्पामध्ये आपण नव्याने काही योजना आणल्या. खरोखर आपण आणलेल्या योजनेकरिता या अर्थसंकल्पाचे पुन्हा एकदा धन्यवाद देते. या अर्थसंकल्पामध्ये तिरळेपणा शस्त्रक्रियेद्वारे दूर करता यावी म्हणून निशुल्क शस्त्रक्रिया करण्याची योजना आपण आणली.

औषधी कोष याद्वारे सुध्दा गोरगरीब जनतेला याचा फायदा निश्चितपणाने होणार आहे. मा.महापौरजी, कोव्हीडमुळे सर्व व्यवहार ऑनलाईन झालेले आहे. समाज कल्याण विभागाद्वारे लाडली लक्ष्मी योजना ऑनलाईन करण्यात आलेली आहे. परंतु गोरगरीब जनतेला या ऑनलाईनचे काहीही ज्ञान नसल्यामुळे त्यांना या योजनेचा लाभ घेण्यास अडचण येणार आहे. मा.महापौरजी आपण सुपर७५ ही अभिनव अशी योजना या अर्थसंकल्पाच्या माध्यमातून आणलेली आहे त्याचे मी स्वागत करते. हे खुप चांगले अर्थसंकल्प आहे यामध्ये काही शंका नाही. हे लोकांना न्याय देणारे अर्थसंकल्प आहे. या अर्थसंकल्पाचे मी समर्थन करतो आणि हे अर्थसंकल्प मंजूर होईल अशी अपेक्षा करते आणि आपले दोन शब्द संपविते. धन्यवाद.

श्री.मोहम्मद जमाल :- मा.महापौरजी, सर्वप्रथम मैं आपका अभिनंदन करुंगा कि, कोविड काल मे एक महापौर क्या होता है यह आपने पुर्णरुपसे दिखाया, आपसे जिस चिज की अपेक्षा थी, उसके अनुरूप आपने काम किया, शहर का महापौर कैसा होना चाहिये, यह आपने दिखाया है, इस बात के लिये मन से और दिन की गहराई से मैं आपका अभिनंदन करता हूँ। और साथ ही साथ प्रथा के अनुसार आपका धन्यवाद व्यक्त करता हूँ कि, आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मा.महापौरजी, बोलने के लिये बहुत कुछ है, बजेट हर साल होता है, हमारा पांचवा बजेट है लेकिन सन २०१९-२० का बजेट सन २०२०-२१ का बजेट और अब २०२१-२२ का बजेट, मा.महापौरजी, जो पिछले साल हुआ क्या वह २०२१-२२ मे भी होगा ऐसी शंका मेरे मन मे है, मैंने तत्कालीन सभापती श्री पिंटु झलकेजी का भाषण सुना उनके मन के अंदर जो चाहत थी, वह उन्होने यहां व्यक्त की, शहर के लिये क्या करना चाहिये, कैसे करना चाहिये, शहर का विकास कैसे करना चाहिये, वह सारी कल्पनाएं अपने बजेट मे व्यक्त की थी, लेकिन दुख की बात है कि किसी कारण से वह अपने सपनो को सहकार नही कर पाये और हमारे सपनो को सहकार नही कर पाये, अभी जो श्री भोयरजी ने बजेट पेश किया है मैं उस बजेट का सम्मान करता हूँ और यह आशा करता हूँ कि, इस बजेट का पुर्णरुपसे लागु किया जाये। पिछले बार पांच पदो को खोला गया, मा.महापौरजी, तत्कालीन निगम आयुक्त ने सन २०१९-२० के बजेट को निरस्त कर दिया, मा.महापौरजी, नागपूर महानगरपालिका लोगो की सेवा करने के लिये बनाई गयी है, कोविड के नाम से हर चिज को दरकिनार करना यह कहां तक उचित है, हमारे सहयोगी नगरसेवक श्री ईब्राहिम टेलर्स साहब ने अपनी व्यथा बताई, अशोक चौक के नाले के संबंध मे मैंने ५० लाख की फाईल बनाई थी, बडे अफसोस के साथ कहना पडता है कि, उस समय श्री बांगर करके निगम आयुक्त आये थे, उन्होने उसे कांट कर २५ लाख रुपये कर दिया, लेकिन आज तक वह काम नही हुआ है। मा.महापौरजी, एक तरफ हम कोविड के मरीजो को बचाने की कोशिश कर रहे है, मुझे डर है कि कोविड के मरीजो को बचाते बचाते कही हम नागपूर शहर के नागरिको को नालो मे तो नही डाल रहे है, जिस तरीके से वह नाला बारीश के दिनो मे बहता है, अब तो यह हाल है कि, कई लोगो के बाथरूम गिर गये है, लेकिन उस नाले के दिवाल पर किसी का ध्यान नही जारहा है, जानवरो ने घर घर घुसने का आंतक मचाया हुआ है, लोगो को काफी परेशानियो का सामना करना पड रहा है, उस काम पर किसी का ध्यान नही है, क्यों नही है कि कोविड के नाम से

बजेट में कटौती हो गयी है। मा.महापौरजी, २३ मार्च को हमारी आम सभा हुई थी, २४ मार्च को मेरी माताजी का लंबी बिमारी के कारण दिहांत हो गया, मा.महापौरजी, आपको यह भी पता है कि मेरे घर में मेरी पत्नी कई वर्षों से बिमार है, उनका इलाज चालु है, ऐसे हालात में नगरसेवक बनकर नगरसेव का दायित्व निभाना कितना कठिन है, यह बात आप जान सकते हैं, मेरे घर पर लोग इस तरीके से आकर बात करते हैं और मैं कब तक उनको झुंठे आश्वासन देता रहूँ, आज महापौरजी, छे महिने हमारे कार्यकाल को बचे हुए हैं, आगे क्या होगा यह हमें पता नहीं है, लेकिन जिन कामों के पिछले साल टेंडर हुए थे, जिस कामों के वर्क ऑर्डर हो चुके थे वह काम आपके होते हुए पूरे हो जाये, यह अपेक्षा है, ताकि जनता को राहत मिले नगरसेवक के प्रति जनता के मन में प्यार पैदा हो, ऐसा निवेदन मैं इस सभागृह के माध्यम से आपके समक्ष करता हूँ। इस बजेट को पूरा करने वाले जो लोग हैं, जो अधिकारी हैं उनके पास कई तरीके के एक्सक्यूज हैं मैंने कहना चाहता हूँ कि, कुछ लोग सोचते हैं कि अपना कसूर दूसरे के सर पर डाल दे, कुछ लोग सोचते हैं कि हकिकत बदल गयी, मा.महापौरजी, हमें जनता ने चुना है, जनता ने हमें यहां पहोँचाया है, हमने जो काम वार्ड विकास की दृष्टीसे प्रस्तावित किये थे वह हमारे अपने काम नहीं थे, यह काम हमने जनता के हित को देखते हुए, उनकी भावनाओं के अनुरूप सामने रखे, मा.महापौरजी, अगर इस तरीके से चलता रहा तो वह दिन दूर नहीं कि, हमारे घरों पर पत्थरबाजी शुरू हो जायेगी। आज मैंने वार्ड फंड से एक छोटीसी दिवाल नाले की बनाई वह दिवाल बनाते बनाते सामने की दिवाल गिर गयी, अब वह दूसरी नाले की दिवाल बनाने के लिये हमारे पास बजेट नहीं है, मा.महापौरजी, पिछली बार मैंने यह बात कही थी, नागपूर महानगरपालिका ने वार्ड फंड बढ़ाना चाहिये, आपने उसके बारे में अवगत कराया था, लेकिन मैं फिर से वही बात कहूंगा कि जितने काम प्रलंबित पड़े हुए हैं, २० लाख रुपये मा.सभापती, महोदय ने वार्ड फंड रखा है, १५ लाख रुपये फिक्स प्रायरीटी के लिये रखे गये हैं, अपेक्षा बहुत है, काम बहुत है, इसलिये इस बजेट में ऐसी तरतुद करनी चाहिये, लंबे प्रोसेस के कामों को प्रलंबित करने में कोई मतलब नहीं है यह चिज नगरसेवकों को मालूम है। मा.महापौरजी, दूसरा विषय कोविड योद्धा को लेकर के मैं कहना चाहता हूँ, जो कोविड योद्धा है वह सबसे ज्यादा नागपूर महानगरपालिका के हैं, मा.महापौरजी, हमने उन कर्मचारीयों को आज कोविड के काम पर लगा दिया है, पहले हम नालों की सफाई, डिसेल्टिंग, के काम के ऊपर ध्यान देते थे, आनेवाले दिनों में भारी बारीश होने की संभावना मौसम विभाग ने बताई है, अगर ऐसा होता है तो हमारे शहर की जनता बहुत परेशान हो जायेगी, इसलिये उन कर्मचारीयों को इस काम से मुक्त करके उनके अपने काम पर लगवाने के आप निर्देश दें, ऐसी मैं आपसे उम्मीद करता हूँ। मा.महापौरजी, अभी मा.सदस्य, श्री मनोज सांगोळेजी ने मान्यवर काशीराम जी का स्मारक बनाने की बात कही है, यह एक अच्छी बात है कि, काँग्रेस के नगरसेवक काशीराम जी का स्मारक बनाने की बात कर रहे हैं, मा.महापौरजी, मैं जब स्मार्ट सिटी का डायरेक्टर था तो मैंने एक पत्र दिया था वहां पर टेका नाका चौक पर जो मेट्रो का स्टेशन बन रहा है, उसको मान्यवर काशीरामजी का नाम दिया जाये, वहां पर बहुजन समाज पार्टी का मुख्य कार्यालय है, उस रोड को मान्यवर काशीराम जी का नाम दिया गया है, इसलिये उस स्टेशन

का नाम मान्यवर काशीरामजी टेका नाका मेट्रो स्टेशन ऐसा दिया जाये, इस संबंध में एक प्रस्ताव पारीत करके स्मार्ट सिटी को अवगत किया जाये ताकि उस स्टेशन को मान्यवर काशीराम जी का नाम दिया जासके। मा.महापौरजी, विषय बहुत सारे हैं, लेकिन समय कम है, आपने मुझे बोलने का मौका दिया है, इसलिये मैं ज्यादा विषयों पर चर्चा न करते हुए, कुछ चिजों की तरफ आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ, मा.महापौरजी, मेरी आपसे बहुत अपेक्षा है, मुझे ऐसा लगता है कि, आप इन सार चिजों को सहकार करेंगे, इस शहर का महापौर कैसा होना चाहिये, यह बात आपने बताई है, इसलिये मा.महापौरजी, इस बार बजेट के पदों में किसी भी प्रकार की कटौती न हो, बजेट में जो जरूरी काम है उसपर ध्यान देकर उसे पूरा किया जाये। जिस तरीके से पिछले कार्यकाल में पिटुजी झलके ने काम किया उसी तरीके से श्री. प्रकाशजी भोयर इनका काम करने का सपना है कि, पुराने कामों को करना चाहिये, और नये कामों को रोक देना चाहिये, मा.महापौरजी, सन २०१९-२० के कामों पर ध्यान आकर्षित करके जैसे जल्द से जल्द हो सकते हैं उसको पूरा करने का प्रयास करवाये, आपने मुझे बोलने का मौका दिया इस बात के लिये मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। इन्हीं शब्दों के साथ अपने भाषण को विराम देता हूँ।

श्री राजकुमार साहु :- मा.महापौरजी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इस बात के लिये मैं आपको और पुरे सदन को धन्यवाद देता हूँ, मैं इस बजेट के सपोर्ट में बोल रहा हूँ, पहला विषय बहुत अच्छा है श्री भोयर साहब ने अपने बजेट में उत्पन्न के साधन ढुंढे हैं, वह साधन है ई-कचरे का व्यवस्थापन एक एसंसी के माध्यम से करनेवाले हैं, मैं समझता हूँ कि, यह हमारे लिये और हमारे महानगरपालिका की आय के लिये बहुत बड़ा सोर्स है, और हमारे नागपूर की जनता के स्वास्थ्य के लिये अच्छे परिणाम देनेवाली जो योजना है, उसका स्वागत करते हैं, इस बात के लिये मैं प्रकाशजी भोयर का बहुत बहुत स्वागत करता हूँ, दूसरी बात नागपूर के सर्वांगीण विकास के लिये इस योजना के अंतर्गत हमारे नागपूर शहर में सर्वांगीण विकास हो, इस हेतु प्रकाशजी भोयरने सांस्कृतिक और क्रिडा के लिये जो १३.५० लाख रुपये का प्रावधान किया है, मा.तत्कालीन सभापती, श्री प्रदिप पोहाणे इन्होंने शतकोत्तर महोत्सव का आयोजन करने के लिये समाज को न्याय देने का काम शुरू किया वह आगे भी चालु रहेगा, ऐसा मैं प्रकाशजी भोयरसे निवेदन करता हूँ, दूसरा ऐसा विषय है कि मेरा विकास योजना को आक्षेप है, विकास योजना के अंतर्गत अच्छे अच्छे रोड को तोड़कर सिमेंट रोड बनाया जा रहा है, मेरे मन में संदेह है, जो अच्छे अच्छे रोड हैं, उसको तोड़के हम पुर्ननिर्माण कर रहे हैं, इससे ऐसा लगता है कि, जनता के जो पैसे हैं उसमें कहीं तो हम कोताही बरत रहे हैं, कलमना मार्केट से लेकर के गेटसे लगकर एक रास्ता है वहां पर दो फिट पानी जमा होता है, और वहां पर बहु बेटी को कपडा उठाकर चलना पडता है, आपके माध्यम से इस कार्यकाल में उस रोड का काम होगा। मा.महापौरजी, हमारे प्रकाशजी भोयर ने पिछड़े वर्ग के विकास के लिये ५६.५५ लाख रुपये का प्रावधान किया है, यह हमारे लिये बहुत ही महत्वपूर्ण प्रावधान है, इस काम के जल्द से जल्द टेंडर करके उस काम के वर्क आर्डर किये जाये, अगर बरसात चालु हो जायेगी तो वह काम नहीं हो पायेगे, हमको लोगों को जवाब देना है, हमने उस काम की फाईल बनवाई है, उस काम के टेंडर हो चुके हैं, लोग मानने को

तैयार नहीं है, पिछले तीन सालों से हमारी फाईल रुकी हुई है, मा.महापौरजी, जबसे वंदेमातरम नागरी आरोग्य सुविधा केंद्र जो अलग अलग प्रभाग में प्रस्तावित किये गये हैं, आपकी कार्यतत्परता को देखते हुए, हमें गर्व होता है कि, हमारे नागपूर के जो महापौर हैं वह अपने कामों के प्रति समर्पित भाव से पुरे स्टाफ को लगा देते हैं, अगर वंदे मातरम आरोग्य केंद्र शुरू हो जाये तो हमारे आउटर प्रभाग के नागरिकों को अच्छी आरोग्य की सुविधा मिल सकती है, हमारे प्रभाग ४ में कलमना गांव वहां ९ साल से पानी की टांकी बनकर तैयार है, प्रशासन की दुर्लक्षिता की वजह से वहां के लोगों को ९ साल से पानी नहीं दिया है, ऐसी हमारे मन में शंका निर्माण होती है कि, कई टेंडर माफियों को फायदा पहुंचाने का तो मानस नहीं है, पिछले ९ साल से टांकी बनकर तैयार है, लोगों को पानी मिलना चाहिये, लेकिन प्रशासन इतनी निष्क्रियता से काम कर रहा है कि, मैं बता नहीं सकता। मा.महापौरजी, आपके माध्यम से मैं एक और विषय रखना चाहता हूँ कि, एक तरफ एक प्रभाग में ६० लाख रुपये के विकास कामों को मंजूरी दी गयी है, और दूसरी तरफ जो नये नये नगरसेवक हैं उन्हें १.५० लक्ष रुपये का निधी वार्ड विकास के लिये मिलने में भी काफी परेशानीया हो रही है, बजेट के माध्यम से लोगों के साथ में समान रूप से न्याय होना चाहिये, अगर कोई नगरसेवक फाईल बनाता है, और अपने प्रभाग के विकास काम के लिये निधी मांगता है तो वह अपने घर के लिये नहीं, अपने शहर के जनता के विकास के लिये निधी मांगता है, परंतु यहां पर देखा जाता है कि, एक प्रभाग में ६० करोड़ रुपये का विकास काम होता है, और दूसरे प्रभाग में एक करोड़, दो करोड़ का काम होता है, मा.महापौरजी, यह जो ई-कचरे का विषय आया है, इसका नियोजन भी इतना ही आवश्यक है कि, पिछली बार हमने देखा कि, इसमें दो कंपनियों ले रहे हैं, इसमें बहुत सारी बातें आ रही हैं, कचरे में मिट्टी डालकर के हमारे जनता के पैसे का नुकसान कर रहे हैं, इस बात पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, मैंने पिछली बार पत्र दिया था, कलमना मार्केट के गेट से लेकर के लक्ष्मीनगर तक के रोड के काम को मंजूर करेंगे और लोगों को न्याय देंगे ऐसा मैं आपका अनुरोध करता हूँ, यह जो काम है विधायिका और कार्यपालिका इन दोनों के बीच में जो दूरी है वह दूर होनी चाहिये, क्योंकि हमने इसके पहले चार बजेट में देखा है, बजेट होने के बाद में उसकी अंमलबजावणी होने के लिये दो दो महीने लग जाते हैं, मैं आयुक्त महोदय से विनंती करता हूँ कि, बजेट की आजकी चर्चा समाप्त होने के उपरांत जल्द से जल्द बजेट को इम्प्लीमेंट किया जाये, ताकि बरसात के पहले चेंबर का, पाईप लाईन का काम हम कर सकें, ऐसा मैं आपसे निवेदन करता हूँ, मा.महापौरजी, मुझे आपने बोलने का अवसर दिया उसके लिये आपको धन्यवाद देता हूँ, और कार्यपालिका और विधायिका की बात आये तो संसार में ऐसा कौनसा काम है जो नहीं हो सकता, यदि हम कार्य करने की इच्छा व्यक्त करें तो कौन कहता है कि, आस्मान में छेद नहीं होता, तबीयत से एक पत्थर तो उछालो यारो।

श्रीमती उज्ज्वला बनकर:- सन्माननीय महापौरजी, सन्माननीय सदन. मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.प्रकाशजी भोयर यांचे मी मनापासून अभिनंदन करते. त्यांनी जे बजेट ठेवलेले आहे ते अतिशय चांगले आहे आणि मा.महापौरजी यांनी सुध्दा त्यांना साथ दिलेली आहे. परंतु बजेट



तयार झाल्यानंतर प्रशासन त्याला किती मंजूरी देते त्यावर ते डिपेन्ड असते. मा.महापौरजी, शहराचा विकास कसा व्हायला पाहिजे आणि कोणत्या कामाची आवश्यकता आहे त्यानुसारच बजेट तयार होते. प्रत्येक नगरसेवक त्याच्या एरियामध्ये जेव्हा फिरत असतो तेव्हा त्याला त्याच्या एरियाची माहिती असते आणि तो बजेट त्याप्रमाणे तयार करीत असतो. परंतु नंतर असे होते की प्रशासनाकडून या बजेटला कात्री लावण्यात येते. मा.महापौरजी, सन २०१९ चे बजेट पाहिजे, २०२० चे बजेट पाहिले, ज्या फाईल आम्ही तयार केल्या त्या अजूनही झालेल्या नाहीत. या दोन्ही वर्षांची कामे झालेली नाहीत. फाईल मोठ्या प्रमाणात प्रलंबित आहेत, थांबलेल्या आहेत. त्या सर्व फाईली मार्गी लागल्या पाहिजेत तर त्या बजेटचा आम्हांला फायदा होईल. सन्माननीय महापौरजी, मागच्या दोन वर्षांपासून कोव्हीडचा प्रकोप आहे. संपूर्ण देशामध्ये कोव्हीडने हाहाकार माजविला आहे. आणि अशा परिस्थितीमध्ये सुद्धा लोकांची कामे थांबलेली आहेत. चेंबरची कामे असो, नाल्याची कामे असो. नागरिकांना ज्या सोयीसवलती दिल्या पाहिजेत परंतु आपण देवू शकत नाही. अशी ही गंभीर परिस्थिती आहे. आता हे २०२१-२२ चे बजेट आहे. पुढे इलेक्शन आहेत, सर्व नगरसेवकांसाठी अतिशय महत्वाचा काळ आहे. जे प्रलंबित कामे आहेत, जे लोकांकरिता अतिआवश्यक कामे आहेत ते झाले पाहिजेत ही अपेक्षा आहे. आपल्याकडे कमी वेळ आहे. आणि हे बजेट जर लवकरात लवकर मंजूर होवून जर कमिशनर साहेबांची या बजेटला संमती मिळाली तर याचा काही फायदा होईल. सन्माननीय महापौरजी, बजेट कसेही असो ते सगळे पैश्यावरती आहे की किती खर्च करणार आहे आणि किती पैसे जमा होणार आहेत. तरी पण यातूनही आपण मार्ग काढून समोर वाटचाल करू शकतो. बजेटमध्ये गोरगरीब असो की श्रीमंत असो सर्व लोकांना सामावून केलेले बजेट असले पाहिजे. परंतु मानसाची प्रवृत्ती अशी असते की तो मात्र भेदभाव करणे सोडत नाही. तो आपला आहे त्याला जास्ती, तो जवळचा आहे म्हणून त्याला जास्ती, तो आपला नाही म्हणून कमी या पध्दतीने वागत असतो अशी परिस्थिती आहे. माझे म्हणणे आहे की सगळ्यांना सारखे पैसे द्या. पैसेवाला आहे म्हणून त्याला जास्त आणि तो गरीब आहे म्हणून त्याला कमी असे करता कामा नये. सन्माननीय महापौरजी, माझी अपेक्षा आहे की सर्वाना समान न्याय देण्यात यावा. माझी मा.महापौरजी आणि मा.स्टॅन्डींग चेअरमन या दोघांना कळकळीची विनंती आहे की आमच्याकडे लक्ष द्या आणि आम्हांला आमच्या वार्डामध्ये काम करण्यासाठी सहकार्य करावे. मला बोलण्याची संधी दिली आणि माझे बोलले ऐकून घेतले त्याबद्दल आपले धन्यवाद करते आणि आपले अभिनंदन करते.

श्रीमती श्रद्धा पाठक :- श्रीमती श्रद्धा पाठक:-मा.महापौरजी, मा.उप महापौरजी, आयुक्त, स्थायी समिती अध्यक्ष, मा.सत्तापक्ष नेते, मा.विरोधी पक्ष नेता आणि समस्त अधिकारी वर्ग. मा.महापौरजी, सर्वप्रथम कोव्हीड महामारीत मा.नितीनजी गडकरी आणि मा.देवेंद्र फडणवीस यांनी नागपूर जनतेच्या सेवेसाठी भक्कमपणे नागपूर जनतेच्या पाठीशी उभे राहिले त्याबद्दल मी त्यांचे मनपूर्वक आभार व्यक्त करते. तसेच या कोरोना महामारीत आपण जे कार्य केले ते आपल्या समस्त नागरिकांसाठी अस्मरणीय आहे त्याकरिता मी आपले या समस्त नागपूर जनतेच्या वतीने आपले मनपूर्वक आभार व्यक्त करते. तसेच समस्त पोलीसकर्मी, डॉक्टर,

नर्सस, स्वच्छतादूत, मनपाचे अधिकारी कर्मचारी त्यांची सुध्दा मी आभारी आहे. या वर्षीचा २०२१-२०२२ अर्थसंकल्प मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.प्रकाशजी भोयर यांनी सादर केला त्यांच्या नावाप्रमाणे सर्व कामांचा समावेश केलेला आणि न्याय देणारा आहे. मी त्यांची आभारी आहे. मा.महापौरजी, माझ्या झोन क्रमांक ६ अंतर्गत येणा-या केळीबाग रोड व बुधवार बाजार याकरिता १० कोटीची तरतूद आपण केली. तसेच जुन्या बाजाराच्या देखभाल दुरुस्तीसाठी ४१.५० कोटीची तरतूद केल्या बदल ती झोन सभापती या नात्याने मा.स्थायी समिती अध्यक्ष आणि मा.महापौरजी आपले आभार व्यक्त करते. मनपाच्या जुनी शुक्रवारी रोड वरील बंद झालेल्या चिटणीसपुरा प्राथमिक शाळेच्या इमारतीच्या जागेवर मा.बाळासाहेब ठाकरे स्मृती शैक्षणिक , क्रिडा व सांस्कृतिक केंद्र उभे करण्याच्या दृष्टीने ते काम करण्यासाठी रुपये ५ कोटीची तरतूद केली आहे. त्याबद्दल मी येथे आपले आभार व्यक्त करते. या अर्थसंकल्पाअंतर्गत सर्व मुलांचे भविष्य उज्वल होईल यामध्ये तिळमात्र शंका नाही मात्र या अर्थसंकल्पाअंतर्गत या नागपूर शहरातील गरीबातील गरीब मुलांच्या शिक्षणासाठी नागपूर महानगरपालिकेने प्रयत्न करावेत असे मी आव्हान याठिकाणी करते आहे. मा.महापौरजी, क्षेत्रिय कार्यालयाच्या निर्माणासाठी या आर्थिक वर्षात रुपये ३ कोटीची तरतूद करण्यात आली आहे. मा.महापौरजी, मला असे वाटते ती तरतूद खूप कमी आहे ती तरतूद वाढविण्यात यावी अशी मी आपल्याला विनंती करीत आहे. मा.महापौरजी, स्वातंत्र्याच्या ७५ व्या वर्षगाठ अंतर्गत होणा-या ७५ चौकाचे सौंदर्यीकरण ही एक अभिनव योजना आहे.त्यानिमित्त आपले अभिनंदन या ठिकाणी करते. मातृभुमीच्या जवानांना वंदन, देशाला स्वातंत्र्य मिळवून देण्यासाठी अनेक सैनिकांनी आपल्या प्राणाची आहुती दिली त्यांचे ऋण आपण कधीही फेडू शकणार नाही. आपण नागपूर शहरातील स्वातंत्र्य सेनानी परिवार शोधून त्यांना गौरवान्वीत करण्यासाठी व त्यांचे परिवारातील व्यक्तीने देशासाठी केलेल्या कार्याच्या कामास चिरस्मरणीय ठेवण्यासाठी एक फलक त्यांच्या घरासमोर लावण्याचा जो निर्णय घेतला आहे तो अतिशय अभिनंदनीय आहे. या सर्व गोष्टीमुळे आपल्या नागपूर शहरातील स्वातंत्र्य सेनानीचा परिचय जनसामान्यांना होईल त्यांच्या मनात आदर सुध्दा निर्माण होणार आहे. मा.महापौरजी, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग या प्रकल्पा अंतर्गत ही संकल्पना जनसामान्यांची व्हावी याकरिता नागपूर महानगरपालिकेने पुढाकार घ्यावा जेणेकरून भविष्यात पाण्याची कमतरता नागपूर शहराला जाणवणार नाही. मा.महापौरजी, या अंतर्गत मी आपल्याला एक सुचना देवू इच्छिते की नागपूर शहरात ज्या जुन्या विहिरी आहेत त्याची साफसफाई आणि डागडुजी जर आपण केली आणि त्या पाण्याचा वापर जर आपण केला तर आपल्याला याचा नक्कीच फायदा होईल.मा.महापौरजी, जन आरोग्य नागरी सुविधा केंद्र योजना जनसामान्यांच्या आरोग्य सुविधासाठी उपयोगात येणार आहे. याकरिता आपले अभिनंदन करते आणि नागपूर जनतेच्या वतीने आपले आभार सुध्दा व्यक्त करते.मा.महापौरजी, मातृदुग्ध अधिकोष, कोरोना काळात आपण जी अभिनव योजना अंमलात आणली. या योजनेत अंतर्गत अनेक माता आणि नवजात शिशूंना याचा फायदा होणार आहे याकरिता परत आपले आणि मा.स्थायी समिती अध्यक्ष यांचे आभार व्यक्त करते. नागपूर शहरात जेष्ठ नागरिकांना सुविधा

अंतर्गत नगरसेवकांच्या माध्यमातून करण्यासाठी निधी राखून ठेवला आहे त्याबद्दल मी आपली आभारी आहे त्याद्वारे जेष्ठ नागरिकांचे हेल्थ कॅम्प, जेष्ठ नागरिकांच्या सहली, जेष्ठ नागरिकांमध्ये उत्साह निर्माण करण्यासाठी विविध प्रकारचे शिबीरांचे आयोजन करणे, आवश्यक सुविधा देणे यामुळे जेष्ठ नागरिकांमध्ये एक उत्साह निर्माण झालेला आहे त्यांना या योजनेचा लाभ होणार आहे अशी अभिनव योजना या वर्षी अंमलात आणणार आहे त्याबद्दल मी आपले आभार व्यक्त करते. मा.महापौरजी, यावर्षी अंदाजपत्रक हे सर्वसमावेशक असून आणि सर्वांच्या उपयोगी आहे याकरिता मी स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.प्रकाश भोयर यांचे आभार व्यक्त करते. मा.महापौरजी, मला बोलण्याची संधी दिली त्याबद्दल मी आपल्या सर्वांचे आभार व्यक्त करते आणि आपल्या शब्दांना विराम देते. भारत माता की जय.

श्रीमती वंदना चांदेकर :- मा.महापौरजी, मा.उप महापौरजी, आपण मला बोलण्याची संधी दिली त्याबद्दल आपले आभार व्यक्त करते. या वर्षीचे बजेटआहे या बजेटमध्ये आरक्षणाचे जनक शाहूजी महाराज यांच्या पुतळ्याकरिता आम्ही बरेचदा बजेटमध्ये बोललेलो आहोत आणि या बजेटमध्ये अशी कुठलीही तरतूद करण्यात आलेली नाही. मा.महापौरजी, उत्तर नागपूर साठी कोणतीही तरतूद बजेटमध्ये दिलेली नाही आहे. उत्तर नागपूरातील खेळाचे मैदानांचा विकास झालेला नाही आणि त्यांचा विकास करण्याकरिता कोणत्याही प्रकारची तरतूद करण्यात आलेली नाही. त्यामुळे या भागातील मुलांना खेळण्याकरिता कोणतेही ग्राऊंड व्यवस्थित नाही आहे. या बजेटमध्ये विद्यार्थ्यांसाठी सुद्धा कोणत्याही प्रकारची तरतूद करण्यात आलेली नाही. मा.महापौरजी, आता पावसाळा सुरु होणार आहे आणि कोणत्याही प्रकारची कामे सुरु झालेली नाहीत.पावसाळ्यापूर्वी पावसाळी नाल्या साफ करतो त्याचीही कामे सुरु झालेली नाहीत. आता या कोव्हीडच्या प्रसंगी सर्व कर्मचारी त्या कामात लागलेली असल्यामुळे कामे झालेली नाहीत.मा.महापौरजी, प्रशासनाला आदेश द्यावेत की कामे लवकरात लवकर सुरु करण्यात यावी. मा.महापौरजी, यामध्ये ज्या काही योजना दिल्या आहेत मला असे वाटते ते काही पूर्ण होणार नाही. आता फक्त सहा महिने उरलेली आहेत आणि आपल्याला सहा महिन्यात कामे पूर्ण करावयाची आहेत. त्यासाठी आपण वार्ड फंड वाढवून द्यावी अशी मी आपल्याला विनंती करते. मा.महापौरजी मी आपले दोन शब्द या ठिकाणी संपविते, धन्यवाद

श्री.हरीश ग्वालवंशी :- मा.महापौरजी, पुरी दुनिया मे घर के तिजोरी की चाँबी महिलाओ के हाथ मे रहती है, परंतु पुरे पांच साल मे सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टीने एकबार भी म.न.पा.की तिजोरी की चाँबी महिला को नही दी, मुझे यह लगता है कि, यह महिलाओ के साथ अन्याय है, मैं इस बात का निषेध व्यक्त करता हूँ। यह जो बजेट मा.अध्यक्ष, स्थायी समितीने पेश किया है वह पुरी तरह से महाराष्ट्र सरकार पर आधारीत है, बजेट मे खेडे विभाग के लिये १० करोड रुपये रखे गये है, मा.महापौरजी, आज पुरी दुनिया मे कोरोना का प्रकोप तेजी से फैल रहा है, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष ने पेडपैदो के लिये बजेट मे कुछ निधी नही रखा है, इस बात से पता चलता है कि पेड पौदो के प्रति सत्ताधारी पक्ष कितना जागृत है, आज अगर हम पेड पौदो को नही बचायेगें तो आनेवाली पिढी को इसका नुकसान होंगा, आज पेड पौदो की कटाई की जारही है, आज अजनी

मे पेडपौदो की कटाई की जा रही है, नागपूर शहर की जनता उस पेडपौदो की कटाई का विरोध कर रही है, यह प्राकृती को नुकसान पहुंचाने वाली बात है। उन पेडपौदो को बचाने के लिये हमने उपाययोजना करना चाहिये, उन सारे पेड पौदो को हमने बचाना चाहिये, हर मा.सदस्य ने कम से कम १०० पेड लगाने की आवश्यकता है और उसको बचाने की आवश्यकता है, १५१ नगरसेवको ने अगर १०० पेड बचाये तो इस तरह से एक व्यक्ति १०० पेड बचा सकता है, इस ओर ध्यान दिया जाये। मा.महापौरजी, पिछले दो साल से एल.ए.डी. लाईट लगाने के विषय पर लगातार चर्चा हो रही है, लेकिन इस ओर कोई कदम नहीं उठाये गये हैं, इस ओर ध्यान दिया जाये। मा.महापौरजी, मेरी आपसे विनंती है कि, आउटर एरीआ में निम के पेड लगाये जाये, ताकि पर्यावरण का संतुलन बने रहे, मा.महापौरजी, मा.झलके साहेब ने एक उदाहरण दिया कि, नागपूर महानगरपालिका में पैसो की कमी नहीं थी पर उनके नजर में नहीं आया, मा.महापौरजी, अगर महिला अध्यक्ष रहती थी तो काफी अच्छी बात होती, मगर पिछले पांच साल में सत्ताधारी पार्टी ने एक बार भी महिला को स्थायी समिती का अध्यक्ष नहीं बनाया, म.न.पा. की तिजोरी की चाँबी महिला को देना चाहिये था। मा.महापौरजी, मेरे प्रभाग में गणेशनगर है, वहां का दूषित पानी गोरेवाडा में मिल रहा है, कहीं जगहों पर गडर का पानी आ रहा है, इस ओर आपके मार्फत ध्यान दिया जाये, ऐसी मेरी आपसे विनंती है। मा.महापौरजी, नागपूर शहर के जो आउटर रिंगरोड हैं उसकी आपने रक्षा करना चाहिये, उस क्षेत्र में ज्यादा से ज्यादा पेडपौदे लगाना चाहिये, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष, श्री प्रकाश भोयर ने जो बजेट रखा है वह श्री प्रदिप पोहाणे और श्री झलकेजी के जैसा हवाहवाई बजेट है, वह जमीन पर टिकनेवाला नहीं है, मैं इस बजेट का विरोध करता हूँ।

श्री.प्रमोद तभाने :- मा.महापौरजी, मा.स्थायी समिती सभापती, मा.सत्तापक्ष नेता, मा.गडकरी साहेब, मा.देवेन्द्र फडणवीस साहेब, मा.महापौरजी, इस बार मा.प्रकाशजी भोयरने जो बजट दिया है वह काफी अच्छा दिया है। इसकी मैं सराहना करता हूँ, इसके पश्चात मा.महापौरजी आपने और मा.आयुक्तजी ने जो कोरोना की स्थिती को काफी अच्छे तरीकेसे हैंडल किया है, इसकी भी मैं सराहना करता हूँ, उसीप्रकार से मैं क्रीडा सभापती होने के नाते ३०.५० कोटी का जो प्रकाशजीने क्रीडा समिती के लिये जो तरतूद की है क्रीडा धोरण के लिये इसके लिये भी उनकी सराहना करता हूँ, उसीप्रकार से आनेवाले समय में हम क्रीडा धोरण लगाने वाले हैं यह भी एक घोषणा हमारे तरफ से है। आज मा.महापौरजी हमने क्रीडा समितीके तरफ से डिसाईड किया है की ६ विधानसभा क्षेत्र में ६ ग्राउंड विकसित किया जाये आनेवाले समय में हम यह काम करने वाले हैं। गोपाल नगर में पिछले अनेक दिनोंसे प्रभाग क्र ३ का सिमेंट रोड मंजूर किया है आपने इस बजट में तरतूद भी की है लेकिन यह पूरी नहीं हो रही है। मैं आपसे निवेदन करना चाहूंगा की इस बार आप और मा.आयुक्त आनेवाले तीन से चार दिनों में इस काम के बारे में व्हिजीट किया जायें उसीप्रकार से महानगरपालिका के अंतर्गत जो विविध खेल रहते हैं उसके लिये प्रशिक्षण केंद्र खोलने जा रहे हैं। इस बजट में परमपुज्य डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर जन्मशताब्दी स्मारक के लिये तरतूद की गयी है इसलिये भी मैं मा.प्रकाश भोयर साहेब का अभिनंदन करना चाहूंगा और अतिशय अच्छा बजट का अंमल होना चाहिये और जल्द से जल्द यह लागू होना चाहिये, इतना

कहके मै मेरे वानी को विराम देता हु ।

श्रीमती.मंगला लांजेवार :- मा.महापौरजी, इस साल का बजेट मुझे विकास से कोसो दूर नजर आता है । पिछले साल भी कोरोना महामारी का सामना करते हुए नगरसेवको को वार्ड फंड भी ५० प्रतिशत कर दिया गया था । महिला को जो २ लक्ष रुपये की निधी अलग से मिलती थी वह भी मिल नहीं पाई । यह दोन साल मे नागपूर शहर विकास से बहोत कोसो दूर हो गया है । अतिआवश्यक कार्य, प्रभाग मे रिपेअरिंग कामे, छोटी मोटी गडरलाईन के अतिआवश्यक काम के लिये जनप्रतिनिधीयों को प्रशासन की विनंती करनी पडती है । प्रशासन वार्ड फंड से काम करने की सलाह देते है परंतु वार्डफंड मे से न होने के कारण हमे और जनता को कठीनाई का सामना करना पडता है । हमे एक कार्य करने के लिए बहोत कठीनाई होती है । मा.महापौरजी, हमारी आपसे विनंती है की इस साल वार्ड फंड कमसे कम ५० लक्ष रुपये होना चाहिए । धन्यवाद, जयभीम,जयभारत ।

श्रीमती स्वाती आखतकर :- मा.महापौरजी, मा. उपमहापौरजी, मा.सत्तापक्ष नेते, मा.आयुक्त, मा.विरोधी पक्ष नेते, मा.सर्व नगरसेवक, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.प्रकाशजी भोयर यांनी २०२१-२०२२ चा अर्थसंकल्प सादर केला आहे. या अर्थसंकल्पाचे मी समर्थन करते. मा.महापौरजी आपल्या नेतृत्वात या कोव्हीडच्या काळामध्ये महानगरपालिकेने चांगले काम केले त्याबद्दल मा.महापौरजी आपले आणि महानगरपालिकेचे सर्वप्रथम अभिनंदन करते आणि आभार मानते. मा.महापौरजी, आपले सर्वांना माहीत आहे कोव्हीडच्या काळामध्ये नागपूर शहराची परिस्थिती अत्यंत खराब झाली होती. केंद्रीय मंत्री मा. नितीनजी गडकरी आणि विरोधी पक्ष नेता श्री.देवेंद्रजी फडणवीस हे या शहराच्या जनतेसाठी धावून आले. वेन्टीलेटरची व्यवस्था करून दिली, ऑक्सीजनचा पुरवठा उपलब्ध करून दिला, रेमीडेसीवीर इन्जेक्शन आणि औषधाचा साठा उपलब्ध करून दिला, बेडची व्यवस्था करून दिली आणि म्हणून मा.महापौरजी या नागपूर शहराची परिस्थिती आटोक्यात आली. मा.महापौरजी, या नागपूर शहराच्या दोन्ही भुमीपुत्राचे नागपूर शहराच्या जनतेच्या वतीने आभार मानते त्यांना खुप खुप धन्यवाद देते. मा.महापौरजी, दिघोरी हा आऊटर प्रभाग आहे. या प्रभागातील सर्वसाधारण नागरिक आहे. या आऊटर भागात मुलांकरिता स्केटिंग रिंग, गरीब विद्यार्थ्यांकरिता, उद्यानाकरिता या बजेटमध्ये निधीची तरतूद केली त्याकरिता मा.स्थायी समिती अध्यक्षांचे मनपूर्वक आभार व्यक्त करते आणि खुप खुप धन्यवाद देते आणि त्यांचे अभिनंदन सुध्दा करते. मा.महापौरजी, हुडकेश्वर, नरसाळा या भागातील पायाभूत सुखसुविधा आणि पाणी पुरवठा योजना यासाठी या अंदाजपत्रकात निधीची तरतूद केली त्याबद्दल स्थायी समिती अध्यक्ष मा.प्रकाशजी भोयर यांचे मनपूर्वक आभार मानते. प्रभागात उपयोगी कामाकरिता प्रत्येकी २० लक्षाची तरतूद या अंदाजपत्रकात केली त्याबद्दल स्थायी समिती अध्यक्षांचे मी अभिनंदन करते. मा.महापौरजी, जेष्ठ नागरिकांसाठी हेल्थ शिबीरासाठी, विविध सहलीच्या आयोजनासाठी, प्रत्येकी २ लक्ष रुपयेची तरतूद केली या अंदाजपत्रकामध्ये केली त्याबद्दल मी स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.प्रकाशजी भोयर यांचे मनापासून आभार मानते त्यांनी या अंदाजपत्रकामध्ये नागपूर शहराच्या जनतेच्या

सुखसुविधेचा विचार केलेला आहे मा.महापौरजी, हे अर्थसंकल्प उत्तम अर्थसंकल्प आहे, या नागपूर शहरातील जनतेला न्याय देणारे अर्थसंकल्प आहे. मा.स्थायी समिती अध्यक्षांनी या कोव्हीडच्या काळामध्ये सादर केलेले अंदाजपत्रक आहे. परिस्थिती कितीही वाईट असली तरी काम करण्याची इच्छा कोणत्याही परिस्थितीत न डगमगता उत्तम काम करू शकतो. आपले आदरणीय अटलजीने यांनी म्हटले आहे.' क्या हार मे क्या जीत मे, किंचीत नही भयभीत रे, कर्तव्यपथ पर जो भी मिला वरदान मे मिला, कोशीश करने वाले की हार नही होती, कोशीश करने वाले की हार नही होती । मला दोन शब्द बोलण्याची संधी दिली त्याबद्दल मा.महापौरजी आपले आभार व्यक्त करते, वंदमातरम, जयहिंद, जयभारत

श्री.संजय बालपांडे :- मा.महापौरजी, मा. उपमहापौरजी, मा.सत्तापक्ष नेते, मा. आयुक्त, मा.विरोधी पक्ष नेता, सर्व नगरसेवक, नगरसेविका, पत्रकार बंधू. मा.अध्यक्षांनी अर्थसंकल्प सादर केला त्याचे समर्थन करण्याकरिता मी बोलत आहे. मा.अध्यक्षांनी या अर्थसंकल्पामध्ये समाजातील प्रत्येक घटकाचा विचार करून हे अर्थसंकल्प सादर केला त्याकरिता त्यांचे मनपूर्वक अभिनंदन करतो, आभार व्यक्त करतो. या दोन वर्षांपासून नागपूर महानगरपालिकेच्या विकास कार्यावर जो आर्थिक संकटाची साई निर्माण झाली होती या अर्थसंकल्पाच्या प्रकाशाने दूर होणार आहे अशी आम्हांला आशा झाली आहे. मा.महापौरजी, या कोरोनाच्या पेंडामिक काळामध्ये आपण प्रयत्नाची जी पराकाष्ठा केली आणि नागपूर शहराच्या जनतेच्या आरोग्य संबंधिच्या सोयीसुविधेसाठी परिश्रम केले. त्या परिश्रमाला मी नमन करतो आणि मा.महापौरजी आपले आभार व्यक्त रकतो. या अर्थसंकल्पामध्ये जनतेवर कोणताही अतिरिक्त कराचा बोझा न टाकता शहराचा सर्वांगीण विकासासाठी प्रयत्न केला आहे. आणि त्याच्या पलीकडे जावून असा विचार क्वचितच केला जातो तो म्हणजे जेष्ठ नागरिकांसाठी या अर्थसंकल्पामध्ये विचार केला आणि त्यांना आरोग्य विषयक सुविधा देण्यासाठी तसेच त्यांच्यात उत्साह निर्माण करण्यासाठी मा.स्थायी समिती अध्यक्षांनी मानस दाखविला त्याकरिता त्यांचे मी मनापासून आभार व्यक्त करतो. मा. महापौरजी, आजच्या या परिस्थितीमध्ये स्वःत आपल्याला माहीत आहे. कारण जेव्हा पासून महाविकास आघाडी सत्तेवर आली तेव्हा पासून दिव्यांग बांधवांसाठी विविध योजनेचा लाभ राज्य सरकारकडून पूर्वी भेटत राहत होता. अशा दिव्यांग बांधवांना त्यांच्या हक्कापासून दूर करण्याचे काम या सरकारने केले आहे. त्यात आर्थिक लाभाच्या अनेक योजना आहेत त्या मग संजय गांधी निराधार योजना असो, स्वावलंबन योजना असो त्यांना पैसा या सरकारच्या चुकीच्या धोरणामुळे मिळत नाही. याबद्दल किती वेळा आपण स्वःत व आपले या सदनाचे जेष्ठ सदस्य मा.आमदार दटके साहेब यांना सुध्दा हाविषय अवगत आहे. मा.महापौरजी आपण स्वःत या बाबत पुढाकार घेवून या निराधार दिव्यांग बांधवांना अनुदान मिळवून देण्याचा प्रयत्न केला आहे. मा.महापौरजी, एकीकडे राज्यसरकार कर्मचा-यांना अनुदानाची राशी प्राप्त होत नाही तर दुसरीकडे महानगरपालिकेच्या वतीने अशा या निराधार लोकांकरिता चांगल्या योजना आणल्या आहेत ही फार मोठी कौतुकाची बाब आहे. मा. महापौरजी, आपण आपल्या मार्गदर्शनामध्ये मा.स्थायी समिती अध्यक्षांनी दिव्यांग बांधवांकरिता शिष्यवृत्ती, प्रशिक्षण आणि आर्थिक सहाय्य

करिता राशी प्रस्तावित केली आहे. मा.महापौरजी, दिव्यांगांसाठी संगणक तंत्रज्ञान सहाय्यासाठी आर्थिक सहाय्य योजनेमध्ये २ करोड रुपये पेक्षा जास्त तरतूद केली आहे. तसेच दिव्यांगांना राष्ट्रीय स्तरावर, आंतरराष्ट्रीय स्तरावरील खेळाडूंना आर्थिक सहाय्य करण्याकरिता १०० लक्ष रुपयाची तरतूद केली आहे या व्यतिरिक्त या अर्थसंकल्पामध्ये दिव्यांग बंधुंना अत्यंत महत्वाची आणि दिलासा देणारी बाब म्हणजे दिव्यांगांना पंतप्रधान आवास योजने अंतर्गत ज्या दिव्यांगांना घराचे वाटप करतांना प्रत्येकी ५० हजार रुपये महापालिकेकडून सहाय्यता राशीची तरतूद प्रस्तावित केली आहे याकरिता मा.स्थायी समिती अध्यक्ष आणि मा.महापौरजी आपले अभिनंदन करतो आणि आभार व्यक्त करतो. मा.महापौरजी, आपले आयुक्त राधाकृष्णन बी. यांनी सुध्दा काही दिवसापूर्वी आपल्या अर्थसंकल्पामध्ये ही बाब इन्ट्राड्युस केली होती. त्यांच्या अर्थसंकल्पामध्ये सर्व दिव्यांगांसाठी ५० हजार रुपये देण्यात येईल असे नमुद केले आहे. आणि ही बाब मा.स्थायी समिती अध्यक्षांनी सादर केलेल्या अर्थसंकल्पामध्ये मी बघितली मला व्यक्तीशः खुप आनंद झाला आहे. महानगरपालिकेने त्या वर्गाचा सुध्दा विचार केला आहे ही फार मोठी मदत दिव्यांग लोकांना होणार आहे. त्यांना स्वतःचे घर मिळण्याकरिता महानगरपालिकेच्या वतीने सुविधा निर्माण करुन देत आहे याकरिता मला अभिमान आहे. या व्यतिरिक्त जे जेष्ठ नागरिक आहेत त्यांच्याकरिता विविध योजना या अर्थसंकल्पाच्या माध्यमातून मा.स्थायी समिती अध्यक्षांनी सुरु केलेल्या आहेत. त्याच्यामध्ये त्यांच्या आरोग्य शिबीर, सहली आयोजित करणे या करिता निधी राखीव करण्यात आला तो निधी नगरसेवकाच्या माध्यमातून देणार आहे त्यामुळे खरोखरच त्या नागरिकांची आपण दखल घेतली त्यांच्या समस्यांची दखल घेतली म्हणून मला या करिता मा.स्थायी समिती अध्यक्ष यांचे फार आभार व्यक्त करावयाचे आहे. मा.महापौरजी, मी ज्या प्रभागाचे प्रतिनिधीत्व करतो त्या प्रभागाचे आपण सुध्दा सदस्य आहात आणि या शहराचे प्रथम नागरिक आहात. आपल्या प्रभागामध्ये मोठी समस्या आहे ती म्हणजे या गांधीबाग परिसरात सार्वजनिक शौचालय नाही. हे क्षेत्र व्यावसायिक क्षेत्र आहे. त्याच्यामध्ये व्यवसायाशी संबंधित बाहेरचे फार मोठ्या प्रमाणात प्रवासी या क्षेत्रात येतात. व्यावसायिक प्रतिष्ठाने, बाजारपेठा आहेत. या ठिकाणी लोकांची वर्दळ मोठ्या प्रमाणात असते परंतु या क्षेत्रात सार्वजनिक शौचालय नाही. त्यामध्ये आपल्या आईबहीणींना मोठ्या अडचणीचा सामना करावा लागतो. मा.महापौरजी, आपण ४ कोटी रुपये सार्वजनिक शौचालय बांधा व वापरा या तत्वावर बांधण्याकरिता ठेवलेले आहे त्याकरिता मी मा.स्थायी समिती अध्यक्षांचे आभार व्यक्त करतो. परंतु या मधून ५०लक्ष रुपये आपल्या स्वःच्या आधी खान मस्जिद त्या ठिकाणी महानगरपालिकेचे संडास होते ते पाडण्यात आले आहे आणि आता त्या ठिकाणी जागा उपलब्ध आहे त्या जागेवर सार्वजनिक शौचालय निर्माण व्हावे आणि हे आपल्या कार्यकाळात काम पुर्ण व्हावे अशी आमची सर्वांची अभिलाषा आहे. त्या ठिकाणचे दुकानाचे शिष्टमंडळ सुध्दा आपल्याला भेटले आहे. त्या बदलीच समस्या सुध्दा आपल्याला अवगत आहे. माझी आपल्याला कळकळीची विनंती आहे याकरिता ५० लक्ष रुपयाचा निधी आपण या हेडमधून याकरिता अर्थसहाय्यकरिता नियोजन करावे. मा.महापौरजी, माझ्या काही सुचना होत्या, मा.स्थायी समिती

अध्यक्षांनी खुप चांगली योजना आणलेली आहे. परंतु आता जो डीसीआर आला आहे त्यामध्ये खुप काही निर्बंध आहेत. इमारतीच्या फ्रन्ट मार्जिनमध्ये खुप काही निर्बंध आहेत. नागपूर महानगरपालिकेने अशा जे निर्बंधाचे उल्लंघन केले असेल, जबरदस्तीने बांधकाम केले आहे अशा प्रकारची ज्यांना नोटीस गेली आहे आणि कोर्टात प्रकरण सुरु आहे या नियमांतर्गत राहून त्यांना काही शिथीलता देवू शकतो अशा प्रकरणामध्ये कम्पाऊडिंग करण्यासाठी त्यात काही होणार नाही. कारण आधीच्या राज्य सरकारने डीसीआरमध्ये निर्बंध सैल केले आहे. अशा पध्दतीने प्रकरण असेल तर त्यांना त्या मर्यादेत आणले तर त्यांचे बांधकाम सुरु होवू शकते आणि त्या बांधकामावर महानगरपालिकेला फार मोठे उत्पन्न प्राप्त होवू शकते. आपले जे कोर्टात प्रकरण आहेत आणि कोर्ट प्रकरणांत जे नुकसान होत आहे कोर्टाच्या फी च्या माध्यमातून त्यात सुध्दा सुट मिळू शकते. मा.महापौरजी, एक विषय आहे, काही वर्षांपासून सुरु आहे. महानगरपालिकेचा नगर रचना विभाग आणि स्थावर विभाग यांचा समन्वय न असल्यामुळे येणा-या दिवसांत महानगरपालिकेचे नुकसान होणार आहे. अग्निशमन फायर स्टेशनकरिता ज्या जागा आरक्षित केल्या आहेत त्या अॅक्वायर्ड केल्या नाहीत त्यामुळे ते आरक्षण लोस्ट होत आहे. ती जागा आपल्या मालकीत घेण्यासाठी विभागाकडून कोणत्याही प्रकारची अॅक्वायर्डची कार्यवाही करण्यात आलेली नाही. मा.महापौरजी, २० वर्षांपासून या दोन्ही विभागात कोणत्याही प्रकारचा ताळमेळ नसल्यामुळे ती जागा आपल्या हातातून जाण्याच्या मार्गावर आहे. येत्या काही वर्षांमध्ये त्या जागेवर चांगले फायर स्टेशनची निर्मिती करणे गरजेचे होणार आहे त्या जागा ताब्यात घेण्याकरिता आपल्या माध्यमातून योजना कार्यवाही करावी अशी याप्रसंगी विनंती करतो. आपण मला बोलण्याची संधी दिली त्याबद्दल आपले खुप खुप आभार मानतो. नमस्कार, जयहिंद

श्री.किशोर कुमेरिया :- मा.महापौरजी, मा.उपमहापौरजी, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष, मा.विरोधी पक्ष नेता, लोकप्रतिनिधी, मा.आयुक्त, आपल्या महानगरपालिकेचे अधिकारी वर्ग. मा.महापौरजी, या कोरोना काळामध्ये अत्यंत बिकट परिस्थिती निर्माण झाली होती. मा.स्थायी समिती अध्यक्ष यांनी आपला अर्थसंकल्प सादर केला त्यांनी या परिस्थितीत अर्थसंकल्प सादर केला त्यांचे या ठिकाणी स्वागत करतो, अभिनंदन करतो. आपले रोजच्या जीवनामध्ये काही ना काही घडत असते परंतु अशी परिस्थिती बघायला मिळाली नाही अशा या महामारीच्या काळामध्ये परिस्थिती बघायला मिळाली. या संपूर्ण देशामध्ये मागच्या वर्षी आणि या वर्षी सुध्दा बघायला मिळाली. ख-या अर्थाने आपल्या शहरामध्ये जे लोकप्रतिनिधी आहे त्यांच्या माध्यमातून जे लोकांना न्याय देण्याचे काम आपल्या माध्यमातून झाले त्याचप्रमाणे दुस-या विभागाचे कर्मचारी, डॉक्टर्स, नर्सस ज्या प्रमाणात सफाई कर्मचारी, आपल्या महानगरपालिकेचे ऐवजदार कर्मचा-यांनी काम केले त्यांचे शक्य तितके आभार मानले पाहिजे. अशा परिस्थितीत सर्व लोकांनी काम केले. नागपूर शहरातील अनेक सामाजिक संस्था आणि संघटनेने सुध्दा काम केले. आपले महानगरपालिकेचे दोन मुख्य उत्पन्न स्रोत राहिले त्याप्रमाणे अंदाजपत्रक तयार होत असे. महानगरपालिकेच्या उत्पन्नासाठी नियोजनबद्ध काम प्रशासनाने केले नाही असे मी या ठिकाणी म्हणेन. मा.महापौरजी, आपल्या सर्वांना माहीत आहे. आपल्या नागपूर शहरात दोन



संस्था आहेत. एक महानगरपालिका आणि एनआयटी. जेव्हा महानगरपालिकेकडे एनआयटी हस्तांतरीत झाली १९०० आणि ५७२ ले आऊटच्या माध्यमातून कोणत्याही प्रकारचे सॅगशनींगची कामे झाले नाहीत. अनेक लोक पैसे भरण्यास तयार होते परंतु नगर रचना विभागात या शहरातील जनता जेव्हा पैसे भरण्यासाठी आणि पैसे भरून डिमांड काढण्यासाठी तयार होती. परंतु नगररचना विभागाची मानसिकता अशी आहे त्यांचे उत्पन्न आणण्याचे काम आहे त्या नगररचना विभागाच्या कर्मचा-यामध्ये उदासिनता आहे. मग जे आपले उत्पन्नाचे मुख्य स्रोत आहे त्यात करोडो रुपये जमा होवू शकले असते ते काम झाले नाही त्या करोडो रुपयाचे उत्पन्न जर नागपूर महानगरपालिकेत जमा झाले असते तर नागपूर शहरातील जनतेला न्याय देण्याचे काम झाले असते. परंतु या नगर रचना विभागात कोणत्याही प्रकारची भुमिका, कोणत्या प्रकारचे उत्साहाचे काम झालेले नाही. आणि म्हणून लोकांना न्याय देण्याच्या दृष्टीने उत्पन्न मिळवू शकलो नाही. या विभागातून उत्पन्न तयार करू शकलो नाही. या विभागावर आपण लक्ष देवू शकलो नाही. आणि हे लेआऊट इकडे जातील की तिकडे जातील हे आजही झालेले नाही. मा.महापौरजी, आपल्याला विनंती करेल की हे एक विभाग असे आहे की आपल्याला चांगल्या पद्धतीचे उत्पन्न या माध्यमातून होवू शकते परंतु आजपर्यंत आपण या विभागाच्या माध्यमातून काम करू शकलो नाही. आपल्याला चांगली संधी आली होती परंतु आपण त्याला हॅन्डल करू शकलो नाही. आता तरी त्या विभागातून आपले उत्पन्न कसे वाढवू शकू, कारण निश्चितच उत्तम वाढणार आहे त्याकडे लक्ष देवून उत्पन्न वाढविण्याची गरज आहे. आपले उत्पन्न जर वाढले तर निश्चित रुपाने आपण विकास करू शकू. या शहरातील जनतेला न्याय देवू शकू आणि म्हणून या विभागाकडे विशेष लक्ष देण्याची गरज आहे. उत्पन्नाचे एक मोठे स्रोत हा नगररचना विभाग आहे. विभागाच्या माध्यमातून उत्पन्न वाढविले तर नागपूर शहरातील लोकांना न्याय मिळेल. लोकांना न्याय मिळवून दिले तर लोकांचे कामे होतील असा तो विभाग आहे. त्याचप्रमाणे या शहरामध्ये अनेक सिमेंट रस्ते केले आहे. हे सिमेंट रस्ते मेन रस्ते असल्यामुळे लोकांना हालअपेष्टा सहन कराव्या लागत आहे याचे कारण असे आहे. सिमेंट रस्ते बनवित असतांना त्याच्यामध्ये इतर गोष्टीचे नियोजन केले नसेल तर सिमेंट रस्त्यांना परवानगी देण्यात येवू नये असे माझे मत आहे. जे सिमेंट रस्ते बनले आहे त्यामध्ये नियोजन न केल्यामुळे लोकांना खुप अडचणी निर्माण झाल्या आहेत. बरेच ठिकाणी सिमेंट रस्त्यांची गरज नसतांना सिमेंट रस्ते बनविण्यात आले आहे. त्यामुळे ज्या ठिकाणी नियोजन केलेले आहे आणि परवानगी दिली असेल त्याच ठिकाणी बनविण्यात यावे अशी मी विनंती करतो. त्याचप्रमाणे मी कित्येक वेळा बोललो आहे. शहरातील नागरिकांना पिण्याची पाणी देण्याची जबाबदारी ही महानगरपालिकेची आहे आणि शहरात ओसीडब्लू ही कंपनी काम करीत आहे. महानगरपालिका आणि ओसीडब्लू यांच्या अधिका-यामध्ये कोणत्याही प्रकारचा समन्वय होत नाही. जे अधिकारी, कर्मचारी आहेत त्यांना अनुभव कमी आहे त्यांची बोलण्याची पद्धत बरोबर नाही असे मला वाटते. त्यांचे परस्पर नियोजन नाही, ज्याप्रमाणे पूर्वी महानगरपालिकेच्या अधिका-यांचा वचक पाहिजे आणि ते त्यांच्याकडून काम करून घेतले पाहिजे ते आपले अधिकारी काम करीत नाही ते ओसीडब्लूचे

कर्मचारी हे मनमर्जीप्रमाणे काम करतात. नागरिकांचे मोठ्याप्रमाणात हाल होतात. जे कर्मचारी आहेत त्या कर्मचा-यांपासून तर त्यांच्या इंजिनिअरपर्यंत ते नागरिकांशी बरोबर बोलत नाही. मुजोरी करतात अशा प्रकारच्या तक्रारी नागरिकांच्या आहेत. मा.महापौरजी, मी आपल्याला विनंती करेल की आपण मालक आहोत, आपल्या अधिका-यांनी त्यांच्याकडून काम करून घेतले आणि लोकांना न्याय मिळवून दिला आणि लोकांशी योग्य रित्या बोलावे त्यांना चांगल्या पध्दतीने उत्तर द्यावे अशी मी आपल्याला विनंती करेल. आता समोर निवडणुका आहेत आणि आम्हांला नागरिकांसमोर जायचे आहे. कुणाला जास्त फंड दिला, कुणाला कमी फंड मिळाला परंतु मा.महापौरजी, मी आपल्याला विनंती करेल की जे इमरजंसी काम आहे. त्यामध्ये इमरजंसी नुसार आपल्या नागरिकांना न्याय देण्यात यावा अशी मी आपल्या माध्यमातून सभागृहात विनंती करतो. आपण मला बोलू दिले त्याबद्दल धन्यवाद. जयहिंद, जयमहाराष्ट्र.

सौ.परिणिता फुके :- मा.महापौरजी, मा.उपमहापौरजी, मा.आयुक्त मा.सर्वसदस्य. सर्वप्रथम मी मा. प्रकाशजी भोयर यांचे अधिनंदन करते. त्यांनी सन २०२१-२२ चे बजेट ठेवले त्यांनी चांगले बजेट केलेले आहे आणि त्यात ज्या काही सुचना आहेत त्या बजेटमध्ये दिलेल्या आहेत ते मला वाटते जनसामान्यांच्या हिताच्या दृष्टीने त्यांनी बजेट पेश केले आहे. मा.प्रकाशजी भोयर हे जनसामान्यांचे नेता आहेत आणि त्यांनी जनतेच्या हिताने सगळ्या गोष्टीचा विचार करून बजेट पेश केले त्याबद्दल त्यांना मी शुभेच्छा देते. या बजेटमध्ये मला काही सुचना करावयाच्या आहेत. या बजेटमध्ये सगळे काही कंसीडर करण्यात आले आहे. हे वर्ष कोव्हीड महामारीत गेले. येणा-या काळात तीसरी लाट येणाची शक्यता वर्तविली आहे त्यामुळे मुलांच्या शाळा सुरु होणार की नाही हे सांगता येत नाही. त्यामुळे जर शाळा सुरु होणार नसतील तर त्या दृष्टीने काही नियोजन करण्यात आले आहे काय? कारण मुलांचे एज्युकेशनचे एक वर्ष गेले आहे त्यावर सुध्दा विचार करावा अशी माझी सुचना आहे. माझी दुसरी सुचना घरकुल या विषयात आहे. माझ्या प्रभागात सन २०२० मध्ये घरकुल योजनेसाठी ५६० नावांची यादी दिली होती. फक्त १४० परिवारांपैकी ४० लोकांना चेक मिळाला, बाकी लोकांना पहिला चेक सुध्दा मिळालेला नाही. मा.महापौरजी, मागच्या वर्षी घरकुल योजनेअंतर्गत फक्त ४० लोकांना चेक मिळाला आहे. त्यांनी घराच्या बांधकामाचे काम सुरु केले त्यांना दुसरा चेक मिळालेला नाही. बाकी लोक जे दोन-तीन वर्षांपासून चेकची वाट पाहत आहे. हे जे बजेट आलेले आहे मला वाटते त्यांना लोकांना चेक उपलब्ध करून देण्याची तरतूद यामध्ये करण्यात यावी अशा प्रकारची मला सुचना द्यावयाची आहे. हे बजेट खुप चांगले आहे मी पुन्हा एकदा मा.प्रकाशजी भोयर यांचे अभिनंदन करते. धन्यवाद.

श्री.सतिश होले :- मा.महापौरजी, सर्वप्रथम आपले अभिनंदन करतो, या महानगरपालिकेच्या गंभीर परिस्थितीमध्ये कोव्हीड काळाच्या दुस-या लाटेमध्ये आपण सर्वांना घेवून काम केले त्याबद्दल आपले अभिनंदन करतो. आज महानगरपालिकेच्या अंदाजपत्रकावर चर्चा सुरु आहे. आताच किशोर बोलले की महानगरपालिकेचे उत्पन्न आले की लोकांना न्याय देवू शकू. उत्पन्न वाढविण्यासाठी ज्या काही गोष्टी आहेत जे उत्पन्नाचे स्रोत आहेत ते वाढविण्याची व्यवस्था

केली पाहिजे. मा.महापौरजी, दरवर्षी आपण याच विषयावर बोलतो. महानगरपालिकेच्या एलबीटी विभागाकडून या विभागामार्फत प्राप्त होणारे उत्पन्न सन २०१३-१४ चे ते अजूनपर्यंत पूर्ण झाले नाही. सन २०१४-१५ चे कधी होणार आणि सन २०१५-१६ चे कधी होणार आहे. त्यामुळे महानगरपालिकेचे उत्पन्न कसे वाढणार याकडे लक्ष देण्याची गरज आहे. त्याचप्रमाणे मालमत्ता कर, आपल्या शहरात ५ लक्ष ४० हजार मालमताधारक आहेत त्यामध्ये १ लक्ष मालमत्तेची वाढ झाली आहे. ती वाढ करण्याकरिता लोकांना डिमांड गेली पाहिजे तर लोक टॅक्स भरण्यास तयार आहेत. लोक टॅक्स भरण्याकरिता जात असतांना आपल्या महानगरपालिकेकडे व्यवस्था नसल्यामुळे आणि त्या येणा-या ग्राहकाला जेवढा त्रास देता येईल तेवढा देवून त्यांच्याकडून दोन पैसे कसे घेता येईल. असे प्रकार घडत असतात. आपल्याला मालमत्ता विभागाकडून चांगले उत्पन्न होवू शकते तसेच आपल्या बाजार विभागात सुद्धा जो बुधवार बाजार आहे. महानगरपालिकेचे एकमेव मालकी असलेली जागा आहे. या ठिकाणी चांगले बाजार होवू शकते. या बाजारातून सुद्धा चांगले उत्पन्न होवू शकते त्यात कोणत्याही प्रकारची अडचण नाही. माझी विनंती आहे, माझ्या एरियामध्ये आहे. याकडे लक्ष देण्याची गरज आहे. आणि महानगरपालिकेच्या जितक्या इमारती आहेत, जागा त्या सर्व महानगरपालिकेच्या जागेचे ऑडीट व्हायला पाहिजे. महानगरपालिकेच्या मालमत्तेचे ऑडीट होणे गरजेचे आहे. मा.महापौरजी, मला एक गोष्ट सांगावी, या चारही विभागाकरिता आपल्याकडे एकच अधिकारी आहे काय? त्यांच्याकडे बाजार विभाग आहे, मालमत्ता विभाग आहे, स्थावर विभाग आहे. नागपूर शहरात मालमत्ता वाढूनही त्याच्या डिमांड गेल्या नाही आहेत. जर महानगरपालिकेचे उत्पन्न वाढवायचे असेल तर प्रत्येक विभागाला एक अधिकारी आणि कर्मचारी वर्ग दिला पाहिजे. जर वेगळा अधिकारी असेल तर चांगले काम होवून विभागामार्फत उत्पन्न प्राप्त होवू शकते. एक अधिका-याकडे चार विभाग दिले जात आहे. स्थावर विभागाचे ऑडीट नाही त्यामुळे माझी विनंती आहे मा.महापौरजी, प्रत्येक विभागाला एक सक्षम अधिकारी द्यावा आणि चांगला कर्मचारी वर्ग देण्यात यावा. जो परिपूर्ण असला पाहिजे जेणेकरून त्यांच्याकडून चांगले काम करून घेवून आपण लोकांना न्याय देवू शकलो पाहिजे. त्याचप्रमाणे जाहिरात विभागाने २००१ मध्ये पॉलीसी तयार केली होती. २००१ च्या पॉलीसीनुसार आजपर्यंत त्यामध्ये कोणती परवानगी लागते काय लागते ते फक्त डिपार्टमेंटला माहीत आहे बाकी कुणाला माहीत नाही. त्यामुळे मनात आले त्या ठिकाणी जाहीरात बोर्ड लावण्यात येते. शहरात काही मोठ्या कंपन्या आहेत. ठीक आहे मी आता उत्पन्न कसे वाढवायचे त्यावर बोललो. मी एक गोष्ट बोलतो, माझी एक फाईल सिमेंट रस्त्याची ती फाईल टेंडरमध्ये घेतली. मी आपल्याकडे ती फाईल घेवून आलो होतो आपण तालेवार साहेबांना या बजेटमध्ये घेण्यासाठी सांगितले होते. मी आपल्याला विनंती केली होती. त्या कामाचे नाव या बजेटमध्ये नाही ते काम या बजेटमध्ये येणार नाही. मी आजपर्यंत बघितले, बजेटमध्ये कशा प्रकारचे काम केले जाते. मा.महापौरजी, कुठेतरी समानता ठेवण्यात यावी. एकच सिमेंट रस्त्याची फाईल आणली होती परंतु तेही काम बजेटमध्ये ठेवले नाही. मी सांगतो मा.महापौरजी, जे सिमेंट रस्त्याचे काम करण्यात आले त्या ठिकाणी पूर्ण गडरलाईन खोदून

ठेवली आहे. त्या सिमेंट रस्त्याचे काम ज्या ठेकेदाराने केले त्या ठेकेदाराला सांगूनही काम करीत नाही. कमीत कमी त्या ठेकेदाराला जागा दाखविली पाहिजे. ठेकेदाराने काम करीत असतांना चांगले काम केले पाहिजे नाही तर त्याची जागा त्याला दाखविली पाहिजे. तसेच समसमान पाणी योजना, २४ बाय ७ योजना, ही योजना चुकीची नाही आहे परंतु याचे कारण असे आहे की आजही ज्या भागात तीन-चार तास पाणी येते त्या भागात २४ तास पाणी यावे म्हणून ही ओसीडब्लू कंपनी कामाला लावली. माझ्या एरियामध्ये अर्धा तास सकाळी आणि अर्धा तास सायंकाळी पाणी येत होते त्या ठिकाणी २४ तास पाणी येईल म्हणून काम करण्यात आले परंतु २४ बाय ७ आमच्या एरियात पाणी पोहचलेले नाही ही बाब चुकीची आहे. या ओसीडब्लू कंपनीवर कुणाचे नियंत्रण नाही. २४ बाय ७ पाणी पुरवठा करणार होते ते एक तास सुद्धा पाणी पुरवठा करू शकत नाही. या ओसीडब्लू कंपनीचे ऑडीट होत नाही. काम कसे करतात नाही करीत याकडे लक्ष देण्याची गरज आहे. मा.महापौरजी, मी माझ्या एरियामध्ये एक कोव्हीड लसीकरण सेंटर मागितले होते परंतु मला लसीकरण केंद्र दिले नाही. माझ्या एरियात लसीकरण केंद्र करण्यात यावे अशी मी विनंती करतो. धन्यवाद

श्री. संदीप गवई :- मा.महापौरजी, हमारें स्थायी समिती के अध्यक्ष, श्री प्रकाश भाउ भोयर ने यह बजेट प्रस्तुत किया है, मैं इस बजेट का भाषण शुरू करने के पहले दो लाईन कहना चाहता हूँ, कुछ तो फुल खिलाये हमने और कुछ फुल खिलाने है, पर थोडा मुश्किल है यह काम क्योंकि कोरोना ने कांटे कई बिछाये है। ऐसे कोरोना के संकट काल मे इस बजेट मे हमको लग रहा था, कि बहुत तो नही मिलेगा लेकिन जो अतिआवश्यक काम है, उसी पर तरतुद मिलेगी और बाकी बहुत सारे हेड छुंट जायेंगे। लेकिन जिस समय यह बजेट पुस्तिका हाथ मे आयी बहुत दिल खुश हो गया कि, हर पद का हर काम का समावेश इस बजेट मे किया गया है। छोटे से छोटे काम को लेकर बडे से बडे काम को इस बजेट मे लेने का प्रयास किया गया है, मैं दिल से सराहना करता हूँ इस बजेट की और धन्यवाद देता हूँ मा.स्थायी समिती अध्यक्ष को, जिन्होने यह बजेट दिया है। और मा.महापौरजी मैं आपको भी धन्यवाद देता हूँ कि, आपने इस बजेट बनाने मे मा.अध्यक्ष, स्थायी समिती श्री प्रकाशजी भोयर को पुर्ण सहयोग दिया है, मा.प्रकाशजी भोयर यह जनता का प्रतिनिधित्व करते है वह खुद भी एक सामान्य व्यक्ति है, और उस बात की छबी इस बजेट मे दिखती है कि, छोटे छोटे कामो को इस बजेट मे उन्होने गहराई से उतारा है, ओर हमको एक अच्छे महापौर नागपूर नगरी को मिले है जो बहुत ही अभ्यासु है, हर चिज की जानकारी लेनावाला महापौर नागपूर शहर को मिला है, आपके कारण इस बजेट को एक अच्छा रुप मिला है, आप दोनो ने मिलकर मा.महापौरजी, बहुत सारी चिजो को मिलकर इस बजेट मे प्रस्तुत किया है, बहुत सारी बात आपकी इस बजेट मे दिखती है, इस बजेट मे आपने बहुत सारी नयी चिजो को डालकर एक अच्छा बजेट यहां पर प्रस्तुत किया गया है। इस साल हम सभी लोग स्वतंत्रता की ७५ वी वर्षगांठ मनाने जा रहे है, इस संदर्भ मे बहुत सारी नई योजना आपने लाई है, मैं इस बात के लिये मा.महापौरजी आपका और प्रकाश भाउ का दिल से धन्यवाद व्यक्त करता हूँ। आपने ७५ हेल्थ पोस्ट निर्माण करने का संकल्प लिया है, उसी तरह से जनता के मन मे राष्ट्र के प्रति देशभक्ती

जागृत करने के लिये योगदान इस बजेट मे दिखाई दे रहा है, मातृभूमी के लिये जिन स्वातंत्र संग्राम सेनानीयो ने अपने प्राणो की आहुती दी है, उनके नाम का फलक यह बहुत ही अभिनव योजना है, हमने उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की, वंदेमातरम नागरी आरोग्य सुविधा छोटी छोटी बस्तीयो मे गरीब आदमीयो को आरोग्य की सुविधा मिल सके, ऐसी सुविधा ७५ सेंटरो पर निर्माण करने का आपने संकल्प लिया है, उसके लिये तरतुद की है। और गरीब आदमी को उनके घर के पास सभी प्रकार की आरोग्य सुविधा मिलेगी यह बहुत ही सराहनीय कदम है। नागपूर शहर मे टॅलेंट की कोई कमी नहीं है, आनेवाली पिढी हर फिल्ड मे बहुत ही होशियार है, नागपूर महानगरपालिका के स्कुल के बच्चो को अच्छी शिक्षा मिलनी चाहिये, उनको आगे बढ़ाने के लिये एक बहुत ही अच्छा सराहनीय कदम सुपर ७५ के माध्यम से हाथ मे लिया गया है, अगर ८ वी से हम ७५ टॅलेंटेड बच्चो को चुनकर उनको हर प्रकार की शैक्षणिक सुविधा प्रदान करेगें तो आनेवाले समय मे वह आयएएस, आयआयटी के क्षेत्र मे आगे बढेगें। यह बहुत ही अच्छी बात है कि यह गरीब बच्चे किसी कारणवर्ष शिक्षण के क्षेत्र मे उनके पास सुविधा न होने के कारण पिछे रह जाते थे, लेकिन इस सराहनीय कदम से वह आगे बढेगें, इसब बात के लिये मैं तहेदिल से आपका शुक्रिया अदा करता हूँ। देशभक्ती के नाम पर वंदे मातरम उद्यान ऐसे कई नयी नयी योजना आपने बजेट मे लाई है, इस बात के लिये मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। मा.महापौरजी, मा.अध्यक्ष, स्थायी समितीने एक अच्छा बजेट पेश किया है, लग रहा था कि कुछ कुछ काम छुंट जायेगे लेकिन सभी कामो को इस बजेट मे लेने का प्रयास किया गया है, इस बात के लिये मैं मा.अध्यक्ष, स्थायी समिती का अभिनंदन करता हूँ। पिछले देढ साल से नागपूर शहर मे विद्युत दिवो का प्रश्न प्रलंबित था, लेकिन प्रकाश भाउ के नाम मे प्रकाश है, मुझी पुरी उम्मीद थी कि, इस बजेट मे विद्युत दिवो के लिये तरतुद होंगी और लोगो को लाईट मिलेगे, नये पथ दिप लगेगे और नागपूर फिर से प्रकाशमान होंगा तो प्रकाश भाउ आपने वह काम करके दिखाया है। इस बात के लिये मैं आपका अभिनंदन करता हूँ। इस काम के लिये आपने ७८ कोटी रुपयो की तरतुद रखी है और महिने भर के अंदर वह काम शुरु हो जायेगे ऐसी मुझे आशा है। इसब बात के लिये मैं आपका अभिनंदन करता हूँ कि, आपने अपने नाम के अनुरूप काम किया है, जैसाकि मुझे जलप्रदाय समिती का अध्यक्ष बनाया गया है और नागपूर शहर की पानी की समस्या हल करने का दायित्व दिया गया है, उस माध्यम से भी मैंने इस बजेट का अभ्यास किया है, और मुझे इस बजेट मे यह दिखा है कि, अमृत योजना के अंतर्गत ७५ कोटी रुपये दिये गये है, नागपूर शहर के हर भाग मे २४ बाय ७ पानी देने का हमारा सपना है, उस धर्तीपर हमने नागपूर शहर के कई स्थानो पर पिने के पानी की पाईप लाईन डाली है, जिसके कारण टँकर पर होने वाला खर्च बचेगा, अभी २७० कि.मि. के पाईप लाईन का काम हो चुका है, मैं प्रयत्न करुंगा कि अमृत योजना का काम जल्द से जल्द पुरा किया जाये। इस बजेट मे हुडकेश्वर नरसाला के विकास के लिये पैसे रखे गये है, वॉटर हार्वेस्टिंग के लिये अच्छा संकल्प लिया गया है, इस काम को इस बजेट मे समावेश किया गया है। हर चिज को इस बजेट मे लिया गया है, मैं इस बजेट की सराहना करता हूँ, पिछले साल मा.सदस्योने खुप मेहनत करके अपने कामो को वर्क आर्डर तर लेजाने का प्रयास

किया लेकिन प्रशासन ने नये नये नियम लाकर मा.सदस्यों के वार्ड विकास के काम को रोकने का प्रयास किया, बड़े अधिकारी नियम बनाते थे, लेकिन निचे के अधिकारियों को नियम मालूम नहीं थे, और ऐसे समय ऐसा लग रहा था कि प्रोव्हीजन है पर यह देना नहीं चाहते हैं, नये नये नियम निकालकर फाईल वापस जाती थी, मा.महापौरजी, पुरानी पद्धत बहुत आसान थी, वर्क आर्डर होने के बाद तुरंत काम की शुरुवात होती थी, वर्क आर्डर होने के बाद त्रुटीयाँ निकालना अच्छी बात नहीं है, आप प्रशासन को आदेश दे जिन कामों के वर्क आर्डर हो चुके हैं वह तुरंत शुरू किये जायें, ताकि जनता को राहत मिल सके, एक अच्छा बजेट प्रकाश भाउ ने पेश किया है, मैं इस बजेट की सराहना करता हूँ, इस बजेट को समर्थन करता हूँ, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इस बात के लिये मैं आपका धन्यवाद व्यक्त करता हूँ।

श्रीमती आयेशा उईके :- मा.महापौरजी, मैं यह कहना चाहती हूँ कि, मैंने फुटबाल ग्राँड प्रभाग ८ के बारे में शिकायत की थी कि, फुटबाल ग्राँड की जो लिज है वह रद्द होनी चाहिये, क्योंकि वहाँ पर हमारे महानगरपालिका की छे स्कूल हैं, उन स्कूलों के बच्चों का भविष्य उस ग्राँड पर निर्भर है, उस ग्राँड में खेल कम होते हैं और शादीयाँ ज्यादा होती हैं, और वहाँ गंदगी भी बहुत ज्यादा होती है, उस ग्राँड में हॉस्पिटल होने की वजह से पेशेंट को लाने लिजाने का रास्ता बंद कर दिया गया है, उस जगह पर जो शादी होती है उसका पैसा लिया जाता है, १० हजार रुपये लिये जाते हैं और इलेक्ट्रीक का बिल कापॉरेशन भरती है, अगर वह ग्राँड म.न.पा. अपने तरफ लेती है और लिज खत्म करती है तो यह बात म.न.पा.के हित में होगी, वैसे भी उस जगह की लिज खत्म हो गयी है और १९७१ से उसके पैसे नहीं भरे गये हैं, मैं पिछले चार साल से उस ग्राँड के लिये बोल रही हूँ, म.न.पा.ने आज तक मुझे उसका ब्यौरा नहीं दिया है, ग्राँड के उस पार जो लोग हैं, उनके पीने के पानी के लिये पाईप लाईन डालनी है, लेकिन वहाँ खुदाई नहीं करने दिया जाता है, दूसरा बकरा मंडी की जो बिल्डींग है वह पुरी तरह से जरजर हो गयी है, उसको बनाकर जो वहाँ रुम पर जो अतिक्रमण है, उसको बनाकर उनको रुम दिये जायें, दूसरी बात यह है कि मेरे एरीआ में स्कूलों की साफ-सफाई व पेंटिंग नहीं हुई है, एक गुलाब बाबा स्कूल है, एक शादी हॉल तकिया में है वहाँ जुआ होता है बुरे काम होते हैं मैं यह चाहूंगी कि, गुलाबबाबा स्कूल में महिलाओं की जिम्मेदारी होना चाहिये, और तकिया का जो हॉल है वहाँ जेन्ट्स लोगों की जिम्मेदारी होनी चाहिये, हमारे एरीआ में आज सांस लेना बहुत मुश्किल हो गया है आज जो बिमारी फैली है, आज इंसान ऑक्सिजन के लिये इतना दौड़ रहा है, हमारे जिचकार मँडम है उन्होंने कहाँ था कि, जो लोग अपने मकान का टैक्स भरते हैं उन लोगों के घर के सामने अगर एक पौदा लगेगा तो उनसे टैक्स कम लिया जायेगा, और हमारे एरीआ में हम कहीं भी झाड़ लगाने के लिये या फिर एटीएम लगाने के लिये कहते हैं तो लोग विरोध करते हैं फिर कहाँ से ऑक्सिजन मिलेगा। मैंने दो पानी के एटीएम लगाने के लिये कहाँ था एक कब्रस्तान में लेकिन वह काम नहीं हुआ, आज हमारे एरीआ में पिछले चार साल से गंदा पानी आ रहा है, लाईन नहीं बिछी है, कहीं मिटर लगे हैं तो कहीं मिटर नहीं लगे हैं, कहीं पर पाईप लगे हैं तो कहीं पाईप नहीं डाले गये हैं, हम ओसीडब्लू से बहुत नाराज हैं, मुझे उम्मीद है कि हमारे एरीआ में जो बिमारी फैली है गंदे पानी की वह आपके

आनेसे दूर होंगी। इसलिये दो एटीएम के कॅप्सुल लगाये जाये। ताकि इंसान अपना पांच रुपये का सिक्का डालकर पानी लेसके। नल शुरु करने का टाईम भी अपने मन से कम ज्यादा किया जा रहा है, इस काम मे काफी मनमानी हो रही है, पांच बजे नल आनेवाला कभी छे बजे आ रहा है, कभी सात बजे आ रहा है, ८ बजे आ रहा है और ९ बजे बंद कर दिया जा रहा है, प्रभाग ८ जो है वह गोळीबार चौक से है प्रभाग ८ मे आयआरडीपी नाली के काम बंद है, मेरे प्रभाग मे पिछले चार साल से कोई काम नहीं हुऐ है, मैंने महिलाओ के लिये सुलभ शौचालय बनाने की बात कही थी, एक लेटर हैदरी रोड पर बनाने का दिया था, और एक सराय के पिछे बनाने का लेटर दिया था, महिलाओ को काफी तकलीफ होती है, जेन्ट्स मस्जिद मे चले जाते है, एक एरीआ दिया था मैंने चुडी मार्केट है जो हैदरी रोड पर जो सरकारी कॉम्प्लेक्स बना है, वहां पर कोई अपना कॉम्प्लेक्स बनारहा है, वाझे साहब को मैंने बताया था वहां अतिक्रमण हो रहा है, उन्होने कागद देखे या नहीं मालुम नहीं, उस जगह पर कब से काम शुरु है लोग अतिक्रमण कर रहे है, लेकिन किसी का कोई ध्यान नहीं है। म.न.पा. के लोगो को बताने के बाद लेटर देने के बाद कोई कारवाई नहीं होती, एमएलए कॅन्टीन के संदर्भ मे लेटर दिया था, लोग रहते है बाहर गांव मे और अपनी गाडीयाँ एमएमए कॅन्टीन मे लाकर खडे कर देते है, वहां लोगो ने अपने घर का सामान अपना जो म.न.पा. का दवाखाना है उस दवाखाने के गेट पर रख दिये है, वहां लोग गांजा पिते है, कोई बोलेगा कि वह म.न.पा. का दवाखाना है, वहां पर मैंने कॅमेरे लगाने के लिये कहा, बहुत सारी चिजे है जो आज तक नहीं हो पाई है मैं मा.महापौरजी आपसे बहुत उम्मीद करती हुँ अगर आनेवाले आठ महिने मे मेरे प्रभाग मे कोई काम होते है तो मुझे लगेगा कि, चुनकर आने के बाद मैंने अपने एरीआ मे कुछ काम किये। दुसरा मेरा एक मकान प्रभाग चार मे है मैंने देखा कि, वहां पानी की काफी समस्या है, लोग वहां के टॅक्स भरते है वहां किसी को यह पता नहीं है कि यहां कौन नगरसेवक है, वहां पर जानवरो का काफी ढेरा लगा हुआ है, वह लोगो के घरों मे घुंस रहे है बच्चो को कांट रहे है, वहां के नगरसेवक को मैंने बताया है वह काफी मदद करते है, लेकिन मैं यह चाहुंगी कि, उस एरीआ की ओर ध्यान दिया जाये, और उसी तरह से मोमिनपुरा क्षेत्र से अतिक्रमण तुरंत हटवाया जाये। इन शब्दों के साथ मैं अपने वानी को विराम देती हुँ।

**श्रीमती प्रगती पाटील :-** श्रीमती प्रगती पाटील:- मा.महापौरजी, मा. उपमहापौरजी, मा.आयुक्त, मा. सभागृहातील सर्व सदस्य, मा. अधिकारी वर्ग, मा.पत्रकार बंधू. शहराचा सर्वांगीण विकास होण्याकरिता सन २०२१-२२ चे अर्थसंकल्प मा.स्थायी समिती अध्यक्ष, स्थायी समितीचे सर्व सदस्य आणि मा.महापौरजी यांच्या संकल्पनेतून सभागृहात ठेवण्यात आला. या कोरोनाची परिस्थिती लक्षात घेता आरोग्याच्या खुप सा-या चांगल्या योजना मा.महापौरजी यांच्या संकल्पनेतून हा सर्व अर्थसंकल्पात ठेवल्या आहेत. महापौर दृष्टी योजना महापौर नेत्रज्योती योजना, महापौर औषधी योजना, महापौर वैद्यकीय साधनसामुग्री योजना आणखी एक खास योजना म्हणजे माता दुग्ध अधिकोष योजना यामध्ये खास गोष्ट सांगायची आहे की या सर्व योजनेचा आर्थिक भार प्रशासनावर न पडता लोक सहभागातून या योजना कार्यान्वित करावयाच्या आहेत ही अतिशय आनंदाची गोष्ट आहे. शिक्षणासाठी अतिशय उत्तम योजना या

अर्थसंकल्पात अंतर्भाव केलेली आहे. त्यामुळे हुशार विद्यार्थी समोर येतील. आणि समाजातील महत्वपूर्ण घटक म्हणजे जेष्ठ नागरिक मा.महापौरजी, जेष्ठ नागरिकांची मुले जे परदेशात गेलेली आहेत ते त्यांना सोडून गेलेली आहेत त्यांना सांभाळलेले नाही. अशा जेष्ठ नागरिकांसाठी काही तरी केले पाहिजे असे माझ्या मनात होते आणि या जेष्ठ नागरिकांसाठी आपण हे सर्व करू शकलो ते आपण सर्वांच्या सहकार्याने आणि अर्थसंकल्पात या जेष्ठ नागरिकांसाठी ज्या विविध सोयी उपलब्ध करून दिल्या आहे. त्याच्यामध्ये जेष्ठ नागरिकांचे हेल्थ कॅम्प, जेष्ठ नागरिकांना सहलीला घेवून जाणे, त्यांना आनंद देणे त्यांना आधार देणे ही अत्यंत महत्वाची गोष्ट आपण केलेली आहे. मला वाटते महाराष्ट्रात पणजी महानगरपालिका जी जेष्ठ नागरिकांसाठी मोठ्या प्रमाणात लक्ष देत आहे. सामाजिक बांधिलकी मधून प्रत्येक नगरसेवकांना जेष्ठ नागरिकांची सेवा करण्याची संधी उपलब्ध होणार आहे. या अत्यंत चांगल्या योजनेला महापौर वैद्य हे नाव द्यावे अशी मी कळवळीची विनंती करते. धन्यवाद

श्री.दुनेश्वर पेठे :- मा.महापौरजी, मा.स्थायी समिती सभापती, विरोधी पक्ष नेता, सर्व नगरसेवक व नगरसेविका, मा.महापौरजी, आपले सर्वप्रथम मी स्वागत करतो की या कोव्हीडच्या परिस्थितीमध्ये सुद्धा हा अर्थसंकल्प मांडलेला आहे त्या बदल मी आपले व सर्व सभागृहातील सदस्यांचे मी स्वागत करतो. मा.महापौरजी आपण मागच्या दोन वर्षांपूर्वी ३२०० कोटी रुपयांचा बजेट मांडलेला आहे. नागपूर शहराची लोकसंख्या ही ४० लाख आहे अशा परिस्थितीमध्ये जर ८०० कोटी रुपयांचा बजेट जर कमी होईल तर शहराचा कसा विकास करता येईल, जर आपण ७०० ते ८०० कोटी ने जर बजेट कमी होईल तर त्याचे कारणे आपल्याला शोधावे लागतील. मा.महापौरजी, शहर वाढत आहे, शहरातील नागरिकांच्या गरजा दिवसेंदिवस वाढत आहे. मनपा चे जे उत्पन्न आहे ते कमी होत चाललेले आहे. शासनाच्या भरवश्यावर आपण आजही आहे.आज आपल्याला उत्पन्न वाढविण्याची गरज आहे. शहरामध्ये मनपाच्या जागा आहे त्या बी.ओ.टी तत्वावर देऊन त्यामधून उत्पन्न वाढविण्याचा विचार करावा लागेल, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज रस्ते विकास कार्यक्रमासाठी ६३.१६ लक्ष रुपये ठेवले आहे. मा.महापौरजी, शहर मोठे आहे ६३ करोड रुपयांमध्ये कसे कामे होतील, मागच्या दोन ते तीन वर्षांमध्ये काही सिमेंट रोडचे कामे झालेले आहे ते विशेष मर्जीतील लोकांच्या घरांच्या पुढचेच झालेले आहे. जिथे काही गरज नाही अशा भागात सिमेंटचे रोड बांधण्यात आलेले आहेत. त्या रोडचा मॅटेनन्स पिरेड तीन ते चार वर्षांचा असेल अशा ठिकाणी सुद्धा मा.महापौरजी आपण रस्ते बनवून दिलेले आहे. ५७२ आणि १९०० च्या लेआउटच्या विकासाकरीता आपण २३.१८ कोटी रुपये ठेवले आहे. शहरामध्ये ५७२ आणि १९०० चे लेआउट मोठ्या प्रमाणात असल्यामुळे हा निधी अपुरा पडेल, एकीकडे आपण मेट्रोसिटी करीता निघालो आहे तर अशावेळी आपले काही कामे राहून जातील, त्यामुळे हा निधी आपण वाढवून देण्यात यावा आणि शहराला चांगले सुसज्ज करण्याची कृपा करावी. परमपुज्य डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर जन्मशताब्दी स्मारकाकरीता आपण २ कोटी रुपयांची तरतूद केलेली आहे. ऐवढेमोठे महामानव सर्व लोक त्यांची वंदना करते अशा महामानवाच्या स्मारकासाठी फक्त २ कोटी रुपयांची तरतूद केलेली आहे ते काही योग्य नाही.



त्यांच्या स्मारकांचे काम करण्यासाठी निधीचे जरी काम पडले तरी सुध्दा आपल्याला ते करावे लागेल, तसेच मा.बाळासाहेब ठाकरे स्मृती व शैक्षणिक स्मारकासाठी आपण ५ कोटी रुपयांची तरतूद केलेली आहे. चांगले लोक व नागरिक तयार व्हावे याकरीता डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर असतील, मा.बाळासाहेब ठाकरे असतील, अशा लोकांकरीता ५- ५ कोटी रुपयांचा निधी ठेवला तर त्यांचा मान वाढविण्यासाठी जनतेला त्यांचे मार्गदर्शन होण्याकरीता तो निधी कमी पडेल. आपण २४ बाय ७ योजनेच्या माध्यमातून पुर्ण नागपूरमध्ये २०१२ ला भुमिपूजन केले त्यावेळी तत्कालीन महापौर तसेच तत्कालीन प्रशासनाचे जे प्रमुख होते तेव्हा त्यांनी सांगितले होते की आपण संपुर्ण नागपूर शहराला २४ बाय ७ पाणीपुरवठा करू परंतु आज २०२१ चालु आहे अनेक वस्त्यांमध्ये तसेच ऐरियामध्ये सुध्दा पाणी मिळत नाही. ओसीडब्लु कंपनीने मागच्या दोन वर्षात जे कामे केले पुर्ण प्रभागाला त्यांनी फोडून काढले आज तेथे रस्ते नाही नुसती माती आहे. तेथे त्यांनी रिस्टोरेशन सुध्दा केलेले नाही. लोकांना घराच्या बाहेर निघता येत नाही अशी परिस्थिती ओसीडब्लु कंपनीने करून ठेवली आहे. ७ वर्षांपासून १ तास किंवा अर्धातास पण पाणी मिळत नाही आणि एकीकडे आपण ओसीडब्लुच्या माध्यमातून ऐवढे कामे झाले असा आपण त्यांचा गवगवा करतो, ओसीडब्लु कंपनीचा अधिकारी व्यवस्थित बोलत सुध्दा नाही आणि सांगितलेली कॅम्पलेंट सुध्दा करीत नाही राजकारण करण्याचे काम आपले किंवा नगरसेवकांचे असायला पाहिजे परंतु राजकारण हे ओसीडब्लुचे अधिकारी किंवा त्यांचे कर्मचारी करतात हे काही योग्य नाही. नगरसेवकांवर गुन्हे दाखल करण्याची भाषा ते बोलतात अशा परिस्थितीमध्ये आम्ही काय करावे. ओसीडब्लु कंपनीवर वचक बसविण्यासाठी ओसीडब्लु कंपनीला बोलावून त्यांना तंबी देण्यात यावी, एखादे काम व्हायचे असेल किंवा अमृत योजनेचे कामे असतील तर ते महानगरपालिकेवर ढकलतात अशा परिस्थितीमध्ये १०० ते १५० लोक नगरसेवकांच्या घरी जातात. मा.महापौरजी, आपल्याला या गोष्टीकडे लक्ष द्यावे लागेल, बाकीचे सर्व कामे होत राहिल परंतु सर्व सामान्य नागरिकांना जर आपण पाणी देऊ शकणार नाही तर हे काही खूप चांगले होणार नाही. मागच्या वर्षी कोव्हीड आला तेव्हा या देशात तसेच या शहरातील नागरिकांची अडचण झाली. मा.महापौरजी विदेशामध्ये ही लहर पहिल्यांदा आली आणि त्या लहरीमध्ये आपण सुध्दा चांगले कामे केले मला असे वाटते की, कोव्हीड मध्ये काम चांगले झाले परंतु जी कोव्हीडची दुसरी लाट आली तेव्हा त्या देशातील लोकांसाठी जी सोयी सुविधा केली होती परंतु आपल्या देशातील तसेच आपल्या शहरातील लोकांसाठी कोव्हीड आला आणि गेला असे प्रशासनाने गृहीत धरले, पहिल्या लाटेमध्ये जर ४०० लोकांचे प्राण गेले असेल तर दुस-या लाटेमध्ये ४००० लोकांचे प्राण गेले आज ते २०० टक्क्यांनी त्यामध्ये वाढ झालेली आहे. त्याकरीता शहरामध्ये आरोग्याची व्यवस्था करावी लागेल, एखादया वेळेस एखादा रस्ता सिमेंटीकरणाचा किंवा एखादा प्रोजेक्ट झाल किंवा नाही झाला तरी चालेल परंतु गरीब लोकांना आरोग्याची सुविधा कमीत कमी देता यावी, आपल्याला या सर्व गोष्टीचा विचार करावा लागेल, मा.महापौरजी, आपण त्याकरीता बजेटमध्ये पैसे ठेवलेले आहे त्या बजेटमध्ये होत असेल तर ठिक आहे परंतु त्यामध्ये अधिक वाढ करून लोकांना चांगली आरोग्य सेवा दिली तर आपल्या

देशामध्ये आपल्या शहरांचे चांगले नाव होईल, ज्या मुलांना पोरके व्हावे लागते ते मुलं पोरके होणार नाही. मा.पंतप्रधान महोदयांनी जी घोषणा केली ती अतिशय चांगली केली ज्या लोकांचे पालक मरण पावले त्या लोकांना त्यांनी दत्तक घेण्याची व्यवस्था केली ही अतिशय चांगली योजना केलेली आहे. त्याचबरोबर राज्याचे मा.मुख्यमंत्री श्री. उद्धवजी ठाकरे साहेबांनी तसेच अर्थमंत्री श्री.अजितदादा पवार यांनी तोच निर्णय येथे कायम ठेवला त्या बदल त्यांचे सुद्धा अभिनंदन, मी जे सजेशन आपल्याला दिलेले आहे त्याचा आपण विचार करावा, आपण मला बोलण्याची संधी दिली त्यामुळे मी आपला आणि प्रशासनाचा खूप खूप आभारी आहेत, धन्यवाद.

श्री जुल्फेकार अहमद भुट्टो :- मा.महापौरजी, कोरोना के कॉल मे हेल्थवालो ने जो अपनी सेवा दी, ऐसे कोविड योद्धाओ को सलाम । मा.महापौरजी, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि, मोमिनपुरा क्षेत्र मे अंग्रेजो की दौर की ट्रंक लाईन है, पिछले ७० साल से वह लाईन बदलने का काम अभी तक नहीं किया गया, पिछले बार तात्कालीन पालकमंत्री श्री बावणकुळेजी के माध्यम से जनता दरबार का आयोजन किया गया था, उस जनता दरबार मे हमने निवेदन दिया था कि, मोमिनपुरा क्षेत्र, गोलीबार चौक, बोरीयापुरा, अंसारनगर ऐसे अनेक क्षेत्रो मे पुरानी सिव्हर लाईन और ड्रेनेज लाईन है, जहां उसका उपयोग पहले पांच हजार लोग करते थे, आज उसपर ५० हजार से भी ज्यादा का लोड आगया है, इसका नवीनीकरण करना बहुत आवश्यक है । उस जनता दरबार मे तात्कालीन पालकमंत्रीजी ने आदेश दिये थे कि, उस काम का डीपीआर बनाकर नये तरीके से सिव्हेरेज लाईन का काम किया जाये, लेकिन आज तक नागपूर महानगरपालिका की तरफ से वह काम नहीं किया गया, जिसका दुष्परिणाम यह है कि, मोमिनपुरा, चुडी गल्ली के अतराफ मे जो मकानात है उन मकानो पर रोज लायट्रीन और बाथरूम का गंदा पानी डबडब भरा रहता है, और उस क्षेत्र के जो कुंवे है उन कुंवो मे वह पानी रिजता है, उसकी वजह से पुरे कुंवे खराब हो गये है, मेरी आपसे यह गुजारीश है, आप हमारे क्षेत्र के रहनेवाले है, आप नागपूर शहर मे एक अच्छा नाम रखते है, आप जबसे नागपूर शहर के महापौर बने है, आपने एक अच्छा नेतृत्व दिया है, आपसे हमे बहुत आशा है कि, इस काम के तरफ ध्यान देकर के यहां के लोगो को इस तकलीफ से छुटकारा दिलाने का आप काम करेंगे। ऐसी मुझे आशा है, ऐसे ही मोमिनपुरा मे ८०-१०० साल पुरा मटन मार्केट जो कई सालो से नागपूर शहर का जो पहला मटन मार्केट बोलेगें वह मटन मार्केट है, लेकिन आज उस मटन मार्केट की हालत एकदम जरजर हो गयी है, वहां पर एक आधुनिक तौर पर उस जगह का युज करके एक अच्छी बिल्डींग बनाना चाहिये, वैसे ही हमारे क्षेत्र मे पांच छे स्कूल है जिसमे हाजी मजीद लिडर स्कूल जो १० वी क्लास तक चलती है, वहां पर कम से कम दो हजार बच्चे तालिम लेते है, मैं पिछले तीन साल से उस स्कूल का प्रस्ताव बनाकर उसपर रिपोर्ट लगाकर कि वहां पर ११ व १२ की कक्षाएं शुरू की जाये, जिससे वहां की लडकिया है, लडके जो बाहर नहीं जासकते, वह वहां ११ व १२ का एज्युकेशन प्राप्त करे। हमारे क्षेत्र मोमिनपुरा मे स्कूल खाली है उस स्कूल का हम युटीलाईज कर सकते है, शिक्षण सभापती को भी मैंने इस बारे मे बताया था, पर उस बात को मंजूरी नहीं मिली है, मेरी आपसे विनंती है कि

अगर हमने वहां ११ व १२ चालु किया तो वहां के बच्चों को उसका फायदा मिलेगा और जो माँ, बाप अपनी बच्चीयों को बाहर नहीं भेजना चाहते वह बच्चे १२ तक वहां पर पढ़ सकते हैं। पिछले बार ओसीडब्लू की लाईन डालने के कारण बोरीयापुरा से लेकर गोलीबार चौक तक रोड को पुरा खोदा गया और वहां पर ३६ इंची की लाईन डाली गयी, उसके डांबरीकरण के लिये एक मैंने एक फाईल बनाया, पिछली बार मैंने आपसे उस फाईल के बारे में चर्चा की थी, तब आपने तात्कालीन स्थायी समिती, अध्यक्ष, श्री विक्की कुकरेजाजी को कहां था, तब उन्होंने ८५ लाख रुपयों का प्रावधान उपलब्ध करवाया था, जिसके कारण बोरीयापुरा से लेकर तिनखंबे तक उस रोड का डांबरीकरण हुआ, उस काम के बाकी के जो पैसे हैं पिछले दो साल में वह पैसे नहीं मिले, जिसके कारण वहां बड़े बड़े गड्डे हैं और हमेशा दुर्घटनाएं होती रहती हैं, इस ओर भी ध्यान देना जरूरी है, उस काम के जो पैसे नहीं मिले हैं वह पैसे उपलब्ध करवाये जायें, ऐसी मैं आपसे विनंती करता हूँ। गुलाबबाबा स्कूल में पिछली बार इंग्लिश मिडियम की नर्सरी चालु करने के लिये परमिशन मिली थी पर पर कोविड के कारण सभी स्कूल बंद थी, वह भी स्कूल बंद है, आनेवाले समय में वहां पर एक इंग्लिश मिडियम का स्कूल शुरू होना चाहिये, मेरी आपसे यह गुजारीश है, इस बजेट के द्वारा हम सभी नगरसेवक अपने अपने वार्ड का विकास करना चाहते हैं, मुझे ऐसा लगता है कि, नॉट स्टार्ट के नाम पर वह विकास वही के वही रुका हुआ है, क्योंकि मा.सदस्यों ने बड़ी मेहनत से काम की फाईल बनवाई मगर अभी तक काम शुरू नहीं किये गये हैं, ५० बार चेअरमन के पास जाकर प्रावधान के लिये चक्कर मारे, इंजिनियर को साईट बताकर फाईल तैयार कि, तक जाकर उस काम के लिये पैसे मिले, उस काम का टेंडर हुआ, और टेंडर होने के बाद जैसेकि पुरानी बस्ती है तो बार बार काम न करना पड़े, नलके पानी की पाईप लाईन का काम था, इसलिये वह काम रुके थे, ठेकेदार के पास पैसे नहीं थे, इसलिये वह काम रुके थे, फिर वह काम नॉट स्टार्ट में डाल दिये गये वह जो काम २०१९-२० के हैं, अगर शुरू नहीं हुए तो मुझे यह लगता है कि जो २०१९-२० का बजेट है, वह आज तक नहीं हुआ फिर नया बजेट तो नहीं के बराबर दो साल में कोरोना के काल में आया है, स्लम एरीआ है, इस बात को ध्यान में रखते हुए जो फाईल बन गयी थी, टेंडर हो गये थे, उन फाईल को तुरंत शुरू करवाये, क्योंकि वह काम तो ऑलरेडी मंजूरी ही थे, उस काम के टेंडर भी हो गये थे, कार्यादेश भी हो गये थे, उसे तुरंत शुरू करने के आप आदेश देंगे, ऐसी आपसे आशा है, और एक विषय यह है कि स्लम एरीआ के लिये एक बड़ा टेंडर सिव्हेरेज व ड्रेनेज के काम का निकाला गया, कुछ क्षेत्र में ड्रेनेज व सिव्हेरेज छोटी छोटी है, वहां काम करना बहुत जरूरी था, उन कामों की फाईल बनवाई गयी, अब ऐसा तय किया गया कि, झोनल टेंडर निकाले जायेंगे, झोनल टेंडर की रिपोर्ट यह आयी कि, पिछले दस साल में किसी ने टेंडर ही नहीं भरा, हमसे रोज लोग पूछते हैं, वह काम कब होंगे, अगर छोटा टेंडर होता तो १० ठेकेदार खड़े हो जाते हैं लेने के लिये क्योंकि बड़ा टेंडर है इसलिये कोई हिम्मत नहीं करता जो दस साल पहले स्थिती थी, वही स्थिती आज भी है, उस स्थिती में कैसे हम सुधार कर सकते हैं, इस ओर आप ध्यान दें, हम उस काम के एक एक साईट की फाईल बनवाये, ताकि ठेकेदार को वह काम लेने में आसानी हो, और वह काम जल्द से जल्द पूर्ण किये जासके, जिसकी

वजह से जनता को राहत मिले, ऐसी मेरी आपसे गुजारीश है, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इस बात के लिये आपका तहेदिल से शुक्रिया अदा करता हूँ और अपनी वाणी को विराम देता हूँ।

श्रीमती दिव्या धुरडे :- मा.महापौरजी, नमो मातृभूमी जेथे जन्मले मी, नमो आर्यभूमी जेथे वाढले मी, पडो देह माझा नमामि, नमामि. मा.महापौरजी, मा.उपमहापौरजी, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष, मा. सत्तापक्ष नेते, मा.विरोधी पक्ष नेता, आयुक्तजी, सन्माननीय सर्व नगरसेवक, नगरसेविका, पत्रकारबंधू. सर्वप्रथम मी आपले स्थायी समिती अध्यक्ष श्री. प्रकाशजी भोयर यांचे खुप खुप अभिनंदन करते. कारण कठीण परिस्थितीत देखील त्यांनी हा अर्थसंकल्प सादर केला. पौरजन हिताय हे महानगरपालिकेचे ब्रीद वाक्य असल्यामुळे समाजातील शेवटच्या घटकापर्यंत न्याय मिळावा असे अंदाजपत्रक तुम्ही सदनमध्ये सादर केलेला आहे. आरोग्य हितसंपदा असे आपण म्हणतो, आपल्या शहरातील नागरिकांचे आरोग्य सृढ राहो याकरिता नवीन ७५ आरोग्य केंद्र सुरु करावे असा मानस शहराचे मा.महापौर यांनी घोषित केले. स्वातंत्र्याचे ७५ वर्ष पूर्ण होत आहे अमृत महोत्सव वर्ष आहे. वंदेमातरम आरोग्य सुविधा केंद्र या नागपूर शहरात ७५ भागात वेगवेगळ्या ठिकाणी असावे तसा प्रयत्न मा.महापौरजी महानगरपालिकेच्या वतीने करीत आहे. हे आरोग्य केंद्र एकाच वेळी सुरु व्हावे असा सतत प्रयत्न मा. महापौरजी यांचा आहे. आज आपण बघतो, शहरात अनेक समस्या आहेत. शहरातील एक जिवंत प्रश्न सिव्हरलाईनचा आहे. नागपूर शहरातील प्रत्येक प्रभागात सिव्हरलाईनचा प्रश्न आहे. त्या प्रश्नामध्ये सिव्हरलाईनचे काम न झाल्यामुळे ज्या विहिरी आहेत त्यात दुषित पाणी येत आहे. अनेक सार्वजनिक विहिरी खराब होत आहे त्यातील पाणी दुषित होत आहे. हे कुठेतरी थांबवायचे असेल तर सिव्हरलाईनचे काम जे थांबलेले आहे ते नवीन काम आर्थिक वर्षात गतीशिलतेने करावी अशी माझी विनंती आहे. मा.महापौरजी, अनेक योजना या वर्षामध्ये सुरु करण्याचा प्रयत्न केला आहे. महापौर दृष्टी सुधार योजना असेल, महापौर नेत्रज्योती योजना असेल , महापौर जीवनावश्यक औषधी अधिकोष योजना असेल , महापौर दुग्ध अधिकोष योजना असेल आणि यामध्ये महत्वाचे म्हणजे या योजनेचा प्रशासनावर कोणत्याही प्रकारचा अधिभार न पडता महानगरपालिका आणि लोकसहभागातून या योजना पूर्णत्वास नेण्याचा प्रयत्न सतत महापौर आणि सर्व जण करीत असतात. स्वच्छ भारत अभियान अंतर्गत व्यक्तीगत शौचालय असेल, सार्वजनिक शौचालय असेल आणि सार्वजनिक शौचालय उपलब्ध करून देण्यासाठी प्रयत्न सुरु आहे. घनकचरा व्यवस्थापन, कच-याची वाहतुक आणि संकलन याकरिता बजेटमध्ये तरतूद करण्यात आली आहे. आपण बघता महानगरपालिकेत अनेक विभाग आहेत, नुकतेच समाज कल्याण विभागातर्फे गरीब आणि गरजू महिलांना शिवणयंत्र वाटप करण्यात आले. नुकतेच आपल्या शहरातील नेते मा.खासदार नितीनजी गडकरी यांच्या वाढदिवसाचे औचित्य साधून दिव्यांग बंधू आणि भगिनींना त्यांना व्यवसायाकरिता २ लक्ष रुपयाचा चेक देण्यात आला आणि दिव्यांगांना ट्रायसिकल वाटप करण्यात आले. अनेक योजना अंतर्गत महानगरपालिकेच्या वतीने समाज कल्याण विभागा अंतर्गत महिला व बाल कल्याण समितीमार्फत मा.महापौरजी यांच्या तर्फे, सत्तापक्ष नेता, विरोधी पक्ष नेता यांच्या उपस्थितीत याचे वाटप करण्यात आले. स्वातंत्र्याला ७५

वर्ष पुर्ण झाले आहे त्या निमित्ताने ८ व्या वर्गाच्या ७५ विद्यार्थ्यांची चाचणी परीक्षा घेवून महानगरपालिकेच्या विद्यार्थ्यांची निवड करून त्यांना जेईई, पीएमटी, एनडीए चे सतत चार वर्ष शिक्षण देवून त्यांचा शैक्षणिक दर्जा वाढवून शिक्षण विभागाच्या माध्यमातून आपल्या या विद्यार्थ्यांना उत्कृष्ट कसे बनविता येईल हा संकल्प मा. महापौरजी यांनी केला. आपले शिक्षण समितीचे सभापती मा. दिवे यांच्या माध्यमातून अनेक जे क्लॉसेस आहेत त्याच्या मदतीने या विद्यार्थ्यांना घडविण्याचे काम सुरु आहे. कोव्हीडच्या या काळामध्ये, या लाटेमध्ये महानगरपालिकेने मा.महापौर यांच्या नेतृत्वामध्ये उत्कृष्ट असे काम केले त्यात अधिकारी असतील, कर्मचारी असतील, हेल्थ विभागाचे वर्कर असतील, मेडीकल स्टॉफ असेल यांनी या कठीण परिस्थितीत महानगरपालिकेचे उत्कृष्ट काम केले त्याबद्दल मी त्यांचे आभार मानते, त्यांचे धन्यवाद करते. कोरोना काळामध्ये पहिली लाट गेली मग दुसरी लाट अत्यंत भयंकर होती आपल्याला त्यामध्ये सावरता आले नाही. अनेक अडचणी आल्या, बरेच लोक मृत्यू मुखी पडले. परंतु आपल्या शहराचे नेते मा.खासदार नितीनजी गडकरी असोत, मा. देवेंद्रजी असोत त्यांची याची गंभीर दखल घेतली. ऑक्सीजनचा पुरवठा होत नव्हता अशी कठीण परिस्थिती निर्माण झाली होती. इन्जेक्शन रेमीडेसीवीर मिळत नव्हते त्यामुळे अनेक लोक दगावत होते. या आपल्या दोन्ही नेत्यांनी याची दखल घेतली त्यामध्ये कोव्हीड ही भयंकर स्थिती कुठेतरी स्थिर झाली. वेळोवेळी निर्णय घेतले गेले त्यामुळे सध्या स्थितीमध्ये नागपूर शहरामध्ये गंभीर जी स्थिती होती आता पेशंटचे प्रमाण कमी झालेले आहे. अनेक योजना नागपूर महानगरपालिकेतर्फे आणि उत्कृष्ट नेतृत्व लाभलेले आपले मा.महापौरजी हे सगळे मिळून काम करीत आहेत. या कठीण परिस्थितीत देखील उत्कृष्ट काम मा. स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.प्रकाशजी भोयर हे आपल्या अंदाजपत्रकात करतील व समाज कल्याण विभागातर्फे मा. महापौरजी श्री.दयाशंकर तिवारी हे जेव्हा स्थायी समितीचे अध्यक्ष होते तेव्हा त्यांनी लाडली लक्ष्मी योजना सुरु केली होती. गरीब परिवारातील बीपीएल यादीत असलेल्या कुटुंबात एका मुलीचा जन्म झाला तर जन्मापासून तिच्या नावाची पॉलीसी काढल्यानंतर महानगरपालिका विमा पॉलीसी भरेल आणि मुलगी २१ वर्षाची झाल्यानंतर तिला २ लक्ष २५ हजार मिळतील. ही योजना सतत चालत होती. मात्र गेल्या वर्षापासून ही लाडली लक्ष्मी योजना बंद करण्यात आली. मी सभागृहात प्रश्न टाकल्यानंतर जी जुनी पॉलीसी आहे त्या सुरु करण्यात आल्या. त्याचे विमे हप्ते पुर्ण सुरु झाले. नवीन बालीकांचा जन्म होत आहे परंतु नवीन पॉलीसी घेतल्या जात नाही. मी आयुक्त महोदयांना विनंती करेल ती बंद झालेली पॉलीसी ती पुर्ववत सुरु करण्यात यावी मी मा.महापौरजी आणि आयुक्तांना सुध्दा विनंती करेल की जी लाडली लक्ष्मी योजना आहे ती सुरु करण्यात यावी. अनेक योजना आहेत. सर्वतोपरी विचार करून मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री. प्रकाशभाऊ भोयर यांनी या अर्थसंकल्पामध्ये अनेक चांगल्या योजना आणल्या आहेत आणि त्या नक्कीच या कठीण परिस्थितीत पुर्णत्वास जातील असा मला विश्वास आहे. या अर्थसंकल्पाचे मी समर्थन करते आणि प्रकाशजी भोयर यांच्याकरिता दोन ओळी म्हणते.

क्या हार मे क्या जीत मे।

किंचीत नही भयभीत रे,  
 कर्तव्यपथ पर जो भी चला, ये भी सही वो भी सही  
 वरदान नही मांगुंगा, हो कुछ भी  
 पर हार नही मांगुंगा, पर हार नही मांगुंगा,।  
 धन्यवाद, मला बोलण्याची संधी दिली त्याचबरोबर मा.महापौरजी यांचे खुप खुप आभार.  
 जयहिंद, जयभारत.

श्रीमती विरंका भिवगडे :- श्रीमती विरंका भिवगडे:- मा.महापौरजी, मा. उपमहापौरजी, मा. आयुक्त महोदय, मा.सर्व नगरसेवक, नगरसेविका, पत्रकार बंधू. आपण सर्वांना माझा सप्रेम जयभीम. मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.प्रकाशजी भोयर यांनी सन २०२१-२२ चे अर्थसंकल्प आपल्या समोर सादर केलेले आहे. या अर्थसंकल्पासाठी त्यांचे अभिनंदन करते. या अर्थसंकल्प सादर केला परंतु तो आमच्या बहुजन समाज पक्षाच्या नगरसेवकांसाठी काही कामाचा नाही. याचे कारण असे की आम्ही आमच्या कामासाठी त्यांच्याकडे निधी उपलब्ध करून देण्यासाठी सांगतो तर ते आमच्या सोबत भेदभाव करतात ते चार वर्षांपासून करीत आले आहेत. मा.महापौरजी, मी आपणांस विनंती करते कि सर्वपक्षीय अध्यक्ष या नात्याने आपण सर्व पक्षीय नगरसेवकांना समान निधी वाटप करावा या उद्देशाने सर्व पक्षीय नगरसेवकांना समान निधी वाटप करावा अशी मी आपणांस विनंती करते. मी स्थायी समिती अध्यक्ष यांनी जेष्ठ नागरिकांसाठी हेल्थ कॅम्प, त्यांच्या सहलीसाठी व्यवस्था करणे, त्यांच्या आवश्यक सोयी सवलती उपलब्ध करून दिल्या आणि त्याकरिता २ लक्ष रुपयाचा निधी ठेवण्यात आला याकरिता अधिनंदन करते. मा.महापौरजी, मी आपल्याला सांगू इच्छिते की, महानगरपालिका ही सफाई कर्मचा-यांवर अवलंबून आहे ते आपल्या जीवाची परवाह न करता आपले रात्र-दिवस काम करीत असतात. ते नेहमी काम करीत असतात. मा.महापौरजी, ज्या सफाई कर्मचा-यांचा मृत्यू झाला. त्यांच्या मृत्यू झाल्यानंतर जवळपास १५ ते २० वर्ष झाले त्यांच्या वारसदारांना त्यांचा हक्क मिळालेला नाही. मी आपणांस विनंती करते की, माझ्या प्रभागात बरेच सफाई कर्मचारी आहेत ज्यांना हक्क मिळालेला नाही. मा.महापौरजी, आपण आपल्या मार्फत मा. आयुक्तांना विनंती करावी की त्यांना लवकरात लवकर कामावर घेण्यात यावे आणि त्यांचा हक्क देण्यात यावा. तसेच मा.महापौरजी, मी आपणांस विनंती करते कि, जे कोव्हीडमध्ये जे सफाई कर्मचारी काम करीत होते, आपल्या जीवाची पर्वा न करता त्यांनी आपल्याला या कठीण परिस्थितीमध्ये साथ दिलेली आहे. त्यात ज्या कर्मचा-यांचा मृत्यू झालेला आहे त्या सफाई कर्मचा-यांच्या वारसदारांना सुद्धा कामावर घेण्यात यावे अशी मी आपणांस विनंती करते. मा.महापौरजी, आपण मला बोलू दिले त्याबद्दल धन्यवाद. जयभीम.

श्रीमती हर्षला साबळे :- मा.महापौरजी, मा.उपमहापौरजी, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष, मा.आयुक्त साहेब, मा. विरोधी पक्ष नेता, मा. सत्तापक्ष नेते, सर्व क्षेत्रीय कार्यालयाचे सभापती, सर्व पक्षाचे नेते, गटनेते, अधिकारी कर्मचारी वर्ग, सर्व सन्माननीय नगरसेवक, नगरसेविका, पत्रकारबंधू. कोरोना या साथीचे रुग्ण संपूर्ण भारत देशात थैमान मांडले होते. अनेक लोकांसमोर

कठीण परिस्थिती निर्माण झाली होती. आणि अशा या कठीण परिस्थितीत महानगरपालिकेचे डॉक्टर, खाजगी डॉक्टर, सर्व नर्सस, आशा वर्कर, सफाई कर्मचारी, अधिकारी, इतर कर्मचारी, शिक्षकवर्ग अशा या संकट समयी स्वःताचा जीवाची पर्वा न करता विविध सामाजिक संस्था आपआपल्या परीने काम करीत होत्या. मीसर्वांचे मनापासून धन्यवाद करते. नागपूर शहराच्या हृदयस्थानी असलेल्या गांधीसागर तलावाच्या सौंदर्यीकरणासाठी मा. तत्कालीन महापौर आणि आमदार श्री.प्रवीणजी दटके यांनी त्यासाठी अनेक परिश्रम केले आणि शासनाने या कामासाठी निधी उपलब्ध करून दिला त्याबद्दल त्यांचे अभिनंदन करते. मा.महापौरजी, दरवर्षी नगरसेवकांना विकास कामे करण्यासाठी निधी मिळत असतो. आम्ही विरोधी पक्षातील असल्यामुळे निधी उपलब्ध होत नाही आणि प्रभागात समस्या असल्यामुळे मी मा.स्थायी अध्यक्ष, मा.महापौरजी आणि आयुक्त साहेब यांना विनंती करेल की आवश्यक कामासाठी निधी उपलब्ध करून दिल्यास प्रभागातील जनतेवर अन्याय होणार नाही याची दखल घेण्यात यावी. मा.महापौरजी, सदानंद चौक ते एसटी स्टॅन्ड चौक हा फार मोठा वर्दळीचा असलेला रस्ता आहे. तो फार खराब झालेला आहे. शहरातील मध्यभागी असलेला हा रस्ता आहे आणि या रस्त्यावर सगळ्या वाहनांची वर्दळ असते हा रस्ता करणे फार गरजेचे आहे. शासनाकडून देखील निधी उपलब्ध झालेला आहे परंतु अद्यापही हा रस्ता तयार झालेला नाही. सिमेंट रस्त्यामध्ये हा करण्यात येणार आहे परंतु निधी संपलेला आहे असे मला कळले आहे. मा.महापौरजी, नागपूर महानगरपालिकेच्या प्रशासकीय परिसरात छत्रपती शिवाजी महाराज यांचा पुतळा आपल्या कार्यकाळात बसविण्यात यावा. मा. केंद्रीय मंत्री नितीनजी गडकरी, माजी मुख्यमंत्री देवेंद्रजी फडणवीस, तसेच मा. पालकमंत्री श्री.नितीनजी राऊत यांनी सुद्धा या कामासाठी सहकार्य दिले आहे. मी अभिमानाने सांगत आहे की आपण भेदभाव न करता सर्व नगरसेवक, सामाजिक कार्यकर्ते, आणि शहरातील इतर अनेक संस्था असोत त्यांनी या कोरोना काळात लोकांचे जीव वाचविण्याचा प्रयत्न केला त्यांचे मी मनापासून धन्यवाद करते. मा.महापौरजी, यांचा नावा सुद्धा उल्लेख करण्यात यावा एवढीच सभागृहाला विनंती करते. प्रभागात जी महत्वाची कामे आहे ती लवकरात लवकर करण्यात यावी तसेच गडरलाईनचा वारंवार प्रश्न उद्भवतो, स्लम वस्तीमध्ये दुषित पाण्याचा प्रश्न आहे. मेडीकलचा पाठीमागचा भाग आहे त्या ठिकाणी गडरलाईनचा प्राब्लेम नेहमी राहतो. मी स्मार्ट सिटीमध्ये सुद्धा निवेदन दिले होते. वारंवार सभागृहात सांगून सुद्धा याकडे लक्ष दिले जात नाही. मी मा. महापौरजी, मा. आयुक्त साहेब यांना वारंवार सांगत असते की आम्ही स्लम वस्तीत राहणारे लोक आहोत. हा प्रश्न सोडविण्यासाठी निधी उपलब्ध करून दिला पाहिजे. मला बोलण्याची संधी दिली त्याबद्दल धन्यवाद.

श्री.दिलीप दिवे :- श्री.दिलीप दिवे:- मा.महापौरजी, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.प्रकाशजी भोयर, मा.सत्तापक्ष नेते श्री. अविनाशजी ठाकरे, मा.विरोधी पक्ष नेते श्री. तानाजी वनवे, आयुक्त साहेब आणि सर्व नगरसेवक आणि नगरसेविका, अधिकारी व कर्मचारी वर्ग. हा जो अर्थसंकल्प मा. प्रकाशजी भोयर यांनी सादर केलेला आहे हा अर्थसंकल्प सर्व समाजातील घटकासाठी फार उपयुक्त असा अर्थसंकल्प आहे असे मला वाटते. प्रत्येक समाजातील घटकाचा विचार करून हा

अर्थसंकल्प तयार करण्यात आला आहे. या अर्थसंकल्पामध्ये आतापर्यंत माझ्या सोबतच्या नगरसेवकांनी आपआपल्या प्रभागातील समस्या जसे गडरलाईन, रस्ता, सिवरलाईन याचे प्रश्न ठेवलेले आहेत. मी मागील पाच वर्षांपासून या महानगरपालिकेच्या शिक्षण समितीचा सभापती आहे. शिक्षणासाठी या वर्षीच्या अर्थसंकल्पामध्ये विशेष अशी तरतूद केलेली आहे असे मला दिसत आहे. मी सर्वप्रथम मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री. प्रकाशजी भोयर यांचे विशेष अभिनंदन करील की त्यांनी या अर्थसंकल्पामध्ये शिक्षणासाठी आम्हांला विशेष अनुदान दिले आहे. या अर्थसंकल्पामध्ये नववी पास झालेले, दहावी पास झालेले तसेच ११ वी पास होवून १२ वी गेलेल्या या विद्यार्थ्यांसाठी नागपूर शहराचे नेते मा.केंद्रीय मंत्री नितीनजी गडकरी यांच्या मार्गदर्शनात टॅबलेट उपलब्ध करून दिले आहे. नुसते टॅबलेटच उपलब्ध करून दिले नाही तर इंटरनेटची सेवा सुद्धा उपलब्ध करून दिली आहे त्याबद्दल मा.महापौरजी, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष यांचे विशेष आभार मानते. तसेच येणा-या शैक्षणिक वर्षामध्ये महानगरपालिकेने या नागपूर शहरामध्ये सहा विधानसभा क्षेत्रामध्ये इंग्रजी माध्यमाच्या शाळा सुरु करीत आहे आणि यासाठी लागणार निधी या अर्थसंकल्पामध्ये मा. स्थायी समिती अध्यक्षांनी उपलब्ध करून दिला त्याबद्दल मी त्यांचे विशेष आभार मानतो. तसेच या अर्थसंकल्पामध्ये ज्या ज्या गोष्टी नमुद केल्या, शिक्षणासाठी विशेष बाब म्हणजे पद्मभूषण डॉ.भटकर आधुनिक विज्ञान प्रयोग शाळा अभिनव प्रयोग ही संकल्पना आपली नागपूर महानगरपालिका करीत असून एक आधुनिक विज्ञान प्रयोग शाळा सुरु करीत आहे. या प्रयोगशाळेच्या माध्यमातून महानगरपालिकेच्या शाळेतील विद्यार्थी नाही तर नागपूर शहरातील सर्व विद्यार्थी, विदर्भातील आणि महाराष्ट्रातील सर्व विद्यार्थी या प्रयोगशाळेत येवून आपले प्रयोग करतील. ज्या विद्यार्थ्यांना विज्ञानात रुची आहे त्यांना या प्रयोगशाळेचा फार उपयोग होणार आहे. आपल्या नागपूर शहरातील शाळा आहेत त्या सर्व शाळा या प्रयोगशाळेचा उपयोग करणार आहे. या प्रयोगशाळेसाठी जो निधी लागणार आहे तो मा. केंद्रीय मंत्री नितीनजी गडकरी यांच्या माध्यमातून हा निधी उपलब्ध होणार आहे. यामध्ये जवळपास २५० शिक्षक या प्रयोगशाळेत घेवून समोरची वाटचाल होणार आहे. तसेच आपल्या महानगरपालिकेमध्ये सुपर ७५ अभिनव प्रयोग सुरु केला आहे. सुपर ७५ मध्ये जे आठव्या वर्गात जे विद्यार्थी जाणार आहेत त्यांच्या परीक्षा घेवून त्यांना सतत चार वर्ष विशेष प्रशिक्षण देवून जेईईसाठी २५ विद्यार्थी, पीएमटीसाठी २५ विद्यार्थी, एमबीएसाठी २५ विद्यार्थी, या विद्यार्थ्यांना सतत प्रशिक्षण देवून त्यांचे भविष्य उज्वल करण्याकरिता ही विशेष योजना मा.महापौरजी आपल्या विद्यार्थ्यांसाठी आणली आहे. त्यासाठी मा.महापौरजी यांची विशेष अभिनंदन याठिकाणी करू इच्छितो. तसेच नागपूर नगरीमध्ये शिक्षण क्षेत्रामध्ये येणा-या काळामध्ये विद्यार्थ्यांचा विकास करण्याकरिता तसेच विद्यार्थ्यांना त्यांच्या भावी जीवनामध्ये ज्या स्पर्धात्मक परीक्षा येत असतात त्या पास करण्याकरिता १०० विद्यार्थ्यांना विशेष प्रशिक्षण देवून त्यांना स्पर्धा परीक्षेकरिता तयार करीत आहे. यासाठी सुद्धा मा. महापौरजी यांनी विशेष लक्ष देवून मदत केली आहे त्याबद्दल मी मा. महापौर साहेबांचे याठिकाणी विशेष अभिनंदन करतो तसेच आपण मागच्या वर्षी सैनिक प्रशिक्षण केंद्र महानगरपालिकेतर्फे सुरु केले आहे. यासाठी सैनिकी प्रशिक्षण देण्यासाठी ७५



विद्यार्थ्यांना एक महिन्यात सैनिकी प्रशिक्षण दिले होते. या प्रशिक्षणानंतर ३ विद्यार्थी हे सैनिकी क्षेत्रामध्ये भरती झाले आहे. त्याचा आधार घेवून आपल्या महानगरपालिकेने वर्षभर एक सैनिकी प्रशिक्षण शाळा सुरु करण्याचा विचार आहे. नागपूर शहरात ज्या सैनिकी प्रशिक्षण देणा-या संस्था आहेत या संस्थेच्या माध्यमातून महानगरपालिका आणि या संस्था या दोघांच्या माध्यमातून हे सैनिकी प्रशिक्षण केंद्र सुरु करणार आहे. या प्रशिक्षणाचा फायदा असा होईल की जे महानगरपालिकेचे जे होतकरु विद्यार्थी आहेत आणि जे माजी विद्यार्थी असतील त्यांना विशेष प्रशिक्षण देवून यांच्यात देशभक्ती जागृत करून सैन्यामध्ये भरती होणार आहे. या केंद्राचा या पध्दतीने लाभ होणार आहे हे या अर्थसंकल्पामध्ये मा. स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.प्रकाशजी भोयर यांनी दिलेले आहे. याच्यामध्ये त्यांनी नागपूर शहराच्या ब-याच गोष्टी घेतलेल्या आहेत. तसेच स्ट्रा वॉटर पाणी योजना प्रकाशजी भोयर यांनी घेतलेली आहे. त्याच्यामध्ये मला एकच सुचना अशी कराविशी वाटते , माझ्या प्रभागामध्ये पडोळे सभागृहामध्ये जे पाणी साचते त्यामध्ये या पाण्याचा उपयोग त्या योजनेमध्ये करावा आणि ही प्रभागातील समस्या दूर करावी अशी मा.महापौरजी आणि मा.स्थायी समिती अध्यक्षांना विनंती आहे. आगामी शैक्षणिक वर्षामध्ये ५ वी ते ८ व्या वर्गातील विद्यार्थ्यांना सुध्दा ऑनलाईन शिक्षण मिळावे यासाठी सुध्दा टॅबलेट ची व्यवस्था करावी अशी मा.सदस्य श्री. इब्राहीम यांनी आपल्या भाषणात सुचना केलेली आहे. मा.महापौरजी यांना विनंती करतो की त्यांनी ५ वी ते ९ व्या वर्गातील विद्यार्थ्यांना ऑनलाईन शिक्षण देण्याची सोय व्हावी म्हणून या वर्षामध्ये काही तरतूद करावी जेणेकरून महानगरपालिकेच्या गोरगरीब विद्यार्थ्यांना हे शिक्षण घेता येईल. आतापर्यंत आपण महानगरपालिकेमध्ये चार वर्षामध्ये ब-याच योजना केलेल्या दिसत आहेत. सायकल बँक महानगरपालिकेने राबविली आहे ती सुध्दा व्यवस्थित सुरु आहे. ज्या विद्यार्थ्यांना बसेसची पास मिळत नाही जे विद्यार्थी दूर वरून महानगरपालिकेच्या शाळेत येतात त्यांना या सायकल बँक योजनेचा लाभ होतो. दरवर्षी प्रमाणे या वर्षी सुध्दा ३० लाखाची तरतूद या सायकल बँक योजनेमध्ये करण्यात यावी अशी आग्रहाची विनंती मा.महापौरजी यांना करतो. ज्या भागातील विद्यार्थ्यांना बसेस ची पास मिळत नाही आणि जे गोरगरीब विद्यार्थी दूरवरून शाळेत येतात त्यांना येण्याजाण्यासाठी या सायकलची व्यवस्था सायकल बँक या योजनेमाफत करून देवू शकतो. विविध प्रकारच्या योजना शिक्षण विभागाच्या माध्यमातून राबविलेल्या आहेत त्याचा फायदा मागच्यावर्षी आपल्याला मिळाला आहे. ते आपल्याला दिसलेले आहे. दहावीच्या निकालामध्ये आपल्या महानगरपालिकेचे १३ विद्यार्थी हे मेरीटमध्ये आले त्यांचा सत्कार सुध्दा आपण मा. केंद्रीय मंत्री नामदार नितीनजी गडकरी यांच्या हस्ते केला आहे. या वर्षी सुध्दा चांगल्या योजना या विद्यार्थ्यांकरिता राबवीत आहे. मला असे वाटते, या चालू वर्षामध्ये मागच्या वर्षी जी योजना राबविलेली होती. १२ वीच्या विद्यार्थ्यांपैकी १०० विद्यार्थी निवडले होते आणि त्यांना विशेष प्रशिक्षण दिले होते. ती योजना याही वर्षी राबवू. जे प्रायव्हेट टयुशन क्लाॅसेस आहेत त्यांची मदत आपण मागच्यावर्षी घेतली होती ती या ही वर्ष घेवू. या वर्षी १०० विद्यार्थ्यांना आपण प्रशिक्षण दिले तर ते मागच्या वर्षी सारखे मेरीटमध्ये येतील. त्याचा पाठपुरावा करीत राहीलो तर आपल्या

महानगरपालिकेच्या शाळेचा शैक्षणिक दर्जा वाढेल. आजच्या या अर्थसंकल्पावर मला मा.महापौरजी यांना म्हणावयाचे आहे की आपण चांगल्या चांगल्या योजना आम्हांला दिलेल्या आहेत. मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.प्रकाशजी भोयर यांनी सगळ्या चांगल्या योजना या अर्थसंकल्पामध्ये दिलेल्या आहेत त्यांचे मी विशेष अभिनंदन करेल. मा.महापौरजी, अर्थसंकल्पामध्ये मला बोलण्याची संधी दिली त्याकरिता विशेष आभार मानतो आणि माझे दोन शब्द संपवितो. जयहिंद, जयभारत

श्री.नरेंद्र (बाल्या) बोरकर :- श्री.नरेंद्र उर्फ बाल्या बोरकर:- मा.महापौरजी, मा.उपमहापौरजी, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष, मा.आयुक्त महोदय. मा. स्थायी समिती अध्यक्ष यांनी २७ कोटीचे जे बजेट दिले त्याबद्दल त्यांचे खुप खुप अभिनंदन. नागपूर शहरात मा.महापौरजी आपण कोरोना काळात कोरोना पेशंटकरिता बेड उपलब्ध करून देण्यासाठी रात्रदिवस मेहनत केली तसेच पहिल्यांदा असे झाले की आयुक्त साहेबांसोबत मिळून आपण काम केले. नाही तर मागच्या वर्षी मा.महापौरजी श्री.संदीप जोशी यांना खुप त्रास झाला. मी आयुक्त साहेबांचे अभिनंदन करतो की त्यांनी नागपूर शहरामध्ये बेड वाढवून दिले. इमरजंसी मध्ये आपले नेते मा.नितीनजी गडकरी आणि मा.देवेंद्रजी या दोघांनी आपल्या नागपूर शहरासाठी खुप मदत केली. नागपूरमध्ये नव्हे तर विदर्भामध्ये मदत केली. नागपूर शहरामध्ये प्रामुख्याने बेड वाढवून दिले आणि नागपूरच्या जनतेसाठी जी काही व्यवस्था केली त्यामुळे नागपूरच्या जनतेमध्ये मा.महापौरजी यांनी जे काम केले ते चांगले केले अशी भावना आहे. मा.महापौरजी आणि मा.स्थायी समिती अध्यक्षांना मी विनंती करेल की आपण जे आरोग्य विभागामार्फत जे दवाखाने करणार आहेत, दवाखान्याचे नुतनीकरण आणि बेड वाढविणार आहे तसेच दुरुस्ती करणार आहे तेव्हा जेवढे दवाखाने वाढतील तेवढे डॉक्टर, नर्सस आणि इतर कर्मचारी लागतील तेव्हा तेवढे डॉक्टर, नर्ससची सुध्दा भरती करणे आवश्यक आहेत तेवढा स्टॉफ आपल्याला लागणार आहे आणि समोर जावून आपल्यालाला त्रास होणार नाही. नागपूर शहराचे जे नाव आहे आणि महानगरपालिकेने जे नाव कमावलेले आहे ते नागपूर शहराचे आणि नागपूर महानगरपालिकेचे नाव उंच ठेवावे अशी मी आपल्याला विनंती करतो. दवाखाने वाढविले पाहिजे, बेड वाढविले पाहिजे परंतु त्यासोबत डॉक्टर, नर्ससचा स्टॉफ सुध्दा वाढविला पाहिजे. मी आपल्याला विनंती करतो की आरोग्य विभागाचा जेवढा बजेट ठेवला आहे त्याच्यात अतिरिक्त २५ टक्के वाढवून द्यावा अशी मी स्थायी समिती अध्यक्षांना विनंती करतो. आपल्याला विनंती करतो, मा.आयुक्तांना विनंती करतो, मला बोलू दिले त्याबद्दल धन्यवाद.

श्री.संदीप जाधव :- मा.महापौरजी, मा. उपमहापौरजी, मा.सत्तापक्ष नेते, मा.विरोधी पक्ष नेता, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री. प्रकाश भोयर यांनी अंदाजपत्रक सादर केला त्यांचे मनापासून अभिनंदन करतो. मा.केंद्रीय मंत्री श्री. नितीनजी गडकरी, मा.विरोधी पक्ष नेता श्री. देवेंद्रजी फडणवीस, मा.महापौरजी यांनी नागपूर शहरातील कोरोना महामारीची बिकट स्थिती होती ती बिकट स्थिती आटोक्यात आणली. नागपूर शहरात पेशंट ऑक्सीजन मिळत नव्हते, रेमीडेसीवीर इन्जेक्शन मिळत नव्हते, बेड उपलब्ध होत नव्हते तेव्हा मा.गडकरी साहेबांनी या नागपूर शहरात

ऑक्सीजन, रेमीडेसीवीर इन्जेक्शन आणि बेड उपलब्ध करून दिले त्याबद्दल मी त्यांची अभिनंदन करते. मा.मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.प्रकाशजी भोयर यांनी मागच्या स्थायी समितीने ३०३० कोटीचे अर्थसंकल्प मागच्या वर्षी दिला होता मात्र आपल्या प्रकाशजी भोयर यांनी या वेळेस २७०० कोटीचे अर्थसंकल्प दिला. नागपूर शहरात ज्या हॉस्पिटलमध्ये ऑक्सीजनची व्यवस्था नव्हती त्या ठिकाणी ऑक्सीजन उपलब्ध करून दिला. आणि काही दवाखान्यात गोरगरीब जनतेसाठी सेवा उपलब्ध करून दिली त्यांचे सुद्धा मी मनापासून अभिनंदन करतो. मा.महापौरजी, महानगरपालिकेचे उत्पन्न वाढविण्याच्या दृष्टीने अनेक नगरसेवक बोलले, आता नागपूर महानगरपालिकेचे उत्पन्न वाढविण्याची जबाबदारी ही प्रशासनाची आहे. प्रशासनात जे वेगवेगळे विभाग असतील, टॅक्स विभाग असेल, वॉटरवर्क्स विभाग असेल, बाजार विभाग असेल, नगररचना विभाग असेल हे सर्व विभाग उत्पन्नाचे मुलभूत स्रोत ओत. परंतु मागच्या वर्षी असे काही झाले जे विभाग प्रमुख आहेत यांच्या दुर्लक्षपणामुळे हे रिकव्हरीचे टारगेट पूर्ण होवू शकले नाही. नागपूर शहरात जवळपास साडे सहा लक्ष प्रापटी रजिस्टर्ड झालेल्या आहेत. अशा वेळेस २४० कोटी, २५० कोटी, २७० कोटी रुपये उत्पन्न महानगरपालिकेस यायला पाहिजे. मा. महापौरजी, या नागपूर शहरामध्ये ५ हजार प्रापटी रजिस्टर्ड आहेत त्या ठिकाणी उत्पन्न ४५० कोटी मिळायला पाहिजे होते परंतु असे होतांना दिसत नाही. याचा अर्थ कुठे तरी प्रशासनाचे याकडे दुर्लक्ष आहे. ते टारगेट पूर्ण करू शकले नाही. त्याचप्रमाणे वॉटरवर्क्स विभाग आहे, नगररचना विभाग आहे, बाजार विभाग आहे या सगळ्या विभागाचे प्रमुख जे आहेत त्यांच्यावर जबाबदारी देण्याची गरज आहे. हे विभाग फेल्युअर ठरले आहे. महानगरपालिकेला जे उत्पन्न मिळायला पाहिजे होते ते मिळत नाही त्यामुळे या बजेटवर त्याचा परिणाम होतो. आणि त्यामुळे विकास कामाला खिळ लागत आहे. मागच्यावर्षी ज्या कामाला कार्यदेश दिले होते मात्र त्या कामाला सुरुवात झाली नव्हती. मा.आयुक्तांनी सगळीची सगळी कामे थांबविलेली होती. आता कुठे बजेट तयार झाला आहे, कधीकामाच्या त्याच्या फाईली तयार होतील, त्या कामांना कधी मंजूरी मिळेल परंतु ज्या फाईली तयार आहेत, ज्यांचे कार्यदेश झालेले आहेत अशा सर्व कामांना आपण सुरुवात करावी अशी माझी प्रशासनाला विनंती आहे. मा.महापौरजी, नागपूर शहरात अनेक पब्लीक सेक्टर कंपन्या आहेत, आयटी कंपन्या आहेत. एनजीओ आहेत, डब्ल्यूसीएल असेल अशा अनेक कंपन्या नागपूर शहरात आहेत. या सगळ्या कंपन्यांना ७५ दवाखान्याची जबाबदारी जर दिली तर यामध्ये नागपूर महानगरपालिकेचा किंवा राज्य सरकारचा कुठलाही पैसा लागणार नाही. या पब्लीक सेक्टर कडे भरपूर पैसा असतो या सगळ्यांनी आपआपली जबाबदारी जर घेतली आणि आपले फलक त्या ठिकाणी लावले तर ७५ जे मोठे सौदर्यीकरणाचे ठिकाण आहे त्या ठिकाणी सौदर्यीकरण करण्यासाठी या कंपन्यांचा हातभार लागणार आहे. त्यांच्याकडे जर ही जबाबदारी टाकली तर आणि या अनुषंगाने त्यांच्या बैठका बोलावून त्यांना सांगण्यात यावे कारण नागपूर शहरामध्ये यांचे मोठमोठे ऑफीसेस आहेत. नागपूर शहरातील ७५ जागेची शोभा ते वाढविणार आहेत याकरिता त्यांची बैठक घेवून त्यांना विनंतीकरून जे ७५ सौदर्यीकरणाचे ठिकाण आहेत

त्यांच्याकडे सुपुर्त करावे. त्याचप्रमाणे वंदे मातरम या संकल्पने अंतर्गत आपले ७५ आरोग्य केंद्र गोरगरीब जनतेसाठी ७५ आरोग्य केंद्र सुरु करण्याचा मानस या अर्थसंकल्पात मा.महापौरजी यांनी केलेला आहे. देशाला स्वातंत्र्य मिळून ७५ वर्ष झाले आहे. या ७५ व्या स्वातंत्र्य दिनानिमित्त ज्या सैनिकांनी देशासाठी आपले बलिदान दिले, जे अमर झाले. त्यांच्या नावाने एक आरोग्य केंद्र सुरुण्यात येत आहे ही अभिनंदनीय बाब आहे. या गोष्टीचा समावेश अर्थसंकल्पात मध्ये करण्यात आला. त्याचप्रमाणे महापौर दृष्टी सुधार योजना सुद्धा यामध्ये नाविण्यपूर्ण योजना आहे. ही गोष्ट खरी आहे की तिरळे पाहण्या-या माणसाला समाजात एका वेगळ्या दृष्टीने पाहण्यात येते. नागपूर महानगरपालिकेच्या माध्यमातून त्यांच्या दृष्टीमध्ये सुधार होत असेल तर ही खुप चांगली गोष्ट आहे. त्याचप्रमाणे महापौर नेत्रज्योती योजना, महापौर वैद्यकीय साधन सामुग्री अभिकोष योजना, महापौर मातादुग्ध अधिकोष योजना या सर्व नाविण्यपूर्ण संकल्पना असलेल्या अशा योजना आहेत. त्यातही गरीब लोकांना दिलासा देणा-या योजना आहेत. या सगळ्या योजनेचा समावेश सन २०२१-२२ च्या अर्थसंकल्पात मा.स्थायी समिती अध्यक्षांनी केला आहे यासाठी सुद्धा मी त्यांचे मनापासून अभिनंदन करतो. त्याचबरोबर पंडीत दिनदयाल अंत्योदय योजना यामध्ये सुद्धा २१ प्रकारच्या दिव्यांगांकरिता प्रत्येक वर्षी अर्थसंकल्पात तरतूद केलेली आहे. त्याचेसुद्धा मी मनापासून अभिनंदन करतो. शहरातील शेवटच्या माणसापर्यंत अंत्योदय योजनेचा लाभ व्हावा याकरिता ही योजना कार्यान्वित करण्यात येते ही अभिनंदनीय बाब आहे. त्याकरिता अर्थसंकल्पामध्ये प्रावधान केलेले आहे. त्याचप्रमाणे नागपूर शहरामध्ये १४ खेडी आहेत. या १४ खेड्यांचा विकास करण्याकरिता मागच्यावर्षी स्थायी समिती अध्यक्ष श्री. पिंटूजी झलके यांनी ११.५० कोटी रुपयाची तरतूद केली होती. आणि आता मा. स्थायी समिती अध्यक्षांनी १० कोटीची तरतूद या अर्थसंकल्पामध्ये केलेली आहे. माझी मा.स्थायी समिती अध्यक्षांना विनंती आहे की १० कोटीची जी तरतूद आहे ती १२ कोटी करण्यात यावी. आजही नागपूर शहरा मध्ये जो खेडे विभाग आहे. त्या खेड्यांचा विकास करणे गरजेचे आहे. माझी आपल्याला विनंती राहिल की १० कोटीच्या ठिकाणी १२ कोटी करण्यात यावे तशा प्रकारची माझी सुचना आहे आपण तसे आदेश द्यावे. मा.महापौरजी, माझी एक विनंती आहे, मागच्या दीड वर्षांपासून नागपूर शहराची जनता त्रासलेली आहे. नागपूर शहरात जवळपास ७ हजार इलेक्ट्रिक खांब उभे आहेत परंतु त्यावर फिटींग लागलेल्या नाहीत. नागपूर शहराच्या जनतेला यामुळे फार त्रास सहन करावा लागतो जवळपास दीड वर्षांपासून त्या ठिकाणी फिटींग लागलेल्या नाहीत. आणि याकरिता १२ कोटीचे हे बजेट आहे, साडे सात कोटीच्या फिटींग आहेत. प्रशासनाला या संदर्भात विचारले असता ते एकच गोष्ट सांगतात की सध्या पैसा नाही, पैसा नाही. परंतु हा अत्यंत महत्वाचा असा विषय आहे. पावसाळा सुरु होणार आहे आणि बहुतेक आऊटर भाग आहेत. याची सुद्धा काळजी घेण्याची आवश्यकता आहे.. मला आताच कळले की याचे टेंडर झाले आहे आणि वर्कआर्डर होणार आहे. मी हे दीड वर्षांपासून ऐकत आहे. आता १५ दिवसांच्या आत मध्ये झाले नाही तर मला नाईलाजाने मा.आयुक्तांच्या दालनासमोर निदर्शन करावे लागेल म्हणून तुम्हांला विनंती आहे, १५ दिवसांच्या आतमध्ये फिटींग उपलब्ध करून

देण्याची जबाबदारी प्रशासनाने पुर्ण करावी. त्याचप्रमाणे मा. सभापती शिक्षण समिती श्री. दिलीप दिवे यांच्या माध्यमातून मागच्या पाच वर्षांपासून नागपूर शहरात महानगरपालिकेच्या वतीने महानगरपालिकेच्या विद्यार्थ्यांकरिता विशेष योजना राबविल्या जात आहे. या वर्षी कोरोना काळात ऑनलाईन शिक्षण पध्दती सुरु करण्यात आली आणि या वर्षी सुध्दा ऑनलाईनद्वारे विद्यार्थ्यांना शिक्षण दिले जाणार आहे. याकरिता वर्ग ९ ते १२ वीच्या विद्यार्थ्यांना टॅबलेट पुरविण्यात आले. नुसते टॅबलेटच पुरविण्यात आले नाही तर त्या सोबत इंटरनेटची सुविधा सुध्दा देण्यात आली. गोरगरीब विद्यार्थ्यांना याचा जास्तीत जास्त फायदा होईल. जे शिक्षण गोरगरीब विद्यार्थी घेवू शकत नाही त्यांना याचा भरपूर प्रमाणात फायदा होणार आहे. त्याचप्रमाणे सहा विधानसभा क्षेत्रांमध्ये इंग्रजी माध्यमाच्या शाळा सुरु होणार आहे त्याचा फायदा सुध्दा गोरगरीब विद्यार्थ्यांना होणार आहे. शालेय दृष्ट्या शाळेचे ऑडीट करणे गरजेचे आहे. नागपूर महानगरपालिकेच्या शाळा नादुरुस्त, पडक्या स्थितीत आहेत. यांचे सौंदर्यीकरण याचा सुध्दा विचार झाला पाहिजे. त्याचे सुध्दा ऑडीट करण्याची गरज आहे ज्या शाळेची दुरुस्ती झालेली नाही त्या शाळा पावसाळा सुरु होण्यापूर्वी दुरुस्त करणे गरजेचे आहे शिक्षण विभागाच्या तरतूदीच्या संदर्भात मा.अध्यक्ष स्थायी समिती यांचे फार फार अभिनंदन करतो. मा.महापौरजी, एक विषय और था, प्रभाग क्र १३ मे डीपी रोड मंजूर था।मै पिछले २०१२ से लगातार फॉलोअप कर रहा हूँ, कोर्ट मे केस थी। महानगरपालिका को पत्र आया डीपी सरेंडर के साडे १३ करोड रुपये भरने थे वह भर दिये, डिमॉलेशन हो गया, मार्किंग हो गया, उस काम की सुरुवात हो गई थी। स्टैंडिंग चेअरमन ने २.५० कोटी मंजूर किया था। करीबन ५० लाख का काम शुरू हो गया था, पर बीच मे जो इलेक्ट्रिक के खंबे है, डीपी है, नये पोल लगाने की जरूरत है। मैने इलेक्ट्रिक डिपार्टमेंट को पत्र दिया था, इस का प्रावधान किया जाये। परंतु इस बजेट मे इसका प्रावधान नहीं किया गया है। मा.महापौरजी, मै आपसे विनंती करता हूँ की इस काम के लिये उच्च न्यायालय ने देड साल मे काम किया जाये ऐसा आदेश दिया है। परंतु २०१२ से २०२१ तक अभी तक इसका काम पुरा हुआ नहीं है। मा.महापौरजी, इलेक्ट्रिक पोल के लिए और डीपी के लिए इस बजेट मे ५० लाख का प्रावधान किया जाये ऐसे मै आपके माध्यम से मा.स्थायी समिती अध्यक्ष को करे ऐसे मै आपसे अनुरोध करता हूँ। उसीप्रकार मै जिस प्रभाग का नगरसेवक हूँ, २०१७ मे हमारे यहां के छोटे छोटे बच्चो ने मा.पंतप्रधानजी को एक पत्र लिखा था, उस पत्र मे मैने ऐसा लिखा था की हमारे परिसर मे कोई भी प्रकार का गार्डन नहीं है, ऐसा पत्र मा.पंतप्रधानजी को भेजा था, वह पत्र महाराष्ट्र के.चिफ सेक्रेटरी के पास गया, चिफ सेक्रेटरी से वह मा.जिल्हाधिकारी के पास मे गया, जिल्हाधिकारी के पास से मा.आयुक्तजी के पास मे आया, मा.आयुक्तजी से वह मा.स्थायी समिती चेअरमन के पास से वह प्रस्ताव आया। २०१७ मे वह गार्डन को मंजूरी मिली परंतु अभी तक उस का कोई काम शुरू नहीं हुआ। मै इस बारे मे प्रशासना से पुछना चाहता हूँ की २०१७ से आज तक उस गार्डन का काम क्यु नहीं हुआ। २०१७ से आज तक जो जो अधिकारी उस खुर्ची पर बैठे है उनपर कार्यवाही की जाये और जो ठेकेदार है उस को ब्लॅकलिस्ट किया जाये। क्यों की वह मा.पंतप्रधान कार्यालय से पत्र आया है, यदी मा.पंतप्रधान कार्यालय से आया हुए पत्र का

इसप्रकार से अपमान हो रहा हो तो यह जबाबदारी संबंधित अधिकारी और ठेकेदार की है। मा.महापौरजी, मैं अनुरोध करता हूँ की इस ओर ध्यान देके प्रशासन को निर्देश दे इस काम को जल्द जल्द से शुरु किया जाये। मैं आपका फिर से अभिनंदन करना चाहूँगा की इस कोरोना काल में हमारे सारे नेताओं के साथ में सभी दवाखानों का दौरा करके कहां क्या करना है इसकी चिंता करते हुए इस में हमारे सारे पदाधिकारी और नगरसेवकों ने इस काम में बहोत मेहनत की है। लोगों की जान बचाने का कार्य किया है इसलिये मैं आपका बहोत बहोत अधिनंदन करता हूँ की इस कोरोना काल में बहोत अच्छा काम किया इसलिये आपका धन्यवाद करता हूँ। मैं स्थायी समिती अध्यक्ष का भी बहोत बहोत धन्यवाद करता हूँ की उन्होंने इस कोरोना काल में बजेट पेश किया और प्रशासन को अनुरोध करूँगा की आने वाले काल में आचारसंहिता लगने वाली है। उसके पहिले प्रशासन ने इस बजेट का अध्ययन करते हुए जो योजनाये दी है उसका निपटारा करे और जो आश्वासन हमने जनता को दिये है उस आश्वासन की पूर्ती भी इस बजेट के माध्यम से हो ऐसी मैं प्रशासन को विनंती करता हूँ। मा.महापौरजी, महानगरपालिका के कमचारीयों को सातवा वेतन आयोग लगा है, परंतु जो रिटायर्ड हुए है उनको सातवा वेतन आयोग लगा नहीं है। मा.महापौरजी, मैं आपको विनंती करता हूँ की आप इसपर प्रशासन को निर्देश दे की रिटायर्ड कर्मचारीयों को भी सातवा वेतन आयोग लगाया जाये। मा.महापौरजी, मुझे बोलने का अवसर दिया इसलिये आपको मैं धन्यवाद देता हूँ।

श्रीमती मायाताई ईवनाते :- मा.महापौरजी, मा.उपमहापौरजी, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष प्रकाशजी भोयर मेरे सभी सभागृह के साथी नगरसेवक और नगरसेविका, पत्रकार और बंधु भगिनीनो, आज सभागृह में जो २०२१-२२ का अर्थसंकल्प पेश किया है वह बहोत ही अच्छा अर्थसंकल्प है मैं इसका अभिनंदन करती हु और यह जो समय जो है सारे देश में कोव्हीड से सारी जनता झुज रही है, पिछला जो समय था वह कैसा भी लोगों ने निकाला लेकिन दुसरी जो कोरोना की लहर थी वह बहोत ही भयानक लहर थी इसमें ऐंसा लग रहा था की हम आपस में ही एक दुसरे को मदत नहीं कर पा रहे थे इसप्रकार का समय जनता ने निकाला है। और ऐंसे समय में हमारे केंद्रीय मंत्री आदरनिय नितीनजी एक भगवान के रुप में नागपूर शहर को ही नहीं तो पुरे विदर्भ के लिये वह खडे हुये और उसीतरह हमारे विरोधी पक्ष नेता मा.श्री.देवेंद्रजी फडणवीस और उन्ही के साथ साथ मा.महापौर के नाते पुरे शहर के जनता के लिये एक भगवान के रुप में खडे होकर सारी जनता की आपने सेवा किये है और आनेवाले समय के लिये भी आपने बहोत कुछ तयारी भी की है। मैं सभागृह में नागपूर शहर के जनता की तरफ से मैं आदरनिय नितीनजी का, देवेंद्रजीका और आपका में आभार मानती हु। सिव्हर लाईन की प्रॉब्लेम के बारे में सभी साथी नगरसेवक ने बाते रखी है उसी विषय पर मैं बोलुंगी सिव्हर लाईन का जो टेन्डर एकसाथ निकाला गया है इससे बहोत प्रॉब्लेम आता है। मेरे प्रभाग में सबसे जादा स्लम वस्ती है, नागपूर शहर में सबसे जादा स्लम हमारे प्रभाग क्र १२ में है मा.महापौरजी सुरेंद्रगढ के प्रभाग में हरेक लाईन बदलना है और ऐंसे समय हमने जो फाईले बनायी है यह फाईल छोटी होने से वह फाईल के टेन्डर नहीं हो रहे है, प्रोव्हीजन नहीं मिल रहा है इसलिये मेरी आपसे सूचना है आप कुछ तो भी इसलिये

रास्ता निकाले उसके साथ मे मेरी जो फाईल थी दिपक नगर की इसका वर्कऑर्डर हो गया था २०१९-२०२० की बजट की वह फाईल थी और उसका वर्कऑर्डर होने के बाद भी उसका भुमीपुजन मैंने ले लिया है सब लोगों को बोल दिया है की मैं वह काम शुरू कर रही हु लेकीन उस काम को ठेकेदारोंने शुरू नहीं किया और वह काम रुटीन मे चालु है करके अधिकारीयोंने रिपोर्ट नहीं भेजा उस कारन से रस्ते का काम आज तक के नहीं हुवा है मैं आपसे विनंती करती हु की आप यह फाईल का रास्ता निकालकर इस फाईल को करवा दिजीयें। दुसरा एक महत्वपूर्ण विषय है की नागपूर शहर मे जो महापुरुषों के पुतले लगाये है नागपूर शहर का नाम पुतलों के माध्यम से जाना जाता है आपसे मैं यही विनंती करुंगी की अपने यहां गोंड राजा बख्त बुलंदशहा ने पुरा नागपूर शहर बैठाया है और उन्ही का पुतला विधानभवन के सामने बैठाया है। हम देखते है की हर दो महने के अंदर मे उनका नाम वहा के लोग निकाल देते है बार बार वहाकी तक्रार आती है और वह नाम हमको बनाना पडता है अभी आठ दिन पहले की बात है उनका नाम निकाल दिये है। राजा के वंशज नागपूर शहर मे रहते है उन्होने पोलीस स्टेशन मे तक्रार भी डाली है मैं आपसे एकही विनंती करुंगी की वहापर सीसीटीव्ही कैमरे का बंदोबस्त हो सके तो वहापर करवा दिजीयें वहापर हमेशा इसप्रकार की हरकत करेंगे तो वहाकी सीसीटीव्ही कैमरे मे पकड मे आयेंगा यही मेरी आपसे विनंती है, आज आपने मुझे बोलने का मौका दिया मैं आपका आभार मानती हु और यहीपर मैं रुकती हु।

श्री.प्रदीप पोहाणे:- मा.महापौरजी, मा.उपमहापौरजी, मा.सत्तापक्ष नेते, मा. विरोधी पक्ष नेतो, मा.आयुक्त, मा. सदन. सन २०२१-२२ चे बजेटमध्ये २४७६ कोटी उत्पन्न आणि ३२० कोटीची शिल्लक असून १७९६ कोटीचे बजेट आपले मा.स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.प्रकाशजी भोयर यांनी या ठिकाणी ठेवलेले आहे.आणि त्यांचे अभिनंदन करण्याकरिता हे वक्तव्य होत आहे. यापूर्वी आयुक्तांनी सन २०२१-२२ चे उत्पन्न २६०७ कोटीचे होते याचा अर्थ सन २०२१-२२ मध्ये प्रकाशजी भोयर यांनी ठेवलेला बजेट अत्यंत व्यवस्थितरित्या अभ्यास करून ठेवलेला परफेक्ट असा बजेट आहे. मा.महापौरजी, कोरोना काळात कोणत्याही प्रकारचा नवीन टॅक्स न वाढविता हा बजेट तयार केला आहे. त्याच्यात मा. प्रकाशजी ने सद्सदविवेकबुद्धीने नवीन एक ई-कच-यातून होणारे उत्पन्न या नागपूर शहरात इन्फ्रास्ट्रक्चर मोठ्या प्रमाणात वाढत आहे. त्यातून मा. स्थायी समिती अध्यक्षांनी आपल्या सद्सदविवेकबुद्धीने ४०५ कोटीचे उत्पन्न या शहरातून होईल असे स्थायी समिती अध्यक्षांनी मानस व्यक्त केला आहे. हा चांगला उपक्रम आहे. नागपूर शहरात ज्या पद्धतीने चौकाचौकात भाजीपाले वाले आणि फ्रुट विक्रेते वाढत आहे. यामुळे नागपूर शहरात लोकांना त्रास होतो आहे. याकडे लक्ष देतांना महानगरपालिकेने बाजार विकास आणि फ्रुट मार्केटिंग निर्माण करण्याचे हाती घेतले आहे त्यामुळे यामध्ये होणारी अडचण आहे ती दूर होणार आहे आणि फ्रुट मॉल, नवीन बाजार उपलब्ध दिले त्यातून त्यांनाही चांगले उत्पन्न होईल. ही एक चांगली पहल मा.स्थायी समिती अध्यक्षांनी आपल्या या अंदाजपत्रकाच्या माध्यमातून केली आहे. मा.महापौरजी, वंदेमातरम आरोग्य सुविधा केंद्र, स्वातंत्र्याचे अमृतवर्ष महोत्सव सुरु आहे आणि अशा वेळेला महानगरपालिका प्रत्येक प्रभागात एक आरोग्य केंद्र सुरु

करीत आहे आरोग्य सुविधेचा लाभ प्रत्येक नागरिकांना मिळेल आणि प्रत्येक आरोग्य केंद्राला सैनिकाचे नाव दिले जाणार आहे हे अत्यंत चांगली बाब आहे. मा.महापौरजी, मला आज आठवते की आपण महापौर पदावर स्थान ग्रहण केले होते तेव्हा एक गोष्ट म्हटली होती की नागपूर शहरातील जनतेला स्वास्थ्याच्या सुविधा उपलब्ध करून देतांना स्वातंत्र्य दिनाच्या ७५ व्या अमृत वर्ष महोत्सवी ७५ आरोग्य केंद्र सुरु करणार असे आश्वासन आपण दिले होते. आणि हे आश्वासन आज पूर्ण होत आहे. मी माझ्या प्रभागाच्या वतीने आपले आभार व्यक्त करतो. मा.महापौरजी, काही दिवसापूर्वी जी परिस्थिती या नागपूर शहरावर आली होती ती अत्यंत वाईट परिस्थिती होती. या शहरात कोरोना मोठ्या प्रमाणात वाढला होता आणि स्थिती हाताबाहेर गेली होती अशा वेळी ऑक्सीजन सिलेंडर मिळत नव्हते अशी परिस्थिती आली होती. मा. महापौरजी, आपण या बजेटमध्ये एक हजार सिलेंडर घेण्याचा निर्णय घेतला त्याकरिता मास्थायी समिती अध्यक्षांचे या नागपूर शहराच्या जनतेच्या वतीने आभार व्यक्त करतो. ज्या पद्धतीने आपल्या शहरातील नागरिकांना डायलेसिस, सिकलसेल, रक्तपेढी, जननी सुरक्षा योजना दिल्या, ११ वर्षांपासून नागरिकांसाठी सुरु केल्या आहे. त्याचप्रमाणे महापौर दृष्टी सुधार योजना, मा.महापौरजी आम्ही ज्या क्षेत्रात राहतो त्या ठिकाणी लेबर, गरीब वर्ग मोठ्या प्रमाणात राहतो. त्यांच्या मुला किंवा मुलीला कोणत्या प्रकारचा तिरछेपणाचा दृष्टी दोष असेल आणि त्याच्या ऑपरेशन करण्याकरिता अडचण होते ते मुले मोठे झाल्यावर त्यांच्या भविष्यात त्यांना मोठ्या प्रमाणात प्रॉब्लेम येत असतात. महानगरपालिकेच्या वतीने हे खर्च हे ऑपरेशन होत असेल तर ही खुप चांगली गोष्ट आहे याकरिता मी माझ्या प्रभागाच्यावतीने आपले व स्थायी समिती अध्यक्ष यांचे अभिनंदन व्यक्त करतो. गरीब क्षेत्रामध्ये खुप मोठ्या प्रमाणात म्हातारे लोक आहेत त्यांना मोतियाबिंदू होत असतो आणि त्याचे ऑपरेशन करायला त्यांच्याकडे पैसे नसतात. अशा वेळी नागपूर महानगरपालिकेच्या वतीने महापौर नेत्र ज्योती योजना ही या लोकांसाठी एक चांगली पहल आहे. तसेच मा.महापौरजी आपल्या वतीने जीवनावश्यक औषध अभिकोष तयार करण्यात येत आहे. समाजातील बरेच असे लोक आहेत की ज्यांच्यापर्यंत औषधी पोहचत नाही. त्याबद्दल आपल्या वतीने आणि सामाजिक संस्था या संयुक्त विद्यमाने महापौर औषधी बँक याशहराकरिता तयार करणार आहात याकरिता मी आपले खुप आभार व्यक्त करतो. मा.महापौरजी, या कोरानाच्या काळामध्ये मला एक अनुभव आला. एक माता दवाखान्यात भरती होती आणि तिच्या मुलाला दुध पाजण्याकरिता कुणी नव्हते तेव्हा त्याच्या नातेवाईकांतील एक बाई जिचे लहान मुल होते ती त्या मुलाला दुध पाजण्याकरिता दवाखान्यात जात होती. हे लक्षात घेता आपण महापौर माता दुग्ध कोष योजना सुरु केली. मा.महापौरजी, मानवतेच्या दृष्टीने ही अत्यंत चांगली योजना आहे. या योजनेमध्ये महानगरपालिकेला काहीही खर्च करावे लागणार नाही. मा. महापौरजी, सुपर-७५ योजना आहे. मी एक पिक्चर बघितला होता मा.महापौरजी, त्यामध्ये सुपर-३० या पिक्चर मध्ये एक शिक्षक ३० गरीब मुलांना फ्री मध्ये शिक्षण देतो आणि त्यांना स्पर्धा परीक्षेकरिता ट्रेन करतो. त्याचप्रमाणे सुपर-७५ ही योजना नागपूर महानगरपालिकेच्या शाळेमध्ये गरीब, झोपडपट्टीमध्ये राहणा-या विद्यार्थ्यांसाठी ही अत्यंत चांगली



योजना आपण नागपूर महानगरपालिकेच्या वतीने आणली आहे त्याबद्दल मी आपले आभार व्यक्त करतो. या कोरोना काळामध्ये सगळीकडे लॉकडाऊन असतांना नागपूर शहरातील जेष्ठ नागरिकांना याची फार झळ सहन करावी लागली. या नागपूर शहरातील जेष्ठ नागरिकांसाठी आपण त्यांच्या स्वास्थ्यासंबंधी शिबीरे, त्यांना बाहेर फिरण्यासाठी सहली काढणे या पध्दतीचे नियोजन या बजेटच्या माध्यमातून या नागपूर शहरातील जनतेसाठी केले ही खरोखरच चांगली योजना आहे. मा. महापौरजी, या संपूर्ण बजेटमध्ये नागपूर शहराच्या जनतेसाठी जे लहान मोठ्या आरोग्याच्या सुविधा देण्याच्या योजना करू शकलो हे खरोखरच चांगल्या योजना आहेत. आपले नेते मा.नितीनजी गडकरीसांगतात की लोकांचे जीव वाचविण्यापेक्षा कोणतेही मोठे काम नाही. मा.महापौरजी आपण शहरातील लोकांचे जीव वाचविणाऱ्या जो प्रयत्न करीत आहे. त्यांच्या स्वास्थ्यासाठी जे लहान मोठे प्रयत्न करीत आहे खरोखरच मा.महापौरजी या बजेटच्या माध्यमातून आपल्या वतीने आणि मा.स्थायी समिती अध्यक्ष यांनी वतीने या ठिकाणी मांडले मी त्या बद्दल आपला आभारी राहिल. माझी एक सुचना आहे मा. महापौरजी, ज्या पध्दतीने बजेट दिला आहे आणि झोन मध्ये जो पैसा ठेवलेला आहे त्याची यादी कार्यान्तर मंजूरी दिली तर त्याच्या फाईल बनविण्यास आम्हांला वेळ लागणार नाही. अंदाजपत्रकाची अंमलबजावणी होण्याकरिता १५ दिवसाची वेळ लागू शकते. झोनवाईज बजेट व्हायला दोन महिने वेळ जाणार आहे. सगळ्यांना समान निधी वाटप करीत असतांना झोनमध्ये समान निधी वाटप या बेसवर प्रशासकीय मान्यता घेवून ती देण्यात यावी. या ठिकाणी सन २०२१-२२ चा बजेट झाले आहे परंतु आपण बघितले की आपले अधिकारी कुठल्या ना कुठल्या गोष्टीने वर्कआर्डर झालेले काम सुरू करीत नाही. हे कुठे ना कुठे लोकशाहीवर नोकरशाही हावी पडत आहे काय ? असे वाटते परंतु मला पूर्ण विश्वास आहे की आपल्या सारखे महापौर असतांना आमची विकासाची कामे निश्चित पणाने पूर्ण होतील. आपल्या वतीने ते पूर्ण होतील असा मला पूर्ण विश्वास आहे. मला बोलण्याची संधी दिली त्याबद्दल मी आपला आभारी आहे आणि सन २०२१-२२ या बजेटला माझे पूर्ण समर्थन आहे. धन्यवाद

श्री.नितीन साठवणे :- श्री.नितीन साठवणे:- मा.महापौरजी, नमस्कार. या बजेटच्या प्रसंगी मला बोलण्याची संधी दिली त्याबद्दल मी आपला आभारी आहे. मा.महापौरजी, यापूर्वीच्या बजेटचा आणि या बजेटचा माझ्याकडून अभ्यास झालेला नाही त्यामुळे मी या बजेटवर स्पष्टपणे काही प्रकाश मी टाकू शकणार नाही. एकाएकी माझे नाव घेतले आहे त्यामुळे मला बोलायला आलो आहे. या नागपूर महानगरपालिकेच्या या बजेटमध्ये एक महत्वपूर्ण कार्याचा मी उल्लेख करू इच्छितो, या नागपूर शहरामध्ये ऑक्सीजन सिलेंडरचा मागच्या कोरोना काळामध्ये नागपूर शहराच्या जनतेला तुटवडा झाला आणि कित्येक जीव ऑक्सीजन, एम्बुलॅन्सची व्यवस्था न केल्यामुळे गेले. जर त्यांना ऑक्सीजन, एम्बुलॅन्सची व्यवस्था करून त्यांना चार-पास तासात कुठल्या हॉस्पिटलमध्ये शिफ्ट करता आले असते तर त्यांचे जीव वाचले असते. उशिरा का होईना नागपूर महानगरपालिकेने हा निर्णय घेतला आणि १००० ऑक्सीजन सिलेंडर घेण्याची व्यवस्था केली. मा.महापौरजी, माझा एक सुझाव होता, आपले दहा झोन आहेत, झोनवाईज जर

१०० सिलेंडरची वितरण प्रणाली केली तर प्रत्येक झोनच्या नगरसेवकांना त्यांच्या वार्डतील कोरोना क्षेत्रामध्ये काम करण्याची सुविधा आणि सुचारु पध्दतीने चालणारी यंत्रणा राबविली तर त्याचा फायदा मिळेल असा माझा सुझाव आहे. तसेच आताचा पोहाणे यांनी सांगितले की झोनवाईज बजेट तयार व्हायला वेळ लागतो. बजेट ची अंमलबजावणी होण्यास वेळ लागतो, तर समान निधी वाटप केला तर खुप चांगले होईल. लोकशाहीवर नोकरशाहीची हुकमत चालून राहिली आहे आतापर्यंत या महानगरपालिकेत असेच मला आढळून येत आहे. काही दिवसापासून या शहरात लोकप्रतिनिधी, जनप्रतिनिधीने कोणतेही काम सांगितले तर नियम, कायदेकानून दाखवून अशा प्रकारे आपली जबाबदारी झाडण्याचे काम होत आहे. कुठेतरी कठोर नियम नियमावली बनविली पाहिजे की जेणेकरून जनप्रतिनिधी या नात्याने नागरिकांच्या समस्या आम्ही सोडवू शकलो पाहिजे. मा.महापौरजी, या शेवटच्या वर्षात पुष्कळ कामे करू शकणार नाही. परंतु काही गरजू लोकांच्या समस्या आहेत, काही प्राब्लेम आहेत जसे पावसाळी नाले, दुषित पाण्याच्या प्राब्लेम, इमरजंसी कामे करू शकलो नाही. येणारे वर्ष हे इलेक्शनचे वर्ष राहणार आहे. कमीत कमी जनतेसमोर जातांना या बजेटची अंमलबजावणी झाली पाहिजे. विकास कामे करतांना त्याच्या फाईली तयारहोवून कामाची सुरुवात झाली पाहिजे अशी आग्रहाची विनंती आहे. मा. महापौरजी, मला बोलण्याची संधी दिल्याबद्दल मी मा.महापौरजी आपले आभार व्यक्त करतो.धन्यवाद.

श्री.धर्मपाल मेश्राम :- मा.महापौरजी, सन्माननिय उपमहापौरजी, सन्माननिय स्थायी समितीचे अध्यक्ष श्री.प्रकाश भोयर ज्यांनी हे अर्थसंकल्प महानगरपालिकेमध्ये मांडला आहे. सत्तापक्ष नेता, ज्या पक्षाचे मी प्रतिनिधीत्व करतो त्या पक्षाचे शहराध्यक्ष आमदार श्री.प्रविणजी दटके, विपक्ष नेते, सन्माननिय आयुक्त साहेब, सर्व उपस्थित नगरसेवक, नगरसेविका, पत्रकारबंधु आणि अधिकारी व कर्मचार वर्ग, मा.प्रकाशजी भोयर यांनी सादर केलेल्या अर्थसंकल्पाचे समर्थन करण्यासाठी, त्यांनी सादर केलेल्या अर्थसंकल्पाचे अभिनंदन करण्यासाठी आणि त्यांना धन्यवाद देण्यासाठी मी खरे तर आज माझे वक्तव्य या ठिकाणी मांडत आहे. मागच्या सुमारे दीड वर्षांच्या कार्यकाळामध्ये ज्या कोव्हीडच्या जागतिक महामारीने संपूर्ण राज्याला, शहराला हैराण करून सोडले, होत्याचे नव्हते झाले, अनेक परिवार संपले आणि त्या ही परिस्थितीमध्ये नागपूर महानगरपालिका म्हणून काम करतांना अत्यंत प्रामाणिकपणाने आपल्या जिवाची पर्वा न करता अनेक नगरसेवकांनी तसेच स्वतः महापौर साहेबांच्या आई, त्यांच्या सौभाग्यवती या जरी कोरोनाला समोर गेल्या तरी देखील त्यांनी परिश्रमामध्ये कुठलिही कसर ठेवली नाही. त्यामुळे या अर्थसंकल्पाचे आणि या अर्थसंकल्प मांडणारे प्रकाशजी भोयर यांचे अभिनंदन मी या ठिकाणी करत आहे. आम्ही कोव्हीड -१९ च्या महामारीला समोर जातांना पाहिले की कोणीतरी मुंबई सांभाळण्याच्या व्हलगना केल्या, कुणी पुण्याचे पालकत्व स्वीकारले, मी विचार करतो की या शहराचे पालक म्हणून, या शहराला ख-या अर्थाने दत्तक घेतले ते या शहराचे सन्माननिय खासदार श्री.नितीनजी गडकरी तसेच या राज्याच्या विधानसभचे सन्माननिय विपक्ष नेते आदरणीय श्री.देवेंद्रजी नसते तर या शहराचे काय झाले असते हा विचारही करून अंगावर काटे

येतात. आम्ही पाहले वडिलोपार्जीत राजवाड्याच्या वातानुकुलीत खोलीत बसून ज्यांनी मुंबई सांभाळण्याच्या व्हलगना केल्या त्या मुंबईचे काय झाले तेही आम्ही आमच्या डोळ्याने पाहिले, एका नेत्याचे नावाच्या प्रतिष्ठानाने जमिन हडपून तेथे बंगला बांधून त्यांच्या वातानुकुलीत खोलीत बसून ज्यांनी पूना सांभाळण्याच्या व्हलगना केल्या त्या पुण्याची स्थिती देखील आम्ही पाहिली आणि दुर्दैवाने भारत देशामध्ये महाराष्ट्र राज्य हे पहिले कोव्हीड बाधीत शहर झाले. नागपूरची स्थिती खूप वेगळी नव्हती. लोकप्रतिनिधी म्हणून आमच्याकडे ऑक्सीजनचे सिलेंडर, दवाखान्याचे बेड, रेमडीसीव्हर इंजेक्शन अशा मागण्याचे प्रकार झाले आणि त्यावेळी सर्व लोकप्रतिनिधी या वेळेस हतबल झाल्याचे दिसले, प्रशासनावर अनेक नगरसेवकांनी व्यक्त केलेल्या भावना ख-या आहे. प्रशासन कोणाच्या हुकमाने आणि निर्देशाने चालत होते हे सुद्धा समजण्याच्या पलिकडचे आहे. सुदैवाने सन्माननिय उच्च न्यायालयाला दखल घ्यावी लागली, आणि त्यानंतर उच्च न्यायालयाने ज्या पध्दतीचे निर्देश दिले कदाचित ८०/२० चा फार्मुला असेल, दवाखान्यातील बेड उपलब्धतेचा फार्मुला असेल, ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्धतेचा विषय असेल, या सर्व विषयावर शेवटी प्रशासनाला दखल घ्यावी लागली आणि प्रशासनाला त्या पध्दतीने काम करावे लागले, मला आश्चर्य वाटते या बजेटचा जेव्हा मी अभ्यास करीत होतो त्यावेळी मला या बजेटमध्ये एक आकडा दिसला की विदर्भ वैधानिक विकास महामंडळाद्वारे प्राप्त अनुदानातून करावयाची कामे आणि त्यातील प्रावधान आहे १ लक्ष रुपये, राज्यामध्ये राज्य करणा-या महाविकास आघाडीच्या धोरणांनी विदर्भ वैधानिक मंडळ ठेवले नाही त्यांच्या नेमणुकाच केल्या नाहीत. आणि या महाराष्ट्राच्या उपराजधानीचे म्हटल्या जाणारे शहर आज ख-या अर्थाने पोरके आहे. माजी मुख्यमंत्री मा. श्री.देवेंद्रजी फडणवीस यांच्या काळामध्ये १५० करोड रुपये या शहराला मिळायचे आज बजेट पाहिले तर शुन्य रुपये शासनाने दिलेले आहे. एस्सी व एस.टी. लोकांकरीता असलेली रमाई घरकुल योजना २०१७-१८ पर्यंत आपण २५ करोड रुपये खर्च केले, अत्यंत दुर्दैवाने सागावे वाटते की या ठिकाणी फक्त २ करोड रुपयांचे प्रावधान आहे त्याचे कारण असे आहे की राज्य शासनाचे ते अनुदान आहे. आणि एकीकडे फुले,शाहु,आंबेडकर यांचे नाव घेऊन राज्य करणारे हे शिवसेना,काँग्रेस आणि राष्ट्रवादीचे हे सरकार जर अशा पध्दतीने गोरगरीब, दलित व पिडीत, शेडुल कास्ट व शेडुल ट्राईबवर अन्याय करणारे असेल आणि त्यांच्या अखत्यारित चालणारे महानरपालिकेचे प्रशासन जर योजना पुर्नत्वास नेणार नसेल तर या बजेटचे काय करायचे, अशा पध्दतीची शंका या नागपूर शहरातील नागरिक, मी स्वयंम आणि इतर नगरसेवक व्यक्त करायला लागले आहे. सत्तापक्ष म्हणून आमची जबाबदारी वाढलेली आहे. मला निश्चितपणांनी विश्वास आहे की आपल्या सारखे कणखर, अनुभवी आणि दबंग महापौर नागपूर शहरावर दुर्दैवाने राज्य करणा-या सरकारची नकेल कसण्यासाठी निश्चितपणाने यशस्वी होईल, बजेटचे वाचन करतांना मी आपल्या निदर्शनास आणून देऊ इच्छितो आणि म्हणून मला स्थायी समिती सभापती यांचे अभिनंदन सुद्धा करावेसे वाटते की दवाखाना निर्माण आणि विस्तार यामध्ये मा.आयुक्तांनी फक्त ३ करोड रुपयांचे प्रावधान केले, आश्चर्य आहे. आम्ही आज हे शहर तसेच संपूर्ण राज्य कोव्हीड -१९

सारख्या महामारीला समोर जातांना आमच्या सगळ्यांच्या आरोग्याची काय स्थिती होती, दवाखान्याची काय स्थिती होती, कोव्हिड केअर सेंटरची स्थिती काय होती, अर्बन प्रायमरी सेंटरची काय स्थिती होती हे सगळे पाहिले आणि तरी देखील आम्ही त्यामध्ये प्रावधान करतो फक्त ३ करोड रुपयांचे, प्रकाशजी आणि मा.महापौरजी मी आपले अभिनंदन करतो की आपण २४ करोड १० लक्ष रुपयांचे प्रावधान त्या ठिकाणी केलेले आहे. दवाखाना निर्माण आणि विस्तार करण्यासाठी मा.आयुक्तांनी खुप आखुडता हात घेतला परंतु दहनघाट आणि क्रब्रस्तानासाठी ६ करोड रुपयांचे प्रावधान मा.आयुक्त महोदयांनी केले. हे कसले बजेट त्यांनी पेश केले, कोणत्या पध्दतीचे हे बजेट होते. सन्माननिय अध्यक्ष महोदय मी तुमचे अभिनंदन करतो या बजेटवर ख-या अर्थाने आमचे सभापती महोदय असतील की मा.महापौरजी असतील यांनी बजेटच्या सर्व हेडचे वाचन केल्याचे दिसते आणि त्यामध्ये त्यांनी अनेक हेडमध्ये दुरुस्त्या केल्याचे दिसत आहे. वाचनालय आणि दुरुस्त्यामध्ये फक्त ३ करोड रुपयांचे प्रावधान प्रशासनाने सुचविले होते ते आपण १० करोड ४० लक्ष रुपयांचे केलेले आहे. खेळाचे मैदान असतील तसेच क्रीडा विकासाचे कार्यक्रम असतील यामध्ये १ करोड रुपयांचे प्रशासनिक प्रावधान आपण ८.३० करोड रुपयांपर्यंत नेले, जिजाऊ स्मारक तसेच बिरसा मुंडा स्मारकाकरीता १० लक्ष रुपयांचे प्रावधान आपण ६.३० करोड रुपयांपर्यंत नेले, १८५७ च्या प्रथम स्वातंत्रता संग्रामाच्या १५० व्या वर्षाच्या वर्षगांठ निमित्ताने ५ लक्षाचे प्रावधान आपण २ करोड २० लक्ष रुपयांपर्यंत नेले, जेष्ठ नागरिकांच्या मनोरंजन आणि विरंगुळा केंद्रासाठीचे १२ लक्ष रुपयांचे प्रावधान आपण ३ करोड १० लक्ष रुपयांपर्यंत नेलेले आहे. अध्ययन कक्ष ५९ लक्षापासून २ करोड तर दलीत वस्तीमधील कामे सारख्या अत्यंत महत्वाचा मुद्दा मला या ठिकाणी आपल्या निर्देशनास आणुन दयायचा आहे. दलीत वस्तीतील कामांचे आयुक्तांचे प्रावधान हे फक्त १ करोड ९३ लक्ष रुपयांचे आहे जेव्हा की सन्माननिय सभापतींनी ते १७ करोड रुपयांपर्यंत नेले, दुर्बल घटकांचे ३ करोड ७५ लक्ष रुपयांचे प्रावधान आपण ५ करोड रुपयांपर्यंत नेले, गलिच्छ वस्तीच्या सुधार कार्यक्रमांतर्गत रस्त्यांचे निर्माणाकरीता फक्त सव्वातीन करोड रुपयांचे प्रशासनिक प्रावधान आपण १० करोड रुपयांपर्यंत नेले, या शहरामध्ये जवळपास ५ लक्ष अनुसूचित जातीची लोकसंख्या आहेत आणि त्याच्या प्रमाणामध्ये आपण तुटपुंजा प्रावधान करीत असाल प्रशासनिक प्रावधान जर चुकीचे होणार असेल तर हे नेमके कोणाच्या प्रदर्शनाने केले जाते. ज्यांच्या घरी नाही पिठ ते मागायला चालले विद्यापीठ आहे त्या लोकांच्या अखत्यारित प्रशासनिक प्रावधान केले जाते की काय ? अशी देखील शंका मा.महापौरजी मला या ठिकाणी व्यक्त करावीशी वाटते. प्राथमिक शिक्षणाचे ४० लक्ष रुपयांचे बजेट हे १ करोड रुपयांपर्यंत नेले, आणि सर्वात पहिल्यांदा विशेषत्वाने आपले यासाठी अभिनंदन की नागपूर महानगरपालिकेच्या क्षेत्रामध्ये युवक युवतींच्या कार्यक्रमासाठी आणि प्रशिक्षणासाठी नागपूर महानगरपालिकेच्या इतिहासात पहिल्यांदा अडीच करोड रुपयांचे प्रावधान आपल्या निर्देशाने सभापती महोदयांनी केले, आपले खरे तर मी अभिनंदन केले पाहिजे. एन.आय.टी. च्या संदर्भाने तसेच ए.डी.टी.पी. च्या संदर्भाने विषय झाले. एन.आय.टी. कोणी बरखास्त केली, कशासाठी केली, काय नेमकी कारणे होती, तुमची सत्ता

असतांना तुम्ही त्या पध्दतीचे धरपकड निर्णय घ्यायचे, आणि मग भारतीय जनता पार्टीची सत्ता असलेल्या नागपूर महानगरपालिकेला बोट दाखवायचे ही दुहेरी निती जर आपण करणार असाल, मी नाव घेऊ शकत नाही परंतु शिवसेनेच्या गटनेत्यांनी अशा पध्दतीचे वक्तव्य त्यांच्या भाषणामध्ये मांडले म्हणुन मा.महापौरजी या विषयाकडे सुध्दा आपले लक्ष गेले पाहिजे. ज्या पध्दतीचे कुटील व राजकीय डाव वापरुन या महाविकास आघाडीचे सरकार या लोकांनी निवडून दिलेल्या व भारतीय जनता पक्षाची सत्ता असलेल्या नागपूर महानगरपालिकेचे हनन प्रशासनाच्या माध्यमातून करणार असणार तर मी सुध्दा या प्रशासनाचा निषेध या ठिकाणी करू इच्छितो. आपण वैशाख दिनाच्या निमित्ताने ५० लक्ष रुपयांची तरतूद केली आहे मी आपल्याला विनंती करतो ही तरतूद १ करोड रुपयांपर्यंत न्यावी. आज जरी महोत्सवाचे कार्यक्रम शक्य नसले तरी भविष्यामध्ये जेव्हा आम्ही या दुर्घटनामधून बाहेर निघु तेव्हा मात्र ख-या अर्थाने या गोष्टीची आवश्यकता या शहराला पडेल, मोमिनपूराच्या अतिक्रमणा संदर्भात देखील काही चर्चा या सभागृहात झाल्या, मी वारंवार या विषयासंदर्भात पत्रव्यवहार केले, बैठका घेतल्या, मा.आयुक्तांना पत्र दिले. ज्या उद्येशाने मुस्लीम लायब्ररी करीता करोडो व अरबो रुपयांची जागा मुस्लीम लायब्ररीच्या संस्थेला दिली आहे त्या संस्थेची लिज संपूण अनेक वर्ष झालेले आहेत आणि त्या संस्थेने परस्पर महानगरपालिकेला विश्वासात न घेता त्या ठिकाणी कॅटीन सुरु केली व त्या ठिकाणी आजपर्यंत महानगरपालिकेतर्फे एक पैशाची सुध्दा कारवाई आजपर्यंत करू शकलो नाही हे कोणाच्या आशीर्वादाने चालते त्या ठिकाणी कोर्टाच्या गोष्टी सांगितल्या जाते, प्रकरण हाय कोर्टात आहे, त्या कोर्टात आहे महानगरपालिकेने ठरविले तर कोणतेही कोर्ट अशाप्रकारची कारवाई करू शकत नाही. कायद्यामध्ये अनेक तरतुदी आहे त्या तरतुदीचा वापर प्रशासन का करीत नाही. अशा पध्दतीचा दुटप्पीपणा, अशाप्रकारच्या दंडेणीचे कार्य आपण का करतो. हा देखील प्रश्न निश्चितपणाने माझ्या मनात आहे. मी कडबी बाजाराचा प्रश्न उचलला होता. टेलीफोन चौकाची करोडो रुपयांची जमिन व मौक्याच्या जागा अतिक्रमण बाधित झालेल्या आहेत. अनेक वेळा प्रश्न सभागृहाच्या पटलावर आल्यावर देखील अशा पध्दतीचे काम होणार असेल तर नागपूर महानगरपालिकेची संपत्ती लोकांच्या घशात घालून आम्ही कोणत्या प्रकारचे उत्पन्न प्राप्त करणार आहोत. मा.महापौरजी मी आपल्या माध्यमातून महानगरपालिकेच्या प्रशासनाला विनंती की त्यांनी या सर्व गोष्टींचा सारासार विचार केला पाहिजे आणि प्रशासनाचे प्रमुख म्हणुन मा.आयुक्तांनी अधिक जागृतपणे काम केले पाहिजे. जर आम्ही नविन मापदंड निर्माण करू शकलो तर हे शहर ख-या अर्थाने पुढे जाईल असा मला विश्वास आहे. मी या पुर्वी उल्लेखित केले आहे की मा.महापौरजी तुम्ही दबंग आहेत, अनुभवी आहेत, आपण शिक्षित आहात, समझदार आहेत, आणि तेवढेच कार्यक्षम सुध्दा आहेत, जर ख-या अर्थाने कोणत्याही पध्दतीचे काम करायचे असेल आणि करुन घ्यायचे असेल तर आपल्याला कठोर निर्णय घ्यावे लागतील, मा.महापौरजी, या बजेटचे समर्थन करतांना आणि भाषणाला संपवितांना मी विनंती करेल की हे बजेट आभासी न राहता हे बजेट ख-या अर्थाने एक्झीक्युट झाले पाहिजे यासाठी ज्या काही आवश्यक योजना असतील त्या सर्व योजनावर आम्ही काम करू शकलो पाहिजे.

मोमिनपूरा येथे डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर समाजभवन अनेक वर्षांपासून आहे ते मोडकळीस आहे. मध्यंतरी मा.नितीनजी गडकरी यांच्या आदेशाने तेथे १० लक्ष रुपयांची दुरुस्ती केली यामध्ये फक्त १ लक्ष रुपयांची तरतूद बजेटमध्ये करण्यात आलेली आहे. मी आपल्या माध्यमातून विनंती करतो या समाजभवनाकरीता व त्याच्या दुरुस्ती व नुतणीकरणा करीता व फर्नीचर करीता २५ लक्ष रुपयांची तरतूद करण्याचे निर्देश मा.सभापतींना द्यावे, त्याचप्रमाणे मा.महापौरजी, मी ज्या प्रभागाचे प्रतिनिधीत्व करतो असे माझ्या प्रभागासारखे वसलेले अनेक प्रभाग आहे. ज्या ख-या अर्थाने अनधिकृत वस्त्या आहे. त्या अनधिकृत वस्त्यांच्या माध्यमातून अमृत योजना सन्माननिय गडकरी साहेबांनी केंद्रातून आणली, आपण करोडो रुपये खर्च केले, आपण त्यांना पाणी देतो, विज देतो, दुर्दैवाने आपण त्यांना रहदारी लायक रस्ते देऊ शकत नाही आणि आपण महानगरपालिका म्हणून काम करीत असतांना तेथे विकास कामे करण्याकरीता हात आखडता घेतो, आपण झोपडपट्ट्या मध्ये विकास कामे करू शकतो, एन.आय.टी ने निर्माण केलेले ५७२ आणि १९०० लेआऊट मध्ये काम करण्यासाठी वेगळी तरतूद करतो परंतु या अनधिकृत वस्त्यांकरीता रहदारीसाठी योग्य रस्त्याच्या निर्माण करीता यावेळी पहिल्यांदा २५ करोड रुपयांची तरतूद करण्याचे निर्देश आपण सभापती महोदयांना द्यावे, मी आपले खूप खूप आभार व्यक्त करतो आणि या बजेटचे समर्थन करतांना परिशिष्ट १, परिशिष्ट २, व परिशिष्ट ३ आहे या सगळ्यांचे समर्थन करीत या बजेटला यश लाभो अशी देखील अपेक्षा व्यक्त करतो, धन्यवाद.

श्री.जितेंद्र घोडेस्वार :- मा.महापौरजी, मा.सदन, सत्तापक्ष नेते, विरोधी पक्ष नेते, अधिनस्त अधिकारी, कर्मचारी व पत्रकार बंधू, सगळे माझे नगरसेवक बंधू सगळ्यांना निश्चितच या कोव्हीड काळामध्ये सन्माननिय भोयर साहेबांनी सन २०२०-२१ चे अर्थसंकल्प आपल्यासमोर सादर केले आहे. या कोव्हीड काळामध्ये अर्थसंकल्प सादर केल्यामुळे मी त्यांचे अभिनंदन करतो परंतु हे २०१९-२०२० चे अर्थसंकल्प आपण बघितला आणि त्यानंतर मार्च २०२० नंतर जो कोरोना प्रकोप सुरु झाला आणि तत्कालीन आयुक्त श्री.तुकाराम मुंढे साहेब त्यांनी बजेटची चिरफाड केली आणि सर्व कार्यादेश झालेले कामे पैसे अभावी त्यांनी थांबविले निश्चितरूपाने त्यानंतर प्रकाश भोयर साहेबांनी त्यानंतर २०२०-२१ मध्ये अर्थसंकल्प सादर केला आणि त्यानंतर राधाकृष्णन साहेबांनी नुकतेच त्यामधील चार हेड चालू करून नागपूर शहरातील विकासाला आणि त्या कामाला सुरु न करता कच-यांची टोपली दाखविण्याचे काम केले हे सर्वश्रुत आहेत व सर्वांना माहिती आहे. मा.महापौरजी, कोव्हीड -१९ चे संक्रमण काळ आपल्या देशातच नव्हे तर संपूर्ण जगामध्ये व विश्वामध्ये हे सुरु झाले आणि कोव्हीड काळामध्ये शहरातील जनता ही पाण्याशिवाय व अन्नाशिवाय रस्त्याने चालू लागली, हे आपण बघितले, कोव्हीडच्या या दुस-या लाटेमध्ये ऑक्सीजन मुळे बेड अभाव व ऑक्सीजन व इतरही वैद्यकीय सोयी अभावी जनता त्रस्त राहून हाहाकार माजवत असतांना आपण बघितले, नागपूर शहरातील हे २०२० -२१ चे अर्थसंकल्प मा.भोयर साहेबांनी २७९६ करोड रुपयांचे हे आपल्या सर्वासमोर प्रस्तुत केले आहे. मला नाही वाटत की २७९६ करोड रुपयांचे अर्थसंकल्प या आर्थिक वर्षामध्ये यशस्वी होईल कारण हे नुकतेच पंचवार्षिक योजना फेब्रुवारी २०२२ ला नागपूर

महानगरपालिकेचे पुर्ण पाच वर्ष संपुष्टात येत आहे. आणि अशा परिस्थितीमध्ये आपल्या जवळ शेवटचे ७ ते ८ महिने शेवटचे राहिले आहे आणि त्यातील २ ते ३ महिने आचारसंहिता आणि इलेक्शन मध्ये शासनाचे निर्देश येतील आणि अशा परिस्थितीमध्ये २७९६ करोड रुपयांचे अर्थसंकल्प आपण पुर्णत्वास नेऊ अशी मला शंका निर्माण होत आहे. निश्चितच ३२० करोड रुपये मागील वर्षाची शिल्लक असतांना या शिल्लक काळामध्ये प्रशासनाकडे पैसे नव्हते, प्रशासनाकडे जर पैसे होते तर अनेक बाबी नागपूर शहराच्या आरोग्य विषयक कामे असो, चेंबरचे कामे असो, गडरलाईन चे कामे असो, इलेक्ट्रीकचे कामे असो, या करीता का निधी देण्यात आला नाही व आपण प्रशासन म्हणुन याकडे का लक्ष दिले नाही यातही मला दुविधा निर्माण होत आहे आणि निश्चितच आपण या अर्थसंकल्पामध्ये जो प्रमुख स्त्रोत म्हणुन प्रॉपर्टी टॅक्स हा महानगरपालिकेचे मुख्य आयचे स्त्रोत आहे बाकी आपण केंद्र शासन असो किंवा राज्य शासनाच्या अनुदानावर महानगरपालिका चालते जसे की जी.एस.टी. चे अनुदान असो तसेच इतर अनुदानावर आपण अवलंबून राहत असतो. मागेच केंद्र शासनाचे एक आढावा जाहीर झाला देशामधुन जी.एस.टी. बजेटनुसार येऊ शकत नाही म्हणून १ लाख ४५ हजार कोटी रुपयांचे कर्ज भारत देशाला जी.एस.टी. पुर्ण भरू शकत नाही किंवा उत्पन्न येऊ शकत नाही म्हणुन कर्ज घेण्याची पाळी त्यांच्यावर येत आहे. आणि अशातूनच या तीन बाबी आपण भारत देशामध्ये महानगरपालिकेच्या माध्यमातून शहरात असलेली जनतेच्या रुपातून आयच्या रुपाने प्रॉपर्टी टॅक्स असो, हेल्थ टॅक्स असो, किंवा इनकम टॅक्स असो या माध्यमातून आपण उत्पन्न तयार करण्याचे प्रमुख उद्देश आहे. ज्यांचे स्वास्थ, शिक्षण आणि रोजगार या प्रमुख सुविधा पोहचविण्याचे कार्य आपण टॅक्सच्या माध्यमातून आपण पुर्ण करीत असतो. महानगरपालिकेने २८१ करोड रुपयांचे प्रॉपर्टी टॅक्सचे लक्ष ठेवले परंतु भारत देशामध्ये विषमता वादी संस्था असल्यामुळे नागपूर शहरामध्ये सुध्दा टॅक्स आकारण्याची प्रणाली म्हणजे ज्या लोकांनी जून महिन्यापर्यंत प्रॉपर्टी टॅक्स जर भरला तर त्यांना १० टक्क्यांची सुट आपण दिली आहे. एकीकडे कोरोनाचे संक्रमण संपुर्ण देशातच नव्हते तर नागपूर शहरामध्ये सुध्दा आपण कोरोनाच्या दुस-या लाटेच्या स्वरुपाने बघितले, अशा परिस्थितीमध्ये नागपूर शहरातील सर्वच्या सर्व जनता ही काही इनकम संपन्न आहे असे नाही. या अनुषंगाने जर नागपूर शहराची विभागणी केली तर आर्थिकदृष्ट्या सबळ, आर्थिक दृष्ट्या कमकुवत आणि निम्न दर्जाचे लोक जे स्लममध्ये किंवा विविध गोरगरीब वस्त्यामध्ये राहतात याची जर विभागणी केली तर ज्यांच्याकडे पैसा आहे ते सदन आहे ते लोक मात्र प्रॉपर्टी टॅक्स भरून १० टक्क्यांचा लाभ घेऊ शकतील ज्यांनी या कोव्हीडच्या काळामध्ये हातावर आणणे व पाणावर खाने असे गोरगरीब जनतेची परिस्थिती असतांना सुध्दा जर ही गोरगरीब जनता जर तो प्रॉपर्टी टॅक्स या कालावधीत भरणार नाही तर त्यांना ही २ टक्के शास्ती लागणार आहे. आणि ही २ टक्के अतिरिक्त शास्ती लागत आहे ती शास्ती नागपूर शहरातील गोरगरीब जनता भरू शकणार नाही ही विसंगती टॅक्समध्ये मला नागपूर महानगरपालिकेमध्ये प्रकर्षाने आढळून येते म्हणुन ज्यांची आर्थिक परिस्थिती चांगली नाही त्याला नागपूर महानगरपालिकेच्या वतीने आणि त्यांच्या कुटुंबियांना मदत करण्याच्या हिशोबाने

आपण कुठलेही कार्य या आर्थिक वर्षात केलेले नाही मात्र श्रीमतांना प्रापर्टी टॅक्स भरण्यामध्ये १० टक्क्यांची सुट नागपूर महानगरपालिका देत आहे ही विसंगती मला वाटते, मला तर असे वाटते की कोरोना टॅक्स हा जे लोक प्रापर्टी टॅक्स भरू शकतात जे श्रीमंत लोक आहे त्यांच्यावर पुर्ण टॅक्स आकारून या गरीब लोकांना अनुदान रुपामध्ये सवलत देण्याची प्रक्रीया या नागपूर महानगरपालिकेमध्ये करायला पाहिजे मा.महापौरजी हम लोग अच्छे दिनों के आस लगाये बैठे थे, हम अच्छे दिन भी गवाते गये हि परिस्थिती नागपूर शहरामध्येच नव्हे तर संपुर्ण भारतामध्ये आपल्याला दिसून येत आहे. अशा परिस्थितीमध्ये जो अर्थसंकल्प सादर केला आहे त्यामध्ये आपल्या महापौर कार्यकाळामध्ये काही योजना त्यामध्ये दिव्यांग योजना, दृष्टी सुधार योजना तसेच ज्या काही योजना आपल्या माध्यमातून राबविल्या गेलेल्या आहे. निश्चितच कोव्हीडचे हे काळ आहे आणि गर्दी करू नये म्हणुन प्रशासनाकडून १४४ ची धारा लागू केलेली आहे आणि अशा परिस्थितीमध्ये आपण योजना तर अंमलात आणलेल्या आहेत परंतु त्या योजना कागदावरच राहु नये या संदर्भामध्ये आपल्याला दक्षता घ्यायची आहे. अशा परिस्थितीमध्ये काही योजना तर चांगल्या केलेल्या आहेत परंतु महानगरपालिकेचे २७९६ करोड रुपयांचा जो अर्थसंकल्प आहे तो पुर्णत्वास येणार नाही. कारण की अनेक बाबी आपण यामध्ये घेतलेल्या नाही. ज्या बाबी येथे घ्यायला पाहिजे होते त्या बाबी येथे घेतलेल्या नाही. आणि म्हणुन मला प्रकर्षाने म्हणावे लागते की ज्या २०१९ आणि २०२० च्या ज्या कार्यादेश झालेल्या फाईल आहे या संदर्भात मागच्या वर्षी सुध्दा काही विशिष्ट कामाच्या संदर्भात समिती गठीत करण्याचा आदेश दिला होता व समिती गठीत करीत असतांना प्रशासनातील काही अधिका-यांनी ए.सी. च्या रुममध्ये बसून त्याची प्राथमिकता निर्धारित केली होती. मात्र त्यामध्ये ज्या गडर लाईनच्या फाईल होत्या त्यामध्ये माझ्या प्रभागातील सुध्दा ६५ लक्ष रुपयांची फाईल होती अनेकदा मा.आयुक्तांना सुध्दा हाऊसच्या सभेच्या माध्यमातून सांगितले परंतु त्या कामाला कार्यादेश देण्यात आलेला नाही. व ते काम सुरू करण्यात आलेले नाही. चांभार नाल्याचा प्रश्न २४ तारखेला आपल्याला भेटायला आलो असतांना तेव्हा संवाद झाला आणि आपण मोठ्या आनंदाने सांगितले की जातीवाचक नाव त्या चांभार नाल्याला दिलेले आहे. सन २०१७ - २०१८ मध्ये स्थायी समितीमध्ये असतांना तेव्हा सुध्दा मी स्थायी समितीमध्ये विचारणा केली आणि सभागृहामध्ये सुध्दा मांडले आणि त्या संदर्भातील पत्र सुध्दा महानगरपालिकेला दिलेले होते या चांभार नाल्याचे नाव जेव्हा हा नाला बर्डी कडून वाहतो तेव्हा त्याला कॅनल नाला म्हटला जातो परंतु तो नाला जेव्हा नॉर्थ नागपूर मध्ये येतो तेव्हा त्याला चांभारनाला असे जातीवाचक उद्बोधन केल्या जाते. या संदर्भात आपण ती फाईल कुठे आहे याची चौकशी करून त्या चांभार नाल्याचे नाव बदलण्यासंदर्भात आपण समाधानकारकपणे चर्चा केली त्यामुळे मी आपले स्वागत करतो परंतु त्या चांभार नाल्याच्या जागोजागी मा.सदस्य श्री.इब्राहीम टेलर किंवा जमालभाई किंवा त्या प्रभागातील नगरसेवकांनी वेळोवेळी तक्रार केली आहे. जेव्हा अशोक चौकापासून आपण पहाणी करण्याकरीता आले असता दोन्ही बाजूच्या भिंत खचलेल्या आहे. यादव नगर पासून तर कॅन्सर हॉस्पिटलच्या मागे जे नविन पोलीस स्टेशन बनले आहे तिथपर्यंत संपूर्ण नाला हा कोसळलेला



आहे आणि इतकेच नव्हे तर त्या नाल्याला सर्व सिव्हरेज लाईन जोडलेल्या आहेत. सर्व सिव्हरेज लाईन जोडल्या असल्यामुळे त्या भिंतीतुन पाणी निचरा होत नाही अशा परिस्थितीमध्ये आता पावसाळा सुरु होणार आहे त्यामुळे जे अति आवश्यक कामे आहे त्या कामांना प्राधान्य दिल्या गेले नाही या आर्थिक वर्षामध्ये सुध्दा या कामांना घेण्यात आलेले नाही. त्यामुळे हा बजेट जनपयोगी नाही. अनेक बाबी या बजेटमध्ये घेण्यात आलेल्या नाहीत. डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर स्मारकाचा आणि शोध केंद्राचा अनेक वर्षांपासूनचा प्रश्न नागपूर शहराचे तत्कालीन मुख्यमंत्री सन्माननिय श्री.देवेंद्रजी फडणवीस साहेबांशी तत्कालीन महापौर श्री.संदीप जोशी साहेबांनी आमची भेट सर्व नगरसेवकांची घालून दिली परंतु त्याला सुध्दा महर्तुरुप आलेले नाही. तत्कालीन आयुक्त बांगर साहेब असो किंवा त्या पुर्वीचे आयुक्त असो आम्ही त्यांना पत्रव्यवहार केला आणि सांगितले की या कामाची तात्काळ फाईल तयार करुन आपण राज्य शासनाकडे पाठवावी परंतु गेल्या ३० वर्षांपासून हे काम झालेले नाही. भाजपा सरकार गेल्या १५ वर्षांपासून महानगरपालिकेमध्ये सत्तेत असतांना दोन करोड रुपयांचे प्रत्येक वर्षी प्रावधान उपलब्ध करुन देण्याचे काम आपल्या बजेटच्या माध्यमातून होत असते त्यामुळे हे सुध्दा निंदणीय आहे. जर स्मारक आपल्याला बांधता येत नसेल किंवा कोव्हीडचा काळ आहे असे सांगण्यात येत असेल तर मी माझ्या पक्षाच्या वतीने आपल्याला सूचना करु इच्छितो की त्या ठिकाणी भव्य असे कोव्हीड हॉस्पिटल तयार करण्यात यावे जेणेकरुन नागपूर शहराच्या सर्व जनतेला आरोग्य सेवा प्रदान करता येईल, अशा पध्दतीचे धोरण आपण राबवावे, तसाही बर्डी ऐरिया जो आहे तो सर्व ऐरिया मेडीकल हब म्हणुन ओळखला जातो. आणि त्या मध्यवर्ती ठिकाणी जर डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर नावाचे सुसज्य पध्दतीचे जर कोव्हीड हॉस्पिटल उघडले तर सर्व नागपूर शहरातील गोर गरीब जनतेला त्याचा लाभ घेता येईल आणि त्या दृष्टीकोणातून आपण बजेटमध्ये त्या पध्दतीचे प्रावधान करण्यात यावे. कारण की मागच्या ३० वर्षांपासून आणि आपल्या १५ वर्षांच्या सत्तेच्या कार्यकाळापासून डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर स्मारक व शोध केंद्र आपल्याला ते करता आले नाही. याबाबतीत मला असे प्रामुख्याने म्हणावेसे वाटते की, डॉ.बाबासाहेब आंबेडकरांच्या संदर्भामध्ये आपण वारंवार पुढे ढकलण्याचा प्रयत्न करतो तेव्हा डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर तेरीयार म्हणतात की हमारा खॉफ से पुछो जो हमारे मुर्तियों से भी डरते है. या देशातील राज्यकर्ती जमात आजपर्यंत आज स्वातंत्र्याची ७५ वर्षगाठ नागपूर मध्ये नव्हे तर संपुर्ण भारत वर्षामध्ये साजरी करणार आहोत आणि आपण सुध्दा या स्वातंत्र्याची ७५ वर्षगाठीच्या निमित्ताने अनेक असे उपक्रम या बजेटमध्ये अंतर्भुत केलेले आहे मी त्याचे अभिनंदन करतो. परंतु ज्या बाबी आपण अंतर्भुत केलेल्या नाहीत असे मला वाटते. मागच्या १५ वर्षांपासून या वर्षी आपण जो बजेट दिला आहे त्यामध्ये एकही असे ठोस कार्य नागपूर शहरामध्ये झालेले आहे असे मला दिसत नाही. जी काही केंद्र सरकार आणि राज्य शासनाच्या ज्या नविन परियोजना येतात आणि त्या आपण कार्यान्वित करतो आणि सर्व योजना सिव्हीलाईज ऐरियामध्ये करतो आणि त्या सिव्हीलाईज लोकांना आपण टॅक्समध्ये सुध्दा सुट देतो. मोठे मोठे रस्ते, मोठे मोठे उपक्रम सर्व राज्य शासनाच्या किंवा केंद्र शासनाच्या योजनेचे पैसे आपण सिव्हीलाईज ऐरियामध्ये खर्च करतो

आणि त्यामध्ये सुध्दा नागपूर महानगरपालिकेचा वाटा असतो. म्हणजे नागपूर महानगरपालिकेने गोरगरीब जनतेकडून पैसा घ्यायचा आणि आणि श्रीमंत लोकांच्या सिव्हीलाईज ऐरियामध्ये सर्व रोड रस्त्यांवर गट्टू लाऊन तसेच गार्डन तयार करून दयायचे आणि बाकीच्या नागरिकांना दुय्यम दर्जाची वागणूक देण्याचे काम मागच्या अनेक वर्षापासून करण्यात येत आहे. कोव्हीड संकटावर मात करण्यासाठी शासन आणि प्रशासनानी मेहनत घेतली. २४ मार्चला नागपूर महानगरपालिकेची सभा ऑनलाईन आयोजित करण्यात आली होती आणि त्यामध्ये एक विषय घेण्यात आला होता कोव्हीड संक्रमणाच्या उपाययोजनेवर अनेक नगरसेवकांना बोलण्याची संधी दिली होती आणि अनेक नगरसेवकांनी त्यामध्ये अनेक सूचना दिल्या होत्या त्यामध्ये सांगण्यात आले होते की डॉक्टर्स आणि नर्सेसची नियुक्ती करा, अनेक सामाजिक संस्थेशी चर्चा करा, शहरात जे मोठे मोठे हॉल आहे आणि लग्नसमारंभ आता बंद आहे त्यामुळे त्यांना भेटून तेथे कोव्हीड सेंटर तयार करा परंतु आपण जी परिस्थिती बघितली की मार्च महिन्याची सभा झाल्यानंतर आपण तशा प्रकारची उपाययोजना करण्यासंदर्भात प्रशासनाला आदेश सुध्दा दिले असावेत परंतु तशा प्रकारची उपाययोजना अंमलात आलेल्या नाहीत. कोव्हीड कंट्रोल रुममध्ये कोणीही फोन उचलायचे नाही. हॉस्पिटल फुल असल्यामुळे सर्व हॉस्पिटलमध्ये पेशंट फिरायचे आणि शेवटी ते मरण पावले अशी परिस्थिती सुध्दा नागपूर शहराने बघितली आहे. इतकेच नव्हे देशाचे मा.पंतप्रधान श्री.मोदी साहेब ज्या लोकसभा क्षेत्रातून प्राईम मिनिस्टर आहे त्यांच्या लोकसभा क्षेत्राची जर आपण परिस्थिती बघितली तर गंगा नदीचे स्वच्छीकरण करण्याचे उपक्रम आणि स्वच्छ भारत चालविण्याचा जो उपक्रम केला होता परंतु संपूर्ण जगाने आणि देशाने बघितले त्या कोव्हीड संक्रमणाच्या काळामध्ये गंगानदी ही गंदी झाली आणि लाशांचे ढेर तेथे वाहतांना दिसले ही परिस्थिती सुध्दा नागपूर शहराच्या घाटामध्ये होती परंतु त्याचे चित्रकरण मात्र मिडीयाच्या माध्यमातून झालेले नाही. वैशाली नगर घाटाची परिस्थिती सुध्दा अत्यंत वाईट होती हा घाटा नागपूर शहराच्या मध्यवर्ती भागामध्ये आहे. त्या घाटाच्या दहन घाटाच्या संदर्भात आम्ही अनेक वेळा सूचना दिल्यानंतर सुध्दा त्याकरीता काहीही प्रावधान केलेले नाही. त्या दहन घाटामध्ये शेड नव्हते तर तेथे २०१८-२०१९ या आर्थिकवर्षामध्ये शेड टाकण्याचे काम माझ्या माध्यमातून तेथे करण्यात आले, तेथील सर्व शेड जिर्ण झाले होते. आता जर त्या घाटावर गेलो तर तिथे झाडे नाही तेथे सौंदर्यीकरण झालेले नाही. तेथे जी शववाहिनी आहे ती बंद असल्यामुळे उत्तर नागपूरच नव्हे तर संपूर्ण सतरंजीपूरा झोनमधून येणार कोव्हीडचे शव तेथे जाळले जायचे त्या परिसरामध्ये एकच घाट असल्यामुळे तेथील नागरिकांना संपूर्ण प्रदुषण सहन करावा लागत आहे. त्यामुळे तेथे विशेष रुपाने ऑक्सीजन निर्मित आणि प्रदुषण विरहीत असा तो घाट सुसज्ज करण्याकरीता आपण सुध्दा निधी उपलब्ध करण्याचा प्रयत्न करावा. या नागपूर शहराम १६० जनप्रतिनिधी आहेत ते लोकांचे कामे महानगरपालिका तर्फे जनप्रतिनिधी यांना प्राप्त झालेल्या निधीमधून तसेच महापौर हेड किंवा स्थायी समिती सभापती यांच्या हेडमधून किंवा दुर्बल घटक विभागातून निधी उपलब्ध करून आपआपल्या प्रभागाच्या जनतेच्या सेवेकरीता लोकोपयोगी कामे करण्याचा प्रयत्न करीत असतात जनतेचे कामे झाले नाही तर जनप्रतिनिधी म्हणतात की

या वर्षात ती कामे होऊन जाईल, फाईल तयार आहे, कार्यदेश तयार आहे सर्व झालेले आहे काम लवकरात लवकर सुरु होईल परंतु काम सुरु होत नाही. त्यावेळी नागरिकांना म्हणावे लागते की निधी नाही है इसलिये काम नहीं हो रहा है, ठेकेदारोंको भुगतान नहीं हुवा है इसलिये काम नहीं हो रहा है, ३२० करोड रुपये मागील शिल्लक आहे. नगरसेवकांची कामे तर करण्यात आलेले नाही, ठेकेदाराचे भुगतान झाले नाही, आणि नगरसेवकांना म्हणावे लागते की जाओ कमीशनर के तरफ नगरसेवक म्हणुन या नागपूर शहराचे प्रतिनिधीत्व करणारे महापौर साहेब आम्ही सांगायला पाहिजे की महापौर साहेब के तरफ चलो, प्रत्येक जनप्रतिनिधींनी म्हणायला पाहिजे की तुमची समस्या आम्ही महापौर साहेबांकडे घेऊन जातो आणि ती समस्या सोडवून देतो, परंतु महापौरांचा अॅपच नाही. मात्र कमीशनरचा अॅप आहे आणि कमीशनर कुठल्याही नागरिकांना अनुमती देत नाही अशा विसंगत परिस्थितीमुळे नागपूर शहराची जनता त्रस्त होते आणि नगरसेवकांकडे येते आणि नगरसेवकांकडे निधी नाही तर अशा परिस्थितीमध्ये नगरसेवकांनी काय करायचे काय नाही हा प्रश्न निर्माण होतो. जनप्रतिनिधीचे प्रतिनिधीत्व जे आपण करीत आहात आणि आपण या शहराचे प्रथम नागरिक आहेत म्हणुन कमीशनर साहेबांचा अॅप बंद करुन मा.महापौर साहेबांच्या नावाने अॅप सुरु करावा अशी मी या सभागृहाच्या माध्यमातून आपणांस विनंती करतो. स्लमचे पट्टे वाटप आपण २०१२ पर्यंतच्या ज्या काही वैद्य झोपडपट्ट्या म्हणुन आपण त्यांची सर्वेक्षण केले आणि त्या पट्टे वाटपांचा गाजावाजा सुध्दा केला परंतु आमच्या उत्तर नागपूर मध्ये मात्र महानगरपालिकेच्या माध्यमातून एकही पट्टे वाटप झाले नाही. या करीता आपण प्रशासनाला आदेश देऊन या कार्यवाहीला लागले पाहिजे असे मला या माध्यमातून सुचवावेसे वाटते. दुर्बल घटक निधी २०२०-२०२१ या आर्थिक वर्षाचा निधी आणि जे काही कार्यदेश झालेले कामे आहे ते सर्व कामे थांबविल्या गेले आहे. तो निधी गेला कुठे २०२०-२०२१ या अर्थसंकल्पामध्ये स्लम विभागाकरीता बजेट निधी ठेवला गेला होता आणि त्या दलीत वस्ती आणि स्लम भागामध्ये कुठलेही काम झालेले नाही. दुर्बल घटकचा निधी हा कुठे जात नाही तर हा निधी तिथे खर्च करावाच लागतो. बाकीच्या कामाकरीता ठिक आहे परंतु या विशेष बाबीकरीता जो निधी असतो तो त्याला खर्च करावा लागतो परंतु हा निधी सुध्दा खर्च झालेला नाही त्यामुळे याची चौकशी करुन संबंधित अधिकारीवर कारवाई करण्याचे आदेश आपण द्यावे असे या सभागृहाच्या माध्यमातून मी आपणांस विनंती करतो. स्मार्ट सिटीचा प्रश्न आहे. स्मार्ट सिटीमध्ये गडर लाईन तसेच चेंबरचे कामे करू शकलो नाही किंवा तत्कालीन आयुक्त श्री.तुकाराम मुंडे साहेब असतांना नगरसेवकांनी सुचविलेल्या गडरलाईनच्या कामाच्या प्रावधान नसल्यामुळे सर्व फाईली थांबविल्या आणि सेंट्रल, साऊथ, आणि नॉर्थ अशा तीन झोनच्या फाईल तयार करण्यास सांगितल्या, तीन झोनच्या मोठ्या फाईल त्यांनी केल्या आणि नगरसेवकांच्या ऐरियामध्ये काम करतांना खिचताना होईल, आणि त्यानंतर कोणीही ठेकेदान काम करण्यासाठी तयार होत नसल्यामुळे पुन्हा प्रभाग निहाय किंवा झोननिहाय करण्याचा प्रयत्न केला. आशीनगर झोनमध्ये तीन ते चार करोड रुपयांची फाईल मुंडे साहेबांच्या कार्यकाळापासून तयारच होत आहे आणि त्यांना ठेकेदार सुध्दा मिळतच नाही. मागच्या दोन वर्षांपासून छोटे मोठे चेंबर व गडरचे

झाकणे झाले नसतील तर नागरिकांचा रोष हा सर्व नगरसेवकांवर होता परंतु कोरोनाची भिती व दहशतीमुळे नागपूर शहराची जनता ही रस्त्यावर आली नाही परंतु त्यांचा रोष मात्र सर्व जनप्रतिनिधींवर आहे. आणि हे प्रशासकीय अधिकारी वर्ग त्याकडे दुर्लक्ष करीत आहेत. आमच्या झोनमध्ये कार्यकारी अभियंता पुर्णकालीन नसुन दोन ते तीन झोनमध्ये काम करतात ते वेळेवर मिळत नाही. सहा.आयुक्त हे सुध्दा दोन झोनमध्ये काम करतात ते सुध्दा पुर्णकालीन नाही. अशा कोव्हीडच्या परिस्थितीमध्ये झोनचे काम कसे चालत असेल हे सुध्दा मा.महापौरजी आपण प्रत्यक्षदर्शी बघायला पाहिजे. ते एक जबाबदार अधिकारी आहे आणि या अधिका-यांकडे दोन-दोन झोन दिले आहे. ते अधिकारी झोनमध्ये बसत नाही ही परिस्थिती आमच्या झोनमध्ये आहे. आणि हे जे अतिआवश्यक कामे आहे आणि शेवटचे ४ ते ५ महिने कामे करण्याकरीता राहिले आहे अशा परिस्थितीत या सर्व कामांना कार्यादेश देण्याकरीता आपण प्रयत्न करावा. दोन वर्षांपासून छोटे मोठे लोकोपयोगी कामे झालेले नाही. ऑक्सीजनच्या अभावामुळे अनेक लोकांचे घरीच प्राण गेले. या संदर्भात अनेक नगरसेवकांची सुचविले की तीनच असे वृक्ष आहे की ते २४ तास ऑक्सीजन देण्याचे काम करतात. एक पिंपळाचे झाड ज्याला बोधीवृक्षाचे झाड म्हणतो, दुसरे तुळशीचे रोपटे घराघरात लावतात ते सुध्दा २४ तास ऑक्सीजन देतो कार्बन डायऑक्सीईड देत नाही. आणि तिसरे अशोकाचे झाडे हे तिन्ही झाड २४ तास ऑक्सीजन देतात त्यामुळे हे वृक्ष जागोजागी लावण्याकरीता नगरसेवकांच्या वार्ड फंडामध्ये जे आपण २० लक्ष रुपये ठेवले आहे त्या संदर्भात मा.महापौरजी मी आपणांस सूचित करु इच्छितो की ज्या काही फाईली आपण मा.सभापती स्थायी समिती यांना देणार असणार त्यामध्ये नगरसेवकांना समसमान वाटप करायला पाहिजे परंतु हा जर निधी वाढविला तर नगरसेवकांना इकडे तिकडे भटकायची पाळी येणार नाही. तत्कालीन महापौर श्री.संदीप जोशी साहेब असतांना पाच-पाच लक्ष रुपयांची गडर किंवा चेंबरकरीता फाईल होती. मा.महापौर श्रीमती नंदताई जिचकार असतांना त्यांनी सुध्दा शाळेची भिंत बांधण्याकरीता निधी उपलब्ध करुन दिलेला होता. तो साडेतीन लक्ष रुपयांचा निधी असतांना तेव्हापासुन तर आतापर्यंत झोनच्या उपअभियंता यांनी तसेच झोनच्या कार्यकारी अभियंता यांनी २०१७-१८ चे कार्यादेश झालेले फाईल बनविल्या नाहीत, शाळेच्या भिंतीचे काम केले नाही. अशाप्रकारचे काम या शहरामध्ये अधिकारीवर्ग करीत आहेत. पाच — पाच लक्ष रुपयांची गडर आणि चेंबरची फाईल कार्यादेश पर्यंत गेली होती परंतु ती फाईल कार्यकारी अभियंता यांच्याकडे दिसत नाही. अशाप्रकारचे व्यवहार या झोनमध्ये चालत असतात. १६ नगरसेवकांनी झोनच्या वतीने तत्कालीन महापौरांना निवेदन दिले होते की झोनमध्ये कार्यकारी अभियंता बसत नाही. नगरसेवकांना भेटत नाही किंवा त्यांच्या कार्यादेश झालेल्या कामाच्या संदर्भात जबाबदारी घेऊन ठेकेदारांना कळवित नाही अशा पध्दतीचे पत्र देऊन त्यांची तात्काळ बदली करण्यात यावी अशा प्रकारचे निवेदन देण्यात आले होते ते निवेदन मा.कमीशनर साहेबांकडे पाठविले वर्ष लोटुन गेले परंतु त्यावर मात्र कुठलीही कार्यवाही झालेली नाही. आणि कोव्हीड संक्रमणाच्या काळामध्ये महानगरपालिकेचे जवळपास २५ ते ३० कर्मचारी मरण पावले आहे. अशा कर्मचा-यांना लाड पागे समितीच्या शिफारसी अंतर्गत त्यांना नोकरी

देण्यात यावी. त्यामध्ये श्री.प्रमोद मुकेश मोरे, बबिता राजन गौरे, श्री.धर्मपाल लोखंडे हे महापौर कक्षामध्ये काम करीत होते असे २५ ते ३० कर्मचारी कोव्हीड संक्रमण काळामध्ये मरण पावले आहे. अशा कर्मचा-यांच्या परिवारावर आर्थिक संकट आले आहे. त्यांना तात्काळ रुपाने महानगरपालिकेमध्ये सेवा देऊन त्यांच्या परिवाराला आधार देण्याचा प्रयत्न करण्यात यावा. यह बजट इम्प्लीमेंट हुआ और झोन में अधिकारी और कर्मचारी नहीं है तो बड़ी दिक्कत वाली बात आती है। और इसिलीये मा.महापौरजी, आपका मैं निश्चितरूप से अभिनंदन करना चाहूंगा की यह बजट में बहुत सारी बातें लिये हैं मगर इम्प्लीमेंटेशन करते वक्त इसमें आय की पुर्ती कैसी हो और छह महीने के अंदर नगरसेवकोंको माध्यम से जनता को कैसा लाभ मिले यह आपके माध्यम से मैं कहना चाहूंगा। अगर डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर का स्मारक नहीं बनाया है तो निश्चितरूप से वहापर डॉ.बाबासाहेब आंबेडकरके नाम से एक बहुत बड़ा कोव्हीड हॉस्पिटल बनाने के पहल करे आय वहापर हॉस्पिटल निर्माण करने का कार्य करे, आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया इसलिये मैं विशेष रूप से आपको धन्यवाद अदा करूंगा, जय हिंद, जय भारत.

सौ.नंदा जिचकार :- आजच्या या २०२१-२०२२ च्या प्रस्तावित अर्थसंकल्पाच्या चर्चेमध्ये मा.महापौरजी यांनी मला संधी दिली त्या बद्दलमी त्यांचे आभार मानते. आजच्या सभेला उपस्थित मा.महापौरजी, मा.उपमहापौरजी, मा.सत्तापक्ष नेता, मा.स्थायी समिती सभापती, विरोधी पक्ष नेता सर्व सभापती महोदय, सर्व सन्माननिय नेते, गटनेते, माझे सहकारी सर्व नगरसेवक, नगरसेविका, स्थायी समितीचे सर्व सन्माननिय सदस्य निगम आयुक्त, सर्व अधिकारी वर्ग, कर्मचारी बंधु आणि पत्रकार बंधु आणि भगिणींनो, अर्थसंकल्पाचे समर्थन करण्याकरीता व माझी बाजू मांडण्याकरीता माझा सहभाग नोंदवितो आहे. आपल्या सर्वाना माहिती आहे की या अर्थसंकल्पामध्ये सर्व समावेशक अशा बाजू आपण बघत आहे आणि कोव्हीड सदृश्य परिस्थितीमध्ये सर्व अधिकारी वर्ग किंवा आपले कोव्हीड योद्धा आहे महानगरपालिकेचे या समाजातील अनेक संस्था यांनी जे आपले योगदान नागपूर शहराकरीता दिले आहे त्याकरीता मी त्याकरीता मी त्यांचे अभिनंदन करते. सर्वात महत्वाचे म्हणजे आमचे पितृतुल्य सन्माननिय केंद्रीय मंत्री श्री.नितीनजी गडकरी यांनी कोव्हीड काळामध्ये ज्यांना आपण आधारवड म्हणतो अशा आमच्या नितीनजी यांनी नागपूर शहराच्या लोकांचे जे प्राण वाचविले आहे त्यांनी वेळोवेळी ऑक्सीजन पुरवून व औषधी पुरवून मा.नितीनजी यांनी नागपूर शहराकरीता मदत केली आहे याकरीता नागपूर शहराची जनता आभार मानते. मा.महापौरजी आपण सुध्दा अभिनंदनास पात्र आहे. कोव्हीड काळामध्ये संपुर्ण नागपूर शहरामध्ये आपला वावर व अनेक अडल्या नडल्यांना आपली मदत हे नागपूर शहर कधीच विसरू शकणार नाही. आज अत्यंत कठीण परिस्थिती मधुन जात असतांना त्यांनी आपला अर्थसंकल्प मांडलेला आहे. या अर्थसंकल्पामध्ये नाविन्यपूर्ण अशा काही गोष्टी आपल्याला बघायला मिळाल्या आहेत. सन्माननिय महापौरजी या अर्थसंकल्पामध्ये आपण शिक्षण विषयावर जास्त भर दिला आहे. नविन नविन प्रयोग शिक्षण या विषयावर केलेला आहे जसे विज्ञान प्रयोगशाळा करीत आहात हे

खरच कौतकास्पद आहे. आणि नागपूर शहरामध्ये खरच याची गरज आहे. एक खरच व्हीजन असलेला महापौर असला तर नागपूर शहरामध्ये कुठला बदल घडवून आणु शकतो ते आपण बघितला आहे. आणि या सर्वांचा अनुभव या जनतेला करुन दिला आहे. अग्नीशमन विभागाला बळकटीकरण कसे करुण देणार आहात हा सुध्दा विषय आपण मोठया सक्षमतेने हाताळले आहे. अग्नीशमन दल आज एक सक्षम दल म्हणुन नागपूर शहरामध्ये काम करीत आहेत. या बजेटमध्ये जेष्ठ नागरिकांसाठी निरनिराळया योजना आपण आणत आहे. मला आठवते मी महापौर असतांना जेष्ठ नागरिकांसाठी प्रत्येक झोनमध्ये विरंगुळा केंद्र उभारण्याचा प्रयत्न केला आणि काही ठिकाणी सुरु पण आहे. जेष्ठ नागरिकांच्या चेह-यावरचा आनंद मी स्वतः अनुभवला आहे. कारण आज जेष्ठ नागरिकांना कुठेतरी बसण्याचे ठिकाण आपल्याला त्या विरंगुळा केंद्रामध्ये दिसते असेच विरंगुळा केंद्र आपण झोनमध्ये करावे. जेष्ठ नागरिकांसाठी केंद्रीय मंत्री श्री.नितीनजी गडकरी यांनी सहलीसाठी एक बस दिली आहे. त्या त्यांच्या सी.आर.एफ. फंडामधुन अनेक अनेक योजना नागपूर शहराकरीता आणत असतात. आणि त्या बसमध्ये आजही जेष्ठ नागरिक सहलीचा आनंद घेत आहे. जसा आपल्या मनामध्ये जेष्ठ नागरिकांचा विचार आला तसाच या नागपूर शहरामध्ये व्यसनमुक्ती केंद्राची गरज आहे. आज आरोग्याचा विषय ऐरणीवर आला आहे. आज या पेनडॅमिक स्थितीमध्ये आपण बघितले तर आरोग्य किती महत्वाचे आहे आणि आरोग्यासाठी आपण निरनिराळया योजना बजेटमध्ये आणलेल्या आहेत त्याबद्दल सुध्दा मी तुमचे अभिनंदन करते. आज कोव्हीडच्या पहिल्या लाटेत किंवा दुस-या लाट आपण बघितले आहे लोकांजवळ कितीही पैसा असला तरी सुध्दा ते आपला व आपल्या नातेवाईकांचा जिव वाचवु शकत नव्हते. म्हणजे पैसा हा दुय्यम झाला होता आणि त्याच्याकरीता तुमची जी इम्युनिटी आहे ती खुप महत्वाची झाली होती. ज्यांची इम्युनिटी चांगली ते लोक या कोरोनातुन तरले परंतू कोम ऑरबिट लोक जे होते ज्यांना काही आजार आधीचे होते त्यांचे आरोग्य १०० टक्के आधीच चांगले नव्हते त्या लोकांना कोरोनानी स्वर्गवासी केले. यामुळे माझी आपणांस विनंती राहिल की आरोग्या सोबतच आहाराच्या ज्या योजना आहे त्याकरीता सुध्दा जनतेची जनजागृती करण्याची खुप गरज आहे. कारण दोनच गोष्टी या पॅनडॅमिक परिस्थितीमध्ये आम्ही अनुभवल्या आहेत तुमचा आहार आणि आरोग्य या गोष्टी अत्यंत महत्वाच्या आहेत. पैसा काहीही करु शकत नाही हे सुध्दा आम्ही डोळ्याने पाहिलेले आहे. आज आरोग्या बद्दल बोलतांना मा.प्रधानमंत्री श्री.नरेंद्रजी मोदी यांच्या कल्पनेमुळे अख्या जगात २१ जूनला योगा डे साजरा करतात. त्यामुळे योगाचा सुध्दा प्रसार होणे फार गरजेचे आहे. कारण आज याची महती आपल्याला कळली आहे. असे व्हायरस अनेक येणार आज जी परिस्थिती आपण बघत आहे ती परिस्थिती आठ वर्षांपुर्वी व दहा वर्षांपुर्वी पुस्तकामध्ये लिहुन ठेवली आहे असा व्हायरस येणार आणि हे सर्व ग्लोबल वॉर्मिंगमुळे होत आहे हे सर्व तज्ञ लोक सांगत आहेत. या ग्लोबल वॉर्मिंग पासून दुर राहण्यासाठी पर्यावरणाचा विषय महत्वाचा करण्यासाठी महानगरपालिकेने पावले उचलणे खूप महत्वाचे आहे. नागपूर शहराचे नाव आज वर्ल्ड मॅपवर आहे. आज जागतिक लेव्हलवर नागपूर शहराला ओळखतात याचा अनुभव मी घेतलेला आहे याचे कारण म्हणजे

केंद्रीय मंत्री श्री.नितीनजी गडकरी व विरोधी पक्ष नेता श्री.देवेंद्र फडणवीस आहेत. यांनी जे प्राजेक्ट आणले आहे नागपूर शहरामध्ये काही पायलट प्रोजेक्ट आहे जे अख्या भारतामध्ये गाजलेले आहे. भारतातच नव्हे तर अख्या जगामध्ये गाजले आहे. ओसीडब्लुचा प्राजेक्ट आहे, एल.ई.डी. लाईटचा प्राजेक्ट आहे, इलेक्ट्रीय व्हेईकल चार्जिंग स्टेशन आहे असे पायलट प्रोजेक्ट नागपूर शहरात या दोन नेत्यांच्या माध्यमातून राबविले गले आहे त्यामुळे नागपूर शहराचे नाव जागतिक लेव्हलवर मोठे झाले आहे. आज या नागपूर शहरामध्ये स्मार्ट सिटी आलेली आहे सिमेंट रोड झालेले आहेत या नागपूर शहरात मेट्रो आलेली आहे. या नागपूर शहरात ई व्हेईकल आलेली आहे. सायकल पाथ झालेला आहेत, सांडपाणी पुर्नजिवन व शुध्दीकरणाचा प्रकल्प आपण राबवित आहोत. एस.टी.पी. सेंटर आहेत, सिटी ऑपरेशन सेंटर जे सर्वाना माहिती आहे. अटल बिहारी वाजपायी यांच्या नावाने जे सिटी ऑपरेशन सेंटर आहे जे नागपूर शहराला तारणारे असे महत्वाचे सेंटर आहे आपल्या कार्यकाळात त्याचे उद्घाटन झालेले आहेत. ६ जुलै २०१८ ला जेव्हा खूप पाऊस आला होता त्या परिस्थितीमध्ये सिटी ऑपरेशन सेंटरची खूप मदत झाली जेणेकरुन कुठलाही अपघात झालेला नाही. अशा या नागपूर शहरामध्ये अनेक योजना नेत्यांच्या माध्यमातून आपण इम्प्लीमेंट केलेल्या आहेत. जन्म मृत्यु रेकॉर्ड आपण अद्यावत केलेला आहे. महिला उद्योजिका केंद्र आपण शंकर नगरला बांधत आहेत. महाराष्ट्रामध्ये एकच असतील असे सुरेश भट सभागृह ऑडीटेरियम महानगरपालिकेतर्फे बांधण्यात आले आहे. त्यानंतर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग असो, रिनिव्हेबल एनर्जी मध्ये सोलर एनर्जीचे पॅनल आपण प्रशासकीय इमारतीवर लावले आहे. अशा अनेक गोष्टी या नागपूर शहरामध्ये आपण या मागील ४ वर्षांच्या काळामध्ये नागपूर शहरामध्ये इम्प्लीमेंट केलेले आहे आणि नागपूर शहराचे नाव मोठे केलेले आहेत. तारीफ आपने आप की करना फिजुल है खुशबु बता देती है यह कौनसा फुल है इतक नागपूर शहराचे नाव मोठे होत असतांना मात्र छल कपट करुन आज तिन तिघाडीचे राज्य सरकार चालु आहे ते कुठे तरी थांबल्या सारखे झाले आहे. नागपूर शहराच्या विकासाची जी गती होती त्याला कुठे तरी ब्रेक लागला आहे आणि ही नागपूर शहराची जनता हे बघत आहे की या नागपूर शहराचा विकास कशामुळे थांबला आहे. कुठला छलकपट झाल्यामुळे आज नागपूर शहरामध्ये प्रशासकीय अधिकारी येतात आणि वारंवार बदली होत आहे. कोण त्यांचा गॉडफादर सांगत आहे की नागपूर शहरामध्ये विकासाची कामे होऊ देऊ नका हे कळत नाही. नागपूर शहरातील जनता सुध्दा संभ्रमित झालेली आहेत. आज आम्हाला कोरोनाचे कारण देत आहे. परंतु कोरोनाच्या कार्यकाळात ३०० कोटीच्या वर पैसे शिल्लक आहे मग हे पैसे तुम्ही कशासाठी थांबविले आहे जनतेच्या विकासाची कामे का केलेली नाहीत. एक नगरसेवक जेव्हा निवडुन येतो तेव्हा त्याचे स्वप्न असते की मी जनतेकरीता हे हे कामे करणार आणि जनता सुध्दा प्रॉपर्टी टॅक्स व वॉटर टॅक्स देतात आणि त्यांना सुध्दा वाटत असते की माझ्या घराजवळ लाईट लागला पाहिजे. रोडचे कामे झाले पाहिजे, गडरचे कामे झाले पाहिजे अगदी शुल्लक अपेक्षा त्यांच्या असतात त्या सुध्दा या दीड ते दोन वर्षांच्या कार्यकाळामध्ये झालेल्या नाहीत. त्यामुळे जनता अत्यंत नाराज आहे आणि राज्य सरकारचा आडमुठेपणा चालु आहे त्याचा जनता निशेध करीत आहे. बंधु आणि

भगिनीनो कोव्हीडच्या या पॅनडॅमिक सिच्युएशनमध्ये एकमेकांना सहकार्य करीण्याची वेळ आहे आणि या परिस्थितीमध्ये महापौर आणि आयुक्त हे रथाचे दोन चाके आहे आणि हातात हात घालुन शहराचा विकास आहे. महानगरपालिका आहे ती पालन करणारी संस्था आहे. एका आईच्या व मातेच्या दृष्टीने शहराचे पालकत्व स्वीकारलेली ही महानगरपालिका आणि याच्याकडे जनता मोठ्या अपेक्षेने बघत असते आज आपण जनतेच्या अपेक्षा का पूर्ण करू शकत नाही. आज शहरामध्ये जेव्हा दुसरी लाट आली तेव्हा जनता संभ्रमावस्थेत होते कोणाला काही सुचत नव्हते. का आम्ही सुरुवातीपासून त्याची व्यवस्था केलेली नाही. का आम्ही दुस-या लाटेमध्ये फेल ठरलो याचा अभ्यास व आत्मपरीक्षण करण्याची वेळ महानगरपालिका प्रशासनाने केली पाहिजे. आज आरोग्य आणि आहाराचा विषय मांडला आहे तो अत्यंत महत्वाचा विषय आहे. “Prevention is better than cure” हे सर्वाना माहिती आहे. या गोष्टीसाठी आपण विशेष लक्ष दिले पाहिजे. आज लोकप्रतिनिधी सर्व गोष्टी करायला तयार आहे परंतु प्रशासनाने लोकप्रतिनिधींना कधी विचारले पाहिजे. मागच्या कार्यकाळामध्ये तत्कालीन जे आयुक्त होते त्या आयुक्तांनी लोकप्रतिनिधींना वा-यावर सोडले होते. मला आठवते मालमत्ता कर वसुलीची वेळ आली होती तेव्हा महापौर असो किंवा सर्व पदाधिकारी तसेच नगरसेवकांनी ज्यांनी ज्यांनी टॅक्स भरला नव्हता तेव्हा सेंट्रल मॉल असो अशा ठिकाणी आम्ही ढोल व ताशे वाजविले होते. ढोल वाजवून त्यांची मान शरमेने खाली घातली होती आणि वसुली केली होती अशा लोकप्रतिनिधींच्या सहभागातून मोठ्या प्रमाणात टॅक्स वसूल केला होता अशा लोकप्रतिनिधींची मदत न घेता त्यांना बाजूला सारुन अशा लोकप्रतिनिधींना आधीच्या आयुक्तांनी मेरे मुर्गीकी एक टांग करत या नागपूर शहराचा सत्यानाश करुन ठेवला आहे. आज तिच रिघ जर आयुक्त ओढतील तर लोकप्रतिनिधींना लोकांनी ज्यांना निवडून दिले आहे त्यांच्या मदतीने कोरोना बघल जनजागृती करायची आहे. आणि जनतेला विश्वास द्यायचा आहे की महानगरपालिकेमध्ये शासन आणि प्रशासन या दोघांना एममेकांना हातात हात घालुन पुढे जायचे आहे. आज सर्व सन्माननिय सदस्यांनी कोरोनामध्ये खुप काम केले आहे. मला नाही वाटत कुठलाही नगरसेवक शांततेने झोपला असेल, तिस-या लाटेची शक्यता तज्ञांनी वर्तवली आहे. अशा वेळेस प्रशासनाची काय तयारी आहे. मा.सदस्य श्री.जितेंद्र घोडेस्वार यांनी सांगितले की नाल्याची समस्या नागपूर शहरामध्ये मोठ्या प्रमाणात आहे मला माहिती आहे मी महापौर असतांना महापौर आपल्या दारी या योजनेमध्ये मी जेव्हा प्रभागामध्ये गेली तेव्हा मी पाहले अनेक समस्या आहे. नाल्यांची समस्या आहे, डुकरांची समस्या आहे, कुत्र्यांची समस्या आहे, मटन मार्केटची समस्या आहे, दुषित पाण्याची समस्या आहे, कचरा साठविण्याचे ठिकाण जे आहे त्याची समस्या आहे, तुटलेले चेंबर्स जे आहे त्याची देखील समस्या आहे, रस्त्यांच्या दुतर्फा अतिक्रमण आहे. मा.महापौरजी आपण नेहमी अतिक्रमणाच्या संदर्भात बोलत असतात त्यामुळे हे जे विषय आहे ते अत्यंत महत्वाचे आहे. वाहनांचे अवैध पार्किंग आहे. नादुरस्त व भंगार गाड्यांनी रस्ते अडवून ठेवले आहे. गाई म्हशींचे तबेले आहे. अवैध नळांचे कनेक्शन आहे अशा अनेक समस्या आहे. समस्या जरी छोट्या असल्या तरी सुध्दा जास्तीत जास्त वर्ग अफेक्टेड



आहे. म्हणुन या समस्येवर शासन आणि प्रशासनाने लक्ष द्यावे. मा.महापौरजी आपणांस विनंती आहे की महापौर आपल्या दारी ही योजना आपण राबविली होती ती योजना आपण राबवावी यामुळे प्रशासनातील अधिकारी बाहेर पडतात कारण फक्त खुर्चीवर बसून प्रशासन सक्षम होऊ शकत नाही. लोकप्रतिनिधी व महापौरांसोबत जर अधिकारी बाहेर पडतील तर ज्या समस्या असतील त्यांना जाणवतील, आता कोरोना कमी झालेला आहे जनतेचा विश्वास जो आपण गमावला आहे तो पुन्हा आपल्याला मिळवावा लागेल, मा.महापौरजी आपण अत्यंत अनुभवी आहेत आणि अत्यंत सक्षम आहे आणि दबंग तर आहातच त्यामुळे माझी आपणांस विनंती राहिल की नागपूर शहराच्या जनतेचा विश्वास आपल्यावर आहेच. मला या ठिकाणी दोन ते तिन विषय मांडायचे आहे. मा.सदस्य श्री.हरीश ग्वालवंशी यांनी त्यांच्या भाषणामध्ये म्हटले की भारतीय जनता पक्षाचे सरकार महिला विरोधी आहे. तर मी सांगु इच्छितो की भारतीय जनता पार्टीचे सरकार हे महिला सक्षमीकरणाचे आहे. आपल्या माहितीसाठी सांगते की मायाताई ईवनाते जेव्हा महापौर झाल्यात, स्वाती आखतकर ज्या आहेत त्या सुद्धा एका पुरुषांना हरवून नगरसेविका झालेल्या आहेत. परिणिता फुके सुद्धा पुरुषांना हरवून नगरसेविका झालेल्या आहेत अशा अनेक नगरसेविका आहेत ज्या पुरुषांना हरवून नगरसेविका झालेल्या आहेत त्यामुळे महिला सक्षमीकरणाचा विषय हा भारतीय जनता पार्टीचा नेहमीचा विषय आहे. मी जेव्हा महापौर म्हणुन काम केले तेव्हा मला पक्षाने कुठलाही विरोध केलेला नाही. त्यामुळे भारतीय जनता पार्टी हे केवळ आणि केवळ अशी पार्टी आहे जी महिला सक्षमीकरणासाठी नेहमी प्रयत्न करित असते. आपल्या नागपूर शहरात जे पुतळे आहे ते आपण वर्षातून एकदाच धुतो त्यामुळे त्यावर लक्ष देण्यात यावे. सरतेशेवटी मी या बजेटचे समर्थन करते आणि एक उत्कृष्ट बजेट सादर केला आहे आणि त्यावर चर्चा करण्याकरीता संधी दिली मी आपली आभारी आहे. धन्यवाद.

श्री.प्रफुल्ल गुड्डे :- मा.महापौरजी, सन २०२१-२०२२ चे अर्थसंकल्प मा.सभापती स्थायी समिती आमचे मित्र, मोठे बंधु श्री.प्रकाशजी भोयर यांनी दोन दिवसा आधी महानगरपालिकेच्या सभागृहामध्ये सादर केले. प्रकाशजी स्थायी समितीचे अध्यक्ष झाले आणि स्थायी समितीचा अध्यक्ष कुठलाही झाला तरी त्यांनी आपल्या मनातील कल्पना आपल्या बजेटमध्ये आणाव्यात. स्थायी समितीचे जे बजेट आहे ते भारतीय जनता पक्षाच्या १५ वर्षांच्या शासन काळातील अंतिम बजेट आहे आणि १४ व्या स्थायी समिती अध्यक्षांचे हे बजेट आहे. १५ वर्षांमध्ये १५ स्थायी समितीचे अध्यक्ष होणे अपेक्षित होते मात्र मधल्या काळामध्ये मा.संदीपजी जोशी हे २ वर्ष आणि या कार्यकाळाचे हे अंतिम बजेट आहे. अंतिम बजेट आणि फारच थोळा वेळ असल्यामुळे त्यांना त्यांच्या मनासारख्या योजना या कोरोनाच्या पाश्र्वभूमीवर खूप अधिक काही टाकता आलेल्या नाही. स्थायी समितीचा कार्यकाळ हा एक वर्षाचा असतो. एक वर्षाच्या कार्यकाळामध्ये पूर्ण बजेट अस्तीत्वात आणणे, त्याची अंमलबजावणी करणे हे होत नाही. स्थायी समितीचे बजेट हे रिले दौडसारखे असते. एखादया धावकांनी आपला कार्यकाळ पूर्ण झाला की ती बॅट दुस-या धावकांकडे द्यायचे तसेच पास करता करता मा.महापौरजी, ही जी रिले रेस आहे त्या रिले रेसचा अंतिम धावक आमचे प्रकाशजी भायेर आहे. परंतु याच्या आधीचे जे चार धावक होते त्यांनी जी

दौड करायला पाहिजे होती ती दौड पुर्णपणे केलेली नाही आणि त्यामध्ये खूप मागे राहिलेले आहे. त्यामुळे प्रकाशजी भोयर यांची कितीही इच्छा असली तरी ही जी दौड आहे ती दौड मी जिकलीच पाहिजे मात्र ते खूप मागे सुटलेले आहे. त्यामुळे अंतिम दौड काढण्याची त्यांची कितीही इच्छा असली तरी ते इतक्या मागे राहिलेले आहे त्यामुळे त्यांना अपेक्षित अर्थसंकल्प पुर्ण करण्यासाठी त्यांना पुरेपूर वेळ मिळणार नाही, संधी मिळणार नाही. मा.महापौरजी, या अर्थसंकल्पावर आमचे मित्र विजय झलके यांनी सुरुवात केली. मी खरोखर त्यांचे अभिनंदन करतो. त्यांनी त्यांच्या भाषणामध्ये अत्यंत प्रमाणिकपणे उल्लेख केला कोरोनाच्या काळात मी बजेट पुर्ण करू शकलो नाही त्या बद्दल त्यांनी क्षमा देखील मागितली. राजकारणामध्ये असलेला मानुस सार्वजनिक जिवनामध्ये कबुल करीत नाही मात्र विजय झलके यांनी आपली चुक कबुल केली. त्यांच्या मागचे कारणे विषद केले. हा मनाचा मोठेपणा विजय झलके यांनी दाखविला त्याबद्दल मी त्यांचे मनपूर्वक अभिनंदन करतो. त्यांचे कौतुक करतो त्यांनी आपले यश अपयश त्यांनी कुठेही लपवले नाही. त्यांनी ऑक्टोबर महिन्यामध्ये ती तारीख होती २०-१०-२०२० ला बजेट दिले होते कार्यकाळ फार कमी राहिला, त्यानंतर दुसरी लाट आली आणि या पेनडॅमिकमध्ये त्यांना जो अपेक्षित रिझल्ट द्यायला पाहिजे होता तो त्यांना देता आला नाही. त्यांनी खंत अशी व्यक्त केली की मी विजयी होऊ शकलो नाही. माझ्या नावामध्ये जरी विजय असला तरी देखील मला विजयी होता आले नाही. परंतु आमचे मित्र प्रकाश भोयर यांच्या नावामध्ये प्रकाश आहे त्यामुळे ते या बजेटमध्ये निश्चितपणाने प्रकाश पाडतील अशी पण रास्त अपेक्षा त्यांनी आपल्या मित्रत्वाच्या नात्याने अपेक्षा व्यक्त केली. मी विचार करीत असतांना इतका प्रांजळ मानुस इतक्या प्रमाणिकपणाने आपले अपयश मान्य करतो मी फोन करून त्यांचे कौतुक केले की ही एक असाधारण बाब आहे. आपण अपयशी झालो ज्या कुठल्या कारणामुळे झालो असेल ते अपयश आपण मान्य केले आहे म्हणून मी त्यांचे मनपूर्वक अभिनंदन करतो. मा.महापौरजी त्यांना कार्यकाळ कमी मिळाला त्यामुळे त्यांना अपेक्षा होती की दुसरी सुध्दा टर्म त्यांना मिळेल, परंतु विजय झलके कर्तृत्ववान असतांनाही मला असे वाटते की कदाचित ते भाग्यवान नव्हते. संदीपजी जोशी यांच्यासारखे भाग्य त्यांच्या नशीबी नसावे की त्यांना दुसरी टर्म शेवटच्या वर्षामध्ये मिळेल किंवा दिलीपजी दिवे यांच्या सारखे ते भाग्यवान नाही की त्यांना सातत्याने एकाच विभागाचे सभापती पद मिळाले, म्हणून त्यांनी ती खंत व्यक्त केली त्यामध्ये त्यांचा दोष नाही खरोखरच त्यांना जो वेळ मिळायला पाहिजे होता तो वेळ अगदी कमी मिळाला या अल्पवेळामध्ये ते त्यांचे बजेट पुर्ण करू शकले नाही म्हणून त्यांनी खंत व्यक्त केली. श्री.विजय झलके यांनी बजेटवर भाषण देत असतांना महानगरपालिकेची तुलना एका भिका-या सोबत केली. त्यांनी एक कहाणी सांगितली छोटीशी, इंदोरचा एक भिकारी होता ज्यावेळी त्याचा मृत्यु झाला त्यावेळेस पोलिसांना त्यांच्याजवळ लाखो रुपये मिळाले मा.महापौरजी ही तुलना मला वाटते संयुक्तीक नाही. नागपूर महानगरपालिकेची जर तुलना आपल्याला करायची असेल ती तुलना मी एका वेगळ्या पध्दतीने करतो. कारण हे साठवून ठेवलेले पैसे आहे ते कुठला आयुक्त आपल्या घरी घेऊन जात नाही किंवा कुठला अधिकारी आपल्या घरी घेऊन जात नाही. महानगरपालिकेला

ज्यावेळेस संकट येते किंवा मोठी आपदा निर्माण होते अशा आपदा व्यवस्थेच्या वेळी हाच पैसा आपल्याला कामात पडतो त्यामुळे नागपूर महानगरपालिकेची तुलना एका भिका-या सोबत करणे योग्य नाही. नागपूर महानगरपालिकेची तुलना जर आपल्याला करायचे असेल तर “ श्रीमंत बापाचं लाडावलेलं पोरं ” अशी आपल्याला करावी लागणार आहे. नुसत लाडावलेलं नाही तर बिघडलेलं पोरं अशी सुद्धा आपल्याला करावी लागणार आहे. त्याचे कारण असे आहे की महानगरपालिकेने आपले उत्पन्नाचे स्रोत अजिबात नव्याने निर्माण केले नाही किंवा उत्पन्न या बाबीकडे अजिबात लक्ष दिलेले नाही. हे मात्र आपण प्रामुख्याने मान्य केले पाहिजे. आपण भाषण बघा आमच्या भागात हे काम झालेले नाही. आमच्या भागात ते काम झालेले नाही, गडरलाईनचे प्रश्न आहे या सर्व प्रश्नांचा उहापोह या सभागृहामध्ये होतो. मात्र उत्पन्नाच्या संदर्भात आपण एकत्रित रित्या कधीही बसत नाही. उत्पन्न वाढीच्या संदर्भात आपले कुठलेही नियोजन नाही. आपले डिपेंडंट राज्य सरकारवर मोठ्या प्रमाणात दिवसेंदिवस वाढुन राहिले आहे आणि आपण सातत्याने राज्य सरकारचा सहारा घेत असतो. मागील वर्षामध्ये जे.एन.एन.यु.आर.एम. चा केंद्र सरकारचा मोठा निधी ज्यावेळी मा.पंतप्रधान मनमोहनसिंग साहेब ज्यावेळी पंतप्रधान होते त्यावेळी जे.एन.एन.यु.आर.एम. सारखी योजना आली त्यामध्ये स्थानिक संस्थांना मोठ्या प्रमाणात निधी मिळाला आणि महानगरपालिकेला निधी मिळाला. आज आपण २४ बाय ७ योजनेचा फार मोठा गवगवा करुन राहिलो त्यासाठीचे आर्थिक पाठबळ हे केंद्र सरकारने दिले होते राज्य सरकारने दिलेले होते, नागपूर महानगरपालिकेच्या उत्पन्नाचे नविन स्रोत आपण नव्याने कुठेही निर्माण केलेले नाही. अपयश संपल्यानंतर एल.बी.टी. आणि ऑक्ट्रॉय संपल्यानंतर जी.एस.टी. अनुदान यावरच आपले उत्पन्नाचे स्रोत अवलंबून राहिले आहे. मा.महापौरजी, या बजेटच्या भाषणामध्ये सन्माननिय अध्यक्ष यांचे एक वाक्य अत्यंत महत्वाचे आहे. या संसर्गजन्या रोगाने केंद्र, राज्य व स्थानिक संस्थांचे आर्थिक स्थिती प्रभावित केली. यामुळे शासनाची वित्तीय हाणी फार मोठी झालेली आहे. मा.महापौरजी, बरोबर आहे फक्त महानगरपालिकेचं उत्पन्न घटलं असे नाही. राज्य सरकारचं पण घटलं आहे, केंद्र सरकारचे पण उत्पन्न घटलेलं आहे. यावर आपल्याला कठोर उपाय म्हणुन वित्तीय उपाययोजना करणे गरजेचे आहे असा मानस स्थायी समिती अध्यक्ष यांनी या बजेटच्या भाषणामध्ये व्यक्त केला. जर उत्पन्न कमी असेल तर आपल्याला खर्चावर निर्बंध घालावे लागतील, त्यासाठी आपल्याला कठोर उपाययोजना कराव्या लागतील हे भाषणामध्ये आहे परंतु त्यानंतर त्या बजेटमध्ये असे कुठले निर्बंध घातल्याचे दिसत नाही. जेव्हा जेव्हा स्थायी समिती अध्यक्ष बजेट देत होते तेव्हापासूनचे भाषण आम्ही बघत आहोत. फक्त आकड्यांचा खेळ आपण बघत होतो. सत्तापक्षांनी त्याचे समर्थन करायचे, विरोधी पक्षाने त्याचा विरोध करायचा आम्ही सातत्याने आकड्यांचा खेळ असे म्हणत होतो या बजेटमध्ये बघतांना मला कुठेच आकडे दिसले नाही. हा आकड्यांचा खेळ राहिलेला नाही तर फक्त आता शब्दांचा खेळ राहिलेला आहे. अर्थसंकल्प आता आकड्यांचा खेळ नाही तर फक्त शब्दांचा खेळ राहिलेला आहे. मा.महापौरजी आपण २७९६ कोटी रुपयांचे बजेट सन्माननिय अध्यक्ष स्थायी समिती यांनी दिले त्यामध्ये साधारणतः चार महत्वाचे उत्पन्नाचे

स्त्रोत आहे. त्यामध्ये जी.एस.टी. चे अनुदान जे राज्य सरकार कडून येणार आहे. प्रॉपर्टी टॅक्स २५० कोटीच्यावर आपल्याला कधीच मिळत नाही. वॉटर टॅक्स मध्ये सुद्धा आपण सातत्याने मागे असतो. अॅमिनिस्टी स्कीम जाहीर केल्यानंतर सुद्धा रिसपॉन्स मिळत नाही. लोक पाण्याचे बिल भरत नाही त्याचे कारणे समजून घेतले पाहिजे. प्रॉपर्टी टॅक्स वसूल करतांना लोक प्रॉपर्टी टॅक्स भरत नाही. मा.महापौरजी त्याचे कारणे काय आहे. तर असमान प्रॉपर्टी टॅक्स असेसमेंट लोक प्रापर्टी टॅक्स असेसमेंट विभागामध्ये सातत्याने चकरा मारल्यानंतर सुद्धा त्याचे असेसमेंट होत नाही. असेसमेंट करण्याच्या पद्धतीमध्ये अनेक चुका आहे. ज्या प्रायव्हेट कंपन्यांना आपण असेसमेंटचे अधिकार दिले होते, मोजमाप करण्याचे अधिकार दिले होते त्यामध्ये प्रचंड घोळ होता आणि हे घोळ केल्यानंतर त्यावरचे आक्षेप लोकांनी अनेक घेतले आहे. आज अनेक आक्षेप महानगरपालिकेकडे प्रलंबित आहे, त्यावर सुनवाई होत नाही. निर्णय होत नाही आणि आपली डिमांड फायनल होत नाही म्हणुन आपल्याकडे जी थकबाकी दिसते ७०० ते ८०० कोटी रुपयांची प्रॉपर्टी टॅक्सची ही थकबाकी वास्तविक थकबाकी नाही. यातील अनेक थकबाकीवर आक्षेप घेतल्यानंतर सुद्धा ते निकाली निघाल्या नाही म्हणुन त्या थकबाकी कायम राहिल्या आहे. पाण्याचे मोजमाप करणारे जे मिटर आहे त्या मिटरमध्ये सुद्धा अनेक लोकांचे आक्षेप असतात अर्धातास पाणी येते आणि एक तास त्यामधुन हवा निघते. आणि हवा निघाल्यानंतर ते मिटर हवेने फिरत असते आणि हवेने फिरणारा मिटरचा वेग अधिक असतो. प्रॉपर मोजमाप पाण्याचे होत नाही आणि अधिकचे बिल मिळत आहे अशी सुद्धा तक्रार लोकांच्या माध्यमातून मिळत आहे आणि त्यावर सुनावई होत नाही. आपल्या प्रशासनामध्ये सुनावई करण्याची अशी कुठलेही यंत्रणा नाही आणि लोक सातत्याने चकरा मारत असतात आणि मग पैसे भरणे होत नाही आणि म्हणुन आपल्याला मोठ्या प्रमाणात थकबाकीदार दिसतात. मा.महापौरजी, १५ वर्षांचा सत्ताकाळ, शासन काळ नागपूर महानगरपालिकेत भारतीय जनता पार्टीचा राहिला आहे. आणि मोठा गाजावाजा करीत अनेक प्रकल्प आपण बी.ओ.टी. प्राजेक्टच्या माध्यमातून महानगरपालिकेच्या जागा खाजगी विकासकांना देत त्यामधुन मोठा रेव्हेंयु जनरेट होईल, अशी अपेक्षा व्यक्त केली. आणि असे ७ प्रोजेक्ट आपण बी.ओ.टी. वर दिलेले होते. ऑरेंज सिटी लंडन स्ट्रीट तसेच अनेक विषय आपण दरवर्षी बजेटमध्ये ठेऊन राहिलो आहे त्यातून उत्पन्न काहीच नाही. मागचे दोन ते तिन बजेटचे भाषणे मी पाहिले. त्यामध्ये म्हटले की येणा-या दिवाळीमध्ये आम्ही लंडन स्ट्रीटचे भुमीपूजन करू, तीन ते चार सन्माननिय अध्यक्ष स्थायी समिती त्यांच्या भाषणामध्ये तसा उल्लेख आहे. मात्र अद्यापही ऑरेंज सिटी स्ट्रीटमधून कुठलाही रेव्हेंयु तयार होत नाही आणि कुठलेही रेव्हेंयुचे मॉडेल आपल्याकडे नाही. आपल्या नागपूर शहरामध्ये अनधिकृत आठवडी बाजार मोठ्या प्रमाणात आहे. आठवडी बाजारांना रेगुलर केले तर मोठे उत्पन्नाचे स्त्रोत आपल्या महानगरपालिकेमध्ये येते. आज आपल्याकडे बाजारांची व्यवस्था नाही. आठवडी बाजारांची व्यवस्था नाही, दैनिक बाजारांची व्यवस्था नाही. जे काही बाजार आहे ते ३० ते ४० वर्षांपूर्वी जे नागपूर महानगरपालिकेने निर्माण केले अजुनही तेच आहे. पॉप्युलेशन वाढली, मात्र आपण ज्या सुविधा नागरिकांना बाजारामध्ये द्यायला पाहिजे त्या सुविधा आपण देऊ शकलो नाही. त्यामुळे

महानगरपालिकेचे आर्थिक नुकसाण सुध्दा झालेले आहेत. मा.महापौरजी, बजेटमध्ये आपण कुठल्या कुठल्या गोष्टींचे प्रावधान करतो. नागपूर शहरामध्ये विकास आराखडा तयार झाला, कुठल्याही शहराचे नियोजन त्या डिपी. प्लॅनच्या अनुरूप होत असते. २००० साली आपल्या शहराचा विकास आराखडा मंजूर झाला. २०२० ला त्याला २० वर्ष पूर्ण झाली. आणि त्या २० वर्षांतील १५ वर्ष सत्ताकाळ भारतीय जनता पार्टीचा राहीला आहे. आणि श्री फोर्थ कालखंडामध्ये डी.पी. प्लॅनचे इम्प्लीमेंटेशन किती प्रमाणात करू शकलो आहेत हा या निमित्ताने माझा प्रश्न आहे. आज विकास आराखड्याच्या विकास आरक्षणाखाली असलेल्या जमिनी आपल्याला त्या अधिग्रहीत करायच्या आहेत. या अधिग्रहीत केल्यानंतर त्यावर आपल्याला विकास करायच्या आहेत. एम.आर.टी.पी. कायद्याच्या कलम १२४ अन्वये जो डेव्हलपमेंट फंड घेण्याचा जो महानगरपालिकेचा अधिकार आहे. तो रस्ते, नाले, गडर, दुरुस्त करण्यासाठी तसेच मॅटेनन्स करण्यासाठी नाही किंवा आय.आर.डी.पी. रस्त्यांचे डांबरीकरण खोदुन त्यावर सिमेंट रोड तयार करण्यासाठी नाही आहेत. तो जो डेव्हलपमेंट फंड कलम १२४ अंतर्गत महानगरपालिका वसुल करतो त्यासाठी महानगरपालिकेने एक स्वतंत्र खाते तयार करायचे आहेत. त्या खात्याच्या माध्यमातून आपल्याला लॅन्ड अॅक्वीझीशनसाठी पैसे असतील, किंवा डी.पी.चे रिझर्वेशन विकास करणासाठी पैसे असतील, त्याकरीता आपल्याला खर्च करायचे आहे. कलम १२४ बी अंतर्गत आता त्या त्या विकास निधीला दुप्पट केले आहे. या शहरातील नागरिकांवर आता आर्थिक भुर्दंड डबल झालेले आहे. आता जो व्यक्ती आपला नकाशा सॅगशन करण्यासाठी जातो त्यामध्ये १०० टक्क्यांनी वाढ झालेली आहे. ती झालेली वाढ आपल्याला कुठे खर्च करायची आहे, या खर्चाचे नियोजन काय राहणार आहे. आपला विकास आराखडा इम्प्लीमेंटेशनसाठी किती वर्ष झाले आपले अनेक आरक्षण व्यपगत होऊन राहिले आहे. मा.महापौरजी यामध्ये विकास आराखड्यामध्ये असलेल्या फक्त एका रस्त्यांचा उल्लेख आहे. राजवाडा पॅलेस ते प्रल्हादराव अग्रवाल मार्गाचे काम रुपये ८.५ कोटी ते काम नक्कीच झाले पाहीजे. पण विकास आराखड्यामध्ये फक्त एक रस्ता आहे काय ? या २० वर्षांमध्ये आपण विकास आराखड्याच्या अनुरूप किती रस्ते, किती बगीचे अॅक्वायर्ड केले किंवा किती आरक्षणाखालील जागा अॅक्वायर्ड केल्या किंवा विकसीत केल्या याचा लेखाजोखा या निमित्ताने या माध्यमातून देणे गरजेचे होते मात्र या १५ वर्षांमध्ये आपण विकास आराखडा अंमलबजावणीकडे दुर्लक्ष केले, त्यामध्ये आपण अपयशी झालेले आहेत. विकास आराखड्याच्या अनुरूप शहराचा विकास हीच महत्वाची बाब असते. आपल्या मर्जीत येईल तसा विकास होत नाही. किंवा बजेटमध्ये एखाद्या गोष्टीचे प्रावधान केले आणि तेच तेच रस्ते सातत्याने होऊन राहिले, सिमावर्ती भागामध्ये वर्षोनुवर्ष डांबरीकरण होत नाही. आणि चांगले डांबराचे रस्ते तोडुन आपण सिमेंटचे रस्ते करून राहिलो आहेत. हा जो पैसा आहे तो विकास आराखड्याच्या अंमलबजावणीसाठी खर्च केला नाही त्याकडे कटाक्षाने दुर्लक्ष केलेले आहेत. आपण एका योजनांचा मोठा गाजावजा करून राहिलो सातत्याने अनेक वर्षांपासून ती योजना म्हणजे २४ बाय ७ योजना, २४ बाय ७ योजनांची आजची स्थिती काय आहे. आज अनेक नगरसेवकांचे बजेटच्या आकडेवारीवर मत कमी होते

मात्र अनेक नगरसेवकांचे आमच्या भागामध्ये पाणी बरोबर येत नाही अर्धा तास होते किंवा दुषित पाण्याचा पुरवठा होते अशा संदर्भातील तक्रारी अनेक नगरसेवकांनी आजच्या भाषणामध्ये व्यक्त केलेल्या आहेत आणि त्या अगदी रास्त आहे. आपण एक प्रिन्सीपल मान्य केले होते की २४ बाय ७ योजना जो पर्यंत पुर्नत्वास येत नाही तो पर्यंत आपण समान पाणी वितरणाचे धोरण अवलंबले होते. या सभागृहाने सातत्याने निर्णय घेतला जो पर्यंत या शहरामध्ये २४ बाय ७ पुर्नत्वास जात नाही तो पर्यंत आम्ही समान पाणीपुरवठा करू, कुठल्याही वस्त्यांमध्ये डिसपीरिटी राहणार नाही. एखादी स्लम किंवा गरीब वस्ती असेल तेथे आपण अर्धा तास पाणी देऊ श्रीमंत एखादी पॉश वस्ती किंवा कॉलनी असेल तेथे चार तास किंवा पाच तास पाणी देऊ ही विषमता ही महानगरपालिका किंवा हे सभागृह करणार नाही असे धोरण आपण अवलंबिले होते. त्याची अंमलबजावणी होऊन राहिली काय ? आज नागपूर शहरामध्ये ६८ कमांड ऐरिया आहेत त्यापैकी फक्त २८ पुर्नत्वास आलेले आहेत २४ बाय ७ योजनेअंतर्गत अजुनही ४० कमांड ऐरिया शिल्लक आहे. आणि योजनेला मा.महापौरजी आपण मुदतवाढ दिलेले आहेत. आर अँड आर मध्ये जे पैसे कंपनीने खर्च करायला पाहिजे होते ते पैसे त्या कंपनीने खर्च केलेले नाही. या उलट आपण त्यांच्या दंडामध्ये मोठ्या प्रमाणात माफी दिलेली आहेत. एकीकडे आपण कठोर उपाययोजना अंमलात आणाव्यात असा मानस मा.अध्यक्ष स्थायी समिती व्यक्त करते आणि दुसरीकडे स्ट्रेथनिंगसाठी ७८ कोटी रुपये मनपा खर्च करणार आहेत असे सांगतात. त्या कंपनीला ते काम करायचे होते परंतु आपण त्या कंपनीला ७८ कोटी रुपयांची दंडामध्ये माफी दिलेली आहे. ते जर दंडामध्ये माफी दिली नसती तर तेच पैसे आपल्याला कामी आले असते. आपल्या मध्ये हिम्मत नाही की आर्थिक बाबींची अंमलबजावणी आम्हाला निश्चितपणाने करायची आहे. एक अत्यंत महत्वाचा विषय मा.महापौरजी यांच्या संकल्पनेतून आरोग्य सुविधा केंद्र मा.महापौरजी यांनी बैठक बोलाविली होती त्या बैठकीला मी उपस्थित होतो अत्यंत चांगली अशी संकल्पना आहे. स्वातंत्र्याला ७५ वर्ष पुर्ण होऊन राहिले आहे. त्यांनी एक कल्पना ठेवली होती ज्यांनी देशासाठी बलीदान दिलेले सैनिक आहे त्यांच्या नावे आपल्याला नागरी आरोग्य सुविधा केंद्र सुरु करायचे आहे. आम्ही त्याचे स्वागत केले. पण सोबतच आम्ही त्यावेळी मा.महापौरजी यांना सूचना सुद्धा केल्या होत्या हे सुविधा चालवितांना जो धोरणात्मक निर्णय आहे. आपली जी संकल्पना आहे की नागरी आरोग्य सुविधा केंद्र चालविण्यासाठी काही स्वयंसेवी संस्थांना दयायचे आहे. त्यावेळी मा.महापौरजींना आम्ही सूचना केली होती की हा संपूर्ण प्रस्ताव महानगरपालिकेच्या पटलावर सविस्तर आला पाहिजे कारण आपण अनेक संस्थांना देत असतांना महानगरपालिकेची सातत्याने फसगत झाल्याची आपल्याला दिसते किंवा आपण एखाद्या संस्थेला दिल्यानंतर काम ती संस्था जर बरोबर करू शकली नाही तर त्यांच्यावर आपण कारवाई सुद्धा करू शकत नाही. त्यामुळे भाषणामध्ये अध्यक्ष स्थायी समिती यांनी अपेक्षा व्यक्त केली की आपण जे केंद्र स्वयंसेवी संस्थांना संचालित करण्यासाठी देणार आहोत आणि हा निर्णय घेऊन टाकला की संस्थेला संचालित करण्यासाठी आपण नागरी सुविधा केंद्र देणार आहोत मा.महापौरजी असा धोरणात्मक निर्णय या सभागृहाने कुठलाही घेतलेला नाही. आणि या

बजेटचा हा धोरणात्मक निर्णय समजू नये, त्या संदर्भात एक स्वतंत्र धोरण सभागृहात आणुन त्याची रितसर मंजूरी घ्यावी आणि त्यानंतरच आपण अशा संस्थांना नागरी आरोग्य केंद्र चालविण्याची परवानगी द्यावी अशी माझी या निमित्ताने आपणांस विनंती आहे. सोबतच मा.अध्यक्ष स्थायी समिती यांनी सर्व नगरसेवकांना एक आव्हान केले की आपआपल्या क्षेत्रात काम करणा-या ज्या सामाजिक संस्था आहे ज्यांना या कामात रुची आहे अशा सामाजिक संस्थांनी या महानगरपालिकेच्या उपक्रमात सहभागी होण्यासाठी त्यांना सेवेची संधी उपलब्ध करुन देण्यासाठी पुढाकार घ्यावा, त्यांना म्हणजे कोणाला संस्थेला, म्हणजे संस्थेनी सेवा करायची आणि नगरसेवकांनी फक्त मेवा खायचा काय ? मा.महापौरजी, हे बरोबर होणार नाही. प्राथमिक आरोग्य चालविण्याची जबाबदारी ही महानगरपालिकेची आहे आणि महानगरपालिका आपल्या कर्तव्यात कसुर करीत आहे आपली जबाबदारी झटकुन राहिली आपण संस्थाकडे पाहतो हे सुध्दा मला योग्य वाटत नाही. एक योजना आपल्या संकल्पनेतून या ठिकाणी आखली आहे महापौर दृष्टी सुधार योजना यासाठी मनपा व महात्मे पिढी यांच्या संयुक्त विद्यमाने तिरळेपणाची शस्त्रक्रीया करण्यासाठी लागणारा सर्व खर्च शासनाच्या विविध योजनामधून उपलब्ध करुन निशुल्क शस्त्रक्रीया करण्यात येईल असे सांगितले आहे. म्हणजे ती जबाबदारी महात्मे नेत्रपेढी घेईल, याचा खर्च महानगरपालिका करणार नाही. शासनाच्या विहीत योजनामधून उपलब्ध करुन देण्यात येईल, हे जर असे असेल तर महानगरपालिका फक्त नोडल एजन्सी राहिली आहे. ज्या लोकांना तिरळेपणा आहे त्या लोकांना आयडेन्टीफाय करुन आपण फक्त महात्मे नेत्रपिढीला देणार आहे. आणि शासनाच्या विविध योजनामधून आपण त्यांचा खर्च भागविणार आहे. म्हणजे महानगरपालिका येथे कुठेही आर्थिक भार घेतांना दिसत नाही. महापौर नेत्रज्योती योजना सी.एस.आर. फंड, शासनाच्या विविध योजना, महानगरपालिका येथे कुठेच प्रोव्हीजन करीत नाही. या प्राथमिक आरोग्याची जबाबदारी ही महानगरपालिकेची आहे. त्या प्राथमिक जबाबदारीसाठी ज्या निधीची तरतुद आपण करणे गरजेचे होते त्या निधीची तरतुद आपण कुठल्याही प्रकारे करतांना दिसत नाही. म्हणुन मा.महापौरजी, या बजेटमध्ये बोलण्यालायक असे काहीच नाही. वार्ड फंड, फिक्स प्रायरिटी, व दोन ते तीन हेड सोडले तर या बजेटमध्ये तसे काहीच नाही. कोरोनाच्या काळात हा बजेट आला. आपण मागील दीड वर्षापासून कोरोनाचे संकट झेलत आहेत. मागच्या एप्रिल व मे महिन्याची स्थिती आपण सर्वजण जाणत आहेत. आणि त्या स्थितीमध्ये जो हाहाकार झाला त्यानंतर आरोग्य विषयक सुविधामध्ये महानगरपालिका कुठे तरी कमी पडत आहे आणि त्या वाढविण्याची गरज आहे. त्यामुळे संपुर्ण नागपूर शहरातील जनता त्या बजेटकडे लक्ष देऊन होती. त्या बजेटमध्ये आरोग्य सुविधा पेनडॅमिक स्थिती जी शहरामध्ये निर्माण झाली आणि भविष्यात जर अशी स्थिती आली तर मघाशी नंदाताईने म्हटले की ७ ते ८ वर्षांमध्ये लिहून ठेवले आहे की, की अशी स्थिती येऊ शकते, अनेक प्रकारचे व्हायरस या शहरामध्ये व जगामध्ये येऊ शकतात अशी परिस्थिती उद्भवली तर त्या संदर्भात आपली ती तयारी असली पाहिजे. मा.महापौरजी या बजेटमध्ये कोव्हीडच्या पार्श्वभूमीवर आपण जे प्रावधान करायला पाहिजे होते ते प्रावधान अत्यंत तोकडे आहे. फारच कमी आहे अजुनही ज्या

विकासाच्या कल्पना आहे त्या रस्ते, नाल्या, गडर इथपर्यंतच मर्यादीत ठेवलेल्या आहेत. महानगरपालिकेचे जे प्राथमिक दायित्व आहे. आरोग्य, पाणी, प्राथमिक शिक्षण या ज्या प्राथमिक जबाबदा-या महानगरपालिकेच्या आहेत त्या महानगरपालिकेच्या प्राथमिक जबाबदा-या पूर्णत्वास येण्यासाठी महानगरपालिका कुठेतरी कमी पडुन राहिली आहे व अपयशी ठरत आहे. या बजेटला फक्त ६ महिने राहिले आहे. डिसेंबर महिन्यामध्ये स्थानिक स्वराज्य संस्था तसेच विधानपरिषदेच्या जागेसाठी आचारसंहिता लागणार आहे. त्यामुळे या बजेटचे इम्प्लीमेंटेशन करणे आणि ते पूर्णत्वास येणे हे मला शक्य वाटत नाही म्हणुन मा.महापौरजी म्हणुन आमचे मित्र श्री.प्रकाश भोयर यांनी जे बजेट सादर केले ते कधीही पूर्णत्वास जाऊ शकत नाही त्यांचा कितीही प्रमाणिक प्रयत्न असला तरी त्यांच्याकडे कार्यकाळ अत्यंत कमी आहे आणि मी आधीच सांगितले की, मागचे धावक होते ते ऐवढे मागे पडले की आता कितीही धावले तरी ते होणार नाही. मा.महापौरजी, दुसरा अत्यंत महत्वाचा विषय आहे तो म्हणजे व्हॅक्सीनचा, व्हॅक्सीनेशनच्या संदर्भात ग्लोबल टेन्डर काढण्याची आपली भुमिका आपण जाहीर केली होती. मा.महापौरजी, व्हॅक्सीनचा जो तुटवडा निर्माण झाला आहे त्या व्हॅक्सीनच्या तुटवड्यासाठी पैसा हा महत्वाचा विषय नाही. धोरण हा महत्वाचा विषय आहे. त्यामध्ये केंद्र सरकारचे जे धोरण आहे त्या धोरणामुळे संपूर्ण देशभरामध्ये लसीचा तुटवडा निर्माण झाला आहे. ज्यावेळी केंद्र सरकारने व्हॅक्सीनची तयार करायला पाहिजे होती त्यावेळी व्हॅक्सीनेशनची तयारी न केल्यामुळे आज ही परिस्थिती निर्माण झाली आहे. आपली भावणा अत्यंत चांगली होती. तो पर्यंत आपण काय केले पाहिजे. तो पर्यंत आपण लस खरेदी करावी की नाही. मा.महापौरजी, तो पर्यंत आपल्याला लस उपलब्ध होऊ शकणार नाही. मुंबई महानगरपालिकेने सुद्धा ग्लोबल टेन्डर काढले, राज्य सरकारने सुद्धा ग्लोबल टेन्डर काढले, दिल्ली सरकार असेल, पंजाब सरकार असेल यांनी ग्लोबल टेन्डर काढले मात्र विदेशी कंपन्यांचा मात्र पाहिजे तसा प्रतिसाद त्या टेन्डरला मिळत नाही. त्यामुळे आपली भावना जरी कितीही प्रामाणिक आणि चांगली असली तरीही ही वास्तविक नाही. आणि ते वास्तविक करण्यासाठी त्या ठिकाणी घोषणा केली की आम्ही प्रावधान करणार आहोत.

श्री.धर्मपाल मेश्राम :- मा.महापौरजी, पॉइंट ऑफ ऑर्डर, केंद्र सरकारच्या लसीकरणाच्या धोरणासंदर्भात प्रफुल्लजी बोलले, साडे चार हजार करोड रुपये केंद्रसरकारने कंपनीला दिले. परंतु राज्य सरकारने १८ ते ४५ वर्ष नागरिकांसाठी लसीकरणाचे धोरण जाहीर केले. परंतु राज्य सरकारच्या धोरणाबद्दल प्रफुल्लजी का बोलत नाही. केंद्रसरकारने जे लसीकरणासंदर्भात धोरण राबविले ते अत्यंत योग्य आहे. आणि ज्या पद्धतीने त्यांनी नियोजन केले ते देखील अत्यंत योग्य आहे. मा.मुख्यमंत्र्यांनी १५०० करोड रुपये देण्याचे सांगितले परंतु या बद्दल कोणीही बोलले नाही तुम्हाला ते माहिती असेल या बद्दल आपण बोलले पाहिजे.

श्री. प्रफुल्ल गुडधे :- मा.महापौरजी, धर्मपाल मेश्राम साहेबांनी या ठिकाणी पॉइंट ऑफ ऑर्डर उपस्थित केले की लसीकरणाच्या संदर्भातील केंद्र सरकारचे जे धोरण आहे ते अत्यंत योग्य आहे आणि राज्य सरकारने सुद्धा या धोरणाच्या संदर्भात पुढे कोणती कार्यवाही केली या



संदर्भात सुध्दा मी वक्तव्य करावे अशी अपेक्षा त्यांनी व्यक्त केली आहे. केंद्र सरकारचे जे धोरण होते ते सर्व त्यांनी सर्व राज्यभरातील मुख्यमंत्र्यांच्या मागणीप्रमाणे ठरविले होते. मा.सर्वोच्च न्यायालयामध्ये सुध्दा शंका उपस्थित केली की लस खरेदी ही सेंट्रलाईज असली पाहिजे हे केंद्र सरकारचे म्हणणे आहे माझे म्हणणे नाही. केंद्र सरकारला १५० रुपयामध्ये आणि राज्य सरकारला ४०० रुपयामध्ये हा जो दरांचा तफावत आहे याचा मोठा आर्थिक भुर्दंड त्या त्या राज्यावर येणार आहे ही सुध्दा भुमिका आपण समजून घेतली पाहिजे. मा.महापौरजी, महानगरपालिकेने जर व्हॅक्सीनचे टेन्डर काढले आणि एखादया कंपनीने जर आपल्याला १००० रुपये रेट कोट केला आहे तर मा.महापौरजी, ते आपल्याला १००० रुपयांनी घ्यावी लागेल, अशा स्थितीमध्ये आर्थिक कणा सर्व महानगरपालिकेचा, राज्य सरकारचा मोडल्या जाईल आणि म्हणून प्रत्येक लस आतापर्यंतच्या भारताच्या इतिहासामध्ये जेव्हा जेव्हा अशा प्रकारचे साथीचे रोग निर्माण झाले त्यावेळी लस खरेदी ही केंद्र सरकारने केलेली आहे. हे राज्य सरकारने कधीही केलेली नाही. त्यामुळे केंद्र सरकारचे लस लपविण्याचे जे धोरण आहे ते निश्चितपणाने या शहरातील नागरिकांच्या व या देशातील नागरिकांच्या हिताचे नाही. मा.महापौरजी, केंद्र सरकार वर टिका करण्याचा या देशातील नागरिक म्हणून माझा अधिकार आहे. त्यामुळे धर्मपालजी मेश्राम आपण शांतपणे ऐकुण घ्या. आपण आपल्या भाषणामध्ये महाराष्ट्र सरकारचा उल्लेख केला. आता वैज्ञानिक विकास मंडळाचा निधी राज्य सरकार देत नाही म्हणून विदर्भावर अन्याय होऊन राहिला अशी टिका मेश्राम साहेबांनी केलेली आहे. मा.महापौरजी हे सरकार जर विदर्भावर अन्याय करून राहिले, मा.महापौरजी, धर्मपालजी मेश्राम यांनी त्यांच्या भाषणामध्ये पूर्ण वेळ घेतला, आणि त्यांच्या भाषणामध्ये आम्ही कुठेही अडथळे निर्माण केलेले नाही. कुठल्याही पध्दतीचे वक्तव्य आम्ही त्यांच्या भाषणामध्ये केलेले नाही. आणि त्यानंतर सुध्दा माझ्या भाषणामध्ये जर सातत्याने काही अडचणी असेल, तर त्यांनी माझे भाषण पूर्ण झाल्यानंतर उपस्थित करावे.

श्री.प्रविण दटके :- मा.महापौरजी, पॉइंट ऑफ ऑर्डर, प्रफुल्लजींनी सुध्दा भाषण केले आणि धर्मपालजीने सुध्दा भाषण केले त्यांच्या मध्ये इंटरअप करू नये परंतु एकीकडे केंद्रसरकारच्या व्हॅक्सीन नियोजनावर आपण बोलतो मग राज्य सरकारचे व्हॅक्सीनचे नियोजन काय आहे.

श्री.प्रफुल्ल गुडधे :- मा.महापौरजी, मा.सदस्य श्री.प्रविणजी दटके यांनी त्यांच्या भाषणाच्या वेळेस प्रश्न विचारावे.

श्री.प्रविण दटके :- मा.महापौरजी, १८ ते ४५ वर्षांच्या व्हॅक्सीनची मागणी कोणी केली होती आणि त्या संदर्भात काय नियोजन आहे.

श्री.प्रफुल्ल गुडधे :- मा.महापौरजी, जर असाच प्रकार चालू राहत असेल, तर मला या चर्चेमध्ये सहभागी होण्यास काहीच इंटरेस्ट नाही. अशा पध्दतीने जर भाषणामध्ये अडथळा आणला जात असेल तर या बाबींचा आम्ही निशेध करू, जर अशीच जर पध्दती असेल तर मी सहन करणार नाही. मी याचा निशेध व्यक्त करतो आणि सभात्याग करतो. हे जाणीवपूर्वक होऊन राहिले आहे. माझ्या भाषणाच्या वेळेस अडथळा निर्माण करीत असेल, वक्तव्य केल्या

जाऊ देत नसेल तर मी याचा निशेध व्यक्त करतो आणि सभेचा सभात्याग करतो.

श्री.प्रविण दटके :- मा.महापौरजी, बजेटच्या भाषणामध्ये ज्यावेळी आपण केंद्र सरकारच्या त्रुट्या दाखवितो त्यावेळी राज्य सरकारच्या का त्रुट्या दाखवित नाही. एकीकडे खोटेनाटे आरोप करावे, १८ ते ४४ चे काय नियोजन आहे.

श्री.तानाजी वनवे :- मा.महापौरजी, पॉइंट ऑफ ऑर्डर, सभागृहामध्ये चर्चा सुरु असतांना एक सदस्य जर बोलत असेल तर त्यांना बोलु द्यावे. आम्ही धर्मपालजी मेश्राम यांच्या भाषणामध्ये कुठेही अडथळा निर्माण केलेला नाही. लोकशाहीमध्ये प्रत्येकाला बोलण्याचा अधिकार आहे. त्यामुळे प्रफुल्लजी गुडधे जे बोलले त्यांच्यामध्ये अडथळा निर्माण केला आहे.

श्री.प्रविण दटके :- मा.महापौरजी पॉइंट ऑफ ऑर्डर आम्ही आतापर्यंत विरोधी पक्षाच्या सर्व नगरसेवकांचे शांतपणे ऐकुण घेतल आम्ही कोणाच्याही भाषणामध्ये व्यत्यय आणला नाही. आपले मी अभिनंदन करतो की सकाळी ११-०० पासून सायंकाळचे ६.३० वाजले आहे आणि आम्ही शांतपणे ऐकत आहे. परंतु चुकीचे भाषण आम्ही ऐकणार नाही.

श्री.तानाजी वनवे :- मा.महापौरजी, लोकशाहीमध्ये आपली भावणा व्यक्त करण्याचा प्रत्येकाला अधिकार आहे.

श्री.प्रविण दटके :- मा.महापौरजी पॉइंट ऑफ ऑर्डर चुकीच्या भावणा व कोणाच्या इंटरेस्ट बदल भावणा व्यक्त करण्याचा अधिकार नाही.

श्री.जितेंद्र घोडेस्वार :- मा.महापौरजी सकाळी ११ पासून शांतपणे बसले आहे व सर्वांचे ऐकुण घेत आहे साधे खुर्चीवरून सुद्धा उठले नाही. परंतु आपण केंद्र सरकार आणि राज्य सरकारच्या व्हॅक्सीनच्या संदर्भात व्यत्यय आणत आहे. माझ्या भाषणामध्ये सुद्धा व्यत्यय आणण्याचा प्रयत्न करण्यात आला. माझ्या पक्षाला ४० मिनीटाचा वेळ दिलेला आहे व माझ्या पक्षाचे नगरसेवक जास्त बोललेले नाही. आणि मला सांगतात तेथुन फोन करुन की १ तास झाला आहे. १ तास मी ऑनलाईनवर बोलु शकतो काय ? त्यामुळे कुठल्याही प्रकारचे अडथळे निर्माण करण्यात येऊ नये.

महापौर :- मा.विरोधीपक्ष नेते संसदीय प्रथेप्रमाणे कोणत्याही सदस्यांच्या भाषणावर पॉइंट ऑफ ऑर्डर घेता येते. जेव्हा धर्मपालजीने पॉइंट ऑफ ऑर्डर घेतला

श्री.तानाजी वनवे :- मा.महापौरजी, नियमामध्ये जर पॉइंट ऑफ ऑर्डर बसत असेल तर त्याबद्दल मला काही म्हणायचे नाही. लोकशाही मध्ये प्रत्येकाला बोलण्याचा अधिकार आहे.

महापौर :- प्रफुल्लजीने धर्मपाल मेश्राम यांना विचारले की तुमचा पॉइंट ऑफ ऑर्डर काय आहे तेव्हा प्रफुल्लजी बोलले आणि त्यांना कळले की पॉइंट ऑफ ऑर्डर काय होता याचा अर्थ असा आहे ती चर्चा संसदीय परंपरेप्रमाणे सुरु होती त्यामध्ये काहीही गैरवक्तव्य नव्हते. जेव्हा दुस-यांदा पॉइंट ऑफ ऑर्डर घेण्यात आला तेव्हा ते चिडले, मी. तर सहा-सहा तास भाषण केले आहे. त्यामध्ये कितीदा पॉइंट ऑफ ऑर्डर आणि पॉइंट ऑफ इन्फॉर्मेशन झाले आहे ते झाल्यानंतर मी कधीही रागावलो नाही की माझ्या भाषणामध्ये व्यत्यय आणु नये.

श्री.तानाजी वनवे :- मा.महापौरजी आपण न्यायधीशाच्या भूमिकेमध्ये आहे.

महापौर :- जेव्हा मी सामान्य नगरसेवक होतो तेव्हा मी पॉइंट ऑफ ऑर्डर घेतला तेव्हा खाली बसलो, पॉइंट ऑफ इन्फॉर्मेशनवर मी खाली बसलो, पॉइंट ऑफ ऑर्डरवर नगरसेवकांनी अर्धातास भाषण केले आहे मी ऐकले आहे.

श्री.प्रदीप पोहाणे :- मा.महापौरजी, मी जेव्हा दोन्ही जेष्ठ नेत्यांचे भाषण ऐकत होतो तेव्हा जेष्ठ नेत्यांनी हे विचारले की, १८ ते ४४ लसीकरणाची महाराष्ट्र सरकारचे काय नियोजन आहे. त्यावर ते रागावले, मी नेहमीप्रमाणे प्रफुल्लजी गुडधे यांचे भाषण ऐकण्यासाठी थांबलो होतो जेव्हा ते केंद्र सरकारची चुकी दाखवितात आणि जेव्हा त्यांना महाराष्ट्र गव्हर्नमेंट बद्दल प्रश्न विचारला तेव्हा ते चिडले.

महापौर :- प्रफुल्लजी गुडधे यांनी पुन्हा जॉईन होऊन आपले वक्तव्य पुर्ण करावे, ते जर वक्तव्य करीत नसेल तर संदीपजी जोशी यांनी वक्तव्य करावे, श्री.तानाजी वनवे यांनी वक्तव्य करावे.

श्री.तानाजी वनवे :- मा.महापौरजी, २०२१ - २०२२ चे अर्थसंकल्प सभागृहामध्ये मांडण्यात आले आज त्यावर चर्चा आहे. मा.महापौरजी, मा.उपमहापौरजी, मा.स्थायी समिती अध्यक्ष, सत्तापक्ष नेते, सर्व झोनचे सभापती, मा.आयुक्त, सर्व अधिकारी व कर्मचारी वर्ग, पत्रकार बंधु आणि भगिनीनो, मा.महापौरजी, भारतीय जनता पक्षाच्या कार्यकाळाला १४ वर्ष पुर्ण झाले व १५ वे वर्ष सुरु आहे आपण या ठिकाणी आश्वासन दिले होते की, आपण नागपूर शहराला टॅकर मुक्त शहर करु परंतु आपण १५ वर्षांच्या कार्यकाळामध्ये टॅकरमुक्त नागपूर शहर करु शकलो नाही. नागपूर शहराला २४ तास पाणी देऊ परंतु २४ बाय ७ ची योजना आपण पुर्ण करु शकलो नाही. आपण आपल्या जाहिरनाम्यामध्ये जाहीर केले होते की टॅकरमुक्त नागपूर शहर झालेले नाही. सन २०२० -२०२१ मध्ये कोव्हीडची समस्या मोठ्या प्रमाणात आली. पहिल्या लाटेमध्ये नागपूर शहरातील कमी लोक बाधीत झाले परंतु दुस-या लाटीमध्ये नागपूर महानगरपालिका प्रशासन मोठ्या प्रमाणात असफल झाले. अनेक नगरसेवकांनी प्रयत्न केले परंतु प्रशासनाच्या वतीने कुठल्याही प्रकारची उपाययोजना न केल्यामुळे अनेक लोकांचे जिव गेले, लोकांना अॅम्बुलन्स मिळत नव्हती, अनेक लोकांना बेड मिळत नव्हते कोव्हीडची अशी भयानक परिस्थिती नागपूर शहरामध्ये आली त्यामुळे लोकांचा विश्वास प्रशासनावरून उडून गेला होता. अशा परिस्थितीमध्ये महाराष्ट्र शासनाने महाविकास आघाडीने नागपूर शहरात विशेषकरून नागपूर नगरीचे खासदार श्री.नितीनजी गडकरी यांनी उपाययोजना करण्याच्या दृष्टीने प्रयत्न केले, नागपूर पालकमंत्री असतील, मंत्री श्री.सुनिल केदार असतील, विजय वडेड्डीवार असतील मोठ्या प्रमाणात मदत केली. मेडीकल हॉस्पिटल, मेयो हॉस्पिटल तसेच महानगरपालिकेचे हॉस्पिटल मधील कर्मचा-यांनी सेवा दिली व नागपूर शहरातील नागरिकांचे प्राण वाचविले, कोव्हीडच्या संदर्भात बजेटमध्ये जी तरतुद केलेली आहे ती अत्यंत कमी आहे. ही समस्या जर पुन्हा निर्माण झाली तर आपण या नागपूर शहराला सांभाळु शकणार नाही. विकास कामे कमी झाले तरी चालतील परंतु कोव्हीड करीता ५०० कोटी रुपयांची व्यवस्था उभी करावी माझी आयुक्तांना विनंती आहे. कोव्हीडच्या काळात आपण ३२० कोटी रुपये वाचवून ठेवले

आहे त्याबद्दल आपण अभिनंदनास पात्र आहेत. ३२० कोटी रुपये ही काही छोटी रक्कम नाही. कोव्हीडच्या संदर्भात वेगवेगळ्या प्रकारच्या झोनमध्ये एक एक सेंटर जर महानगरपालिकेच्या वतीने उभे करता येईल काय आपण वेगवेगळ्या योजनांसाठी कर्ज घेतो पण त्या योजना पूर्णत्वास जात नाही. आपण कोरोडो रुपयांचे लोन २४ बाय ७ योजनासाठी घेतले आहे. आता नविन बिमारी निघाली आहे ब्लॅक फंगस नावाची त्या ब्लॅक फंगसवर मात करण्याच्या दृष्टीने औषोधोपचार नाही. त्यावर मात करण्याच्या दृष्टीने प्रयत्न करण्यात यावा. उद्या जर परिस्थिती बिघडली तर आपली क्षमता कमी पडण्यात येऊ नये त्यामुळे प्रथम प्राधान्य आपण कोव्हीडच्या संदर्भामध्ये कोव्हीडच्या संदर्भात ज्यांनी चांगले काम केले असेल मी विरोधी पक्ष नेता म्हणून त्यांचे मनापासून मी अभिनंदन करतो ज्यांच्या प्रयत्नामुळे नागपूर शहरातील जनतेला वाचविण्याचे काम झाले. सर्वच पक्षाच्या लोकांनी कोव्हीडच्या काळात चांगले काम केले आहे. या कोव्हीडच्या संकटात कुठलीही पार्टी बाजी न करता सर्वांनी मिळून मिसळून काम केले पाहिजे. आयुक्त हे गाडीचे दुसरे चाक आहे त्यामुळे जनप्रतिनिधींचे काम हे प्राधान्य देऊन केले पाहिजे परंतु या ठिकाणी चुकीची परंपरा दिसत आहे. नगरसेवकांचे जर काम केले तर निलंबित होऊन जाऊ अशा प्रकारची काही अधिका-यांमध्ये जी दहशत निर्माण झाली आहे. नगरसेवक काम करण्यासंदर्भात विनंती करीत आहे. जर अशाप्रकारे नगरसेवकांना संपविण्याचे काम जर प्रशासन करीत असेल तर आम्ही ऐकणार नाही म्हणून या निमित्ताने मा.महापौरजी, आपण कचरा कंपनीच्या संबंधामध्ये आपण आदेश दिले होते नगरसेवकांनी जरी तक्रार दिली तरी अधिकारी ऐकत नाही कामांचे टाळाटाळ करतात. नगररचना विभाग जो आहे त्या ठिकाणी अनेक उत्पन्नाच्या साधणाच्या दृष्टीने अनेक प्रलंबित केसेस आहेत परंतु आतापर्यंत एन.आय.टी. चे नाव सांगून मुख्य बनविण्याचे काम सुरू होते असे जर असेल तर प्रशासनाने त्यांच्यावर कठोर कारवाई केली पाहिजे. नगररचना विभागामध्ये नकाशा दिल्यानंतर २ महिन्यांच्या आत तो नकाशा मंजूर झाला पाहिजे परंतु तसे होतांना दिसत नाही. त्या ठिकाणी जे काम नगरसेवकांच्या माध्यमातून सांगितल्या जाते ते होत नाही परंतु जे लोकांच्या मार्फत पैसे देऊन जे काम सांगितले जाते ते त्वरीत करण्यात येते. आम्ही जनप्रतिनिधी आहोत आम्ही लोकांची कामे करण्यासाठी येथे बसलो आहोत. सर्व विकास कामे थांबले आहे आता सहा महिन्यांनी नगरसेवक पदाची निवडणूक आहे. त्यामुळे जे जे कामे प्रलंबित आहे ते सर्व कामे त्वरीत निकाली काढावे. आता जे गडर लाईनचे जे मोठे टेन्डर काढले आहे ते तत्कालीन आयुक्तांच्या चुकीमुळेच तसेच राहिले आहे जर आपण छोटे टेन्डर काढले असते तर ते काम त्वरीत झाले असते. जनतेने किंवा नगरसेवकांची जे कामे सांगितले असतील तर ते विकास कामे आपण केले पाहिजे. आपण जनतेच्या दृष्टीने दरवर्षी बजेटमध्ये निधी ठेवतो. तसेच पुतळ्याची जी अवस्था झाली आहे त्या संदर्भात दोन महिन्यांच्या आत एक निविदा काढून व त्या संदर्भात समिती तयार करून पुतळ्यांचे काम आपण ताबडतोब निकाली काढले पाहिजे अशी आपणांस माझी विनंती आहे. कर्मचा-यांच्या संदर्भात ज्या कर्मचा-यांना सातवा वेतन आयोगाचा लाभ मिळाला नसेल किंवा थकबाकी मिळाली नसेल तर ते देण्यात यावी. मा.पालकमंत्री श्री.नितीनजी

राऊत, सुनिल केदार, नाना पटोलेजी आणि मा.मुख्यमंत्री यांचा मी आभारी आहे या नेत्यांनी महानगरपालिकेतील कर्मचा-यांना सातवा वेतन आयोग लाऊन महानगरपालिकेच्या कर्मचा-यांना जो दिलासा दिलेला आहे त्यामुळे मी त्यांचे मनपूर्वक अभिनंदन करतो. नागनदी सफाई अभियानाकरीता आपण चौकशी समिती नियुक्त करावी. आपण चौकशी समिती जर नियुक्त केली नाही तर निश्चितरूपाने शासनाला आम्हाला विनंती करावी लागेल, यामध्ये घरकुल योजना आहे त्यामध्ये भरपूर लोकांचे चेक आलेले नाही त्यावर निश्चित रूपाने जातीने लक्ष देऊन चेक देण्याची कार्यवाही त्वरीत करावी. तसेच डॉ.बाबासाहेब आंबेडकर यांचा पुतळा अनेक दिवसांपासून प्रलंबित आहे तो निकाली काढण्यात यावा. त्याचबरोबर जगनाडे चौक येथे संत जगनाडे महाराज यांच्या स्मारकाचे काम अपूर्ण राहिले आहे ते काम आपण पूर्ण करावे. ७५ दवाखाने बनविण्याचा जो निर्णय घेतला आहे त्या निर्णयाचे मी स्वागत करतो परंतु त्या ७५ दवाखाने पूर्ण व्हायला पाहिजे. १४ वर्षांच्या कार्यकाळामध्ये ब-याचश्या योजना या कागदावरच राहिल्या आहेत पूर्ण झालेल्या नाहीत. स्मार्ट सिटी ही एक चुकीच्या पध्दतीने तयार केलेली कंपनी आहे. कुठल्याही योजना या चांगल्या आहेत परंतु चुकीच्या ठिकाणी या योजना राबविण्याचे काम केले असल्यामुळे या योजना पूर्णत्वास आलेल्या नाहीत. मी चार वर्षांपासून उत्पन्नाच्या संदर्भात सांगत आहे. आठवडी बाजाराच्या संदर्भातील प्रश्न असेल, फेरीवालाचा प्रश्न असेल यामधुन ६०० ते ७०० कोटी रुपये आपल्याला दरवर्षी मिळतील, शासनाकडे व केंद्र शासनाकडे आपल्याला मागण्याची गरज पडणार नाही. दरवर्षी मी बजेटमध्ये आठवडी बाजाराचा विषय घेत आहे परंतु त्यावर गांभीर्याने लक्ष देण्यात येत नाही. उत्पन्न वाढीच्या संदर्भात एक बैठक आपण बोलवावी यामध्ये केवळ महानगरपालिकेचे उत्पन्न वाढविण्याच्या दृष्टीने परंतु कुठलीही मिटींग महापौरांनी आजपर्यंत घेतलेली नाही परंतु ही बैठक मा.महापौरजी आपण निश्चितरूपाने घ्यावी. टॅक्सच्या संदर्भात संदीप जाधव यांनी ऑब्जेक्शन घेतले आहे ते या कामापासून संतुष्ट नाही. माझी आपणांस विनंती आहे की, सत्तापक्षांचे जर काम होत नसेल तर इतर नागरिकांचे काय होणार या ठिकाणी ? टॅक्स हा उत्पन्नाचा सर्वात प्रमुख स्रोत आहे. शहरामध्ये जे नविन घरे बनत आहे त्यांचा सर्व्हे करण्यात यावा. नागपूर महानगरपालिका ही भारतातील पहिली महानगरपालिका आहे की माझ्याकडून काहीतरी पैसे घ्या व माझा टॅक्स लाऊन दया अशाप्रकारे काम होत आहे. अधिका-यांना सुध्दा महानगरपालिकेच्या उत्पन्नाशी काही घेणे देणे नाही. त्यांचा पगार मिळतो म्हणुन त्यांना काही घेणे देणे नाही जनतेला टॅक्स लागला की नाही त्यामध्ये अनेक कर्मचारी अॅन्टी करप्शनमध्ये पकडले गेले आहे. प्रशासनामध्ये जर असे प्रकार सुरु असेल तर प्रशासनावर अंकुश बसणे अत्यंत गरजेचे आहे. मा.महापौरजी बाजार विभागाच्या संदर्भात एकही योजना आपली पाच वर्षात पूर्णत्वास आलेली नाही. उर्वरीत वेळेत योजना पूर्ण होईल, याची काही मला खात्री नाही. होर्डिंग्सच्या माध्यमातून लाखो रुपयांचे उत्पन्न महानगरपालिकेला होऊ शकते. शहरात अनेक होर्डिंग्स अवैधरित्या लागले आहे त्या संदर्भात एक पॉलिसी ठरविण्यात यावी. महानगरपालिकेच्या इस्टेट डिपार्टमेंट अंतर्गत कोणती मालमत्ता महानगरपालिकेची आहे हे सुध्दा आपल्याकडे ट्रेस होत नाही. त्यामुळे महानगरपालिकेच्या जागा या महानगरपालिकेच्या

रेकॉर्डवर घ्याव्यात. महानगरपालिकेच्या शाळा सुद्धा महानगरपालिकेच्या रेकॉर्डवर आलेल्या नाहीत. कच-याच्या गाड्या प्रत्येक गल्लीमध्ये येत नाही. अजुनही प्रशासनाला जाग आली नाही. त्या ठिकाणी कचरा मिक्स होण्याचा प्रकार अजुनही होत आहे. त्या ठिकाणी राठोड नावाचा एक कर्मचारी गेल्या अनेक वर्षांपासून कार्यरत आहे. तो कोणाचा जावाई आहे काय ? त्याची दखल प्रशासनाने घेतली पाहिजे. महानगरपालिकेच्या दवाखान्यांना सुदृढ करण्याच्या दृष्टीने लॅब करीता जर आपण प्रोव्हीजन केले तर लोकांना मेडीकल किंवा मेयो मध्ये जाण्याची गरज पडणार नाही. ग्राम स्वराज्य योजनेमध्ये आपण मोहल्ला क्लीनीकमध्ये आपण जर सर्व सुविधा दिल्या आणि हॉस्पिटल जर सुदृढ होतील तर कोव्हीड महामारीमध्ये आपल्याला कामी पडतील. सिव्हर लाईनच्या संदर्भात माझी एक विनंती आहे आमच्या प्रभागामध्ये सिव्हर लाईनचा मोठा प्रॉब्लेम आहे. जवळपास दीडशे ते दोनशे चेंबरची लिस्ट आरोग्य विभागाने बनवून दिलेली आहे. काही काही चेंबर तुटलेले आहे तरी सुद्धा तेथील काम झालेले नाही. त्याकरीता मी पत्र दिले आहे. त्यामध्ये हसनबाग, नंदनवन येथील स्लम भागामध्ये तसेच बाकीच्या इतर भागामध्ये मध्ये चेंबर तुटलेले आहे त्याकरीता प्रोव्हीजन करावे अशी माझी आपल्याला विनंती आहे. श्री.किशोर जिचकार नगरसेवक यांनी क्रीडा धोरण निश्चित करावे, बॉक्सिंगची प्रतियोगीता घ्यावी अशाप्रकारची त्यांनी मागणी केली आहे त्याप्रमाणे कारवाई करावी. तसेच टॅक्समध्ये आपण जी १० टक्के सुट दिली आहे ही जी योजना आहे त्याचा कालावधी वाढविण्यात यावा. अनेक लोक पैसे भरायला तयार आहे. कोव्हीड काळामध्ये सर्व लोकांची आर्थिक परिस्थिती खालावली आहे. अशा परिस्थितीत मा.महापौरजी आपण जर लोकांना संधी दिली तर निश्चितपणाने लोक हे टॅक्स भरू शकतील, त्या दृष्टीने आपण निर्णय घ्यावा. ज्या हॉस्पिटलने कोरोना काळामध्ये जास्त बिल घेतले आहे त्यांची पोलीस विभागामार्फत चौकशी करावी. कारण हॉस्पिटलमध्ये जे ऑडीटर नियुक्त केले होते त्यांनी कुठलाही निर्णय घेतलेला नाही. ज्या व्यक्तीच्या घरी पॉझिटीव्ह केस झालेली आहे त्या व्यक्तीला पर्सनली बोलावून त्यांचे स्टेटमेंट जर आपण घेतले तर आपणांस सर्व माहिती आहे. त्यातील ८० टक्के डॉक्टरांनी चांगले काम केले आहे त्यांचे मी अभिनंदन करतो परंतु २० टक्के डॉक्टरांनी जो लोकांना त्रास दिला आहे त्या डॉक्टरांविरुद्ध एक निश्चितरूपाने चौकशी समिती तयार करून त्यावर निर्णय घ्यावा. बजेट म्हणजे खोदा पहाड और निकला चुहा अशा प्रकारची परिस्थिती आहे. नागपूरच्या जनतेला राहत दयावी प्रत्येक गोष्टीमध्ये मी या बजेटचा विरोध करतो आणि इथेच थांबतो. जय हिंद जय भारत.

श्री.अविनाश ठाकरे :- सन्माननिय महापौरजी, सन्माननिय उपमहापौरजी, सन्माननिय विरोधीपक्ष नेता, सन्माननिय स्थायी समिती सभापती, पुर्ण विशेष समितीचे अध्यक्ष, सर्व सन्माननिय नगरसेवक, नगरसेविका,सर्व अधिकारी व सर्व कर्मचारी, सर्व पत्रकार बंधू सन २०२१-२०२२ चा अर्थसंकल्प मा.प्रकाशजी भोयर यांनी पर्वा सादर केला आणि आणि आज सकाळी साधारणतः ११ वाजता पासून सलग अशी चर्चा या अर्थसंकल्पावर सुरु आहे. ५० ते ६० टक्के नगरसेवक या बजेटच्या भाषणामध्ये सहभागी झाले. अतिशय चांगली चर्चा या अर्थसंकल्पावर मा.महापौरजी आपण घडवून आणली आहे त्या बद्दल मी आपले अभिनंदन

करतो. आणि एक चांगला अर्थसंकल्प मा.अध्यक्ष स्थायी समिती श्री.प्रकाशजी भोयर यांनी सभागृहाला दिलेला आहे त्यांचे सुध्दा मी अभिनंदन करतो. श्री.प्रकाश भोयर हे सर्वसामान्य कुटुंबातून आलेले नगरसेवक आहे. १९७० ला ज्यावेळी नागपूर मध्ये खेडे समाविष्ट करण्यात आले त्यावेळी शिवणगाव खेड्यातून ते आलेले आहे. १९८७ पासून भारतीय जनता पार्टीचा कार्यकर्ता म्हणून सुरुवात केली आणि २०२१ साली या शहराचे स्थायी समितीचा अध्यक्ष झाले त्यांनी हा अर्थसंकल्प ठेवला आहे. मुळातच कॉमर्सचे विद्यार्थी असल्यामुळे अर्थसंकल्प काय असतो, आर्थिक बजेट काय असते याचे प्रकाशभाऊ यांना पुर्णपणे जाणीव आहे त्याच्यामुळे अर्थसंकल्प देतांना पुर्ण बाबीचा विशेष अभ्यास केल्याचे जाणवते. मा.महापौरजी आज अहिल्याबाई होळकर यांची जयंती देखील आहे. उत्तम प्रशासक आणि उत्तम राजकीय कर्तृत्व असणा-या आमच्या माता त्यांच्या जयंतीच्या दिवशी आज अर्थसंकल्पावर चर्चा होत आहे. प्रशासन आणि राजकारण या दोघांचा मेळ घालून ते कसे समोर जाईल ते आजच्या चर्चेतून सर्वांना प्रकर्षाने दाखवून दिले आहे. मागचे स्थायी समितीचे अध्यक्ष श्री.पिंटुजी झलके यांचे मी विशेष अभिनंदन करतो. त्यांनी सुध्दा अतिशय चांगला अर्थसंकल्प आपल्याला दिलेला होता. आणि विशेष म्हणजे त्यांच्या लग्नाचा आज वाढदिवस आहे. आणि त्यांना मी लग्नाच्या वाढदिवसाच्या देखील मी त्यांना शुभेच्छा देतो. मा.प्रफुल्लजी गुडधे हे सभागृह सोडून गेलेले आहे. खरे म्हटले तर मा.महापौरजी, पाच वर्षांच्या कार्यकाळतले शेवटचे अर्थसंकल्प होते आणि आपण अत्यंत खेळीमेळीच्या वातावरणात आपण सर्वांना संधी दिल्यामुळे हे असेच चालू राहिल आणि सर्वजण सोबत राहतील परंतु काय होते मा.महापौरजी कधी कधी लहान मुले क्रीकेट खेळत असतात त्यावेळी एक चांगला बॅस्टमन बॅटींगला येतो व आपली बॅटींग करून जातो मग त्यावेळी त्याला असे वाटते की मला तर बॉलिंग येत नाही मग माझ्या बॉलिंग वर चौके, छक्के पडेल म्हणून मधातच खेळ सोडून जातो हाच प्रकार प्रफुल्ल गुडधे यांनी केला ते योग्य नाही. श्री. प्रफुल्ल गुडधे यांनी माजी स्थायी समिती सभापती श्री.पिंटु झलके यांनी अपयश मान्य केल्याचे वक्तव्य केले. मी श्री.पिंटुजी झलके यांचे भाषण पुर्णपणे ऐकले, त्यांनी कुठे अपयश मान्य नाही केले त्यांनी असे म्हटले की ही जी परिस्थिती आली त्या परिस्थितीला मी डिलीव्हर करू शकलो नाही. मला परिस्थितीने जर साथ दिली असतील तर मी ते डिलीव्हर करू शकलो असतो म्हणजे परिस्थितीमुळे आपल्याला जे करायचे आहे ते करू शकलो नाही ही जी भावणा व्यक्त केली त्यामध्ये अपयशाची झलक कुठेही नव्हती परंतु मा.महापौरजी प्रफुल्लजी गुडधे यांनी एका अर्थाने सांगितले आहे की सत्ता परिवर्तनानंतर नागपूर शहरामध्ये भारतीय जनता पार्टीची महानगरपालिका असल्यामुळे एका प्रशासकीय अधिका-यांच्या माध्यमातून सुडबुध्दीने नागपूर शहराच्या विकास कामाला खिळ लावणे, नागपूर महानगरपालिकेतील भारतीय जनता पार्टीची सत्ता बदनाम कशी होईल याच शडयंत्र आखण्यात आलं त्या शडयंत्राला आमचे पिंटुजी झलके बळी पडले परंतु त्यांनी अतिशय नेटाने त्याचा मुकाबला देखील केला आणि शहराला याची जाणीव करून दिली अशा अशा प्रकारचे शडयंत्र राज्य सरकार या महानगरपालिके सोबत करीत आहे आणि त्यामुळे मी पिंटुजी झलके यांचे विशेष अभिनंदन करतो. मा.प्रफुल्लजी यांनी

सांगितले की महानगरपालिका हे लाडवलेलं पोर आहे, बिघडलेलं पोर आहे अशा प्रकारचं वक्तव्य प्रफुल्लजी यांनी केलं परंतु मा.महापौरजी ते हे विसरले की ज्या पोराला लाडवलेलं आणि बिघडलेलं पारे म्हणत आहे ते इतकं कर्तृत्ववान निघाल गेल्या १५ वर्षांपासून नागपूर शहरातील जनता त्या कर्तृत्ववान पोराला अंगावर व खांदयावर घेऊन खेळत आहे व त्या कर्तृत्ववान पोरांनी नागपूर शहरातील लोकांना आपलं कर्तृत्व दाखविलं आहे. २००७ पासून तर १५ वर्षांचा आढावा घेण्याचा मी प्रयत्न केला इनकम होत नाही. योजना अपूर्ण आहे, त्यानंतर तुम्ही क्लस्टर डेव्हलप केलेले नाही, तुम्ही डि.पी. प्लॅन इम्प्लीमेंट केलेला नाही, तुमची पाण्याची योजना असफल झाली, तुमची कच-याची व्यवस्था असफल झाली, वगैरे वगैरे गेल्या १५ वर्षांपासून त्यांच जे भाषण होत तेच त्यांनी या वर्षी रिपीट केल त्यामध्ये काहीच नव्हतं, माझ्या जवळ मागच्या वर्षीचा त्यांचा भाषणाचा उतारा आहे. शब्दनी शब्द जसेच्या तसे आहे मा.महापौरजी काहाही बदल नाही. म्हणजे एक टेपरेकॉर्ड मागील १५ वर्षांपासून तयार केली असेल तीच टेप या वर्षी देखील वाजविण्याचा त्यांनी प्रयत्न केला त्यांना लक्षात आलं की त्यांचे भाषण संपल्यानंतर याला सक्षम उत्तर येणार आहे त्यामुळे ते सभागृह सोडून गेले त्यांचे व्हर्जन आता पटलावर आलेलं आहे त्यामुळे सत्तापक्ष निश्चितपणाने आपली जबाबदारी आहे की त्यांनी जे आरोप केले ते सिध्द करायचे त्यामुळे जी स्वप्न मा.नानाजी शामकुळे २००७ साली स्थायी समिती अध्यक्ष बनले आणि त्यावेळी मा.नितीनजी गडकरी केंद्रीय मंत्री व महाराष्ट्राचे माजी मुख्यमंत्री श्री.देवेंद्रजी फडणवीस यांच्या मार्गदर्शनाखाली जी स्वप्न नागपूर महानगरपालिकेच्या माध्यमातून नागपूर शहराच्या जनतेला भारतीय जनता पार्टीच्या सत्तापक्षानी २००७ साली दाखविली आज २०२१ साली ती त्या स्वप्नापैकी ९० टक्के स्वप्न ही लोकांना दाखविली व ते लोकांना प्रत्यक्षात आणून दाखविण्याचे काम भारतीय जनता पार्टीच्या महानगरपालिकेच्या सत्तेत असलेल्या पक्षानी करून दाखविले आहे. २००७ साली ज्यावेळी नानाजी शामकुळे स्थायी समिती अध्यक्ष होते त्यावेळी ६१३ करोड रुपयांचे बजेट होते आणि आज प्रकाशजी भोयर हे अध्यक्ष असतांना १५ वर्षांच्या कार्यकाळामध्ये २७९६ करोडची वाढ या बजेटमध्ये झालेली आहे. ४०० पेक्षा जास्त पटीने वाढ आहे. ही वाढ ५०० पटीपेक्षा जास्त झाली असती परंतु कोरोना काळ असल्यामुळे आपल्याला २७९६ कोटीवर थांबावे लागले. मा.प्रफुल्लजी टाक्यांच्या संदर्भात बोलून गेले परंतु ते आता सभागृह सोडून गेले आहे त्यांनी सांगितले नाही. किती टाक्या होत्या परंतु ते सांगणे आता आवश्यक आहे ज्यावेळी भारतीय जनता पार्टीच्या हातामध्ये सत्ता आली २००७ साली त्यावेळी या शहरामध्ये १९ पाण्याच्या टाक्या होत्या आज ७५ पाण्याच्या टाक्या आहे अजून ४२ टाक्या प्रस्तावित आहे. म्हणजे ६८ कमांड ऐरियामध्ये अजून २० कमांड ऐरिया कार्यान्वित झालेल्या आहेत आणि उर्वरीत कार्यान्वित होण्याच्या जवळपास पोहचले आहे आणि उर्वरीत ज्या राहिल्या त्या सुध्दा लवकरच पुर्नत्वास येणार आहे. आज आपण पाहिले तर ६८ कमांड ऐरियापैकी साधारणतः आपण ५५ ते ६० कमांड ऐरिया आपण यशस्वी झालेलो आहे. आणि प्रफुल्लजी म्हणाले की तुम्ही समसमान पाणी देणार होते, आम्ही या शहरातील प्रत्येकाला पाणी देऊ, यावेळी आपण असं असं बोलले होते, तसं तसं बोलले होते प्रफुल्लजींनी जो प्रश्न



विचारला ते मी या सभागृहाला सांगु इच्छितो मा.महापौरजी, ज्यावेळी समसमान पाणी वाटप योजना आपण घोषित केली होती तेव्हा या शहराचा जो मध्यवर्ती भाग होता त्यामध्ये महाल असेल, धरमपेठ असेल, गांधीबाग असेल, सक्करदरा असेल, लक्ष्मीनगर असेल, जयताळा असेल, जयप्रकाश नगर असेल, सतरंजीपूरा असेल, लकडगंज असेल हा जो शहराचा मध्यवर्ती भाग होता या भागामध्ये सुध्दा आपल्याला टँकर पाठवावे लागायचे, त्या भागामध्ये दुषित पाण्याच्या फार मोठ्या समस्या होत्या आज या सर्व भागामध्ये समसमान पाणी, स्वच्छ पाणी नागपूर महानगरपालिकेच्या माध्यमातून देत आहे. जो आऊटर भाग शहरामध्ये आलेला आहे त्याच भागामध्ये आपल्याला टँकर द्यावे लागतात आणि आता त्याच भागामध्ये आपले डेव्हलपमेंट सुरु आहे ही वस्तुस्थिती कदाचित प्रफुल्लजी गुडधे विसरुन गेले असतील, परंतु त्यांच्या पक्षाची सवय आहे खोटे बाला पण रेटून बोला त्यामुळे ते १५ वर्षांपासून रेटून रेटून खोटे बोलुन असे सांगायचा प्रयत्न करीत आहे की या शहराच्या जनतेला आपण फसविले आहे. प्रफुल्लजींनी सांगितले की डि.पी. प्लॅन तुम्ही इम्प्लीमेंट नाही केला, डि.पी. मधील रस्ते नाही बनविले, शेकडो किलोमीटरचे सिमेंट रोड बनविले, रस्त्यांचे एक्सपांशन केले. पहिले ते रस्ते ६ मिटरचे होते, कुठे ९ मिटरचे होते, कुठे आता १२ मिटरचे होते, वृत्तपत्र जरी वाचले ना प्रफुल्लजींनी तर पश्चिम नागपूर मधील दोन सिमेंट रोडच्या संदर्भात वारंवार लिहुन येत त्या ठिकाणी १८ ते २० मिटरचा रस्ता होता आतापर्यंत तेथे फक्त १५ मिटरचा रस्ता तयार झालेला आहे कारण तेथे इलेक्ट्रीकचे पोल लागायचे आहे. डेव्हलपमेंटचे केले नसते तर या बातम्या पेपर मध्ये आल्याच नसत्या, केळीबाग रोडचा विषय घ्या, तो सुध्दा डि.पी. मध्ये आहे. ऐवढेच नव्हे तर मा. प्रफुल्लजीं गुडधे ज्यावेळी त्यांच्या घरातुन जेव्हा नंदनवनला त्यांच्या नातेवाईकांकडे जातात किंवा मानेवाडाला त्यांच्या नातेवाईकांकडे जातात त्यावेळी ज्या पुलांवरुन ते जातात तो सुध्दा डि .पी. रोडचा भाग होता आणि तो सुध्दा नागपूर महानगरपालिकेने बनविला आहे. ऐवढेच नाही तर अजनी पासुन ते रहाटे कॉलणीचा रस्ता असो ते जाऊ द्या मा.महापौरजी, प्रफुल्लजीं यांच्या घरापर्यंत जाणारा जो जो रस्ता होता तो सुध्दा डि .पी. रोड होता आणि त्याला सुध्दा महानगरपालिकेने डेव्हलप केल प्रफुल्लजींची जी इनोव्हा गाडी आहे इतकी झुकुझुकु आणि छान जाते त्यांच्या घरापर्यंत की त्यांच्या पोटातले पाणी सुध्दा हालत नाही. हे सुध्दा प्रफुल्ल गुडधे विसरुन गेले, प्रफुल्लजींना काय विसरभोळेपणाची सवय झाली की काय हे मला समजून नाही राहिले, कारण १५ वर्षांपासून हेच भाषण सुरु आहे. ते म्हणतात की तुम्ही इनकम नाही वाढवलं, नागनदीच्या पाण्यावर प्रक्रीया केली आणि त्या पाण्यावर आम्ही वर्षाला ९० करोड रुपये एम.एस.ई.बी. ला विकुन राहिलो आम्ही काय इनकम नाही वाढविले. आम्ही जेव्हा सत्तेमध्ये आलो त्यावेळी टॅक्स मधल्या ज्या टॅक्स वसुली ही १२३ करोड रुपये दाखविली होती... आतातर आपण दरवर्षी ३५० कोटीच्या वर टॅक्स वसुल करीत आहे. म्हणजे २०० करोड रुपयांचे रेव्हेंयु नाही वाढविले का आपण, ज्यावेळी नानाजी शामकुळे यांनी २००७ साली बजेट दिलं होत त्यावेळी ३ लाख युनिट या नागपूर शहरामध्ये होते टॅक्सचे आज ७.३० लाख युनिट टॅक्सच्या दायरामध्ये आलेले आहे आणि त्यापैकी ६.३० युनिटवर आपण लोकांना डिमांड देत आहे.

अॅटोमॅटीक डिमांड जनरेट झाल्या प्रफुल्लजींच्या म्हणण्यानुसार अॅटोमॅटीक डिमांड लोकांच्या घरापर्यंत पोहचल्या तसं नाही तर आम्ही लक्ष दिल ते घडवुन आणलं प्रशासनासोबत बसुन, जेथे प्रशासन चुकत असेल तेथे प्रशासनाच्या निर्देशनास आणुन आणि जेथे जेथे प्रशासन चांगलं काम करीत असेल तेथे तेथे पाठ थोपटुन या सर्वच्या सर्व गोष्टी गेल्या १५ वर्षांच्या कार्यकाळामध्ये आम्ही करुन दाखविल्या आहे. अनेक चांगले चांगले प्रकल्प केले. मी प्रकल्पाचे नाव घेतो मा.महापौरजी, सुरेश भट सभागृहाची आपली योजना होती ती आपण पुर्नत्वास नेली, त्यावेळी आपले फक्त ३७ बगीचे होते आणि आता १३० बगीचे नागपूर महानगरपालिकेचे आहे. क्रीडांगणाचा विषय घ्या मा.महापौरजी अनेक क्रीडांगणे आपण विकसित केले आहे. बाकीच्यांचे जाऊ द्या माझ्या प्रभागातील आणि प्रफुल्लजींच्या प्रभागातले सांगतो २२ ग्राउंडवर नुसते ओपन जिम लागले आहे. हे कशामुळे झालं, हे जे लाडवलेलं पोर म्हटलं ना प्रफुल्लजींनी ते इतके कर्तुत्ववान निघलं की त्यांनी सर्व नागपूरच्या जनतेला दाखविल आणि मला माहिती आहे मा.महापौरजी, हे जे पोरं आहे हे इतकं कर्तुत्ववान आहे ना की याचं लग्नहोईपर्यंत हे असचं नागरिकांच्या अंगावर खांदयावर खेळणार आहे त्याच्यानंतर त्याचे पोर सुध्दा नागरिकांच्या अंगावर व खांदयावर खेळणार आहे. त्यामुळे प्रफुल्लजी आपण चिंता करु नका आपण ज्याला लाडावलेलं पोर म्हणत आहे ना ते इतकं चांगल निघाल की आता नागपूर शहरातील जनता आपल्या मांडीवरच बसवुन ठेवणार आहे परमनंट त्यामुळे आपण याची चिंता करण्याची आवश्यकता नाही. आता तानाजी वनवे यांनी वक्तव्य केलं की चौकशी समिती स्थापन करा. मला एक कळत नाही की आपण वाचत का नाही वर्तमानपत्र आपण ऐवढी मोठी वेब पोर्टल बनविली त्यामध्ये सतत नगरसेवकांना मॅसेज जातात, तानाजी वनवेना सुध्दा जातात आपण काय अॅक्टीव्हिटी करतो, वर्तमानपत्रामध्ये छापुन आलं, नागपूर महानगरपालिकेने चौकशी समिती स्थापन केली त्या समितीच्या माध्यमातून सुनावणी सुरु झाली याच्यापेक्षा अजुन कुठली समिती तयार करायची आहे. विरोधी पक्षाची भुमिका अशी आहे की माहिती काही ठेवायची नाही आणि फक्त आरोप करायचे हे योग्य नाही. ऐवढचं नाही मा.महापौरजी, मघाशी जितेंद्रजी घोडेस्वार म्हणाले होते पट्टेवाटपाचा विषय २०१९ ला सरकारने पट्टेवाटपाचा जी.आर. काढला नागपूर महानगरपालिकेच्या अधिकार क्षेत्रातील १६ झोपडपट्ट्या आहे आणि झोपडपट्ट्यामध्ये ३२०० घर आहे त्यापैकी १९०० घर आहे किंवा परिवार आहे त्यांना महानगरपालिकेने पट्टेवाटप सुध्दा केलेले आहे आणि १३०० चे प्रक्रीया सुरु आहे. त्यामध्ये काही तांत्रिक अडचणी आहे त्या सुध्दा आपण निश्चितपणे पुर्ण करु परंतु जितेंद्र घोडेस्वारजींनी आरोप करतांना एका गोष्टीमध्ये सर्वांना भ्रमित करण्याचा प्रयत्न केला कदाचित त्यांना माहिती असेल किंवा नसेल माहिती असेल तर त्यांनी भ्रमिक करण्याचा प्रयत्न केला आणि जर माहित नसेल तर ते माहिती घेण्यामध्ये कुठेतरी कमी पडले कारण उत्तर नागपूरमध्ये महानगरपालिकेच्या मालकीच्या एकाही जागेवर एकही झोपडपट्टी नाही. त्या ठिकाणी जेवढ्या झोपडपट्ट्या आहे त्या सर्व झोपडपट्ट्या नझुलच्या जागेवर आहे आणि एन.आय.टी. च्या जागेवर आहे. मग महानगरपालिकेला दोष कशाला, मा.महापौरजी त्यांनी माहिती घ्यायला पाहिजे, फक्त विरोधात आहे म्हणुन विरोधात बोलायचे हे काही योग्य

नाही. मा.महापौरजी, सर्वात मोठा विषय आहे की ७४ व्या घटनादुरुस्तीप्रमाणे शासन आपल्या दारी म्हणजेच प्रशासन शेवटच्या मानसांपर्यंत जायला पाहिजे ही जी भुमिका केंद्र सरकारने त्यावेळी घेतली त्या अंतर्गत नागपूर महानगरपालिकेने क्षेत्रीय कार्यालयाचे निर्माण केले आणि क्षेत्रीय कार्यालयाचे निर्माण करून प्रशासन आपल्या दारी ही योजना राबविली आज लोकांना सेंट्रल ऑफीसमध्ये येण्याची गरज नाही पडत ९० टक्के लोकांचे कामे हे क्षेत्रीय कार्यालयामध्ये होतात लोकांचा पैसा व वेळ या सर्व गोष्टींची बचत या माध्यमातून होते. घोडेस्वार साहेबांचे म्हणणे आहे की स्ट्रॅथनिंग करण्याची आवश्यकता आहे ही एक प्रक्रीया आहे आणि या प्रक्रीयेतून आपण चाललो आहे. आणि येणा-या काळामध्ये निश्चितपणाने स्ट्रॅथनिंग होणार आहे कारण की मा.महापौरजी यांचे कर्तृत्व संपुर्ण नागपूर शहराला माहिती आहे. ५०० करोड रुपये आरोग्य सेवेसाठी ठेवल्या नाही. अरे बाबा आपल्याला जबाबदा-या कुठल्या आहे आपल्याला प्राथमिक आरोग्य दयायचे आहे, आपल्याला प्राथमिक शिक्षण दयायचे आहे कायदयामध्ये आपल्याला तरतुद आहे काय ? फक्त पेनडॅमिकच्या काळामध्ये अधिकार कुठले आहे आपले अधिकार फक्त विलगीकरणाचे आहे. आपले अधिकार आरोग्य सुविधा देण्याचे नाही आहेत. या देशाच्या घटनेच्या तरतुदीप्रमाणे सर्वच्या सर्व आरोग्य सुविधा पुरविण्याचे अधिकार हे फक्त आणि फक्त राज्य शासनाकडे आहे. केंद्र शासन धोरण ठरविते, राज्य शासन इम्प्लीमेंट करते. विरोधी पक्ष नेते श्री.तानाजी वनवे यांनी म्हटले की एक योजना या बजेटमध्ये दिलेली आहे आरोग्याच्या संदर्भात दृष्टी सुधार योजना ज्यांचे डोळे तिरपे आहे त्यांची दृष्टी सुधार करायची आहे. ऑपरेशन करावे लागणार अनेक वेळा परंतु महानगरपालिकेला परमीशन आहे काय अपरेशन करायची महानगरपालिकेला जेव्हा एखाद्याच्या डोळ्यात प्राब्लेम झाला तर त्याच्या डोळ्यात ड्रॉप टाकायची जबाबदारी आहे. चष्माचा नंबर तपासण्याची सुद्धा महानगरपालिकेला परमीशन नाही आहे. फक्त आपण चष्मा वाटतो ते सुद्धा नेत्र प्रशिक्षित मानुस आहे त्यांच्याकडून वाटतो. आपली जबाबदारीच नाही आणि विरोधी पक्ष आपल्याला मागणी करतो की तुम्ही करायला पाहिजे, विरोधी पक्ष नेते हे योग्य नाही राजकारणासाठी अशा प्रकारच्या मागण्या बरोबर नाही जनता याचे निश्चितपणाने उत्तर देते अशाप्रकारच्या मागण्या आपण यानंतर करू नये अशा प्रकारची आपल्याला माझी विनंती आहे. अनेक अशा योजना १५ वर्षांच्या कार्यकाळामध्ये आपण नागपूर शहरातील जनतेला दिलेल्या आहेत. मा.महापौरजी मी आपले अभिनंदन करतो. प्रफुल्लजी म्हणाले की तुम्ही सामाजिक संस्थेला देता सामाजिक संस्थेला देणे म्हणजे काय की हा जनसहभाग नाही आहे. महानगरपालिकेच्या प्रोजेक्टमध्ये समजा जनता जर इनव्हॉल होत असेल तर तुमचं कुठं बिघडतं, तो जर पैसा एखादी चॅरिटेबल ट्रस्ट खर्च करून समजा शाळा चालवित असेल व चांगले एज्युकेशन देत असेल तर तो पैसा आपण डेव्हलपमेंटच्या कामाला लावू तर तुमचं बिघडलं कुठे याच्यामध्ये त्याच्यावर सुद्धा तुम्ही टिका करणार की जनसहभाग घेऊ नका. आमचे अनेक प्रोजेक्ट हे जनसहभागाच्या माध्यमातून चालत आहे. श्री.अनिलजी सोले यांनी एक मोठे उदाहरण दिलं होत आणि नागपूर शहरातील संपुर्णच्या संपुर्ण नागनदी ही जनसहभागातून स्वच्छ करून दाखविली होती आणि त्या वर्षीपासून नाग नदीचा जो सफाईचा खर्च आहे तो

अतिशय कमी आला. या वर्षी तर आम्ही ८ ते ९ पोकलॅन्डच्या माध्यमातून आम्ही खर्च करीत आहे. हे व्हीजन, ही दृष्टी आणि ही काम करण्याची पध्दती याच्यामुळे तुम्ही जेव्हा लाडावलेलं बाळ म्हणता ते कर्तृत्ववान लोकांच्या खांदयावर खेळत आहे हे लक्षात असु द्या. आमच्या अध्यक्षांनी पर्वाच्या दिवशी ५ टॅब दिल्यात विद्यार्थ्यांना त्यांची तळमळ पाहिली मी त्या दिवशी टॅब यायच्या होत्या तर त्यांनी ४ फोन केले मुंबईला आम्हाला टॅबचे वितरण करायचे आहे टॅब द्या त्या पाच टॅब आल्यानंतर विद्यार्थ्यांना टॅबचे वितरण केले ही तळमळ आमच्यामध्ये आहे की सर्वसामान्य जनतेचे भले व्हावे याकरीता आम्ही काम करतो आणि शेवटच्या मानसाला याचा लाभ मिळावा, या करीता आम्ही काम करतो. दिव्यांगासाठी जी मा.स्थायी समिती अध्यक्षांनी तरतुद केली, दिव्यांग लोकांना त्यांच्या स्वयंरोजगाराकरीता २ लक्ष रुपये त्या दिवशी मा.महापौरजी यांनी वाटलेले आहे. आपण एक परिवार उभा करीत आहे जो मानुस आयुष्याच्या लढाईमध्ये हरला आहे त्याला आयुष्याच्या लढाईमध्ये विजय प्राप्त करण्याची संधी देऊन राहिलो. असे अनेक प्रोजेक्ट आहे आणि त्या प्रोजेक्टच्या संदर्भात सर्वांनीच चर्चा केलेली आहे त्यामुळे मी सुध्दा परत त्यावर बोललो तर सर्व गोष्टीचे रिपिटेशन होईल. एकीकडे १५ वर्षांमध्ये लोकांना सुविधा देत असतांना काही उदाहरण व काही सॅम्पल म्हणुन अशा काही गोष्टी करुन ठेवल्या की नागपूर शहराला एक विकास करण्याकरीता आपण या देशाच्या आणि राज्याच्या विकासाला सुध्दा नागपूर महानगरपालिकेने हातभार लावला आहे मी तीन ते चार योजना या सभागृहातील सदस्यांना सांगु इच्छितो की सॅटेलाईट प्रॉपर्टी टॅक्स असेसमेंट सिस्टीम ही सर्वात पहिले नागपूर महानगरपालिकेने सुरु केली आणि आज ती सिस्टीम राज्य सरकार वापरत आहे आणि प्रत्येक महानगरपालिका आणि नगरपरिषदांच्या माध्यमातून सॅटेलाईटच्या माध्यमातून प्रॉपर्टी असेसमेंट करुन टॅक्स वसूलीचे काम राज्य सरकार करीत आहे यामुळे राज्यसरकारच्या विकासाला हातभार लागत आहे. श्री.प्रविणजी भिसीकर स्थायी समिती अध्यक्ष असतांना आणि आपण आणि मी सुध्दा स्थायी समिती अध्यक्ष असतांना एक केबल डक्ट पॉलिसी या शहराला दिली होती. ही जी केबल डक्ट पॉलिसी आहे ती केंद्र शासनाच्या स्मार्ट सिटी योजनेमध्ये इनकारपोरेट करण्यात आलेली आहे आणि त्यावेळी एकाॅनॉमिकक्स प्रेसने सुध्दा या संदर्भात दखल घेतली होती म्हणजे देशाच्या विकासाला सुध्दा नागपूर महानगरपालिकेने हातभार लावला आहे. ऐवढेच नव्हे मा.महापौरजी, पहिल्यांदा नागपूर महानगरपालिकेने या शहरासाठी ठराव पारीत केला होता की शहरामध्ये ज्या नागपूर महानगरपालिकेच्या जागा आहे यावर अडीचचा एफ.एस.आय. दयायचा आणि गोरगोरीबांसाठी घरे त्या ठिकाणी बनवुन दयायचे आणि वाढीव एफ.एस.आय.च्या मागणीचा ठराव सर्वात पहिले नागपूर महानगरपालिकेने केला होता. आता पाहिले तर पंतप्राधान आवास योजनेच्या अंतर्गत किंवा एस.आर.ए. च्या अंतर्गत ही जी पॉलिसी नागपूर महानगरपालिकेने केली आहे या पॉलिसीचा उपयोग करुन गरिबांना राहण्यायुक्त घरे गरिबांना दिले आहे अशा अनेक गोष्टी आहे गेल्या १५ वर्षांच्या कार्यकाळामध्ये नागपूर महानगरपालिकेने या शहराच्या जनतेकरीता दिलेल्या आहेत आणि त्यालाच कंटीन्युशनमध्ये आपले जे प्रकाशजी भोयर आहे त्यांचा अर्थसंकल्पावर बोलतांना मला एका कवीच्या दोन लाईन

आठवत आहे. " नाहक बुलंदीयोपर यकी रखते है हम मगर पाव के निचे जमी भी रखते है हम' म्हणजे आम्ही उंच स्वप्न नाही पाहत मा.महापौरजी आमच्या पायाखालची जमिन सरकली नाही पाहिजे आमच्यामुळे कुठलाही जो गरीबातला गरीब मानुस आहे, जो शेवटचा घटक आहे तो दुःखी नाही राहिला पाहिजे त्याला आयुष्य जगण्याकरीता ज्या ज्या सुविधा आहे आणि जे अधिकार आम्हाला दिले आहे त्या अधिकाराच्या माध्यमातून आम्ही त्याला सुविधा पोहचविल्या पाहिजे या भावनेतून हा अर्थसंकल्प तयार केलेला दिसतो आहे. कारण की या बजेटमधल्या योजनाच तशा आहे. आपण जर या बजेट मधल्या योजना जर पाहिल्या पुर्णच्या पुर्ण तर आपल्याला निश्चितपणे लक्षात येईल की योजना कशा आहेत. आता स्वातंत्र्याला ७५ वर्ष पुर्ण झाले आहे. राष्ट्रभक्तीची प्रत्येक मानसांमध्ये एक ज्वाज्वल्य निर्माण झाले पाहिजे एक ज्योत तयार झाली पाहिजे आणि देशाचा ७५ स्वातंत्र्याचा वाढदिवस आपण या वर्षी मनवित आहे या अंतर्गत सुपर ७५ ही योजना आपल्या शहरातील पोर हे आय.आय.टी. सारख्या कॉलेजमध्ये इंजिनिअरींगमध्ये दाखला मिळाला पाहिजे, मेडीकल कॉलेजमध्ये त्यांना दाखला मिळाला पाहिजे, चांगले ट्रेनिंग त्यांना मिळाले पाहिजे याकरीता ७५ मुलांना सिलेक्ट करुन त्यांना आपण ट्रेनिंग काय देणार आहे आपण त्यांना जेईटीपलई असेल किंवा निट असेल या सर्वांचे मोफत ट्रेनिंग देणार आहे. ज्या मुलांची फायननशियल कंडीशन नाही आहे पण ज्यांच्या मध्ये टॅलेंट आहे अशा ७५ मुलांची निवड करुन त्यांनी या देशाच्या सेवेकरीता चांगले इंजिनिअर बनावे, या शहरातील वैद्यकीय सेवेकरीता त्यांनी चांगले डॉक्टर बनावे, कमीत कमी पैशांमध्ये चांगले शिक्षण घ्यावे जेणेकरुन त्यांच्या मनामध्ये एक राष्ट्रभक्तीची चांगली भावणा निर्माण होईल, अशा या भावनेतून ७५ वी संकल्पना या बजेटमध्ये आहे. या शहरातील मुले आय.ए.एस. ऑफीसर व्हावे या शहरामध्ये जेव्हा नागपूर महानगरपालिकेचे गठण झाले किंवा या शहरामध्ये गेल्या अनेक वर्षांपासून पाहतो आहे बोटाहुन मोजण्या इतके म्हणजे ५० लाखाच्या शहरामध्ये आय.ए.एस ऑफसर आहे परंतु या देशाच्या लोकांना सामाजिक सेवा देण्याच्या दृष्टीकोणातून त्यांनी आय.ए.एस. ऑफीसर बनावे त्याकरीता सुध्दा या अर्थसंकल्पामध्ये आपल्या माध्यमातून योजना मांडली आहे. एम.पी.एस.सी, यु.पी.एस.सी. आणि स्टाफ सिलेक्शन या परिक्षेकरीता आपण हजार मुलांचा एज्युकेशन देणार आहे आणि त्यामधुन या शहरातून चांगले चांगले ऑफीसर निघावे आणि या शहराचे नाव सर्वदूर जावे ही संकल्पना आपल्याला या प्रोजेक्टमध्ये दिसत आहे. मा.महापौरजी आपण निरीचे अभिनंदन केले पाहिजे निश्चितच अभिनंदनीय काम आहे. त्यांनी रिसर्च केले आणि लाळेपासून कोरोनाची टेस्टिंग होईल अशाप्रकारचा हवाला त्यांनी दिला आणि ते सेंटर आता सुरु झाले आहे. हा विज्ञानाचा चमत्कार आहे. हा चमत्कार केव्हा होतो जेव्हा वैज्ञानिक निर्माण होतो. मी महानुभाव पंथाचा पाईक आहे आणि चक्रधर स्वामींनी एक सुत्र सांगितले आहे. जे जैसे ऐसिजे ते तैसे जानिजे त्यास जे ध्यान बोलिजे त्या ध्यानस जे उत्पत्ती होईजे त्यास ज्ञान प्राप्त केल्यानंतर त्याच्यापासून जी नविन उत्पत्ती जन्म घेते त्याला विज्ञान म्हणतात मा.महापौरजी, ते एक व्हीजनरी काम आहे असे वैज्ञानिक या शहरामध्ये घडावे याकरीता डॉ.भटकर आधुनिक प्रयोगशाळा अशी एक अभिनव संकल्पना मा.नितीनजींच्या माध्यमातून

आणि मा.स्थायी समिती अध्यक्षांच्या माध्यमातून त्याचबरोबर आपल्या शहरातील नागरिक तसेच नगरसेवक श्री.सुनिलजी अग्रवाल यांच्या बंधुच्या माध्यमातून ते आपल्या नागपूर शहराला देतो आहे. रात्रंदिवस ही आधुनिक प्रयोगशाळा सुरु राहणार आहे. म्हणजे ज्याच्यामध्ये टॅलेंट आहे त्याने कुठलातरी प्रयोग करायचा एखादे प्रदर्शन त्या ठिकाणी ठेवायचं आणि जे कुठले प्रदर्शन योग्य असेल तर ते निश्चितपणे येणा-या काळामध्ये जे या राष्ट्राचे धोरण आहे त्या धोरणामध्ये याचे समावेश होऊ शकेल ऐवढी मोठ व्हीजन आपण या माध्यमातून ठेवले आहे. ७५ व्या स्वातंत्रदिनांच्या निमित्ताने आपण शहरातील ७५ स्वातंत्र सेनानींचे सत्कार करणार आहे. ज्यांनी आपल्या देशासाठी बलिदान दिले त्यांच्या परिवाराचे सत्कार करणार आहे. ज्यांच्या परिवाराने देशासाठी बलिदान दिले त्यांच्यासाठी एक मोठ प्लॅटफॉर्म उभे करून देत आहे वंदन मातरम नागरी आरोग्य सुविधा केंद्र कारण की हा एक अभिनव प्रकल्प आहे. या माध्यमातून जे गोरगरिब मुले आहे त्यांच्या ऐरियामध्ये वस्ती क्लीनिक होणार आहे. त्याचा फार मोठा फायदा होणार आहे. दृष्टी सुधार योजना, नेत्र ज्योती योजना, जिज्जनावश्यक औषधी अधिकोष, आपण जनभावना लक्षात घेऊन जनतेच्या सहभागातून अनेक प्रोजेक्ट राबवू शकतो. जिज्जनावश्यक औषधी अधिकोष योजना ही फार आवश्यक आहे. यामध्ये लोकांकडे ज्या औषधी एक्सपायर्ड व्हायच्या आहे त्या औषधी आपल्याकडे येऊन आपण सामान्य मानसांपर्यंत पोहचवित आहे आपण एक मिडीयटर म्हणुन निश्चितपणाने काम करू शकतो. वैद्यकीय साधनसामुग्री अधिकोष योजना, अनेक श्रीमंत लोक आजारी पडतात बेड घेतात, कुणी चेअर घेतात, वॉकर घेतात आणि आजारपणातून निघाल्यानंतर ते कुठे तरी पडलेले असतात आणि एकीकडे असे काही लोक असतात ज्यांना आवश्यकता असते पण त्यांना मिळत नाही. याची एक बँक तयार करून त्या बँकेच्या माध्यमातून आवश्यक ज्या लोकांना याची गरज आहे त्या लोकांना महानगरपालिका एक नोडल एजन्सी म्हणुन त्या लोकांना सुविधा पुरवित असेल तर तो अतिशय अभिनवाचा प्रयोग आहे. माता दुग्ध अधिकोष अभिनव कल्पना आहे मा.महापौरजी, आज महिलांमध्ये ब्रेस्ट कॅन्सरचे इतके प्रमाण आहे त्याचे जर आपण मेडीकल रिझन पाहिलं ज्यावेळी मातेचे दुध जर बालक पित नसेल किंवा ती माता मुलाला दुध पाजु शकत नसेल त्यावेळी त्याच्या गाठी बनतात आणि गाठी बनल्यानंतर त्याचे कॅन्सर सारख्या असाध्य रोग त्यांना होतो त्यामुळे त्या महिलेचा असाध्य रोग तर आपण दुर करीतच आहे. परंतु ज्या मुलांना मातेचे छत्र नाही आहे त्यांना मातेचे दुध अधिकोष बँकेतून मिळणार आहे. सिकलसेल केअर अनुसंधान ही अतिशय अभिनव योजना बजेटमध्ये आहे. मघाशी विरोधीपक्ष नेता श्री.तानाजी यांनी म्हटले की कोव्हीड परिस्थिती हाताळण्यामध्ये आपण कमी पडलो. राज्य शासनाने आपल्याला अहवाल दिला १६००० बेड असणारी नागपूर महानगरपालिका आहे. ५० ऑक्सीजन कॉन्सनट्रेटर मशीन आपण विकत घेतल्या आहे की ज्यांची हॉस्पिटलमध्ये जाण्यासाठी त्याची कॅपिसिटी नसेल किंवा जो पिरेड त्यांना हॉस्पिटलमध्ये जाण्यासाठी त्यांना लागत असेल, किंवा तो फक्त ऑक्सीजनच्या भरवश्यावर जर तो जिवंत राहू शकत असेल तर फुकटामध्ये नागपूर महानगरपालिका त्यांना ही व्यवस्था करून देणार आहे. अशा अनेक अभिनव योजना या ठिकाणी आहे. मी विशेषतः स्थायी

समिती अध्यक्षोंचे अभिनंदन करतो की त्यांनी करोनाच्या काळामध्ये त्यांनी घाटांच्या दुर्देशेच्या संदर्भात बरीच चर्चा झाली बजेटच्या माध्यमातून त्यांनी साडेसात करोड रुपयांची वाढीव निधी त्यांनी ठेवला आहे. मा.महापौरजी आपल्यावर जबाबदारी नसतांना आपण ४२२ ऑक्सीजन बेड या शहरातील जनतेकरीता उपलब्ध करून दिलेले आहे. आपल्या माध्यमातून हे काम उभे झालेले आहे. याचे प्रतिबींब या अर्थसंकल्पामध्ये उतरलेले आहे हे अतिशय अभिमानाची गोष्ट आपल्यासाठी या ठिकाणी आहे. या सर्व प्रक्रीयेला मा.नितीनजी असो किंवा मा.देवेंद्रजी असो यांनी जे सहकार्य नागपूर शहरातील लोकांना दिलेले आहे हे सर्व वाखागण्यासारखे आहे. हे राजकारण म्हणून नाही मी आकडेवारी सांगतो मा.महापौरजी २०१८-२०१९ ला आपल्या शहराला जे अनुदान मिळाले ते १५४४ कोटी रुपयांचे मिळाले २०१९-२०२० ला आपल्या शहराला १६३२ कोटी रुपयांचे अनुदान मिळाले, आता मा.देवेंद्रजी आणि मा.नितीनजींचे या दोन भुमिपुत्राचे सरकार महाराष्ट्रात नाही आहे तर आता ते अनुदान १३५० कोटीवर आलेले आहे. ३५० कोटी रुपयांची कमी मा.मुख्यमंत्री बदलल्यानंतर ३५० कोटी रुपयांचा डिफीसीट अनुदानामध्ये आपल्याला आलेला आहे म्हणजे त्यांचे किती उपकार होते. हजारो, करोडो रुपये केंद्राच्या माध्यमातून मिळाले आहे. साई सारखा प्रकल्प आणला, एम्स सारखा प्रकल्प आणला, नॅशनल लॉ कॉलेज आणले, शेकडो किलोमिटरच्या सिमेंड रोडच्या संदर्भात त्यांनी पैसे दिले.त्याकरीता त्यांनी १९०० करोड रुपयांचे प्रोव्हीजन करून दिले. काय काय सांगायचे मा.महापौरजी ज्याप्रमाणे एक बंधु आपल्या भावावर प्रेम करतो या प्रेमाच्या भावनेतून या शहरावर उपकार केलेले आहे. मा.महापौरजी यांचे उपकार मानावे तेवढे कमी आहे. आणि या ठिकाणी निश्चितपणाने त्यांची आठवण होणे आवश्यक आहे. मा.महापौरजी ब-याचश्या गोष्टी चर्चेला आलेल्या आहेत आणि वेळ पण भरपूर झालेला आहे. यामुळे मला असे वाटते की अनेक नगरसेवकांनी ब-याचश्या समस्या मांडलेल्या आहेत. त्यातील काही जे मुद्दे आहे ते अतिशय महत्वाचे आहे. या सर्व मुद्द्यांवर प्रशासनाची भुमिका काय आहे. या भुमिकेवर सर्वच नगरसेवकांनी प्रश्नचिन्ह उपस्थित केलेले आहे. मग ते जमालभाई असो, मायाताई असो, त्यानंतर आपले संदीपजी जाधव असो, जितेंद्रजी घोडेस्वार असो, श्री.तानाजी वनवे असो, पिंटुजी झलके असो, परिणिताताई फुके असो, संदीपजी गवई असो या सर्वांनी प्रशासनाच्या भुमिकेवर प्रश्नचिन्ह उपस्थित केलेले आहे. त्यांचे प्रश्नचिन्ह योग्य आहेत ना, जरी आता प्रशासकीय अधिकारी बदलले असेल, मानुस बदलला परंतु खुर्ची तीच आहे ज्यावेळी मागचे आयुक्त होते आणि त्यावेळी आपण त्यांना प्रश्न उपस्थित केला होता तुम्ही या शहराच्या विकासाचे कामे का थांबविले त्यावेळी त्यांनी सांगितले होते की मला ५०० कोटी रुपयांचे कंत्राटदारांचे बिले द्यायचे आहे माझ्याकडे पैसे नाही. मा.महापौरजी मागच्या फेब्रुवारी महिन्याचे आकडे घेतले ५८६ करोड रुपयांचे ठेकेदारांचे बिले देऊन चुकलो आहे आपण आणि त्याच्यानंतर सुद्धा आपल्या जवळ ३२० करोड रुपयांचे ओपनिंग बॅलन्स आहे आणि ५८६ करोड रुपयांचे बिले आपण दिले, आणि माझ्या शहरातील नागरिक गडरच्या टाक्यासाठी वणवण फिरत आहे. हायजेनिक पोझीशन मॅटेन करायचे काम कोणाचे आहे नागपूर महानगरपालिका प्रशासनाचे आहे. एखादया नागरिकाने जर

आपल्यावर बॉम्बे पोलिस अॅक्टच्या अंतर्गत जर कारवाई केली ना याचे उत्तर प्रशासनाचे प्रमुख म्हणुन मा.आयुक्तांना दयावे लागेल पोलीस स्टेशनला की तुम्ही या शहरातील हायजेनिक पोझीशन का मॅटेन करीत नाही. तुमच्याजवळ पैसा आहे आणि तुम्ही खोटे बोलुन राहिले, नगरसेवकांशी खोटे बोलुन राहिले, साध्या साध्या नगरसेवकांच्या गडरचे लाईन दुरुस्त नाही करुन राहिले, एकीकडे कोव्हीडने परेशान असलेले लोकं यांनी खर्च काढायला पाहिजे मा.महापौरजी की किती फे-या या डिसेल्टींग गाडयांचा प्रभागामध्ये होत आहे. त्याचा खर्च काढायला पाहिजे मा.महापौरजी, दररोज ऐवढया मोठया फे-या डिसेल्टींग गाडयांच्या होत आहे याचे कारण असे की त्या ज्या नाल्या आहे त्या तुंबलेल्या आहे आणि त्यामुळे लोकांच्या घरामध्ये पाणी तुंबते आहे. प्रशासनाने समजुन घ्यायला पाहिजे व अभ्यास निट करायला पाहिजे आय.ए.एस. अधिकारी बनतात अभ्यास एक करतात आम्ही फक्त आंगठाछाप नगरसेवक आहोत पण ३०-३० वर्ष, ५०-५० वर्षांच्या पाईपलाईन या सतत आयुष्यभर चालणार आहेत काय ? यामध्ये त्या पाईपलाईन तुटणार आहे त्याचे मॅटेनन्स व्हायला पाहिजे आणि काहीही टेन्डर काढले २८ करोड रुपयांचे टेन्डर काढुन ठेवले लक्ष्मीनगर झोनचे आम्ही त्यावेळी प्रश्न उपस्थित केला ते छोटा भागामध्ये विभागा काहीही केले नाही आणि आता सर्व कामे पेटी कॉन्ट्रक्टरच्या माध्यमातून करीत आहे. आता दुरुस्त झाले आता धरमपेठमध्ये प्रभागशहा टेन्डर काढले. पाईप बदलायचे आहे आम्हाला त्यासाठी तुम्ही करोडो रुपयांचे टेन्डर काढता आणि ऐवढया दिवसांपासून या नगरसेवकांना शिव्या खाव्या लागून राहिल्या की लोकांच्या घरामधून गडरचे पाणी वाहत आहे त्यामुळे लोकांच्या तब्येती खराब होत आहे हे तुम्हाला दिसत नाही. ही प्रशासनाची भुमिका आहे मा.महापौरजी, मघाशी श्री.किशोरजी कुमेरिया यांनी विषय उचलला होता तो अतिशय बरोबर विषय आहे. राज्य सरकारने तुम्हाला नागपूर सुधार प्रन्यासची सर्वच्या सर्व स्कीमची जबाबदारी दिली नागपूर सुधार प्रन्यासचे वर्षाचे बजेट कितीचे आहे ६५० ते ७०० करोड त्यापैकी एन.आय.टी. लेआऊटचे विकासाचे बजेट किती आहे ४५० करोड म्हणजे रुपये ४५० करोड रुपयांचा एक खजिना राज्य सरकारने दिला होता तुम्ही लेआऊट मंजूर नाही करू शकले, तुम्ही प्लॉटचे नकाशे मंजूर नाही करू शकले, तुम्ही ग्राउंड आपल्या ताब्यात नाही घेऊ शकले, आणि आता शेवटी राज्य सरकारने ते वापस पाठविले आपल्या हातातून ४५० करोड रुपयांची तिजोरी चालली गेली. एकीकडे तुम्ही एडीटीपी विभागातून १९३ करोड रुपयांचे उत्पन्न वसूल करता आणि दुस-या वर्षात तुम्ही ४० करोड रुपयांवर येतात आणि मा.महापौरजी तुमच्या कार्यालयात येऊन बसतात आणि आढावा घेतात तर सर्व फाईल आणि रेकॉर्ड बघतात तरी सुध्दा तुम्ही ४० करोड रुपयांचे उत्पन्न घेतात, एकीकडे म्हणायचे की आम्ही लोकांचे कामे करू शकत नाही. पैसे नाही आणि दुसरीकडे पैसे गोठुन ठेवायचे हे योग्य नाही. प्रशासनाने यावर लक्ष देण्याची आवश्यकता आहे. नगरसेवकांना कशी वागणुक देतात मध्ये एक प्रकरण आले इंजि.बाराहाते यांचे त्यांनी कशाप्रकारे नगरसेवकांशी व्यवहार केला. ही वागणुक काही योग्य नाही प्रशासनाची नगरसेवक काही नौकर नाही. नगरसेवकांना सन्मान आहे. प्रभाग पध्दतीमध्ये ७०-७० हजार लोकांनी त्याला निवडुन दिले आहे त्याला जनतेला उत्तर दयायचे आहे. आणि तुम्ही



अशाप्रकारची वागणुन नगरसेवकांना देणार आहे. मी तर त्यावेळी मा.आयुक्तांना म्हटले होते की तुम्ही या अधिका-यांना बरखास्त करा त्यावेळी मा.आयुक्तांनी त्यांच्यावर कारवाई नाही केली. ज्यावेळी मा.आयुक्त अशा अधिका-यांवर कारवाई करणार नाही तोपर्यंत प्रशासन सुधारणार नाही. मा.महापौरजी, एक विषय नगरसेवकांनी योग्य पद्धतीने मांडला आहे की जे कामे थांबले आहे त्याबद्दल माझी मा.आयुक्तांना विनंती राहिल, आपल्याजवळ जो पिरेड आता उरला आहे त्यामध्ये आचारसंहिता सुद्धा लागणार आहे त्यामुळे ज्या कामांचे वर्कऑर्डर आणि टेन्डर झालेले आहेत त्या कामाला स्थायी समिती अध्यक्ष यांनी प्रावधान दिल्यानंतर ताबडतोब प्रशासनाने इम्प्लीमेंटेशन मध्ये आणावे असे आपण बजेटच्या शेवटी मा.महापौरजी आपण प्रशासनाला आदेश द्यावेत. प्रशासनाची वागणुक जी आहे ती नगरसेवकांसोबत बरोबर नाही. जनतेसोबत वागणुक चांगली नाही. मघाशी जितेंद्र घोडस्वार यांनी अॅपच्या संदर्भात उल्लेख केला होता महापौर अॅपचा, काय झाले त्या अॅप चे किती कम्प्लेंट सोडविल्या, काही नाही लोकांना चिवत्या बनविण्याची मशीन त्या ठिकाणी होती त्या ठिकाणी काहीच केले नाही. प्रशासनासाठी सांगतो आणि त्यासाठी या दोन लाईन मधुन इशारा देऊ इच्छितो “जो बुलिंदीया की हवा मे हो तो जरा सा सब्र रखकर हवामे उडो, पिरंदे बताते है की आसमान मे कितने....” आता तुम्हाला राज्य शासनाने अधिकार दिलेले आहे. या अधिकाराचा वापर तुम्ही जनतेच्या सेवेसाठी कराल स्वतःच्या वयक्तीक स्वार्थासाठी करु नका ही माझी या ठिकाणी प्रशासनाला सुचना आहे आणि याचबरोबर माझ्या बजेटच्या संदर्भात काही सुचना आहे या सुद्धा मी या ठिकाणी सांगु इच्छितो मा.पंतप्रधान नरेंद्रजी मोदी यांनी आत्मनिर्भर योजना घोषित केली आहे. आणि कोव्हीडच्या काळामध्ये अनेक युवकांचा रोजगार गेलेला आहे त्यांना आत्मनिर्भर योजनेच्या माध्यमातून फंडींग सुद्धा होणार आहे. अनेक लोकांच्या नौक-या गेलेल्या आहेत. अशावेळी ते मंत्रालय नितीनजी गडकरी यांच्याकडे आहे आणि आपल्याकडे एक मोठा हॉल सुरेश भट सभागृहाच्या माध्यमातून उपलब्ध आहे. त्या हॉलचा वापर करुन आपण या शहरातील बेरोजगार युवकांचे मेळावे घेऊन त्यांना ट्रेनिंग द्यावे आणि त्यांना आत्मनिर्भर योजनेचा लाभ घेता यावा या करीता काम करणे अतिशय आवश्यक आहे. मी संदीपजी जोशी यांचे अभिनंदन करतो की त्यांनी पालकत्व योजना आणलेली आहे. ज्यांच्या पालक मरण पावले आहे त्यांचे पालकत्व घेण्यास ते तयार आहे अतिशय चांगली योजना त्यांनी आणलेली आहे. त्याच्या पाठोपाठ राज्य सरकार आणि केंद्र सरकारच्या माध्यमातून ही योजना लागू झालेली आहे त्यामुळे नागपूर महानगरपालिकेने नोडेल एजन्सी म्हणुन व महानगरपालिकेजवळ जो डाटा आहे त्याचा वापर करुन अंगणवाडी सेविकेच्या माध्यमातून सर्व्हे करुन अशा अशा बालकांची माहिती ताबडतोब काढली, नगरसेवकांच्या माध्यमातून माहिती काढली ही जी संपुर्ण माहिती राज्य सरकार व केंद्र सरकारला देऊन त्या बालकांचे पालकत्व त्यांना लवकर मिळेल, अशाप्रकारची कार्यप्रणाली त्यांनी अंमलात आणावी अशी मी या ठिकाणी आपल्या मार्फत प्रशासनाला सूचना करतो. चर्चेदरम्यान सांगण्यात आले की तुम्ही काय केलं तर मा.महापौरजी मी सांगु इच्छितो की सहावा वेतन आयोग सुद्धा आपणच लावला आणि सातवा वेतन आयोग सुद्धा आपल्याच

कार्यकाळामध्ये लागू झालेला आहे. कर्मचा-यांना दोन्ही वेतन आयोग भारतीय जनता पक्षाच्या सत्ताकाळामध्येच लागू केलेला आहे. परंतु या मध्ये एक विषय राहिलेला आहे की जे रिटायर्ड झालेले कर्मचारी आहे त्यांना सातवा वेतन आयोग लागू झालेला नाही. माझी ज्यावेळी चर्चा झाली तेव्हा तो खर्च फार कमी आहे. जर २ करोड रुपयांचा आर्थिक बोझा महानगरपालिकेवर बसणार आहे त्यापेक्षा जास्त बसणार नाही त्यामुळे याचा निट अभ्यास करून त्यांना सुध्दा सातवा वेतन आयोग लागू करावा, ही मी आपल्या मार्फत प्रशासनाला सूचना करतो. त्याचबरोबर प्रशासनाची ढिलाई अजून एका विषयावरून समोर आलेली आहे. ज्यावेळी मेट्रोच्या कामाला सुरुवात झाली त्यावेळी एक जी.आर. निघाला होता या जी.आर. च्या माध्यमातून ज्या रजिस्ट्री लागत होत्या त्या रजिस्ट्री मधला एक टक्का हिस्सा हा शासनाच्या अधिकोष मध्ये जमा होत होता ज्याच्यावर नागपूर महानगरपालिकेचा अधिकार आहे. काल मी सन्माननिय कॅफो साहेबांसोबत बोललो मला आश्चर्य वाटलं की त्या जी.आर. मध्ये स्पष्टपणे म्हटले आहे नागपूर मुन्सीपल कारपोरेशन किंवा अदर एजन्सी जेव्हा की मेट्रोचे इम्प्लीमेंटेशन करणारी महानगरपालिका ऑर एन.एम.आर.डी.ए. ऑर एम.एम.आर.डी.ए. मुंबई ला एम.एम.आर.डी.ए. आणि नागपूरला नागपूर महानगरपालिका आणि एन.एम.आर.डी.ए. या एजन्सी आहे नागपूर महानगरपालिका ही डेव्हलपींग एजन्सी आहे या माध्यमातून मघाशी प्रफुल्लजी विचारत होते ना पैसे कुठुन आणणार तर प्रफुल्लजी तम्ही जर एखादी जबाबदारी घेत असाल २४३ करोड रुपये, विरोधी पक्ष नेते श्री.तानाजी वनवे तुम्हाला जर या शहराच्या विकासाची चिंता असेल तर २४३ करोड रुपये राज्य शासनाकडे पडलेले आहे ताबडतोब पत्र देऊन बोलाऊन घ्या. विरोधी पक्षाला ही संधी आहे नागपूर शहराच्या जनतेला दाखवायला की आम्ही या शहराच्या जनतेच्या हिताचा विचार करतो. ताबडतोब तुम्ही आपल्या पक्षाला सांगा की आम्हाला हे पैसे द्या, मा.महापौरांनी पत्र दिल्या बरोबर ताबडतोब त्याचा फॉलोअप घ्या अशी मी आपणांस विनंती करतो. हे जे पैसे आहे २४३ करोड रुपये हे महाराष्ट्र शासनाकडे पडलेले आहे ताबडतोब प्रशासनाने कारवाई करून हा पैसा नागपूर शहराच्या जनतेला मिळवून द्यावा अशी मी आपणांस या ठिकाणी सूचना करतो. कोव्हीड काळामध्ये आपल्या बरेचश्या कर्मचा-यांचा मृत्यु झाला आणि ते ख-या अर्थाने कोव्हीड योद्धे निघाले, नागपूर महानगरपालिकेने त्यांचे पालकत्व घेणे आवश्यक आहे. ते क्लास श्री व क्लास फोरचे कर्मचारी असल्यामुळे त्यांची आर्थिक परिस्थिती इतकी चांगली नाही आज त्यांच्यावर जो आघात झाला आहे त्या आघातातून निघण्याकरीता एक संधी मिळण्याची आवश्यकता आहे. त्यामुळे हे जे कर्मचारी आहे त्यांचे पालकत्व नागपूर महानगरपालिकेने घ्यावे आणि तशाप्रकारचा आदेश प्रशासनाला द्यावे. परिस्थिती अतिशय कठीण आहे संघर्षाची स्थिती आहे. आपल्या सर्वांना या संघर्षाच्या स्थितीमध्ये सर्वांना समोर रहायचे आहे. कोरोनाच्या काळात ज्या पद्धतीने आपण उभे राहलात मा.महापौरजी त्या पद्धतीने नितीनजी, देवेंद्रजी ते सर्व सन्माननिय अधिकारी, पदाधिकारी, सर्व कर्मचारी, सर्व नगरसेवक नागपूरच्या शहराच्या जनतेच्या मागे उभे राहिले खरचं अभिनंदनाची गोष्ट आहे आणि असाच संघर्ष काळ आपल्याला पुढे चालू द्यायचा आहे. राजकारण बाजूला करून आपल्या सर्वांना या शहरातील जनतेची

काळजी घ्यायची आहे. “मुस्कुराने के लिये दर्द पालना होगा, कठीन राह पे चलते वक्त पाव मे छाला भी होंगा, बिना संघर्ष के चमकता नही इन्सान, जो जलेगा उसी दिया मे उजाला होंगा ” आपल्याला नागपूर महानगरपालिकेची जी प्रतिमा आहे ती मोठी करायची असेल तर आपल्याला असाच संघर्ष करावा लागेल, आणि या संघर्षाचे प्रतिबिंब मा.प्रकाशजी भोयर यांच्या हातामध्ये दिसत आहे. त्यामुळे या अर्थसंकल्पासाठी ज्या ज्या नगरसेवकांच्या सूचना आलेल्या असेल त्या सूचना इनकारपोरेट करून त्यामध्ये काही बदल करायचे असेल तर त्या बदलाचे अधिकार मा.महापौरजी यांना देऊन अर्थसंकल्पाला मंजूरी प्रदान करावी अशी मी या ठिकाणी सर्व सभागृहाला विनंती करतो आणि मी माझ्या शब्दला विराम देतो, धन्यवाद. जय हिंद जय भारत.

महापौर :- आज सुबह करीब ११.३० बजे से हम लोग नागपूर महानगरपालिका के अर्थसंकल्प पर चर्चा कर रहे हैं, इस चर्चा में सभी ने साधकबाधक रूप से सहयोग दिया । श्री.प्रफुल्लजी गुडधे अपना पुरा वक्तव्य करते, अपने विचार इस बजेट में रखते और इस शहर के विकास की दृष्टीसे अपना सहयोग पूर्ण रूपसे देते तो शायद बहोत अच्छा लगता था, किसी कारणवश वह नाराज हो गये और इस सभा से त्याग करके चले गये । वैसे इस सभा का एक सदस्य होने के नाते मुझे अच्छा अनुभव है, गत १५ वर्षों में जब जब अंतिम वर्ष का बजेट आता है तो किसी विषय का विरोध करके या फिर कुछ बजेट के पन्ने फाड़कर के या फीर सभा में पाईट ऑफ आर्डर का बहाना बनाकर के सभा त्याग कर हमेशा चले जाते हैं । अपनी इस परंपरा का निर्वाहन विरोधी पक्षने पुर्ण रूपसे हर पाच वर्ष में किया है । इसलिये यह बात बुरी लगने के बावजूद भी इस बात का बुरा नहीं मानना चाहिये यह तो आदत में शुमार है, हम इसको कैसे रोक सकते हैं शायद यह प्रफुल्लजी का निर्णय नहीं होगा, उनके जेष्ठ नेताओं ने जिनके नेतृत्व के अंतर्गत वह काम करते हैं उन्हें दिशानिर्देश दिये होंगे, इसलिये श्री गुडधेजी ने इस प्रकार की भुमिका ली होगी, ऐसा मुझे लगता है । इस बजेट में मा.सदस्यों ने बहोत अच्छी चर्चा करी, एक विषय मा.सदस्य, श्री पिंटु झलकेजी के भाषण में आया, नागपूर महानगरपालिका के अकाउंट डिपार्टमेंट में बजेट के लिये एक टिम होनी चाहिये, मैं निगम आयुक्त महोदय से निवेदन करना चाहता हूँ कि, गतवर्ष जब मुंढेजी ने अपना बजट दिया था और इस वर्ष भी आपने अपना बजट दिया है, नॅशनल म्युनिसीपल कोड के अनुरूप नागपूर महानगरपालिका का बजेट तयार होता है, उस दृष्टीसे सक्षम अधिकारी न होने के कारण बजेट में जो त्रुटियाँ रह जाती हैं, उन त्रुटियों को जिस समय सभापती अपना बजेट देता है, तो उसके सुधार में बहोत ज्यादा समय लगता है, इस दृष्टीसे नॅशनल म्युनिसीपल कोड के अनुरूप जो काम करने में सक्षम हैं ऐसे चार लोगों की एक समिती मा.निगम आयुक्त अकाउंट विभाग की बनाये, जो इस बजेट पर भी अपना ध्यान रखे और आनेवाले बजेट के लिये भी मसविदा तयार करे और किस दृष्टीसे बजेट बनता है इसकी जानकारी ले और अपने माताहत अन्य चार कर्मचारियों को तैयार करे, जिससे बजेट बनाने वाले कर्मचारी के रिटायर्ड होने के बाद महानगरपालिका में बजेट बनाने के लिये कोई कर्मचारी नहीं है, ऐसी स्थिती पैदा न हो । मा.सदस्य, श्री किशोर जिचकार इन्होंने क्रिडा धोरण की बात करी, श्री. तभानेजी ने क्रिडा धोरण तयार किया और वह उस दृष्टी से काम में लगे हैं, बहोत जल्दी तभानेजी

द्वारा तैयार किये गये क्रिडा धोरण महानगरपालिका के पटल पर आयेगा। उसमे सभी खेलों को प्राथमिकता दी जायेगी, ऐसा मुझे विश्वास है। कार्यादेश जल्दी होना चाहिये, ऐसा विषय चर्चा में आया, यह विषय संजीदगीपूर्ण है, गतवर्ष जो फिक्स प्रायरीटी की फाईल थी उसके पांच हेड मा.आयुक्त महोदय ने शुरू किये थे, उसमे कोरोना की त्रासदी बढ़ने के कारण मार्च माह में कार्यादेश देने को बहुत विलंब हो गया, और उस विलंब के कारण बजट का वर्ष भी बदल गया और बहुत से कार्यादेश अभी बाकी है ऐसे सभी कार्यों के कार्यादेश शिघ्र जारी करे एवं उसे गत वर्ष के अर्थसंकल्प में नियोजित करे यह निर्देश दिये जाते हैं। इस विषय में आयुक्त महोदय विशेष ध्यान देके इन सारे फाईलों के कार्यादेश कितने दिन में होने चाहिये, एक फाईल किसके पास कितने दिन रहनी चाहिये, ऐसे शासन के निर्देश हैं, राईट टु सर्व्हीस के अंतर्गत किस अधिकारी के पास में कितने दिन फाईल होनी चाहिये, अगर उसका पालन नहीं हो रहा है तो संबंधित अधिकारी पर कारवाई करनी चाहिये और जनता के काम प्रलंबित न हो इस बात पर उन्होंने ध्यान देना चाहिये, ऐसा मैं आपसे निवेदन करता हूँ। लॉकडाउन का विषय एक सदस्य ने उठाया कि, लॉकडाउन समाप्त होना चाहिये, आयुक्त महोदय अभी इस मीटिंग से बिच में उठकर के गये थे तो उसी विषय के लिये गये थे, लॉकडाउन को शिथिल करने का निर्णय राज्य सरकार के निर्देश के अनुरूप नागपूर महानगरपालिका ने लिया है, शायद आप सभी के मोबाईल पर मा.आयुक्त ने जो निर्णय लिया है, उसका सक्क्यूलर पहुंच गया होगा, नागरिकों की मदद करने के लिये निगम आयुक्त यहां से उठकर गये थे। ई-कचरा का विषय सभागृह में लिया गया है, नयी व्यवस्था के बारे में बड़ी संजीदगी के साथ में कहना चाहता हूँ कि, टाईम्स ऑफ इंडिया में एक आर्टिकल छपा था उस आर्टिकल में विशेष रूप में यह उल्लेख था कि, देश के १० प्रमुख ई कचरा उत्पादन करनेवाले शहरों में नागपूर एक शहर है, और नागपूर इतना बड़ा शहर होने के बावजूद ई कचरे की कोई भी व्यवस्था नहीं है, पुराने समय में जो ई कचरा निकलता था जब बड़े बड़े पी.सी. बनकर के आते थे उसमें निकलने वाला मटेरीयल बहुत बड़ा था और ई कचरे के विल्हेवाट के लिये महानगरपालिका में यंत्र लगाकर कार्यवाही संभव हो सकती थी परंतु आज इलेक्ट्रॉनिक्स में जिस प्रकार का बदलाव आया है और बदलाव आने के कारण सारे के सारे यंत्र सुक्ष्म होते जा रहे हैं तो निकलने वाले ई कचरे का प्रभाव उतना नहीं है। इसलिये नागपूर शहर में ई कचरे की विल्हेवाट पूर्णरूप से होनी चाहिये, इसके कारन पर्यावरण दुषित नहीं होना चाहिये, इसलिये पर्यावरण पुरक दृष्टि से ई कचरे को खरीदने की जिम्मेदारी महानगरपालिका व्हेंडर के माध्यम से ले, एक व्हेंडर नियुक्त करे जो इसको महानगरपालिका व्हेंडर के माध्यम से खरीदे, महानगरपालिका सप्ताह में एक दिन निर्धारित करे, जो हमारी सुबह कचरे के लिये गाड़ी जाती है वह सप्ताह में केवल और केवल एक बार ई कचरा लोगों के घर से जमा करके व्हेंडर के माध्यम से उसकी विक्री करके कम से कम वर्ष के पांच करोड़ रुपये से हम आय की शुरुवात करेंगे आनेवाले समय में इसकी किंमत बहुत जादा होगी, जो आर्टिकल मैंने उस अखबार में पढ़ा था उसके हिसाब से ३० से ४० करोड़ रुपये नियोजित तरीके से इसमें हम प्राप्त कर सकते हैं। और एक बात इससे जुड़ी हुयी है की रिझर्व बैंक ने जितने भी बैंक हैं सभी को उनका जो डिजीटल

डेटा है उसको समाप्त करने के लिये एक नियमावली बनायी है। उस नियमावली के अंतर्गत महानगरपालिका स्वयं के यंत्रणा के माध्यम से उस डेटा को समाप्त करने के दृष्टी से प्रोसेसिंग युनिट लगाती है तो बहोत बड़े पैमाने में रिझर्व बैंक के अनुरूप हमें राशी मिल सकती है आगे चलकर के ई कचरे के कारण सकारात्मक रुझान मिलता है तो उस दिशा में महानगरपालिका कदम उठाये, इस प्रकार के निर्देश इस सभा के माध्यम से दिये जाते हैं। एक विषय श्री. राजकुमार शाहुजी ने बोला की कळमना मार्केट में जो पाणी की टंकी बनकर के तैयार है उसकी शुरुवात करनी चाहिये, पेठेजी ने कहा की बाभुळवन की टंकी शुरु नहीं की उसकी भी तुरंत शुरुवात की जाये, हमारी जो पानी की टंकीया पूर्ण हो चुकी है वह पानी की टंकीयों का उद्घाटन की राह न देखते हुये जनता की सेवा में उन्हें तुरंत शुरु करना चाहिये, पानी का प्रवाह नल के माध्यम से निकलना चाहिये इस प्रकार के निर्देश सभागृह के माध्यम से दिये जाते हैं। पुराने कुवों का पुर्नउद्धार होना चाहिये यह विषय अखबारों के माध्यम से बहोत तेजी से आ रहा है, किसी नगरसेवक ने यह प्रश्न को उठाया था, मैं प्रशासन को निर्देश देना चाहूंगा की झोन निहाय पुराने कुवों की जानकारी एकत्रित करके उस कुवों के पानी का उपयोग हम किस प्रकार से कर सकते हैं इस दृष्टी से नियोजन करने का काम प्रशासन के माध्यम से किया जाये। महानगरपालिका के माध्यम से दिव्यांगों को ५० हजार रुपयों की निधी दी जाती है, प्रधान मंत्री आवास योजने के लाभार्थी मैं इसका अभिनंदन करना चाहूंगा, महानगरपालिका के प्रशासन का और समाज कल्याण विभाग का की यह पहली महानगरपालिका है देश में जो दिव्यांग बंधुओं को इस प्रकार की मदद कर रही है इसलिये विशेषरूप से मैं महानगरपालिका के प्रशासन का अभिनंदन करना चाहूंगा, यह निर्णय भले ही समिती के अध्यक्ष के रूप में महापौर ने लिया हो लेकिन इस प्रस्ताव को डिपार्टमेंट ने समिती के सामने रखा था इसलिये विशेष रूप से इन अभिनव संकल्पना का मैं अभिनंदन करना चाहता हु। श्री. संजय बालपांडेजी ने दक्षिण-पश्चिम नागपूर में फायर ब्रिगेड के लिए प्लॉट को ताबे में लेने का विषय रखा, हमारे ए.डी.टी.पी. विभाग ने तुरंत उस दृष्टी से कदम बढ़ाकर के फायर के लिये हमें जगह की आवश्यकता है वह जगह तुरंत अधिग्रहीत करने की कार्यवाही करनी चाहियें ऐंसा मैं निर्देश देता हु। अभी अविनाशजी ने अपने भाषण में कहा ए.डी.टी.पी. विभाग जो है उसका ठिक से नियोजन अगर हो तो महानगरपालिका को आर्थिक रूप से बहोत उत्पन्न मिल सकता है। यह कहने की आवश्यकता नहीं स्वयं ए.डी.टी.पी. डिपार्टमेंट ने यह साबित करके बताया जो ए.डी.टी.पी. डिपार्टमेंट पिछले वर्षभर में ३९ करोड रुपये इस महानगरपालिका को उत्पन्न दे सका वही ए.डी.टी.पी. डिपार्टमेंट ने एप्रिल और अभी मई माह समाप्त होने का है ३१ मार्च के बाद अभी तक ४० करोड रुपयों से जादा की राशी प्राप्त की है उसीप्रकार से और भी काम सुधार करके गतीशीलता के साथ काम किये जाये मैं विश्वास रखता हु की महानगरपालिका २०० करोड से जादा रुपयों की राशी ए.डी.टी.पी. डिपार्टमेंट के माध्यम से उत्पन्न कर सकती है। मैं मा. आयुक्तजी को निवेदीत करना चाहता हु, की ए.डी.टी.पी. डिपार्टमेंट के लिये एक सेपरेट बैठक लेकर के वहा की कार्यप्रणाली को सिंक्रोनाईज करे, जिसके कारण आम नागरिकोंको तकलीफ न हो और आम नागरिकोंको वहा आना पड़े

और कम समय में कैसे नागरिकों तक सुविधा पहुंचा सकते हैं वैसी नीति निर्धारित करें, स्ट्रॉम वॉटर ड्रेन का निर्माण सिमेंट रोड निर्माण के साथ होना चाहिये ऐसा किशोर कुमेरियाजी ने कहा था, अगर सिमेंट रोड बना रहे हैं तो वहां स्ट्रॉम वॉटर ड्रेन और सिव्हर लाईन की व्यवस्था होनी चाहिये, उसके बगैर उसका प्रस्ताव पास न करें हमारे इंजिनियरिंग डिपार्टमेंट ऐसा निर्देश दिये जाते हैं। घरकुल योजना के विषय के ऊपर मैं प्रश्न उठा कि घरकुल योजना के लिये पैसे राज्य सरकार की तरफ से नहीं आ रहे हैं और लाभार्थी को हम नहीं दे पा रहे हैं इसलिये मैं निवेदन करना चाहता हूँ, महानगरपालिका के हमारे अधिकारी जो रमाई घरकुल योजना की ओर ध्यान देते हैं लाभार्थी को मिलने वाली राशी को लाने के लिये शासन से पाठपुरावा करें और घरकुल योजना के लाभार्थी को उसके पैसे मिल सकें, सिमेंट रोड के कारण सिव्हर लाईन बरबाद हो गयी है इसप्रकार का विषय होलेजी ने सभागृह के समक्ष रखा, मैं प्रशासन से निवेदन करना चाहूंगा संबंधित ठेकेदारने सिमेंट रोड के काम करते समय सिव्हर लाईन को डैमेज किया है और महानगरपालिका की प्रॉपर्टी को डैमेज किया है तो उस ठेकेदार की निधी से सिव्हर लाईनको दुरुस्त करने की व्यवस्था करें, उस कार्य में अगर सिमेंट रोड डैमेज होता है उसको दोबारा बनाने की जिम्मेदारी ठेकेदार पर निश्चित किया जाये इसप्रकार के निर्देश दिये जाते हैं। आयेशा मंडमने मोमिनपूरा क्षेत्र में वॉटर ए.टी.एम. लगाने की बात कही लेकिन यह बात कहते वक्त उनका कहना यह भी था कि पाने के पानी में दूषित पानी आ रहा है, महानगरपालिका के प्रशासन ने पाने के पानी में दूषित पानी आ रहा है उस दृष्टी से ओसीडब्लू को बोलकर के उस क्षेत्र में द्रुतगती से युद्धस्तर पर काम करना चाहिये। मोमिनपूरा एक बाजार क्षेत्र है इसलिये वहां एक वॉटर ए.टी.एम. लगाने का निर्णय महानगरपालिका प्रशासन ले इस दृष्टीसे ऑडीशनल व्यवस्था कर के वहां पर वॉटर ए.टी.एम. लगाये इसप्रकार के निर्देश दिये जाते हैं। उनके वक्तव्य में और एक बात आयी कि मोमिनपूरा के हॉस्पिटल में, मोमिनपूरा के समाज भवन में, मोमिनपूरा के स्कूलों में वहां के गुंडा प्रवृत्ति के लोगों ने अतिक्रमण करके रखा है, मा.आयुक्त महोदयजी को निर्देश देता हूँ अगर महानगरपालिका के प्रॉपर्टी पर गुंडे प्रवृत्ति के लोगों ने अतिक्रमण करके रखा है तो त्वरित उनके ऊपर कारवाई करने के निर्देश संबंधित झोन के सहा.आयुक्त को दिये जाये। उनको निर्देश दिया जाये कि तुरंत वहां पर कारवाई करके उसका अहवाल आयुक्तालय और महापौर कार्यालय को दें, अतिक्रमण से मुक्त मोमिनपूरा के हॉस्पिटल, समाज भवन, और स्कूलों को कराये, उस काम में अगर पोलिस की मदद पड़ती है तो मा.आयुक्त महोदय पोलिस कमिशनरजी से बात करके पोलिस उपलब्ध कराकर दें। रिस्टोरेशन के काम ओसीडब्लू ने नहीं किये हैं या जियो ने नहीं किये हैं उस शिकायत का भी तुरंत निवारण करने का काम हाटमिक्स डिपार्टमेंट के माध्यम से किया जाये ऐसे निर्देश दिये जाते हैं। अब्दुल मजीद लिडर स्कूल यहां ग्यारवी और बारवी कक्षा शुरू करने का निवेदन किया गया है महानगरपालिका के शिक्षण विभाग की तरफ से इस जगह का अध्ययन किया जाये, अध्ययन करने के बाद अगर आवश्यकता महसूस होती है तो महानगरपालिका आगे कदम उठाये। श्री.बाल्या बोरकरजी ने एक निवेदन किया है कि बारीश शुरू हो रही है और बारीश शुरू होने के कारण सड़क खोदने का काम और केबल लाईन डालने

का काम नहीं किया जाये, हॉटमिक्स डिपार्टमेंट ने अगर किसी कंपनी को यह कार्य दिया है तो बारीश के संपूर्ण कार्यकाल में गड्डे खोदने के काम बंद किये जाये और जो पुराने खोदे हुए गड्डे हैं, उसको समतल करने का काम तुरंत किया जाये, ऐसे निर्देश दिये जाते हैं। प्रफुलजी ने एक बात कही कि, आठवडी बाजार जो है, उससे भी रेवेन्यू जनरेशन की बात हमने सोचनी चाहिये, मैं आयुक्त महोदय से निवेदन करना चाहूंगा, मा.आयुक्त महोदय रेवेन्यू की नये सोर्स क्या हो सकते हैं इसपर हमने चर्चा करते समय आठवडी बाजार के बारे में भी अवश्य विचार करना चाहिये, आठवडी बाजार को अगर हम नियमित जगह पर बैठाकर नियमित कर सकते हैं तो हमारे रेवेन्यू का एक माध्यम हो सकता है और हमारे पास अगर नियमित जगह नहीं है और जहां आठवडी बाजार भर रहा है वहां स्वच्छ भारत के अंतर्गत सिस्टीम से बैठाकर उस दिशा में भी रेवेन्यू जनरेट करने की बात महानगरपालिका की तरफ से हमने करनी चाहिये। चर्चा करते समय मा.नंदाताईने रोड निर्माण की बात कही, आय.आर.डी.पी. के नाली की सुव्यवस्था को लेकर के चर्चा हुई। श्री.मनोज सांगोळेजी ने उसके प्रभाग में विस्तारीत क्षेत्र में नयी पानी की टंकी बनाने के लिये निवेदन किया, मैं निवेदन करना चाहता हूँ की महानगरपालिका का वॉटर वर्क्स डिपार्टमेंट इसका सर्वे करले, सर्वे करने के बाद अगर हमें नयी पानी की टंकी की आवश्यकता लगती है उस दृष्टिसे प्रस्ताव तैयार करके नयी टंकी का निर्माण करे। सिव्हर लाईन का जो टेंडर है उस विषय को लेकर के सभागृह में बहुत चर्चा हुई, मैं सभागृह का ध्यान विशेषरूप से आकर्षित करना चाहता हूँ मा.आयुक्त महोदयजी आपके महानगरपालिका को जॉइन करने से पूर्व इस टेंडर को लेकर के पूर्व स्थायी समिती अध्यक्ष श्री.पिंटुजी झलके इनके साथ में एक बैठक इसी सभागृह में हुयी, उस वक्त वारंवार संबंधित अधिकारीको यह बताया गया था की यह जो टेंडर कर रहे हो वह ओल्ड सिटी के अंतर्गत छोटी छोटी गल्ली में काम करना फिजीबल नहीं होगा। विशेषरूप से उदाहरण देकर के मैंने कहा था, जुल्फेकारजी ने भाषण दिया उनके प्रभाग में जो चुडी गल्ली है, हैदरी गल्ली है उनके घरों में गंदगी तैर रही है, विशेषरूप से उसका उदाहरण देकर के संबंधित अधिकारीको बताया गया था की यह फिजीबल नहीं है आप इस निर्णय को सुधार लो लेकीन अति आत्मविश्वास के कारण उन्होंने कहा था की मैं कार्य करने में सक्षम हूँ मैं इसको सफल करके दिखाऊंगी, मैं मा.आयुक्त महोदयजी से निवेदन करना चाहता हूँ, किसी के अति आत्मविश्वास के कारण अगर इस शहर की जनता पिडीत हो रही है और उसकी टेक्नीकल फिजीबिलिटी न होने के बावजूद भी उसको आज भी लागू करने का प्रयास कर रहे हैं ऐसी स्थितिमें अगर उनके त्रुटी के कारन नागपूर शहर में पिछले दस साल से सिव्हर लाईन के काम प्रलंबित है तो उन्हें शो कॉज नोटीस देकर के उनसे एक्सप्लेनेशन पुछा जाये और एक्सप्लेनेशन से संतुष्ट न हो तो उनके उपर अनुशासनात्मक कारवाई की जाये ताकि शहर को इस स्थिति में लाने का कार्य केवल एक व्यक्ती के गलत निर्णय के कारण हो रहा है यह वक्तव्य सारे नगरसेवक के कहने से प्रतिपादीत होता है। एक विषय सतिश होलेजी ने रखा, बुधवारी बजार महाल में बी.ओ.टी के आधारपर प्रोजेक्ट हो रहा है तो सक्करदरा में भी महाल के आधार पर बीओटीपर प्रोजेक्ट होना चाहिये। आयुक्त महोदय से मैं निवेदन करूंगा की वे उस जगह का निरीक्षण करे,

खुली जगह है वहा किसी भी प्रकार से किसी भी व्यक्ती को कंपनशेट नही करना है । खुली जगहपर बाजार बनाने का प्रस्ताव भी बी.ओ.टी के आधारपर मा.आयुक्त जी करे । संजय बालपांडेजीने एक विषय रखा की जो नया युडीसीआर आया है इस नये युडीसीआर मे और पुराने डिसी रूल मे बहोत अंतर है पुराने रूल के अंतर्गत हमने कंजेस्टेड ऐरियामे अवैध बांधकाम को नोटीस दिया है उसकी यादी हमारे पास है उस यादी को एकत्रित करे उनके नक्शे अगर नये युडीसीआर मे क्लीअर कर सकते है और उनसे हम लोग कंम्पाउंडींग लेकर के युडीसीआर के अंतर्गत नियमोंके अंतर्गत मंजूरी प्रदान कर सकते है तो ऐसे केसेस की स्टडी करके उसका नियोजन करना चाहिये । जिससे हमारी आर्थिक स्त्रोतो को एक नया जरीया मिलेगा, शहर मे जो अनधिकृत बांधकाम है उनको नियमों के अंतर्गत नियमित करने का प्रयास होगा इसलिये विशेष रुप से हमने बैठकर के जो ५३ और ५४ के नोटीस कंजेस्टेड ऐरियामे दिये है इसमे और अॅडीशनल इनकम हमको हो सकता है । लाडली लक्ष्मी योजना पर बहोत बार चर्चा हुयी, प्रशासन को निर्देश भी दिये गये थे, पता नही क्या कारण है प्रशासन ने इसपर निर्णय नही लिया है । अगर प्रशासन को लगता है की यह योजना गलत है तो प्रशासन ने निर्णय लेकर के इस योजना को बंद करना चाहिये लेकीन कन्याभ्रण हत्या के विरुध्द मे इस योजना को लागु करने का काम इसी नागपूर महानगरपालिका ने किया था ।नागपूर महानगरपालिका ने इस योजना को लागु करने के बाद नागपूर महानगरपालिका पे प्रसूता के कन्या भ्रूण पुर्व परिक्षण का एक भी केस नागपूर महानगरपालिका ने पी.एस.पी.एन.डी.टी. अॅक्ट के अंतर्गत केस दर्ज नही किया, जिससे यह प्रतिपादीत होता है की इससे सकारात्मक लाभ हुवा है । गरीब परिवार मे पैदा होनीवाली बेटो को राशी दी जाती है । अगर हम राशी को देखे तो इतने साल से भी हम लोग २ करोड के राशी तक नही पोहचे है । अगर कन्याभ्रण हत्या को बचाने के दृष्टीसे महानगरपालिका एक सकारात्मक भुमिका निभाती है तो इससे महानगरपालिका ने इस योजना को उसको पुर्ववत शुरु करना चाहियें इस प्रकार के निर्देश सभागृह के माध्यम से दिये जाते है । गांधीसागर सोनेगाव तलाव दोनो तालाब के टेंडर हो गये है । मेरी जानकारी के अनुरूप सोनेगाव तालाब का वर्कऑर्डर भी हो गया है । बगैर किसी उद्घाटन की राह देखते हुऐ दोनो कार्यों की हमने शुरुवात करनी चाहियें । अगर गांधीसागर तालाब का कार्यादेश ना हुवा हो तो उस दिशा मे चिफ इंजिनियर स्वयं कार्यवाही करने के लिये अग्रेसित करे ऐसा निर्देश दिया जाता है । महानगरपालिका के विद्यालय के जिन विद्यार्थीयोंको तिरछा देखने की बिमारी है जिसको हम मराठी मे तिरळेपणाचा रोग म्हणतो महानगरपालिका के एज्युकेशन डिपार्टमेंट के माध्यम से सभी विद्यालय के मुख्याध्यापक को एक सर्कुलर निकालकर के जानकारी दी जाये की महानगरपालिका के विद्यालय मे पढने वाले विद्यार्थीयोंको वह मेल है या फिमेल है, जिस किसी विद्यार्थीयोंको तिरछा देखने की बिमारी है उसके निशुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था महानगरपालिका के प्रयासोसे की जा रही है इसका सर्वप्रथम लाभ महानगरपालिका के स्कुल मे पढने वाले बच्चो को मिले, इस दृष्टीसे महानगरपालिका के एज्युकेशन डिपार्टमेंट ने एक सर्कुलर निकाल के युध्दस्तर पर कारवाई करना चाहियें ऐसा निर्देश दिया जाता है । खेडे विभाग मे दो करोड रुपयों की राशी बढाने का



निवेदन आऊटर वार्ड के नगरसेवकोंसे आया है इस सूचना को भी स्विकृत किया जाता है । अंग्रेजी माध्यम के स्कूल हम ६ विधानसभा क्षेत्र में प्रारंभ कर रहे हैं स्कूल के अंडमीशन का समय यही है जिस समय हमारा बजट हो रहा है, मैं प्रशासन को निर्देश देता हूँ अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों को जिस संस्था के माध्यम से संचालन करने के निर्देश दिये गये हैं उन्हें तुरंत पत्र देकर के वे आनेवाले सत्र के लिये अंडमीशन की प्रोसेस शुरू करें इस प्रकार का निर्देश देकर के ६ अंग्रेजी माध्यम की स्कूल शुरू की जायें । पोल शिफ्टिंग के लिये श्री.संदीप जाधवजी ने एक डिपी रोड के बीचमें पोल को शिफ्ट करने के लिये संदीपजी जाधव ने ५० लक्ष रुपयों की राशी मांगी थी । अतिरिक्त एक करोड़ रुपयों की राशीका पोल शिफ्टिंग के लिये बजट में प्रोव्हीजन किया जाये इसप्रकार के निर्देश दिये जाते हैं । प्रभाग १३ में प्रस्तावित उद्यान के कार्य शुरू करने में असमर्थ ठेकेदार और अधिकारीपर कारवाई करें, बड़ा गंभीर प्रश्न है की भारत के प्रधानमंत्री कार्यालय से पत्र आता है और प्रधानमंत्री कार्यालय से आये पत्रपर महानगरपालिका प्रोव्हीजन देकर के बगीचा निर्माण करवाती है और प्रधानमंत्री कार्यालय के पत्रों को भी कचरे की टोकरी में डालने का काम अगर नागपूर महानगरपालिका का कोई अधिकारी करता है और उसके बाद भी अट्टाहास करके वह अपनी गद्दीपर बैठा रहता है तो उससे जादा शर्म की बात प्रशासन के लिये कोई भी नहीं हो सकती है । अगर ऐसे लोगोपर भी हमने कारवाई नहीं की तो यकीन मानीये की लोग महानगरपालिका के नियम और कानून को ताक पर रखने लगेंगे इसलिये संबंधित अधिकारी और ठेकेदारोपर महानगरपालिका में नियम के अंतर्गत कारवाई करने के निर्देश दिये जाते हैं । सभा की कार्यवाही के बीच में जितेंद्र घोडेस्वार जी मिले थे तो मैंने उनको कहा था की आप बहुजन समाज पक्ष के गटनेता हैं आपको बधायी है । आपके यहा एक नाला बहता है उसका नाम चांभार नाला है । यह नाम जातीयगत नहीं होना चाहिये, जातीयसूचक नहीं होना चाहिये इसका नाम परावर्तीत करना चाहिये, जितेंद्रजी ने कहा था की हमने एक प्रस्ताव दिया है उसका नाम नॉर्थ कॅनल रखा जाये मैं प्रशासन को निर्देश देता हूँ की आजके बाद उस नाले को चांभार नाला इस नाम से न जानते हुये नॉर्थ कॅनल इस नाम से जानेंगे । महानगरपालिका के माध्यम से उसका नाम नॉर्थ कॅनल निर्धारित किया गया है यह जानकारी पोस्ट से लेकर के सभी डिपार्टमेंट को दे जिससे पोस्ट डिपार्टमेंट के माध्यम से जो पिनकोड के माध्यम से जो पता लिखते हैं उसमें भी इसका नाम नॉर्थ कॅनल में परावर्तीत किया गया है यह सूचित किया जाये इसलिये आप इसको नॉर्थ कॅनल के नाम से संबोधित करें ऐसे निर्देश दिये जाते हैं । व्यसन मुक्ती केंद्र का विषय मा.नंदाताई जिचकार ने रखा, मैं निवेदन करना चाहता हूँ महानगरपालिका के विद्यालयों में छुट्टी के दिन व्यसन मुक्ती केंद्र की क्लास अगर हो सकती है तो जो संस्थायें इस क्षेत्र में काम करती हैं वह मा.आयुक्तजी से मिलें और महानगरपालिका के समाजकल्याण विभाग के माध्यम से इस संस्थाओसे व्यसन मुक्त केंद्र के कार्यों के ट्रैक रेकॉर्ड के आधारपर उन्हें प्रायोगिक तौर पर एक या दो स्कूल देकर के स्टार्ट करें अगर उसका अच्छा परिणाम मिलता है और केवल छुट्टी की दीन अगर वह दो घंटे क्लासेस लेते हैं तो उसके अनुरूप महानगरपालिका ने काम की शुरुवात करनी चाहिये । बहोत सारे आरोप भी हुऐ उसमें से एक आरोप यह भी हुआ वंदे मातरम जन स्वास्थ्य

योजना जो है वह सभागृह की अनुमती लिये बगैर बजट में डाल दी गयी है। मुझे लगता है की कोरोना के कारण बहुत सारे मानसिक रोगी तयार हो रहे हैं ऐसा दिखाई देता है और इसकी परिणति सभागृह में दिखाई दे रही है। इस सभागृह में उपस्थित रहते हुए वह सभागृह ने दिनांक १८/०२/२०२१ को ठराव क्र ५० के अंतर्गत इस विषय को सभागृह की अनुमती इसके ड्राफ्ट प्लन को सभागृह ने अनुमती प्रदान की, और इस सभागृह का जो अजेंडा निकला उस अजेंडे के साथ में इस मिनीट्स को भी अनुमती देने का पत्र आपके घरों तक पोहचा है और यह पोहचने के बावजूद अगर सिनियर सदस्य यह कहते हैं तो यह विपरीत है इसके ड्राफ्ट प्लन को अनुमती नहीं दी गयी है आप यह कैसे कह रहे हो कहीं ना कहीं मुझे लगता है की इस कोरोना के कारन मानसिक विकृती पैदा हो रही है उसका इलाज कराना भी नितांत आवश्यक है। महानगरपालिका के शिक्षा के क्षेत्र में महानगरपालिका के १३ विद्यार्थी मिरीट में आये थे यह अभिनव प्रयास महानगरपालिका के शिक्षण विभाग से हुआ था। मैं शिक्षण विभाग का अभिनंदन करता हूँ। एक बात का मैं विशेष रूप से उल्लेख करना चाहता हूँ अभी अविनाशजीने सूचना दी इस सूचना में उन्होंने एम.एस.एम.ई. के माध्यम से नागपूर महानगरपालिका ने रोजगार जन्य प्रकल्प चलाने चाहिये इसप्रकार की सूचना दी है। मैं महानगरपालिका के समाज कल्याण विभाग को निर्देशित करता हूँ की एम.एस.एम.ई. खादी ग्रामोद्योग इन दोनों के साथ में मिलकर के अगर कोरोना पिडीत परिवारों के लिये इसप्रकार के प्रकल्प स्थापित कर सकते हैं तो तुरंत करे, अविनाशजीने सुरेश भट्ट सभागृह कहा है लेकिन कोरोना के स्थिती के अनुरूप अगर हम १०-१० लोगों के ग्रुप में या १५-१५ लोगों के ग्रुप में भी हम उस काम को कर सकते हैं तो दोनों संस्था के सहयोग से महानगरपालिका ने उस दिशा के माध्यम से कार्यक्रम लेना चाहिये ऐसे में निर्देश देता हूँ। महानगरपालिका के माध्यम से कोव्हीड का पूरा का पूरा डेटा नागपूर महानगरपालिका के पास में है। महानगरपालिका के आशा वर्कर और महानगरपालिका की आर.आर.टी. टिम सभी जगह पेशेंट के घर में जाकर के आयी है। कल मा.प्रधानमंत्रीजीने जो घोषणा की है इस घोषणा के अंतर्गत मा.प्रधानमंत्रीने जिनके घर में पालकों की मृत्यु हुई है उनके बच्चों की शिक्षण की जिम्मेदारी लेने की बात कही है २३ साल के आयु में उन्हें १० लाख रुपये देने की बात कही है, उनके आगे की शिक्षण के लिये मा.प्रधानमंत्रीजीने केंद्र शासन के माध्यम से व्यवस्था उपलब्ध कराने की बात की है, इन सारी योजना का लाभ जिस व्यक्ती को इसकी आवश्यकता है उनको मिलना चाहिये इसलिये महानगरपालिका के पास यह डेटा मौजूद है इसलिये महानगरपालिका के अंतर्गत हमारे जो कर्मचारी उस सेक्टर में काम कर रहे हैं उन लोगों के माध्यम से सारी जानकारी लेकर के उस परिवार तक सूचना पोहचाकर के उनके माध्यम से निवेदन तयार करके महानगरपालिका एक संदेश वाहक के रूप में कार्य करे और उन व्यक्ती को लाभ पोहचाने का कार्य करने का निवेदन मैं करता हूँ। एक निवेदन और मा.अविनाशजी ने किया वह नैसर्गिक रूपसे प्रेक्टीकल भी लगता है म.न.पा. केजिस कर्मचारी को जो लास्ट पेमेंट मिलता है उस लास्ट पेमेंट के आधार पर उसकी पेंशन निर्धारित होती है अगर हमने किसी व्यक्ती को लास्ट पेमेंट सातवे वेतन आयोग से दिया गया है ओर उसकी पेंशन हम छठवे वेतन के आयोग से दे रहे हैं तो

यह उचित नहीं है। इससे कही ना कही इसमें त्रुटी परिलक्षित होती है। इसलिये प्रशासन जो भी शासकीय नियामो के अंतर्गत जो नियम है जो की लास्ट पेमेंट की आधार पर ही पेशन की केस बननी चाहिये उन नियमो के अंतर्गत समस्त हमारे कर्मचारीयों को न्याय दे यह काम प्रशासन के माध्यम से किया जाये। मा.आयुक्त महोदय आपके समक्ष यह कागज पड़े है। यह कागज आज ही डी.डी.आर. के ऑफिस से बुलाये गये ह। नागपूर शहर में जितनी भी रजिस्ट्री होती है यह सारी रजिस्ट्री पर एक प्रतिशत मेट्रो के दृष्टी से सेस वसुल करने का अधिकार राज्य सरकार को है, और वही पत्र में यह निर्देशित है की एक प्रतिशत जमा की गयी राशी महानगरपालिका को अग्रेषित की जायें। २०१६ अगस्त को सर्कुलर निकला था और २०१६ अगस्त से लेकर आज तक २०६ करोड़ रुपयों की राशी राज्य सरकार के पास महानगरपालिका की प्रलंबित है। यह महानगरपालिका की राशी है और शासन को किसीसे लेना नहीं है वह शासन के अधिकोष में जमा है इसलिये उसे जल्द से जल्द महानगरपालिका के पास वापस लाने के लिये प्रयास प्रशासन के माध्यम से किया जायें। मैं स्वयं मा.मंत्री महोदय को इस विषय का पत्र लिखुंगा, मा.आयुक्तजी स्वयं प्रशासनीक तौरपर जल्द से जल्द कारवाई करेंगे ऐसी अपेक्षा व्यक्त करता हूँ, कोरोना को लेकर के, स्वास्थ्य को लेकर के लोगों ने बहुत सारी चर्चा की है और इस चर्चा में महानगरपालिका ने कोरोना के लिये पैसे नहीं रखे, हॉस्पिटल के लिये पैसे नहीं रखे, हेल्थ के लिये पैसे नहीं रखे इसप्रकार के वक्तव्य कीये गये है। आप सभी की कृपापुर्ण जानकारी के लिये बताना चाहता हू की नागपूर महानगरपालिका की माध्यम से २५५.७४ कोटी इतने रुपये नागपूर महानगरपालिका हेल्थ के लिये अपने बजट में रखे है। आकड़ा भुलना नहीं चाहिये इसलिये फिरसे दोहराता हू २५५.७४ करोड़ जो हमारे अर्थसंकल्प की संकल्पित राशी का ९.४६ परसेंट है। अर्थात् हम हमारे बजट की ९.४६ प्रतिशत राशी केवल स्वास्थ्य विभाग पर खर्च कर रहे है। इसलिये गलत आकड़े देकर के सभागृह को गुमराह करने की जो कोशीश कर रहे थे वह यह ना समझे की वह अंधो के शहर में आईने बेचने का काम कर रहे है यहा आँखवाले भी है और दिमागवाले भी है और यहा ऐसे भी लोग है जो सास लेकर के मनुष्य के मस्तीष्क को पढ़ लेते है। अर्थसंकल्प में जो नागरिक ३० जून २०२१ से पहले प्रॉपर्टी टैक्स भरेंगे उन्हें १० प्रतिशत की छुट दी गई है उसे मंजूरी प्रदान की जाती है साथ ही साथ जिन नागरिकोंने १ अप्रैल से लेकर के अभीतक नये आर्थिक वर्ष का प्रॉपर्टी टैक्स अदा कीया है उन्हें उस छुट का लाभ दिया जायेंगा एवं उनके द्वारा अदा किये गये राशी में से छुट दिये गये राशी आनेवाले वर्ष के देय कर में समायोजित की जायेंगी, उसी प्रकार से दिनांक ३० जून २०२१ के बाद में और दिनांक ३१ डिसेंबर २०२१ के पहले चालू आर्थिक वर्ष की मालमत्ता कर रक्कम नागपूर महानगरपालिका निधी में जमा करनेवाले मालमत्ताधारको को मालमत्ता कर में ५ प्रतिशत छुट दी जायेंगी। आज की सभा में आप सभी ने बहुत अच्छा सकारात्मक सहयोग दिया, इसलिये मैं आपका हृदय से अभिनंदन करता हू। अविनाशजीने जो सुचना दी वह सुचना के अनुरूप बजट में जो परिशिष्ट जोड़े हुऐ है उन परिशिष्ट के साथ इस बजट को सभागृह मंजूरी प्रदान करे, यह निवेदन करना चाहता हू, और इस बजट को मंजूरी प्रदान करने के साथ साथ इस बजट को यथाशिघ्र कार्यावित करने का काम

मा.आयुक्त महोदय करे इसप्रकार से निर्देश दिये जाते हैं सभागृह के समक्ष यह बजट मंजूरी के लिये रखा जाता है, कृपया इसे मंजूरी प्रदान करे यह निवेदन मे करता हु, श्री.प्रकाशजी भोयर इन्होने सत्र २०२१ - २०२२ प्रस्तावित बजट दिया है उसे यह सभागृह एकमत से मंजूर करता है ।

वरील विषयाचे अनुषंगाने खालील चर्चनंतर मा. सत्तापक्ष नेता श्री अविनाश ठाकरे यांनी केलेल्या खालील सूचनेसह हा विषय मंजूर करण्यात येतो. मा. महापौरजी यांनी केलेल्या घोषणेस सभागृहाने विरोधी पक्षनेता श्री. तानाजी वनवे यांचा विरोध नोंदवून बहुमताने मंजूर मंजूरच्या आवाजाने मान्यता प्रदान केली.

१) नागपूर महानगरपालिकेच्या ब्यय अंदाजपत्रकात म.न.पा. सभागृहा तर्फे सुचविलेल्या दुरुस्त्या तसेच मा. सत्तापक्ष नेता यांनी सुचविलेले प्रस्तावित कामे व फेरबदलाचे पुनर्विनियोजन आणि मुद्रणातील चुकीची दुरुस्ती करण्याचे संपूर्ण अधिकार मा. महापौर यांना प्रदान करण्यास मंजूरी प्रदान करते. त्यानुसार त्यांनी केलेल्या दुरुस्त्या तसेच सुचविलेले प्रस्ताव व राशी यांच्यात फेरबदल आणि पुनर्विनियोजन करून अंतिम अर्थसंकल्पीय अंदाजाच्या महानगरपालिकेच्या अंतिम स्विकृती अर्थसंकल्पात मुद्रीत करण्यात याव्या यासह महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाचे कलम १०० अन्वये सुधारीत अर्थसंकल्प २०२०-२१ व प्रस्तावित अर्थसंकल्प २०२१-२०२२ च्या अर्थसंकल्पीय अंदाजाच्या अंतिम स्वीकृतीस ह्या महासभेने मंजूरी प्रदान करावी.

२) नागपूर महानगरपालिकेतील विविध विकास कामे विभागाद्वारे प्रस्तावित करण्यात येतात अशा सर्व प्रकरणास प्रशासकीय मान्यता प्रदान करण्याचे महासभेचे संपूर्ण अधिकार स्थायी समितीस देण्यात येते परंतु प्रशासकीय व वित्तिय धोरणात्मक निर्णय ज.से.बी.ओ.टी./पी.पी.पी. किंवा तत्सम धोरणात्मक प्रकारची प्रकरणे प्रशासकीय मान्यतेसाठी महानगरपालिकेस सादर करणे प्रशासनास आवश्यक राहिल यांस महासभेने मंजूरी प्रदान करावी.

३) क्षेत्रिय कार्यालयाच्या पदा अंतर्गत ठेवण्यात आलेल्या प्रस्तावित वित्तिय तरतुदीच्या बांधील खर्च वगळून पदशिर्षांचे पुनर्विनियोजन करण्याचे संपूर्ण अधिकार स्थायी समितीला प्रदान करण्यास मंजूरी प्रदान करण्यात येते परंतु प्रभाग समितीस अशा बदलीमुळे दायित्व निर्माण होता कामा नये याची काळजी घेणे आवश्यक राहिल यांस मंजूरी प्रदान करावी.

४) प्रस्तावित अर्थसंकल्पात बांधील खर्चाचे पदनिहाय व क्षेत्रिय कार्यालय निहाय तरतुदी विभागाने दिलेल्या माहितीनुसार अर्थसंकल्पात देण्यात आलेल्या आहे. विभागाने पाठविलेली माहिती त्या-त्या विभागाकडे उपलब्ध असल्यामुळे त्या क्रमवारीनुसार बांधील खर्चाचे तरतुद विविध कामांना उपलब्ध करून देण्याचे कार्य त्या-त्या विभागाचे विभाग प्रमुख करावे. त्या चुका होऊ नये याची काळजी विभागाने घ्यावी. जर काही प्रभागातील लोक प्रतिनिधींनी दिलेली कामे व विभागाने जो बांधील खर्च प्रस्तावित केला आहे तो समाविष्ट नसेल तर हे सभागृह प्रशासनास असे निर्देश देते की, यावर्षीच्या प्रस्तावित कामांसाठी ठेवलेल्या राशी मधुन प्राथम्याने बांधील खर्चाला किंवा कामांना प्रथमतः तरतुद उपलब्ध करून द्यावी. त्यानंतर महत्वाचे प्रस्तावित कामांना विभागाने तरतुद उपलब्ध करून प्रस्तावित कामे सक्षम प्राधिकारणाकडून नियमाप्रमाणे मंजूर करून सादर करावी यांस महासभेने मंजूरी प्रदान करावी.

५) प्रस्तावित अर्थसंकल्पात मा. सभागृहाकडून अंतीम मंजूरी देण्यात आल्यावर अर्थसंकल्पीय पदाअंतर्गत प्रशासनाने परस्पर फेरबदल करणे किंवा नागरी सुविधांच्या कामांची तरतुद स्थगित करणे हे महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाचे व नियमांचे उल्लंघन करणे होय. अर्थसंकल्पीय अनुदान गोठवून ठेवणे हे कायद्याचे तरतुदीनुसार नाही. त्यामुळे ही महासभा आयुक्तास असे निर्देश देते की, अशा प्रकारच्या अंमलबजावणी करण्याच्या पुर्वी अधिनियमानेचे अंमलबाजवणी करण्याचे व सोपविण्यात आलेल्या प्राधिकाऱ्याची पुर्वपरवानगी, संमती व मंजूरी घेणे अनिवार्य असेल. यांस महासभेने मंजूरी प्रदान करावी.

६) या अर्थसंकल्पामध्ये विविध पदा अंतर्गत जी कामे राशीसह प्रस्तावित करण्यात आली आहे त्या सर्व विकास कामांना प्रशासकीय मंजूरी प्रदान करावी. या सर्व कामांच्या स्थापत्य व इतर कामे प्रस्तावित करून संपूर्ण राशीसह निविदा काढाव्या व या आर्थिक वर्षात ज्या वित्तिय तरतुदी उपलब्ध करून दिल्या आहे. त्या राशी पर्यंत कार्यदिश राशी या आर्थिक वर्षात सिमीत ठेवावी. तसेच मा. अध्यक्ष, स्थायी समिती यांनी आपल्या अर्थसंकल्पीय भाषणात ज्या-ज्या योजनांचा समावेश केलेला आहे त्या सर्व योजनांना एकमताने मंजूरी प्रदान करावी तसेच यांस महासभेने मंजूरी प्रदान करावी.

७) परिशिष्ट-१

विषय :- नागपूर महानगरपालिका व राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ, नागपूर यांच्या संयुक्त विद्यमाने नागपूर महानगरपालिका सीमेतील सार्वजनिक स्थळावरील थोर पुरुषांच्या पुतळ्यांचे आणि स्मृतीस्थळांचे/स्मारकांचे संवर्धन करणेबाबत म.न.पा. सभागृहासमोर धोरणात्मक निर्णय घेण्याकरीता स्थायी समितीद्वारे सादर करण्यात आलेल्या प्रस्तावास मंजूरी प्रदान करण्याचा प्रश्न विचारात घेणे.

प्रस्तावना :-

महाराष्ट्र राज्यातील नागपूर शहर देशातील विकसनशिल शहरात असून या शहराचा अतिशय झपाट्याने विकास होत आहे. उपराजधानीच्या या शहरात नागपूर महानगरपालिका सीमेतील सार्वजनिक स्थळावरील थोर पुरुषांच्या पुतळ्यांची व स्मारकांची निगा व स्वच्छता राखण्याची जबाबदारी नागपूर महानगरपालिकेचे अग्नीशमन विभाग, उद्यान विभाग व संबंधीत झोन कार्यालयद्वारा सद्यस्थितीत पार पाडण्यात येत आहे.

परंतू सार्वजनिक ठिकाणातील थोर पुरुषांचे पुतळ्यांची व स्मारकांची निगा व स्वच्छता राखण्यासंबंधी कामे हे त्या-त्या थोर पुरुषांच्या जयंती व पुण्यतिथी निमीत्त केले जातात व इतर वेळेस थोर पुरुषांचे पुतळे व स्मारके दुर्लक्षीत असतात. मा. महापौर महोदयांनी राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ येथे भेट देवून मा. कुलगुरु व प्र-कुलगुरु यांचेशी नागपूरच्या सर्वांगीण विकास संदर्भात चर्चा करतांना नागपूर शहरातील सार्वजनिक ठिकाणातील थोर पुरुषांच्या पुतळ्यांची व स्मारकांची स्वच्छता व निगा राखणे हे कार्य राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठाच्या राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) यांनी सामाजिक दायित्व म्हणून स्विकारावे अशी इच्छा व्यक्त केली. मा. कुलगुरु, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ, नागपूर यांनी दि.०७/०४/२०२१ रोजी लेखी मान्यता देवून नागपूर महानगरपालिकेसोबत तत्संबंधी सामंजस्य करार करण्याची इच्छा व्यक्त केली असल्यामुळे यावर योग्य निर्णय घेणे आवश्यक आहे.

नागपूर महानगरपालिका सीमेतील सार्वजनिक स्थळावरील थोर पुरुषांच्या पुतळ्यांची व स्मारकांची निगा व स्वच्छता राखण्याच्या संयुक्त उपक्रमांतर्गत राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ, नागपूर द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) द्वारा सामाजिक दायित्व स्विकारून नागपूर महानगरपालिका सीमेतील सार्वजनिक जागेवरील ६८ पुतळ्यांची व १४ स्मारक स्थळांची स्वच्छता व निगा राखणे हेतू नेमून दिलेल्या महाविद्यालय एकक (युनिट) ला नेमलेल्या दिवशी आठवड्यातून किमान एकदा नागपूर महानगरपालिकेचे सफाई कामगार, अग्नीशमन विभागाचे कर्मचारीचे मदतीने कामे करतील, त्या मोबदल्यात नागपूर महानगरपालिका फक्त ज्या विद्यालयास ज्या थोर पुरुषांच्या पुतळ्यांची स्वच्छता व निगा राखण्याची जबाबदारी दिलेली आहे त्या महाविद्यालयाचे NSS सुनीटचे नाव त्या पुतळ्यासंबंधी स्वच्छता व संवर्धन संदर्भात फलकावर लावणेची व्यवस्था करेल, तसेच संबंधीत थोर पुरुषांच्या पुतळ्यांची व स्मारकांची निगा व स्वच्छता राखण्याचे कार्यासाठी राष्ट्रीय सेवा योजना युनिटच्या सात स्वयंसेवक/स्वयंसेविका यांचा महाविद्यालयतर्फे सहभाग राहील. राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी/उपअधिकारी यांच्या नेतृत्वात आणि संबंधीत प्राचार्यांच्या मार्गदर्शनात ही योजना कार्यान्वित होईल व संबंधीत महाविद्यालयाच्या त्या युनिटमधील सात विद्यार्थ्यांना/विद्यार्थीनींना नागपूर महानगरपालिकेच्या अग्नीशमन प्रशिक्षण विद्यालयाकडून प्रशिक्षण देण्यात येईल.

अशाप्रकारे फायर फायटींगबाबत प्रशिक्षण असलेले जवळपास ५७४ विद्यार्थी दरवर्षी निर्माण होतील व नागपूर महानगरपालिका सीमेत कोणत्याही ठिकाणी आग लागल्यास आगीवर नियंत्रण आणण्याकरीता प्रशिक्षित विद्यार्थ्यांची मदत प्राप्त होईल. संबंधीत विद्यार्थ्यांद्वारा नागपूर महानगरपालिका क्षेत्रातील पुतळ्यांची स्वच्छता व निगा राखण्याची जबाबदारी यशस्वीरीत्या पार पाडल्या गेल्यास अशा विद्यार्थ्यांना नागपूर महानगरपालिकेतर्फे उक्त कामानिमीत्त विशेष प्रमाणपत्र देण्यात येईल.

उक्त उपक्रम राबविण्याकरीता सामंजस्य करार करण्याचा धोरणात्मक निर्णय घेण्याचा तसेच या सामंजस्य करार करण्याचा अधिकार आयुक्त, म.न.पा. यांना देणेबाबतच्या निर्णयास सभागृहाने मंजूरी प्रदान करावी अशी ही स्थायी समिती या मा. महासभेस विनंती करते. यांस मंजूरी प्रदान करावी.

८) परिशिष्ट-२

विषय :- थॅलेसेमिया आजार / Sick Cell Anemia असलेल्या रुग्णांना केंद्र शासनाच्या Sick Cell Mission Mode Project च्या माध्यमातून नागपूर महानगरपालिका व अशासकीय संस्थांच्या संयुक्त उपक्रमातून योग्य उपचार देणे व जनजागृती करणेबाबत म.न.पा. सभागृहासमोर धोरणात्मक निर्णय घेण्याकरीता स्थायी समितीद्वारे सादर करण्यात आलेल्या प्रस्तावास मंजूरी प्रदान करण्याचा प्रश्न विचारात घेणे.

प्रस्तावना :-

महाराष्ट्र राज्याच्या विदर्भ प्रांतात Sick Cell Anemia (SCA) चे रुग्णांची संख्या अधिक आहे. तसेच थॅलेसेमिया आजार घेवून दरवर्षी बरेच मुले जन्माला येत आहेत. Sick Cell Anemia रुग्णांना/थॅलेसेमिया आजार असलेल्या रुग्णांना वेळीच उपचार व नागरीकांना सदर आजाराबाबत जनजागृती होणे हेतू नागपूर शहरात Sick Cell Anemia करिता केंद्र शासनाच्या Sick Cell Mission Mode Project च्या माध्यमातून एक केंद्र निर्माण करणे गरजेचे आहे.

केंद्र शासनाच्या उक्त उपक्रमातून प्रति रुग्णांकरीता प्राप्त होणाऱ्या निधीचा वापर करून नागपूर महानगरपालिका व महात्मे आय बँक-आय हॉस्पिटल, नागपूर च्या संयुक्त प्रयत्नातून थॅलेसेमिया आजार असलेल्या रुग्णांचा उपचार व जनजागृती केल्या जाईल.

सदर संयुक्त उपक्रमाकरीता नागपूर महानगरपालिकेतर्फे १३२० चौ.फुट चटई क्षेत्र असलेली इमारत व मनुष्यबळांतर्गत दोन नर्स व एक अटेन्डन्ट देणे अपेक्षित आहे व वैद्यकीय तपासणी व सेवा महात्मे आय बँक-आय हॉस्पिटल च्या माध्यमातून केली जाणार आहे. त्याकरीता पाचपावली सुतिका गृह येथील १३२० चौ.फुट बांधकाम क्षेत्रफळाची जागा देणेचे प्रस्तुत आहे. केंद्र शासनाकडून निधी प्राप्त करून घेवून सदर उपक्रम राबविण्याची नागपूर महानगरपालिकेची मनिषा आहे. या धोरणात्मक प्रस्तावास सभागृहाने मंजूरी प्रदान करावी अशी ही स्थायी समिती या मा. महासभेस विनंती करते. यांस मंजूरी प्रदान करावी.

९) परिशिष्ट-३

विषय :- गंमत-जंमत मध्ये (Fun with Science) विज्ञान ज्ञानातून नागपूर महानगरपालिकेच्या शाळेतील विद्यार्थ्यांना अविष्कार घडविण्याची संधी उपलब्ध होण्यास्तव विज्ञान भवन निर्माण करणेबाबत म.न.पा. सभागृहासमोर धोरणात्मक निर्णय घेण्याकरीता स्थायी समितीद्वारे सादर करण्यात आलेल्या प्रस्तावास मंजूरी प्रदान करण्याचा प्रश्न विचारात घेणे.

प्रस्तावना :-

विज्ञानास घाबरण्याची गरज नाही, विज्ञान समजून व स्विकृत केल्यास, गंमत-जंमत मध्ये विज्ञान संबंधी प्राप्त ज्ञानातून अविष्कार घडविले जावू शकतात असे नागपूर महानगरपालिकेच्या शाळेतील विद्यार्थ्यांकडून अपूर्व विज्ञान मेळाव्याच्या प्रदर्शनीत वैज्ञानिक प्रयोग प्रदर्शित करून सिद्ध करून दाखविलेले आहे. सांस्कृतिक व सामाजिक बदलाच्या मागे नागपूर म.न.पा. ठामपणे उभी असून विविध प्रयोगाच्या माध्यमातून शैक्षणिक, वाड्मयीन व इतर बाबी विद्यार्थ्यांच्या प्रगतीमध्ये वाढ करत असते. या अभिनव प्रयोगातून व ज्ञानातून विद्यार्थ्यांना एक नवीन माध्यम व आकर्षण निर्माण व्हावे हा या मागचा हेतु आहे.

नागपूर महानगरपालिका व असोसिएशन फॉर रिसर्च अँड ट्रेनिंग इन बेसीक सायन्स एज्युकेशन (ARTBSE) च्या संयुक्त उपक्रमातून दरवर्षी पाच दिवसाचा अपूर्व विज्ञान मेळावा (Science Expo) घेण्यात येतो. जवळपास नागपूर महानगरपालिकेचे २०० विद्यार्थी विविध विषयासंबंधी वैज्ञानिक प्रयोग प्रदर्शित करतात व अपूर्व विज्ञान मेळाव्यास विविध शाळेचे जवळपास ५००० विद्यार्थी प्रति दिन भेट देवून विज्ञान बाबत ज्ञान प्राप्त करून घेवून, अपूर्व विज्ञान मेळाव्यात सहभाग घेतलेल्या व अविष्कार प्रदर्शित केलेल्या विद्यार्थ्यांबाबत कुतूहल व्यक्त करतात.

नागपूर महानगरपालिकेचा सुरेंद्रगढ शाळेतील विद्यार्थींनी एक सॅटेलाईट निर्माण करून अंतराष्ट्रीय पातळीवर नागपूर महानगरपालिकेचे नाव चमकवून दाखवून दिलेले आहे की, महानगरपालिकेच्या विद्यार्थ्यांना ज्ञान प्रदर्शित करण्यास एक व्यासपिठ मिळाल्यास ते असे अविष्कार घडवू शकतात.

गंमत-जंमत (Fun with Science) च्या माध्यमातून विज्ञानसंबंधी प्राप्त होणाऱ्या ज्ञानातून अविष्कार घडविण्याकरीता नागपूर महानगरपालिकेचे विद्यार्थी सद्यःस्थितीत राष्ट्रभाषा भवनच्या खाजगी जागेत पाच दिवसाच्या अपूर्व विज्ञान मेळाव्याच्या माध्यमातून आपले अविष्कार प्रदर्शित करीत आहेत.

जर नागपूर महानगरपालिकेच्या विद्यार्थ्यांना Fun with Science च्या माध्यमातून ज्ञान प्राप्त करण्याकरीता व प्राप्त ज्ञानातून अविष्कार घडवून वैज्ञानिक प्रयोग प्रदर्शित करणेकरीता कायमस्वरूपी नागपूर महानगरपालिकेद्वारा विज्ञान भवन निर्माण केल्यास नागपूर महानगरपालिकेच्या शाळेतील विद्यार्थ्यांचे वैज्ञानिक ज्ञान जगासमोर येईल.

पूर्व नागपूर क्षेत्रातील गरोबा मैदान येथील बंद पडलेल्या व क्षतिग्रस्त अवस्थेत असलेली शाळा इमारत पाडून कायमस्वरूपी विज्ञान भवन CSR निधी प्राप्त करून घेवून निर्माण करणेची नागपूर महानगरपालिकेची मनिषा आहे. करीता गरोबा मैदानमधील बंद पडलेल्या शाळेला पाडून टाकण्यास या महासभेने मंजूरी प्रदान करावी तसेच या धोरणात्मक प्रस्तावास सभागृहाने मंजूरी प्रदान करावी अशी ही स्थायी समिती या मा. महासभेस विनंती करते. यांस मंजूरी प्रदान करावी.

१०) अर्थसंकल्पीय चर्चे मध्ये ज्या-ज्या सन्माननिय सदस्यांनी उत्पन्न वाढविण्याच्या दृष्टीने ज्या सूचना दिलेल्या आहे तसेच विविध नागरी सुविधा कामांच्या संदर्भात सूचना दिलेल्या आहे त्यावर प्रशासनाने योग्य ती अंमलबजाणी करून उत्पन्न वाढविण्याच्या दृष्टीने व नागरी सुविधा देण्याच्या दृष्टीने योग्य ते प्रस्ताव सक्षम प्राधिकरणाकडे लवकरात लवकर सादर करावे असे निर्देश महानगरपालिका देते. यांस महापालिकेने मंजूरी प्रदान करावी.

११) महापौर जीवनावश्यक औषधी अधिकोष गरीब व गरजू रुग्णांचे औषध पुरवठा करण्याकरिता आवश्यक ते निकष ठरविण्याकरिता समिती गठीत करण्याचे अधिकार मा. महापौर यांना प्रदान करण्यात यावे.

१२) महापौर जीवनावश्यक वैद्यकीय साधन सामुग्री अधिकोष गरजू रुग्णांच्या व नागरीकांच्या लोकाहितामध्ये ज्या संस्था शहरात या क्षेत्रात कार्य करीत आहे अशा सर्वांची व महानगरपालिका सदस्यांची एक शिखर समिती (Apex Committee) तयार करून गरजू लोकांना आवश्यक त्यावेळी वैद्यकीय साधन सामुग्री नाममात्र दरावर उपलब्ध करून देण्यासाठी आवश्यक ते निकष ठरविण्याकरिता समिती गठीत करण्याचे अधिकार मा. महापौर यांना प्रदान करण्यात यावे.

१३) शहरातील ज्येष्ठ नागरिकांना सुविधा उपलब्ध करून देण्यासाठी जी योजना या अर्थसंकल्पात स्थायी समितीने प्रस्तावित केलेली आहे त्या योजनेत स्व. मा. गो. वैद्य ज्येष्ठ नागरिक सुविधा प्रकल्प असे नाव देण्यास मंजूरी प्रदान करावी.

१४) नागपूर महानगरपालिकेचा मालमत्ता कर हा महत्वाचा प्रमुख उत्पन्नाचा स्रोत आहे. या महामारीच्या काळात शहरातील नागरिकांना मालमत्ता कर भरण्याकरिता प्रोत्साहीत करण्यासाठी महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमान्वये

(१) चालू आर्थिक वर्षाच्या पुर्वी मालमत्ता कराची रक्कम महानगरपालिकेच्या निधीत ३० जुन पर्यंत जमा केल्यास सामान्य कराच्या रक्कमेत १० टक्के सुट देण्यास महानगरपालिकेच्या सभागृहाने मंजूरी प्रदान करावी. आणखी असे की, ज्या शहरातील नागरिकांनी १ एप्रिल ते आज पर्यंत मालमत्ता कर भरणा केलेला आहे अशा सर्व नागरिकांना त्यांच्या करामधून ही सुट देण्याचा महानगरपालिका निर्णय घेत असून ज्या कराचा भरणा त्यांनी केलेला आहे त्यांची सुट पुढील वर्षीच्या कर देयकातून कमी करून पुढील आर्थिक वर्षाच्या देयकामध्ये त्यांचे समायोजन करावे यांस महानगरपालिकेने मंजूरी प्रदान करावी.

(२) चालू आर्थिक वर्षाच्या पुर्वी मालमत्ता कराची रक्कम महानगरपालिकेच्या निधीत ३१ डिसेंबर पर्यंत जमा केल्यास सामान्य कराच्या रक्कमेत ५ टक्के सुट देण्यास महानगरपालिकेच्या सभागृहाने मंजूरी प्रदान करावी.

१५) महाराष्ट्र शासनाच्या दिनांक ३० जानेवारी, २०१९ च्या अध्यादेशाप्रमाणे राज्य शासनाच्या कर्मचाऱ्यांना ७ व्या वेतन आयोगाच्या शिफारसी लागू करण्यात आलेल्या आहेत त्याच धर्तीवर व प्रचलित पध्दतीनुसार नागपूर महानगरपालिकेच्या या सभागृहास ही स्थायी समिती शिफारस करते की, नागपूर महानगरपालिकेतील अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक व सेवानिवृत्ती वेतनधारक प्रवर्ग राज्य शासनाने ठरवून दिलेल्या राज्य राजपत्रातील धोरणानुसार, व्याख्या, अटी व शर्तीच्या अधीन राहून ७ व्या वेतन आयोगाच्या शिफारसी दिनांक, १ जानेवारी २०१६ पासून काल्पनिक वेतन वाढ (Notional Increments) देवून व सुधारीत वेतन निश्चिती करून मात्र प्रत्यक्ष वेतनामध्ये माहे १ ऑगस्ट, २०१९ पासून (ऑगस्ट पेड इन सप्टेंबर, २०१९) अंमलात येईल तसेच दिनांक १ जानेवारी, २०१६ ते ३१ जुलै, २०१९ पर्यंतच्या कालावधीची कोणत्याही प्रकारची थकबाकी अनुज्ञेय राहणार नाही. या प्रस्तावास ही स्थायी समिती मनपा सभागृहास मंजूरी प्रदान करण्याबाबत विनंती करीत आहे. या स्थायी समिती सादर केलेल्या प्रस्तावित म.न.पा. सभागृहाने मंजूरी प्रदान केली. या महासभा ठराव क्र. ४०९ दि. २८/०६/२०१९ च्या ठरावाचे नियमानुसार कार्यान्विकरण झाले असून याच आधारावर राज्य शासनाने ७ वा वेतन आयोग लागू करण्याच्या शिफारसींना मान्यता दिलेली आहे. त्यामुळे सेवानिवृत्ती वेतन धारकांना ठरावप्रमाणे सेवानिवृत्ती वेतन देण्यास मंजूरी प्रदान करावी.

अशा रितीने नागपूर महानगरपालिकेचे सन २०२०-२०२१ चे सुधारीत व सन २०२१-२०२२ चे प्रस्तावित अंदाजपत्रकात “अ” व “क” स्थायी समिती ठराव क्र. ०९ दि. १७/०३/२०२१ प्रस्तावित अर्थसंकल्प परिवहन समिती “ब” स्थायी समिती ठराव क्र. ३० दि. २१/०५/२०२१ अन्वये मा. सभापती, स्थायी समिती यांना दिलेल्या अधिकारानुसार सन २०२०-२०२१ चे सुधारीत व सन २०२१-२०२२ चे प्रस्तावित अर्थसंकल्पातील आयुक्त द्वारा प्रस्तावित अर्थसंकल्पातील आवश्यक बाबी लक्षात घेवून अर्थसंकल्पात योग्य अशा फेरफाराच्या व यामध्ये करावयाच्या वाढीसह आणि दुरुस्तीसह महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम ९६(४) तसेच परिवहन समितीद्वारा प्रस्तावित आवश्यक त्या अभिप्राय व शिफारसीसह महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम ९८(३) अन्वये म.न.पा. सभागृहाकडे प्रस्तावित “अ”, “क” आणि “ब” अर्थसंकल्पीय अंदाजाच्या अंतिम स्विकृतीचा प्रश्न सभागृहाने विचारात घेऊन मा. सत्तापक्ष नेता श्री अविनाश ठाकरे यांनी केलेल्या खालील सूचनेसह हा विषय मंजूर करण्यात येतो. या मा. महापौरजी यांनी केलेल्या घोषणेस सभागृहाने मंजूर मंजूरच्या आवाजाने बहुमताने मान्यता प्रदान करावी.

१) नागपूर महानगरपालिकेच्या व्यय अंदाजपत्रकात मनपा सभागृहा तर्फे सुचविलेल्या दुरुस्त्या तसेच मा. सत्तापक्ष नेता यांनी सुचविलेले प्रस्तावित कामे व फेरबदलाचे पुनर्विनियोजन आणि मुद्रणातील चुकीची दुरुस्ती करण्याचे संपूर्ण अधिकार मा. महापौर यांना प्रदान करण्यास मंजूरी प्रदान करते. त्यानुसार त्यांनी केलेल्या दुरुस्त्या तसेच सुचविलेले प्रस्ताव व राशी यांच्यात फेरबदल आणि पुनर्विनियोजन करून अंतिम अर्थसंकल्पीय अंदाजाच्या महानगरपालिकेच्या अंतिम स्विकृती अर्थसंकल्पात मुद्रीत करण्यात याव्या यासह महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाचे कलम १०० अन्वये सुधारीत

अर्थसंकल्प २०२०-२१ व प्रस्तावित अर्थसंकल्प २०२१-२०२२ च्या अर्थसंकल्पीय अंदाजाच्या अंतिम स्वीकृतीस हया महासभेने मंजूरी प्रदान केली.

२) नागपूर महानगरपालिकेतील विविध विकास कामे विभागाद्वारे प्रस्तावित करण्यात येतात अशा सर्व प्रकरणास प्रशासकीय मान्यता प्रदान करण्याचे महासभेचे संपुर्ण अधिकार स्थायी समितीस देण्यात येते परंतु प्रशासकीय व वित्तिय धोरणात्मक निर्णय ज.से.बी.ओ.टी./पी.पी.पी. किंवा तत्सम धोरणात्मक प्रकारची प्रकरणे प्रशासकीय मान्यतेसाठी महानगरपालिकेस सादर करणे प्रशासनास आवश्यक राहिल यांस महासभेने मंजूरी प्रदान केली.

३) क्षेत्रिय कार्यालयाच्या पदा अंतर्गत ठेवण्यात आलेल्या प्रस्तावित वित्तिय तरतुदीच्या बांधील खर्च वगळून पदशिर्षांचे पुनर्विनियोजन करण्याचे संपुर्ण अधिकार स्थायी समितीला प्रदान करण्यास मंजूरी प्रदान करण्यात येते परंतु प्रभाग समितीस अशा बदलीमुळे दायित्व निर्माण होता कामा नये याची काळजी घेणे आवश्यक राहिल यांस मंजूरी प्रदान केली.

४) प्रस्तावित अर्थसंकल्पात बांधील खर्चाचे पदनिहाय व क्षेत्रिय कार्यालय निहाय तरतुदी विभागाने दिलेल्या माहितीनुसार अर्थसंकल्पात देण्यात आलेल्या आहे. विभागाने पाठविलेली माहिती त्या-त्या विभागाकडे उपलब्ध असल्यामुळे त्या क्रमवारीनुसार बांधील खर्चाचे तरतूद विविध कामांना उपलब्ध करून देण्याचे कार्य त्या-त्या विभागाचे विभाग प्रमुख करावे. त्या चुका होऊ नये याची काळजी विभागाने घ्यावी. जर काही प्रभागातील लोक प्रतिनिधींनी दिलेली कामे व विभागाने जो बांधील खर्च प्रस्तावित केला आहे तो समाविष्ट नसेल तर हे सभागृह प्रशासनास असे निर्देश देते की, यावर्षीच्या प्रस्तावित कामांसाठी ठेवलेल्या राशी मधुन प्राथम्याने बांधील खर्चाला किंवा कामांना प्रथमतः तरतुद उपलब्ध करून द्यावी. त्यानंतर महत्वाचे प्रस्तावित कामांना विभागाने तरतुद उपलब्ध करून प्रस्तावित कामे सक्षम प्राधिकारणाकडून नियमाप्रमाणे मंजूर करून सादर करावी यांस महासभेने मंजूरी प्रदान केली.

५) प्रस्तावित अर्थसंकल्पात मा. सभागृहाकडून अंतीम मंजूरी देण्यात आल्यावर अर्थसंकल्पीय पदाअंतर्गत प्रशासनाने परस्पर फेरबदल करणे किंवा नागरी सुविधांच्या कामांची तरतुद स्थगित करणे हे महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमाचे व नियमांचे उल्लंघन करणे होय. अर्थसंकल्पीय अनुदान गोठवुन ठेवणे हे कायद्याचे तरतुदीनुसार नाही. त्यामुळे ही महासभा आयुक्तास असे निर्देश देते की, अशा प्रकारच्या अंमलबजावणी करण्याच्या पुर्वी अधिनियमानेचे अंमलबजावणी करण्याचे व सोपविण्यात आलेल्या प्राधिकाऱ्याची पुर्वपरवानगी, संमती व मंजूरी घेणे अनिवार्य असेल. यांस महासभेने मंजूरी प्रदान केली.

६) या अर्थसंकल्पांमध्ये विविध पदा अंतर्गत जी कामे राशीसह प्रस्तावित करण्यात आली आहे त्या सर्व विकास कामांना प्रशासकीय मंजूरी प्रदान करावी. या सर्व कामांच्या स्थापत्य व इतर कामे प्रस्तावित करून संपुर्ण राशीसह निविदा काढाव्या व या आर्थिक वर्षात ज्या वित्तिय तरतुदी उपलब्ध करून दिल्या आहे. त्या राशी पर्यंत कार्यदिश राशी या आर्थिक वर्षात सिमीत ठेवावी. तसेच मा. अध्यक्ष, स्थायी समिती यांनी आपल्या अर्थसंकल्पीय भाषणात ज्या-ज्या योजनांचा समावेश केलेला आहे त्या सर्व योजनांना एकमताने मंजूरी प्रदान करावी तसेच यांस महासभेने मंजूरी प्रदान केली.

७) परिशिष्ट-१

विषय :- नागपूर महानगरपालिका व राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ, नागपूर यांच्या संयुक्त विद्यमाने नागपूर महानगरपालिका सीमेतील सार्वजनिक स्थळावरील थोर पुरुषांच्या पुतळ्यांचे आणि स्मृतीस्थळांचे/स्मारकांचे संवर्धन करणेबाबत म.न.पा. सभागृहासमोर धोरणात्मक निर्णय घेण्याकरीता स्थायी समितीद्वारे सादर करण्यात आलेल्या प्रस्तावास मंजूरी प्रदान करण्याचा प्रश्न विचारात घेणे.

प्रस्तावना :-

महाराष्ट्र राज्यातील नागपूर शहर देशातील विकसनशिल शहरात असून या शहराचा अतिशय झपाट्याने विकास होत आहे. उपराजधानीच्या या शहरात नागपूर महानगरपालिका सीमेतील सार्वजनिक स्थळावरील थोर पुरुषांच्या पुतळ्यांची व स्मारकांची निगा व स्वच्छता राखण्याची जबाबदारी नागपूर महानगरपालिकेचे अग्नीशमन विभाग, उद्यान विभाग व संबंधीत झोन कार्यालयद्वारा सद्यस्थितीत पार पाडण्यात येत आहे.

परंतु सार्वजनिक ठिकाणातील थोर पुरुषांचे पुतळ्यांची व स्मारकांची निगा व स्वच्छता राखण्यासंबंधी कामे हे त्या-त्या थोर पुरुषांच्या जयंती व पुण्यतिथी निमीत्त केले जातात व इतर वेळेस थोर पुरुषांचे पुतळे व स्मारके दुर्लक्षित असतात. मा. महापौर महोदयांनी राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ येथे भेट देवून मा. कुलगुरु व प्र-कुलगुरु यांचेशी नागपूरच्या सर्वांगीण विकास संदर्भात चर्चा करतांना नागपूर शहरातील सार्वजनिक ठिकाणातील थोर पुरुषांच्या पुतळ्यांची व स्मारकांची स्वच्छता व निगा राखणे हे कार्य राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठाच्या राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) यांनी सामाजिक दायित्व म्हणून स्विकारावे अशी इच्छा व्यक्त केली. मा. कुलगुरु, राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ, नागपूर यांनी दि.०७/०४/२०२१ रोजी लेखी मान्यता देवून नागपूर महानगरपालिकेसोबत



तत्संबंधी सामंजस्य करार करण्याची इच्छा व्यक्त केली असल्यामुळे यावर योग्य निर्णय घेणे आवश्यक आहे.

नागपूर महानगरपालिका सीमेतील सार्वजनिक स्थळावरील थोर पुरुषांच्या पुतळ्यांची व स्मारकांची निगा व स्वच्छता राखण्याच्या संयुक्त उपक्रमांतर्गत राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपूर विद्यापीठ, नागपूर द्वारा संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) द्वारा सामाजिक दायित्व स्विकारून नागपूर महानगरपालिका सीमेतील सार्वजनिक जागेवरील ६८ पुतळ्यांची व १४ स्मारक स्थळांची स्वच्छता व निगा राखणे हेतू नेमून दिलेल्या महाविद्यालय एकक (युनिट) ला नेमलेल्या दिवशी आठवड्यातून किमान एकदा नागपूर महानगरपालिकेचे सफाई कामगार, अग्नीशमन विभागाचे कर्मचारीचे मदतीने कामे करतील, त्या मोबदल्यात नागपूर महानगरपालिका फक्त ज्या विद्यालयास ज्या थोर पुरुषांच्या पुतळ्यांची स्वच्छता व निगा राखण्याची जबाबदारी दिलेली आहे त्या महाविद्यालयाचे NSS सुनीटचे नाव त्या पुतळ्यासंबंधी स्वच्छता व संवर्धन संदर्भात फलकावर लावणेची व्यवस्था करेल, तसेच संबंधीत थोर पुरुषांच्या पुतळ्यांची व स्मारकांची निगा व स्वच्छता राखण्याचे कार्यासाठी राष्ट्रीय सेवा योजना युनिटच्या सात स्वयंसेवक/स्वयंसेविका यांचा महाविद्यालयतर्फे सहभाग राहील. राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी/उपअधिकारी यांच्या नेतृत्वात आणि संबंधीत प्राचार्यांच्या मार्गदर्शनात ही योजना कार्यान्वित होईल व संबंधीत महाविद्यालयाच्या त्या युनिटमधील सात विद्यार्थ्यांना/विद्यार्थिनींना नागपूर महानगरपालिकेच्या अग्नीशमन प्रशिक्षण विद्यालयाकडून प्रशिक्षण देण्यात येईल.

अशाप्रकारे फायर फायटींगबाबत प्रशिक्षण असलेले जवळपास ५७४ विद्यार्थी दरवर्षी निर्माण होतील व नागपूर महानगरपालिका सीमेत कोणत्याही ठिकाणी आग लागल्यास आगीवर नियंत्रण आणण्याकरीता प्रशिक्षित विद्यार्थ्यांची मदत प्राप्त होईल. संबंधीत विद्यार्थ्यांद्वारा नागपूर महानगरपालिका क्षेत्रातील पुतळ्यांची स्वच्छता व निगा राखण्याची जबाबदारी यशस्वीरीत्या पार पाडल्या गेल्यास अशा विद्यार्थ्यांना नागपूर महानगरपालिकेतर्फे उक्त कामानिमीत्त विशेष प्रमाणपत्र देण्यात येईल.

उक्त उपक्रम राबविण्याकरीता सामंजस्य करार करण्याचा धोरणात्मक निर्णय घेण्याचा तसेच या सामंजस्य करार करण्याचा अधिकार आयुक्त, म.न.पा. यांना देणेबाबतच्या निर्णयास सभागृहाने मंजूरी प्रदान करावी अशी ही स्थायी समिती या मा. महासभेस विनंती करते. यांस मंजूरी प्रदान केली.

#### ८) परिशिष्ट-२

विषय :- थॅलेसेमिया आजार / Sickle Cell Anemia असलेल्या रुग्णांना केंद्र शासनाच्या Sickle Cell Mission Mode Project च्या माध्यमातून नागपूर महानगरपालिका व अशासकीय संस्थांच्या संयुक्त उपक्रमातून योग्य उपचार देणे व जनजागृती करणेबाबत म.न.पा. सभागृहासमोर धोरणात्मक निर्णय घेण्याकरीता स्थायी समितीद्वारे सादर करण्यात आलेल्या प्रस्तावास मंजूरी प्रदान करण्याचा प्रश्न विचारात घेणे.

प्रस्तावना :-

महाराष्ट्र राज्याच्या विदर्भ प्रांतात Sickle Cell Anemia (SCA) चे रुग्णांची संख्या अधिक आहे. तसेच थॅलेसेमिया आजार घेवून दरवर्षी बरेच मुले जन्माला येत आहेत. Sickle Cell Anemia रुग्णांना/थॅलेसेमिया आजार असलेल्या रुग्णांना वेळीच उपचार व नागरीकांना सदर आजाराबाबत जनजागृती होणे हेतू नागपूर शहरात Sickle Cell Anemia करिता केंद्र शासनाच्या Sickle Cell Mission Mode Project च्या माध्यमातून एक केंद्र निर्माण करणे गरजेचे आहे.

केंद्र शासनाच्या उक्त उपक्रमातून प्रति रुग्णांकरीता प्राप्त होणाऱ्या निधीचा वापर करून नागपूर महानगरपालिका व महात्मे आय बँक-आय हॉस्पिटल, नागपूर च्या संयुक्त प्रयत्नातून थॅलेसेमिया आजार असलेल्या रुग्णांचा उपचार व जनजागृती केल्या जाईल.

सदर संयुक्त उपक्रमाकरीता नागपूर महानगरपालिकेतर्फे १३२० चौ.फुट चटई क्षेत्र असलेली इमारत व मनुष्यबळांतर्गत दोन नर्स व एक अटेंडन्ट देणे अपेक्षित आहे व वैद्यकीय तपासणी व सेवा महात्मे आय बँक-आय हॉस्पिटल च्या माध्यमातून केली जाणार आहे. त्याकरीता पाचपावली सुतिका गृह येथील १३२० चौ.फुट बांधकाम क्षेत्रफळाची जागा देणेचे प्रस्तूत आहे. केंद्र शासनाकडून निधी प्राप्त करून घेवून सदर उपक्रम राबविण्याची नागपूर महानगरपालिकेची मनिषा आहे. या धोरणात्मक प्रस्तावास सभागृहाने मंजूरी प्रदान करावी अशी ही स्थायी समिती या मा. महासभेस विनंती करते. यांस मंजूरी प्रदान केली.

#### ९) परिशिष्ट - ३

विषय :- गंमत-जंमत मध्ये (Fun with Science) विज्ञान ज्ञानातून नागपूर महानगरपालिकेच्या शाळेतील विद्यार्थ्यांना अविष्कार घडविण्याची संधी उपलब्ध होण्यास्तव विज्ञान भवन निर्माण करणेबाबत म.न.पा.

सभागृहासमोर धोरणात्मक निर्णय घेण्याकरीता स्थायी समितीद्वारे सादर करण्यात आलेल्या प्रस्तावास मंजूरी प्रदान करण्याचा प्रश्न विचारात घेणे.

प्रस्तावना :-

विज्ञानास घाबरण्याची गरज नाही, विज्ञान समजून व स्विकृत केल्यास, गंमत-जंमत मध्ये विज्ञान संबंधी प्राप्त ज्ञानातून अविष्कार घडविले जावू शकतात असे नागपूर महानगरपालिकेच्या शाळेतील विद्यार्थ्यांकडून अपूर्व विज्ञान मेळाव्याच्या प्रदर्शनीत वैज्ञानिक प्रयोग प्रदर्शित करून सिद्ध करून दाखविलेले आहे. सांस्कृतिक व सामाजिक बदलाच्या मागे नागपूर म.न.पा. ठामपणे उभी असून विविध प्रयोगाच्या माध्यमातून शैक्षणिक, वाडूमयीन व इतर बाबी विद्यार्थ्यांच्या प्रगतीमध्ये वाढ करत असते. या अभिनव प्रयोगातून व ज्ञानातून विद्यार्थ्यांना एक नवीन माध्यम व आकर्षण निर्माण व्हावे हा या मागचा हेतु आहे.

नागपूर महानगरपालिका व असोसिएशन फॉर रिसर्च अँड ट्रेनिंग इन बेसीक सायन्स एज्युकेशन (ARTBSE) च्या संयुक्त उपक्रमातून दरवर्षी पाच दिवसाचा अपूर्व विज्ञान मेळावा (Science Expo) घेण्यात येतो. जवळपास नागपूर महानगरपालिकेचे २०० विद्यार्थी विविध विषयासंबंधी वैज्ञानिक प्रयोग प्रदर्शित करतात व अपूर्व विज्ञान मेळाव्यास विविध शाळेचे जवळपास ५००० विद्यार्थी प्रति दिन भेट देवून विज्ञान बाबत ज्ञान प्राप्त करून घेवून, अपूर्व विज्ञान मेळाव्यात सहभाग घेतलेल्या व अविष्कार प्रदर्शित केलेल्या विद्यार्थ्यांबाबत कुतूहल व्यक्त करतात.

नागपूर महानगरपालिकेचा सुरेंद्रगढ शाळेतील विद्यार्थिनींनी एक सॉटेलाईट निर्माण करून अंतराष्ट्रीय पातळीवर नागपूर महानगरपालिकेचे नाव चमकवून दाखवून दिलेले आहे की, महानगरपालिकेच्या विद्यार्थ्यांना ज्ञान प्रदर्शित करण्यास एक व्यासपिठ मिळाल्यास ते असे अविष्कार घडवू शकतात.

गंमत-जंमत (Fun with Science) च्या माध्यमातून विज्ञानसंबंधी प्राप्त होणाऱ्या ज्ञानातून अविष्कार घडविण्याकरीता नागपूर महानगरपालिकेचे विद्यार्थी सद्यःस्थितीत राष्ट्रभाषा भवनच्या खाजगी जागेत पाच दिवसाच्या अपूर्व विज्ञान मेळाव्याच्या माध्यमातून आपले अविष्कार प्रदर्शित करीत आहेत.

जर नागपूर महानगरपालिकेच्या विद्यार्थ्यांना Fun with Science च्या माध्यमातून ज्ञान प्राप्त करण्याकरीता व प्राप्त ज्ञानातून अविष्कार घडवून वैज्ञानिक प्रयोग प्रदर्शित करणेकरीता कायमस्वरूपी नागपूर महानगरपालिकेद्वारा विज्ञान भवन निर्माण केल्यास नागपूर महानगरपालिकेच्या शाळेतील विद्यार्थ्यांचे वैज्ञानिक ज्ञान जगासमोर येईल.

पूर्व नागपूर क्षेत्रातील गरोबा मैदान येथील बंद पडलेल्या व क्षतिग्रस्त अवस्थेत असलेली शाळा इमारत पाडून कायमस्वरूपी विज्ञान भवन CSR निधी प्राप्त करून घेवून निर्माण करणेची नागपूर महानगरपालिकेची मनिषा आहे. करीता गरोबा मैदानमधील बंद पडलेल्या शाळेला पाडून टाकण्यास या महासभेने मंजूरी प्रदान करावी तसेच या धोरणात्मक प्रस्तावास सभागृहाने मंजूरी प्रदान करावी अशी ही स्थायी समिती या मा. महासभेस विनंती करते. यांस मंजूरी प्रदान केली. १०) अर्थसंकल्पीय चर्चे मध्ये ज्या-ज्या सन्माननिय सदस्यांनी उत्पन्न वाढविण्याच्या दृष्टीने ज्या सूचना दिलेल्या आहे तसेच विविध नागरी सुविधा कामांच्या संदर्भात सूचना दिलेल्या आहे त्यावर प्रशासनाने योग्य ती अंमलबजाणी करून उत्पन्न वाढविण्याच्या दृष्टीने व नागरी सुविधा देण्याच्या दृष्टीने योग्य ते प्रस्ताव सक्षम प्राधिकरणाकडे लवकरात लवकर सादर करावे असे निर्देश महानगरपालिका देते. यांस महापालिकेने मंजूरी प्रदान केली.

११) महापौर जीवनावश्यक औषधी अधिकोष गरीब व गरजू रुग्णांचे औषध पुरवठा करण्याकरीता आवश्यक ते निकष ठरविण्याकरीता समिती गठीत करण्याचे अधिकार मा. महापौर यांना प्रदान करण्यात यावे. यांस मंजूरी प्रदान केली.

१२) महापौर जीवनावश्यक वैद्यकीय साधन सामुग्री अधिकोष गरजू रुग्णांच्या व नागरीकांच्या लोकहितामध्ये ज्या संस्था शहरात या क्षेत्रात कार्य करीत आहे अशा सर्वांची व महानगरपालिका सदस्यांची एक शिखर समिती (Apex Committee) तयार करून गरजू लोकांना आवश्यक त्यावेळी वैद्यकीय साधन सामुग्री नाममात्र दरावर उपलब्ध करून देण्यासाठी आवश्यक ते निकष ठरविण्याकरीता समिती गठीत करण्याचे अधिकार मा. महापौर यांना प्रदान करण्यात यावे. यांस मंजूरी प्रदान केली.

१३) शहरातील ज्येष्ठ नागरिकांना सुविधा उपलब्ध करून देण्यासाठी जी योजना या अर्थसंकल्पात स्थायी समितीने प्रस्तावित केलेली आहे त्या योजनेत स्व. मा. गो. वैद्य ज्येष्ठ नागरिक सुविधा प्रकल्प असे नाव देण्यास मंजूरी प्रदान केली.

१४) नागपूर महानगरपालिकेचा मालमत्ता कर हा महत्वाचा प्रमुख उत्पन्नाचा स्रोत आहे. या महामारीच्या काळात शहरातील नागरिकांना मालमत्ता कर भरण्याकरीता प्रोत्साहीत करण्यासाठी महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियमान्वये

(१) चालू आर्थिक वर्षाच्या पुर्वी मालमत्ता कराची रक्कम महानगरपालिकेच्या निधीत ३० जुन पर्यंत जमा केल्यास सामान्य कराच्या रक्कमेत १० टक्के सुट देण्यास महानगरपालिकेच्या सभागृहाने मंजूरी प्रदान केली. आणखी असे की, ज्या शहरातील नागरिकांनी १ एप्रिल ते आज पर्यंत मालमत्ता कर भरणा केलेला आहे अशा सर्व नागरिकांना त्यांच्या

करांमधून ही सुट देण्याचा महानगरपालिका निर्णय घेत असून ज्या कराचा भरणा त्यांनी केलेला आहे त्यांची सुट पुढील वर्षाच्या कर देयकातून कमी करून पुढील आर्थिक वर्षाच्या देयकामध्ये त्यांचे समायोजन करावे यांस महानगरपालिकेने मंजूरी प्रदान केली.

(२) चालू आर्थिक वर्षाच्या पुर्वी मालमत्ता कराची रक्कम महानगरपालिकेच्या निधीत ३१ डिसेंबर पर्यंत जमा केल्यास सामान्य कराच्या रक्कमेत ५ टक्के सुट देण्यास महानगरपालिकेच्या सभागृहाने मंजूरी प्रदान केली.

१५) महाराष्ट्र शासनाच्या दिनांक ३० जानेवारी, २०१९ च्या अध्यादेशाप्रमाणे राज्य शासनाच्या कर्मचाऱ्यांना ७ व्या वेतन आयोगाच्या शिफारसी लागू करण्यात आलेल्या आहेत त्याच धर्तीवर व प्रचलित पद्धतीनुसार नागपूर महानगरपालिकेच्या या सभागृहास ही स्थायी समिती शिफारस करते की, नागपूर महानगरपालिकेतील अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक व सेवानिवृत्ती वेतनधारक प्रवर्ग राज्य शासनाने ठरवून दिलेल्या राज्य राजपत्रातील धोरणानुसार, व्याख्या, अटी व शर्तीच्या अधीन राहून ७ व्या वेतन आयोगाच्या शिफारसी दिनांक, १ जानेवारी २०१६ पासून काल्पनिक वेतन वाढ ( Notional Increments ) देवून व सुधारीत वेतन निश्चिती करून मात्र प्रत्यक्ष वेतनामध्ये माहे १ ऑगस्ट, २०१९ पासून (ऑगस्ट पेड इन सप्टेंबर, २०१९) अंमलात येईल तसेच दिनांक १ जानेवारी, २०१६ ते ३१ जुलै, २०१९ पर्यंतच्या कालावधीची कोणत्याही प्रकारची थकबाकी अनुज्ञेय राहणार नाही. या प्रस्तावास ही स्थायी समिती मनपा सभागृहास मंजूरी प्रदान करण्याबाबत विनंती करित आहे. या स्थायी समिती सादर केलेल्या प्रस्तावित म.न.पा. सभागृहाने मंजूरी प्रदान केली. या महासभा ठराव क्र. ४०९ दि. २८/०६/२०१९ च्या ठरावाचे नियमानुसार कार्यान्विकरण झाले असून याच आधारावर राज्य शासनाने ७ वा वेतन आयोग लागू करण्याच्या शिफारसींना मान्यता दिलेली आहे. त्यामुळे सेवानिवृत्ती वेतन धारकांना ठरावप्रमाणे सेवानिवृत्ती वेतन देण्यास मंजूरी प्रदान केली.

अशा रितीने नागपूर महानगरपालिकेचे सन २०२०-२०२१ चे सुधारीत व सन २०२१-२०२२ चे प्रस्तावित अंदाजपत्रकात “अ” व “क” स्थायी समिती ठराव क्र. ०९ दि. १७/०३/२०२१ प्रस्तावित अर्थसंकल्प परिवहन समिती “ब” स्थायी समिती ठराव क्र. ३० दि. २१/०५/२०२१ अन्वये मा. सभापती, स्थायी समिती यांना दिलेल्या अधिकारानुसार सन २०२०-२०२१ चे सुधारीत व सन २०२१-२०२२ चे प्रस्तावित अर्थसंकल्पातील आयुक्त द्वारा प्रस्तावित अर्थसंकल्पातील आवश्यक बाबी लक्षात घेवून अर्थसंकल्पात योग्य अशा फेरफाराच्या व यामध्ये करावयाच्या वाढीसह आणि दुरुस्तीसह महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम ९६(४) तसेच परिवहन समितीद्वारा प्रस्तावित आवश्यक त्या अभिप्राय व शिफारसीसह महाराष्ट्र महानगरपालिका अधिनियम कलम ९८(३) अन्वये म.न.पा. सभागृहाकडे प्रस्तावित “अ”, “क” आणि “ब” अर्थसंकल्पीय अंदाजाच्या अंतिम स्विकृतीचा प्रश्न सभागृहाने विचारात घेऊन मा. सत्तापक्ष नेता श्री अविनाश ठाकरे यांनी केलेल्या खालील सूचनेसह हा विषय मंजूर करण्यात येतो. या मा. महापौरजी यांनी केलेल्या घोषणेस सभागृहाने मंजूर मंजूरच्या आवाजाने बहुमताने मान्यता प्रदान केली.

यानंतर राष्ट्रगीत होवून सभेची कार्यवाही अनिश्चित काळाकरिता स्थगित करण्यांत आली.

निगम सचिव  
नागपूर महानगरपालिका, नागपूर

महापौर  
नागपूर महानगरपालिका, नागपूर